

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 96] No. 96] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 4, 2014/चैत्र 14, 1936

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 4, 2014/CHAITRA 14, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) (पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिस्चना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2014

अंतिम जांच परिणाम

विषय:- ताइवान, चीन जन.गण,इंडोनेशिया, जापान, कोरिया आरपी, मलेशिया, थाइलैंड और यूएसए में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित पालिविनायल क्लोराइड (पीवीसी) सस्पेंशन ग्रेड के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच-अंतिम जांच परिणाम।

फा. सं.21/29/2011-डीजीएडी.— यत:, समय-समय पर यथासंशोधित, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित, सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनपर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षित निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने ताइवान, चीन जन.गण, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया आरपी, मलेशिया, थाइलैंड और यूएसए में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित पालीविनायल क्लोराइड (पीवीसी) सस्पेशन ग्रेड के कथित पाटन के सम्बंध में पाटनरोधी जांच 28 जून, 2006 को प्रारंभ की थी और ताइवान, चीन जन.गण इंडोनेशिया, जापान, कोरिया आर पी मलेशिया, थाईलैंड और यूएसए से पालीविनायल क्लोराइड (पीवीसी) सस्पेंशन ग्रेड के आयातों पर प्राधिकारी द्वारा दिनांक 26 दिसम्बर, 2007 की अधिसूचना संख्या 1/8/2006-डीजीएडी के तहत जारी अंतिम जांच परिणाम के आधार पर दिनांक 23 जनवरी, 2008 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं.11/2008-सीमाशुल्क के तहत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया गया था।

2. और यत: मैसर्स डीसीडब्ल्यू लिमिटेड (डीसीडब्ल्यू), केमप्लास्ट सन्मार लिमिटेड (केमप्लास्ट), रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और डीसीएम कन्सालिडेटेड लिमिटेड (डीसीएम) (जिन्हें एतद्पश्चात याचिकाकर्ता कहा गया है) ने पाटनरोधी नियमावली और अधिनियम के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदनपत्र ताइवान, चीन जन.गण इंडोनेशिया, जापान, कोरिया आरपी, मलेशिया, थाइलैंड और यूएसए में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड रेजिन के सतत पाटन का आरोप लगाते हुए दायर किया

(1)

1551 GI/2014

और पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, उसकी निरंतरता और उसमें संवृद्धि करने का अनुरोध किया है। इस तथ्य से संतुष्ट होते हुए कि याचिकाकर्ताओं ने समीक्षा की जरुरत के लिए साक्ष्यांकन किया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह जांच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने से पाटन या क्षति की निरंतरता अथवा पुनरावृत्ति हो सकती है, भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 05 अक्तूबर, 2012 को प्रकाशित अधिसूचना सं.21/29/2011-डीजीएडी के तहत निर्णायक समीक्षा प्रारंभ करना उपयुक्त समझते हैं।

- 3. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:
- क. प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करते हुए दिनांक 5 अक्तूबर, 2012 को सार्वजनिक अधिसूचना सं.21/29/2011-डीजीएडी जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।
- ख. प्राधिकारी ने दिनांक 5 अक्तूबर, 2012 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रक्रिया सम्बद्ध देशों के राजदूतावासों, सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रेषित की। इस जांच से जुड़े पक्षकारों से अनुरोध किया गया कि वे प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करे और निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रुप में अवगत करायें। निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावलियों की प्रतियां सम्बद्ध देशों के राजदूतावासों को ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित इस अनुरोध के साथ प्रेषित की गई कि वे सम्बद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को यह सुझाव दें कि वे विहित समय के अंदर प्रश्नावलियों का प्रत्युत्तर प्रेषित करें।
- ग. प्राधिकारी ने आवेदन पत्र के अगोपनीय पाठ की प्रतियां प्रमुख नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों और/या निर्यातकों तथा सम्बद्ध देशों के राजदूतावासों को प्रदान कराईं। आवेदन पत्र के अगोपनीय पाठ के एक प्रति, अनुरोध करने पर, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलबध कराईं गई।
- घ. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में सम्बद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों और/या उपभोक्ताओं को प्रेषित की और उन्हें सुझाव दिया कि वे संगत सूचना प्रदान करायें और नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रुप में अवगत करायें।
- ड. प्राधिकारी ने संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रश्नावलियां नियम 6(4) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों सहित सम्बद्ध देशों की सरकारों को प्रेषित कीं।
- च. निर्णायक समीक्षा में प्रतिभागिता करने के लिए भारी संख्या में अनुरोध को देखते हुए चीन जन गण में सम्बद्ध वस्तु के सभी ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों को (डब्लूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद-6.10 और पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) के परंतुक में उल्लिखित शर्तों के अनुसार) इस अनुरोध के साथ प्रेषित की वे भारत को उनके द्वारा निर्यात की गई सम्बद्ध वस्तु की मात्रा और मूल्य से संबंधित आधारभूत जानकारी (सैम्पलिंग प्रश्नावली) प्रदान करायें जिससे की समीक्षा के लिए चुने जाने वाले प्रतिवादियों की संख्या को सीमित किया जा सके। व्यक्तिगत समीक्षा के लिए प्रतिवादियों का चयन करने में इस बात का ख्याल रखा गया कि जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात मात्रा के रुप में सबसे बड़े निर्यातक/उत्पादक का चयन किया जाए। इस पत्र का प्रत्युत्तर चीन जन गण के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से प्राप्त हुआ।
 - i. जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड
 - ii. यिविन टियानयुयान ग्रुप कंपनी लिमिटेड
 - iii. क्यूंगडाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड
 - iv. इनर मंगोलिया सनलियान कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड
 - v. टियानजिन एलजी डाग् कैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - vi. टियानजिन डागृ कैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - vii. शैनडोंग ओसन आयात-निर्यात कंपनी लिमिटेड
 - viii. जिन्जियांग झोंगताई कैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - ix. तंगसांन शैनयू क्लोर-अल्कलाइ कंपनी लिमिटेड
 - x. चिपिंग जिनफा पीवीसी कंपनी लिमिटेड
- छ. निर्यात की सबसे बड़ी मात्रा की प्रतिशतता का सुनिश्चयन करने के लिए आंकड़ों की जांच की गई जिससे कि तर्क संगत ढंग से जांच की जा सके। यह पाया गया कि चोटी के चार बड़े निर्यातक उन सभी निर्यातकों की कुल मात्रा का 82 प्रतिशत निर्यात करते है जिन्होंने नमूना प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया गया है। अत: मात्रा के रुप में चोटी के चार उत्पादकों/निर्यातकों पर विचार करना चीन जन गण से निर्यात करने वाले सभी निर्यातकों को प्रलक्षित कर देगी, इसलिए नमूने में केवल निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों को ही शामिल करने का प्रस्ताव किया गया।
 - जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड
 - ii. यिविन टियानयूयान ग्रुप कंपनी लिमिटेड
 - iii. क्युंगडाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड
 - iv. इनर मंगोलिया सनलियान कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड

- ज. चूंकि प्राधिकारी द्वारा प्रस्तावित नमूना प्रक्रिया के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर किसी भी हितबद्ध पक्षकार से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई इसलिए उल्लिखित चार नमूना कृत उत्पादकों और निर्यातकों से अनुरोध किया गया कि वे निर्यातक प्रश्नावली, एमईटी प्रश्नावली तथा अतिरिक्त निर्णायक समीक्षा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर निर्धारित स्वरुप और ढंग में विहित समय सीमा के अंदर दायर करें।
- झ. निम्नलिखित उत्पादकों /निर्यातकों में भी प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया था:
 - i. ट्रिकान ओवरसीज, इंक, यूएसए (निर्यातक)
 - ii. ट्रिकान ड्राई कैमिकल्स एलएलसी, यूएसए (निर्यातक)
 - ііі. वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन, यूएसए, यूएसए (उत्पादक एवं निर्यातक)
 - iv. वेस्टलेक कैमिकल कारपोरेशन, यूएसए (उत्पादक एवं निर्यातक)
 - v. मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, यूएसए (उत्पादक)
 - vi. फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, ताईवान (उत्पादक)
 - vii. ओसन प्लास्टिक्स कंपनी, लिमिटेड, ताईवान (उत्पादक)
 - viii. ट्रिकान एनर्जी युके लिमिटेड, युके (निर्यातक)
 - ix. एलजी कैम लिमिटेड, कोरिया (उत्पादक एवं निर्यातक)
 - x. हानवा कैमिकल कारपोरेशन, कोरिया (उत्पादक एवं निर्यातक)
 - xi. मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी, लिमिटेड, ताईवान
 - xii. मैसर्स शिनटेक इनकारपोरेटेड
 - xiii. सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन (''सीजीपीसी पोलिमर"), ताईवान
 - xiv. चीन जनरल प्लास्टिक्स कारपोरेशन (''सीजीपीसी"), ताईवान
 - xv. ताईपेई इकनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर, दिल्ली
 - xvi. आईसीसी कैमिकल कारपोरेशन (निर्यातक)
- ञ. ज्ञात आयातकों या उपभोक्ताओं को भी प्रश्नावलियां नियम 6 (4) के अनुसार सूचना प्रदान कराने के लिए प्रेषित की गई।
- ट. भारत में सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं को प्रश्नावलियां पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए प्रेषित की गई:

3.	शालीमार रेक्सीन इंडिया लिमिटेड प्रथम तल, गुम्मम चैम्बर्स, 67, गणेश पेठ, पुणे-411002, महाराष्ट्र दि सुप्रीम इंड्रस्ट्रीज 17/18, शाह इंड्रस्ट्रियल एस्टेट वीरा देसाई	4	फिनोलेक्स ग्रुप, फिनोलेक्स ग्रुप, डी-1/10, एमआईडीसी, चिंचवाड़, पुणे कृष्णा विनायल्स ग्रुप, वेलागांव ग्राम, बोइसर (पूर्व), मुम्बई
5	रोड, अंधेरी (पश्चिम) मुम्बई-400053	6	
	जैन इरिगेशन सिस्टम्स, जैन हाऊस, पुलिस कोर्ट लेन, फोर्ट, मुम्बई-400001	6	प्रिंस ग्रुप, प्रिंस आर्केड, सी-10, सेन्चुरी रोड, मारोल एमडीसी, अंधेरी, मुम्बई-400093
7	कल्पना इंडस्ट्रीज, 2/बी, प्रिक्टोना स्ट्रीट, कोलकाता-700071	8	कासमास कारपोरेशन जय गुरुदेव कम्पलेक्स, दुकान सं.सी-4, भूतल, भिवांडी
9	पालीट्रयूजन प्राइवेट लिमिटेड 1-बी, ग्लेनडेन प्लेस, 813, पूनमअल्ली हाई रोड, किलपौक, चैन्नई -600010	10	पालीकैब केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, हिक्को हाऊस, नार्थ बिंग, प्रथम तल, 771, पंडित सतवालेकर मार्ग, माहिम, मुम्बई-400016

11	चंदूभाई ग्रुप संख्या 58, भारतीसासन स्ट्रीट, मुथलापेट, चैन्नई	12	जे पी ग्रुप, 4314/5, जय माता मार्ग, त्री नगर, नई दिल्ली-110035
13	रायल कुशन विनायल प्रोडक्ट प्लाट सं.9, नेशनल एवेन्यू के पीछे, आकृति रोड, मंडीवली (ईस्ट) मुम्बई-400001	14	किसान ग्रुप टेक्स सेंटर, के.विंग तृतीय तल, 26-ए चांदीवाली रोड, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-400059
15	गोल्डन ग्रुप ई-5, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, नई दिल्ली-110064	16	प्रिमियर पोलीफिल्म लिमिटेड 40/1क, साईट-4, औद्योगिक क्षेत्र, साहिबाबाद, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
17	वी के गांधी ग्रुप, 10/60, औद्योगिक क्षेत्र, कीर्ति नगर नई दिल्ली	18	ओमेगा उद्योग 605, कृष्णा अपार्टमेंट सेक्टर-18, नोएडा, उत्तर प्रदेश
19	फाइन फ्लो प्लास्टिक इंडस्ट्रीज 403 स्ट्रील सेंटर, अहमदाबाद रोड, कर्नाक बंदर, मस्जिद, मुम्बई-400009	20	कृति इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड चेतक चैम्बर्स, 14, आर एन टी मार्ग, इंदौर, मध्य प्रदेश-452001
21	सिगनेट ओवरसीज लिमिटेड, 114-116, ट्रेड हाऊस, 14/3, साऊथ तुकोगंज, इंदौर, मध्य प्रदेश	22	बी के पोलीकोटस लिमिटेड फ्लैट सं.70, 7वां तल हंसालय भवन, 15 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001
23	एवन प्लास्टिक्स ग्रुप सं.7/1, चौथा ग्रास, पडरायनपूरा, मैसूर रोड क्रास, बंगलौर-560026	24	केएलजे ग्रुप केएलजे हाऊस, राणा मार्ग, निकट कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015
25	कैपिर्हंस इंडिया लिमिटेड डी ब्लाक, शिवसागर, डॉ. ऐनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुम्बई-400018	26	पार पेट्रोकेम लिमिटेड, पेट्रो हाऊस, 1206, प्रथम तल, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली
27	सुधारकर ग्रुप बलराम टांडा निकट औद्योगिक क्षेत्र, सूर्य पेट, जिला नयगोंडा, आंध्र प्रदेश-500001	28	सुरेंद्र कामर्सियल 14-रायड स्ट्रीट कोलकाता

29	एम एम प्लास्टिक्स भवन सं. 26/779 पंत नगर, खाटकोपर (पूर्व), मुम्बई	30	के एस प्लास्टिक्स 22क, सदर बाजार, नई दिल्ली
31	डीलक्स करन इम्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड 321, सिद्धि विनायक हाऊसिंग सोसाइटी, भिवांडी	32	आसू केंपोप्लास्ट दुकान सं.907 नेताजी सुभाष प्लेस पीपी टावर, पीतमपुरा, नई दिल्ली -110034
33	डूट्रान प्लास्टिक्स डूट्रान हाऊस मीठाखली अंडरब्रिज, नवरंगपुरा, अहमदाबाद, गुजरात- 380006	34	प्रिफिंटक्राफ्ट 16-क/19-डब्लूईए, अजमल खां रोड, करोल बाग, नई दिल्ली
35	आदित्य इंडस्ट्रीज 5, खोसला क्रास लेन, प्रथम तल, निकट पैधूनी, मस्जिद बदर, मुम्बई-400003	36	ज्वैल पोलिमर्स सी-636, डीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र, नरेला, दिल्ली
37	फैन्सी पोलिमर्स प्रा. लिमिटेड सी-3, स्थानीय शापिंग सेंटर, पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057	38	वर्षा कारपोरेशन ए/3-जी, मालाड औद्योगिक क्षेत्र, मालाड, मुम्बई
39	मैक्स इम्पैक्स 30/44, गली नं.7, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली	40	ओरीप्लास्ट लिमिटेड 9/क, वुड स्ट्रीट कोलकाता-700016
41	अमीषा विनायल्स प्रा. लिमिटेड ए-21, सीताराम भवन, कोलकाता-700016	42	नोवेली क्रेडिट्स प्रा. लिमिटेड 4316/17, तृतीय तल, सैनी मार्केट, नई दिल्ली
43	डी आर पोलिमर्स लिमिटेड सी-24, मानसरोवर गार्डन, डी आर काम्पलेक्स, नई दिल्ली-110015	44	सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड प्लास्टिक डिवीजन कालोक (एनजी) कालोल, मेहसाणा, गुजरात
45	शंखला इंडस्ट्रीज प्रथम तल रेस कोर्स रोड, बंगलौर कर्नाटक-560001	46	शांति लाल महेन्द्र कुमार 23, गुरुकृपा अपार्टमेंट्स एचसी केलकर रोड, दादर, मुम्बई

		1	
47	सैम पोलिमर्स 115/4क, विद्युत, निकट आरबीआई कालोनी, शालीमार बाग, नई दिल्ली	48	प्रकाश इंडस्ट्रीज निकट आईओसीएल डिपो, बृजवासन, नई दिल्ली-110061
49	आर एस ओवरसीज प्रा. लिमिटेड एफ-31, प्रथम तल, भगवंत सिंह मार्ग, 3003, बहादुरगढ़ रोड, नई दिल्ली	50	इनकाम केबल्स प्रा. लि. सी-46, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, नई दिल्ली
51	डायमंड पाइप एंड टयूब्स 7वां क्रास विलसन गार्डन, बंगलौर, कनार्टक-560027	52	चैतन्या इम्पोजेनेक्स चिकाल हाऊस 146-ख, प्रिंसेस स्ट्रीट, मुम्बई
53	तिरुपति ग्रुप, प्लाट सं. 81, फंक्सन औद्योगिक क्षेत्र, पटपड़गंज, नई दिल्ली-110092	54	अपोलो पाइप्स ए-90 नारायणा आद्योगिक क्षेत्र, दिलली-110052
55	हैवल्स इंडिया हैवल्स इंडिया ई-1, सेक्टर-59, नोएडा, उत्तर प्रदेश	56	ओसवाल केबल प्रोडक्टस लि. ए-93/1 वजीरपुर ग्रुप औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली-110052
57	मेघा इंडस्ट्रीज दुकान सं.9/96, शासीन गली विश्वास नगर, दिल्ली-92	58	एसोसिएटेड कैपसुल्स लिमिटेड कल्पतरु सोसाइटी 289-2, महात्मा फुले पेठ, टिम्बर मार्केट रोड, पुणे

- ठ. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं को पाटन, क्षिति और कारणत्व से संबंधित इस जांच से संगत समझी गई सूचना प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। किसी भी आयातक ने आयातक प्रश्नावली में प्रत्युत्तर दायर नहीं किया और इसलिए उन्हें इस जांच में असहयोगकर्ता के रुप में माना गया है। तथापि, निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने सम्बद्ध समीक्षा जांच से संबंधित टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं जिनकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है।
 - 1. संखला इंडस्ट्रीज
 - 2. मनीष पैकेजिंग प्रा. लि.
 - 3. डाबरिया एगलोमरेट्स प्रा. लि.
 - 4. एवीआई ग्लोबल प्लास्ट
 - 5. सुधाकर पीवीसी प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
 - 6. कल्पना इंडस्ट्रीज
 - 7. ओसवाल केबल प्रोडक्टस
 - 8. अखिल भारतीय प्लास्टिक विनिर्माता एसोसिएशन (एआईपीएमए)
 - 9. प्रिंस पाइप्स एंड फिटिंग्स प्रा. लि., मुम्बई
 - 10. डुट्रान प्लास्टिक लि.
 - 11. कूलडेक अक्वा सोल्युसन्स प्रा. लि.
 - 12. जैन इरिगेशन सिस्टम प्रा. लि.
 - 13. किसान मोल्डिंग्स प्रा. लि.
 - 14. संदीप आर्गेनिक्स प्रा. लि.

- ड. मैसर्स टियानजिन डागू कैमिकल कंपनी, चीन जन गण से चीन के उत्पादकों और निर्यातकों से प्रत्युत्तर स्वीकार करने के लिए एक पत्र प्राप्त हुआ था। उस पत्र में यह प्रस्तुतिकरण किया गया कि आवेदक मूल जांच में सहयोगकर्ता पक्षकार था और उन्होंने व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्राप्त किया गया था। इस पत्र की जांच की गई और यह नोट किया गया कि चीन जन गण, ताइवान, यूएसए आदि से पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी निर्णायक समीक्षा जांच शुरुआत करते हुए प्राधिकारी ने दिनांक 5 अक्तूबर, 2012 को एक सार्वजिनक सूचना जारी की थी और चूंकि इस जांच में प्रतिभागिता करने के लिए चीन जन गण के भारी संख्या में उत्पादकों/निर्यातकों से अनुरोध प्राप्त हुए थे इसलिए प्राधिकारी ने न्यादर्श का आयोजन किया। अत: यह नोट किया गया कि प्राधिकारी ने एक नमूने का चयन पहले ही कर लिया था और उसमें मैसर्स टियानजिन डागू कैमिकल कंपनी लिमिटेड को उसमें शामिल नहीं किया था। प्राधिकारी द्वारा सैम्पल तैयार कर लिये जाने के पश्चात सैम्पल किये गये उत्पादकों/निर्यातकों की सूची में शामिल उन सभी को पत्र प्रेषित किया गया जिन्होंने न्यादर्श प्रश्नावली में उनके लिए की गई टिप्पणियों पर प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया था। तथापि, रिकार्ड से यह नोट किया जाता है कि टियानजिन डागू कैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर किया गया आवेदन पत्र चीन जन गण से सैम्पल न किये गये उत्पादक/निर्यातक का आवेदन पत्र है इसलिए उस पर विचार नहीं किया गया।
- ढ. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से सम्बद्ध वस्तु के पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के दौरान हुए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना पर वर्तमान प्रकटन विवरण में भरोसा किया गया है।
- ण. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को प्रासंगिक सूचना मौखिक रुप से प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान करने हेतु दिनांक 1 मई, 2013 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जिसमें घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया था। सार्वजनिक सूचना में भाग लेने वाले पक्षकारों को यह सुझाव दिया गया कि वे मौखिक रुप से प्रस्तुत की गई सूचना का लिखित प्रस्तुतिकरण करें। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभिव्यक्त विचारों पर प्रत्युक्ति प्रस्तुतिकरण प्रदान करने का अवसर भी दिया गया। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित प्रस्तुतिकरणों और प्रत्युक्तियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में, जहां कहीं प्रासंगिक समझा गया, विचार किया गया है।
- त. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान करायी गयी सूचना/साक्ष्य तथा उठाये गये तर्को पर इस जांच में प्रासंगिक समझी गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त ढंग से विचार किया गया है।
- थ. प्राधिकारी ने जांच की प्रक्रिया के दौरान प्रदान करायी गई उस सूचना की यथार्थता की जांच की जिसपर यह प्रकटन आधारित है। इस प्रयोजन के लिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा सहयोगकर्ता उत्पादक/निर्यातक का आवश्यक एवं संगत समझी गयी सीमा तक स्थल सत्यापन का आयोजन किया।
- द. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्य का अगोपनीय पाठ प्राधिकारी द्वारा अनुरक्षित एक सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध कराया जिसे नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के लिए खुला रखा गया।
- ध. भारत में सम्बद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और बिक्री एवं विनिर्माण लागत का आकलन करने के लिए सामान्यत: स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर लागत जांच का आयोजन किया गया ताकि यह निश्चित हो सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार किया गया है।
- न. यह जांच 1 अप्रैल, 2011 से प्रारंभ करके 31 मार्च, 2012 (12 माह) तक की अवधि के लिए आयोजित की गई है और उसे जांच की अवधि अथवा पीओआई के रुप में उल्लिखित किया गया है। तथापि क्षित विश्लेषण के संदर्भ में वर्ष 2008-09, 2009-10, 2010-11 और जांच की अवधि की प्रवृत्तियों की जांच को भी शामिल किया गया है।
- प. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस जांच की प्रक्रिया के दौरान किसी सूचना तक पहुंच को मना किया है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में भारी अवरोध उत्पन्न किया है वहां प्राधिकारी ने अपने जांच परिणाम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रिकार्ड किये है।
- फ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता की पर्याप्तता के दावे के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता की स्वीकृति दे दी और ऐसी सूचना को गोपनीय के रुप में माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया कि गोपनीय आधार पर दर्ज करायी गई सूचना का, जहां कहीं संभव हो, पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करें।
- ब. प्रमुख नियमों के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी के इस निर्णय के लिए विचारे गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन विवरण के ढंग से किया गया और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है। प्रकटन विवरण पर निम्निखित हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां प्राप्त हुई है:

- 1. घरेलू उद्योग
- 2. मैसर्स सीपीएमए
- 3. अखिल भारतीय प्लास्टिक विनिर्माता एसोसिएशन (एआईपीएमए)
- 4. कोरिया आरपी गणराज्य का राजदूतावास
- 5. ट्रिकोन ओवरसीज इंक., यूएसए (निर्यातक)
- 6. ट्रिकान ड्राई कैमिकल्स एलएलसी, यूएसए (निर्यातक)
- 7. वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन, यूएसए, यूएसए (उत्पादक एवं निर्यातक)
- 8. वेस्टलेक कैमिकल कारपोरेशन, यूएसए (उत्पादक एवं निर्यातक)
- 9. मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, यूएसए (उत्पादक)
- 10. फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, ताईवान (उत्पादक)
- 11. ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड, यूके (निर्यातक)
- 12. एलजी कैम लिमिटेड, कोरिया (उत्पादक एवं निर्यातक)
- 13. हानवा कैमिकल कारपोरेशन और हानवा कारपोरेशन, कोरिया आरपी (उत्पादक एवं निर्यातक)
- 14. सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन (''सीजीपीसी पोलिमर"), ताईवान
- 15. चीन जनरल प्लास्टिक्स कारपोरेशन (''सीजीपीसी''), ताईवान
- 16. ताईपेई इकनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर, दिल्ली
- 17. चीन क्लोर अल्कलाई इंडस्ट्री एसोसिएशन चीन जन.गण (जिसे एतद्पश्चात 'सीसीएआईए" कहा जाएगा)
- 18. कोरिया आरपी गणराज्य का राजदूतावास
- भ. *** एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए प्राधिकारी द्वारा उसपर नियमों के अंतर्गत गुणावगुण आधार पर उसी तरह विचार किया गया है।
- म. केन्द्रीय सरकार ने डीजीएडी के अनुरोध पर जांच पूरी करने और अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित करने के लिए समय अवधि 4 अप्रैल, 2014 तक बढ़ा दी है।
- य. इस जांच अवधि में अमरीकी डालर को भारतीय रुपये में परिवर्तित करने के लिए विनिमय दर सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 48.14 रुपये मानी गयी है।

क. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

4. वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद, विनायल क्लोराइड मोनोमर (सस्पेंशन ग्रेड) का होमोपोलिमर है, जिसमें विभिन्न पोलिमर श्रृंखलाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई नहीं है और जो सीमाशुल्क वर्गीकरण उपशीर्षक 3904 के अंतर्गत आता है तथा जो पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के रुप में माना जाता है। विचाराधीन उत्पाद में विसंविदा पीवीसी सस्पेंशन रेजिनों जैसे क्रास लिंक्ड पीवीसी, क्लोरीनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनायल क्लोराइड-विनायल एसीटेट कोपोलिमर (वीसी-वीएसी), पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन का अपवर्जन किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद का उल्लेख 'पोली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) रेजिन सस्पेंशन ग्रेड" या 'पीवीसी सस्पेंशन रेजिन" या 'सम्बद्ध वस्तु' के रुप में किया गया है। चूंकि वर्तमान जांच इस समय प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए इस जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहेगा जो मूल जांच में था। इस विचाराधीन उत्पाद का अनन्य एचएस कोड नहीं है और आयातों की निकासी 3904 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न एचएस कोडों के अंतर्गत की जाती है। तथािप, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रुप में वर्तमान जांच के दायरे और प्रस्तावित उपायों पर बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग के विचार

- 5. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये है:
- क. प्राधिकारी ने मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में उठाये गये मुद्दे का निपटारा किया है।
- ख. चूंकि वर्तमान जांच मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है इसलिए विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रखा जाना अपेक्षित है जो मूल जांच में था।
- ग. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु तथा भारत में निर्यातित सम्बद्ध वस्तु दोनों समान वस्तु है।

आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 7. वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद, विनायल क्लोराइड मोनोमर (सस्पेंशन ग्रेड) का होमोपोलिमर है, जिसमें विभिन्न पोलिमर श्रृंखलाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई नहीं है और जो सीमाशुल्क वर्गीकरण उपशीर्षक 3904 के अंतर्गत आता है तथा जो पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के रुप में माना जाता है। विचाराधीन उत्पाद में विसंविदा पीवीसी सस्पेंशन रेजिनों जैसे क्रास लिंक्ड पीवीसी, क्लोरीनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनायल क्लोराइड-विनायल एसीटेट कोपोलिमर (वीसी-वीएसी), पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन का अपवर्जन किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद वही है जो मूल जांच में विचारा गया था।
- 8. इस विचाराधीन उत्पाद का अनन्य एचएस कोड नहीं है और आयातों की निकासी 3904 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न एचएस कोडों के अंतर्गत की जाती है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रुप में वर्तमान जांच के दायरे और प्रस्तावित उपायों पर बाध्यकारी नहीं है।
- 9. मूल जांच अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद के दायरे को निम्नवत विशेषीकृत किया गया था:
 "वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद, विनायल क्लोराइड मोनोमर (सस्पेंशन ग्रेड) का होमोपोलिमर है,
 जिसमें विभिन्न पोलिमर श्रृंखलाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई नहीं है और जो सीमाशुल्क वर्गीकरण उपशीर्षक 3904
 के अंतर्गत आता है तथा जो पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के रुप में माना जाता है। विचाराधीन उत्पाद में विसंविदा
 पीवीसी सस्पेंशन रेजिनों जैसे क्रास लिंक्ड पीवीसी, क्लोरीनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनायल क्लोराइडविनायल एसीटेट कोपोलिमर (वीसी-वीएसी), पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन का अपवर्जन
 किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद का उल्लेख "पोली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) रेजिन सस्पेंशन ग्रेड" या
 "पीवीसी सस्पेंशन रेजिन" या "सम्बद्ध वस्त्" के रुप में किया गया है"।
- 10. रिकार्ड तथा जांच शुरुआत अधिसूचना में उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रखना उपयुक्त समझते है जिस पर मूल जांच में विचार किया गया था।
- 11. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु और सम्बद्ध देशों में उत्पादित वस्तु और/या निर्यातित वस्तु के समान वस्तु माना जा सकता है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा इस मुद्दे की जांच की गई है और प्राधिकारी के विगत निर्धारण का विरोध करते हुए प्राधिकारी को कोई प्रस्तुतिकरण प्राप्त नहीं हुए है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देशों से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देशों से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु भौतिक एवं तकनीकी गुणधर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यो एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण के रुप में तुलनीय है। दोनो वस्तुएं तकनीकी एवं वाणिज्यिक रुप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्तागण दोनो वस्तुओं का प्रयोग अंतरपरिवर्तनीय रुप से कर रहे है। मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी ने भी यह निष्कर्ष निकाला था। जांच के आधार पर प्राधिकारी यह धारित करते है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देशों में उत्पादित अथवा वहां से आयातित सम्बद्ध वस्तु नियमों के आशय के अंतर्गत समान वस्तु हैं। इसके अतिरिक्त, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के दायरे के संबंध में कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है।

ख. <u>घरेलू उद्योग</u>

<u>घरेलू उद्योग के विचार</u>

- 12. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए है:-
- क. याचिकाकर्ता डीसी डब्ल्यू लिमिटेड (''डीसीडब्ल्यू"), केमप्लास्ट सन्मार लिमिटेड (''केमप्लास्ट"), रिलायंस इंस्ट्रीज लिमिटेड (''रिलायंस") और डीसीएम श्रीराम कन्सालिडेटेड लिमिटेड (''डीसीएम'') हैं। इस विचाराधीन उत्पाद का फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जिसे एतदपश्चात 'फिलोलेक्स' कहा गया है) नामक एक अन्य उत्पादक भी है। फिनोलेक्स ने इस याचिका का समर्थन किया है और वह इस विचाराधीन उत्पाद का नियमित आयातक है।
- ख. याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारत में समान उत्पाद के कुल उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और याचिकाकर्ताओं का वर्तमान जांच में जरुरी आधार है।
- ग. नियम-2 (ख) में शब्द 'सकना' (may) सुझाव देता है कि दोनों तरह के उत्पादक अर्थात सम्बद्ध उत्पादक और पाटित उत्पाद का आयात करने वाले उत्पादक, को घरेलू उद्योग का एक भाग होने से स्वत: ही अपवर्जन नहीं किया जा सकता है।
- घ. इसके अतिरिक्त, निरमा लिमिटेड बनाम सेंट गोबैन ग्लास इंडिया लिमिटेड मामले में चैन्नई उच्च न्यायालय ने और गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में कलकता उच्च न्यायालय ने यह धारित किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियम 2(ख) के अंतर्गत विवेकाधिकार है और दिनांक 27 फरवरी, 2010 के संशोधन द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी के इस विवेकाधीन अधिकार को समाप्त नहीं किया गया है।

- ड. डीसीएम श्रीराम कन्सोलिडेटेड लिमिटेड के अलावा अन्य किसी भी याचिकाकर्ता कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से आयात नहीं किया है। डीसीएम श्रीराम कन्सोलिडेटेड लिमिटेड द्वारा किया गया आयात उनके नियमित ग्राहकों की जरुरतों को पूरा करने के लिए अथवा उनके ग्राही उपयोग के लिए कम उत्पादन वाले महीनों में किया गया है।
- छ. डीसीएम श्रीराम कन्सोलिडेटेड लिमिटेड (डीएससीएल) ने सम्बद्ध वस्तु का आयात किया है। इस कंपनी के श्रीराम विनायल एंड केमिकल इंडस्ट्रीज और श्रीराम पोलीटेक सिंहत कई प्रभाग हैं। सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन श्रीराम विनायल एंड केमिकल इंडस्ट्रीज द्वारा किया जाता है और श्रीराम पोलीटेक इस उत्पाद की खपत इसमें से यौगिकों का निर्माण करने के लिए करता है। श्रीराम पोलीटेक अपने संयंत्र को सुचारु रुप से चलाने के लिए सामान्य ग्रेडों तथा कितपय उन ग्रेडों की अल्पमात्रा का आयात भी करता रहता है जिसका उत्पादन मैसर्स श्रीराम विनायल एंड केमिकल इंडस्ट्रीज द्वारा नहीं किया जा रहा है। डीएससीएल द्वारा किये गये आयात की मात्रा भारत में इस विचाराधीन उत्पाद के समग्र आयात, भारत में इसकी खपत और कंपनी द्वारा इसके उत्पादन को देखते हुए बहुत कम है।
- ज. फिनोलेक्स इस विचाराधीन उत्पाद का नियमित आयातक है। तथापि, यह आयात ग्राही खपत के लिए किये जाते है। कंपनी आयातित उत्पाद की व्यापारी नहीं है ।
- झ. रिलायंस ने जांच की अवधि के पहले आयात किया था। जांच की अवधि के दौरान कोई आयात नहीं किया गया है। तथापि, यह आयात व्यापारिक प्रयोजनों के लिए किये गये थे।
- ञ. याचिकाकर्ता कंपनियां सम्बद्ध देशों में इस विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा आयातक से सम्बद्ध (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से) नहीं है।
- ट. याचिकाकर्ता कंपनियां जो सम्बद्ध वस्तु का आयात कर रही है वे पाटन से लाभ उठाने के लिए आयात नहीं कर रही है। याचिकाकर्ता कंपनियों का मुख्य फोकस आयातों पर नहीं है। उनका फोकस अपने निजी उत्पादन पर बना हुआ है।
- ठ. याचिकाकर्ता कंपनियों ने सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया है।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

13. याचिकाकर्ताओं में से एक ने जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का आयात किया था और इसलिए इस जांच की शुरुआत ही निरर्थक है क्योंकि घरेलू उद्योग की परिभाषा में आयातक कंपनियों को शामिल करने का कोई औचित्य नहीं है। किसी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में कोई नया मुद्दा नहीं उठाया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 14. नियम 2 (ख) के अनुसार, "घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रुप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादरक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों, कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हों तो ऐसे मामलों में वाक्यांश "घरेलू उद्योग" का शेष उत्पादकों के रुप में माना जाएगा।
- 15. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों की जांच की है और घरेलू उद्योग के रिकार्डो का स्थल सत्यापन भी किया है और इस जांच के आधार पर यह नोट किया जाता है कि:
- क. ध्रंगधरा कैमिकल्स एंड वर्क्स (डीसीडब्ल्यू) ने जांच की अवधि में अथवा क्षति अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है।
- ख. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है परंत उससे पहले आयात किया था।
- ग. डीसीएम श्रीराम कंसालिडेटेड लिमिटेड के एक प्रभाग अर्थात श्रीराम पोलिटेक ने जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का आयात किया है।
- घ. यह नोट किया जाता है कि डीसीएम श्रीराम कंसालिडेटेड लिमिटेड द्वारा किये गये आयात, जांच की अवधि के दौरान भारत में इसके उत्पादन, भारत में इसके कुल आयात और भारत में इसकी खपत को देखते हुए नगण्य हैं।
- 16. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के दायरे में ऐसी कंपनी को शामिल करने का कोई औचित्य नहीं हो सकता है यदि उसने विचाराधीन उत्पाद का आयात किया हो, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विधि की यह एक सुस्पष्ट स्थिति है कि प्राधिकारी को किसी ऐसे उत्पादक को शामिल करने अथवा उसका अपवर्जन करने का विवेकाधिकार होता है जिसने ठोस आधार पर घरेलू उद्योग के दायरे के अंतर्गत सम्बद्ध वस्तु का आयात किया हो।

- 17. निरमा लिमिटेड बनाम सेट गोबैन ग्लास इंडिया लिमिटेड (2012 (281) ई.एल.टी 321 (मैड) में माननीय मद्रास उच्च न्यायालय की एक डिवीजन बेंच ने नियम 2 (ख) पर संशोधन के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित उल्लेख किया है:
 - '50. इसके अतिरिक्त वरिष्ठ अधिवक्ता तथा विभिन्न घरेलू उत्पादकों के लिए वकालत करने वाले अधिवक्ता ने सही ही उल्लेख किया है कि यदि शब्द "केवल" को अन्यत्र कहीं शामिल किया जाता है तो इस प्रतिबंधात्मक निर्वचन के लिए दायरा होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, इस नियम में वर्ष 1999 से वर्ष 2010 तक के लगभग 11 वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी को सतत रुप से विवेकाधिकार प्रदान किया है और सरकार ने भी दिक्कत महसूस करते हुए शब्द 'केवल" को समाप्त करके वर्ष 1999 से वर्ष 2010 के बीच की अवधि को भी वापस प्राप्त कर लिया है और इस लिए यह स्पष्ट है कि विधि निर्माताओं का इरादा निर्दिष्ट प्राधिकारी की विवेकाधीन शक्तियों को प्रतिबंधित करने का नहीं है कि जिससे कि वह पाटन रोधी शुल्क से संबंधित आवेदन का संज्ञान ले सके।
 - ''62...... (ii) वाक्यांश 'घरेलू उद्योग', 27.02.2010 को यथासंशोधित, ने निर्दिष्ट प्राधिकारी की विवेकाधीन शक्तियों को समाप्त नहीं किया है।......"
- 18. माननीय कलकता उच्च न्यायालय ने गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड बनाम अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी [2012(286) ई.एल.टी. 348 (कलकता)] मामले में यह धारित किया है कि:
 - "13. उपर्युक्त विधायी स्थिति को छोड़कर इस न्यायालय के लिए यह देखना प्रतिस्थानी है कि 'घरेलू उद्योग' ई परिभाषा नियोजित करने के लिए वास्तविक एवं मौलिक उद्देश्य क्या हो सकता है और इसे उक्त नियम के प्रयोजन का पाठन करते समय समझा जा सकता है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह निर्वचन किया है कि विधायिका द्वारा उक्त नियम क्यों बनाया गया है। रिलायंस इंडिस्ट्रीज लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य (2006) 10 एससीसी 368 =2006 (202) ई.एल.टी 23 (एस.सी) के मामले में पैराग्राफ 48 ने इस नियम बनाने के प्रयोजन का स्पष्ट रुप से उल्लेख किया गया है। हम उक्त रिपोर्ट के पैराग्राफ 48 के यहां उद्रधृत करने के अलावा कोई अन्य कार्य नहीं कर सकते है-
 - ''इसलिए पाटनरोधी विधि एक ऐसा साधन है जो आजादी के पश्चात हमारे आधुनिक विचारधारा वाले एवं देश भक्त राजनेताओं के मार्ग दर्शन में बनाया गया है और आज हम सब का यह कर्तव्य है कि हम यह देखे कि हमारे देश का तेजी से और अधिक औद्योगिकीकरण हो इससे कि भारत आधुनिक, सशक्त, उच्च औद्योगिकीकृत राष्ट्र बन सके''।
 - "14. अत: यह पूर्णतया: स्पष्ट है कि नियम 2 (ख) में यथाउल्लिखित आयातक की परिभाषा को समान उत्पाद का उत्पादन कर रहे स्वदेशी उद्योग की रक्षा करने के संदर्भ में समझना होगा यहां हम अपीलकर्ता की शिकायत में किये गये अभिकथनों द्वारा बाद के तथ्यों पर ध्यान देते है कि इसके कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत का इसके द्वारा आयात किया जाता है और वह भी कभी कभार और यह आयात ऐसे समय में उपभोक्ता की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है जब उत्पादन बाधित हो गया हो और आयात की यह मात्रा उसी निर्यातक देश से किये जाने वाले कुल आयात का बहुत छोटा सा भाग हो। हमारे अनुसार वास्तविक एवं तार्किक आशय ऐसे व्यक्ति से होना चाहिए जो आयात का व्यवसाय अनन्यत: व्यापार के लिए करता हो उसे ही नियमों के अंतर्गत आयातक कहा जायेगा। हमने अपीलकर्ता के संस्था के बहिर्नियमों के उद्देश्य खंड की जांच की है और हमें यही भी प्राप्त नहीं हुआ कि वह सिद्धांत रुप से मेलामाइन का आयातकर्ता है। यह सभी विवरणों वाले भारी रसायनों का, अन्य व्यवसाय के साथ-साथ, निर्माण करता है चाहे उसकी आवश्यकता सिविल, वाणिज्यिक या सेना रक्षा प्रयोजनों के लिए हो। हम यह रिकार्ड करते है कि हमारे विद्धान ट्रायल न्यायाधीश ने संस्था के बहिर्नियमों के प्रयोजन खंड का परीक्षण करने के बाद निर्णय नहीं दिया है। हम मानते हैं कि यह अभ्यास सर्वोपिर है और उसके बिना अपीलकर्ता को उक्त नियमों के आशय के अंतर्गत आयातक के रुप में धारित नहीं किया जा सकता है।"
- 19. प्राधिकारी यह नोट करते है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, डीसीडब्ल्यू और केमप्लास्ट द्वारा जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया गया था और इसलिए उन्हें घरेलू उद्योग के दायरे से अपवर्जित नहीं किया जा सकता है। मैसर्स डीएससीएल के संबंध में प्राधिकारी यह उपपादित करते है कि कंपनी प्राथमिकत: एक उत्पादक कंपनी है और इसकी गतिविधियों का फोकस आयात और व्यापार की ओर अंतरित नहीं हुआ। अत: सभी याचिकाकर्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग के रुप में माना गया है।
- 20. याचिकाकर्ताओं द्वारा विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 79.46 प्रतिशत है और इसलिए वह भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है। इसलिए, याचिकाकर्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रुप में माना गया है।

ग. <u>अन्य मुद</u>्दे

घरेलू उद्योग के विचार

- 21. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित दावा किया है:
- क. सम्बद्ध देशों के कई उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर किये गये निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर अपूर्ण भ्रामक हैं:

- एल.जी. कैम ने उल्लेख किया है कि 'शुल्क प्रतिअदायगी उपलब्ध है जिसमें निर्यातों पर आयात शुल्क वापस हो जाता है'। तथापि प्रत्युत्तर के पृष्ठ 21 पर एल जी कैम ने उल्लेख किया है कि ''वस्तु के विनिर्माण, निर्यात अथवा परिवहन पर कोई अनुदान, इम्दाद अथवा अन्य विचार प्रत्यक्ष रुप से अथवा अप्रत्यक्ष रुप से प्राप्त नहीं किया जाता है"।
- इसी तरह, हानवाह केमिकल कारपोरेशन ने उल्लेख किया है कि निर्यात वस्तु का विनिर्माण करने के लिए प्रयोग किये जाने वाले आयातित कच्चे माल पर वसूला जाने वाला सीमाशुल्क का प्रतिसंदाय किया जा सकता है। इसमें पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के मामले में शुल्क प्रतिसंदाय को गोपनीय बना दिया गया था। तथापि पेज 26 पर यह आशयित किया गया है कि उसे कोई अनुदान, इम्दाद अथवा कोई अन्य राहत नहीं प्राप्त हुई है।
- iii. ओसन प्लास्टिक (''ओसीपी'') ने अपनी कंपनी के विधिक स्वरुप, वह संविधि जिसके अंतर्गत इसकी स्थापना की गई थी अथवा विगत तीन वर्षों के दौरान इसके ढांचे में कोई परिवर्तन किया गया था, का उल्लेख नहीं किया है, ओसीपी अपने सामान्य कारपोरेट वित्तीय रेखाकरण अवधि, पिछले तीन वर्षों के लेखापरीक्षित लेखाओं और इस उत्पाद में अंतर्ग्रस्त इसकी सम्बद्ध कंपनियों के लेखापरीक्षित रेखाओं और वित्तीय विवरणों, प्रबंधन रिपोर्टों या मानक लेखा समीक्षाओं को प्रदान कराने में असफल रहा है। प्रश्न छ.1 (ड.) के पिछले भाग में दिये गये उत्तर में यह उल्लेख है कि, ''क्रय की गई सामग्री के लिए प्रदायकों के साथ व्यवस्था की प्रकृति और क्या उसका आपसे कोई संबंध है", ओसीपी ने कोई उत्तर नहीं दिया है। यह स्पष्ट है कि ओसीपी अपने वीसीएम को ताइवान वीएमसी कारपोरेशन से प्राप्त करता है जिसमें उसका 12.46 प्रतिशत पण है परंतु इस व्यवस्था का स्पष्टीकरण नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, ओसीपी ने निर्यातक प्रश्नावली के एच, आई, जे का उत्तर नहीं दिया है।
- iv. यह स्पष्ट नहीं है कि वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन ने या वेस्टलेक रसायन कारपोरेशन ने प्रत्युत्तर दायर किया है। अगोपनीय पाठ में समूह के संगठनात्मक चार्ट को प्रदान नहीं किया गया है। प्रश्न क.6 में ''संबंधित उत्पाद के लिए अनुसंधान एवं विकास, उत्पादन, बिक्री, लाइसेंसिंग, तकनीकी एवं पेटेंट करार के संबंध में किसी अन्य कंपनी के साथ वित्तीय या संविदात्मक संपर्को और संयुक्त उद्यमों" का विस्तृत विवरण अपेक्षित है। वेस्टलेक ने उल्लेख किया है कि इसका ''प्रश्न सं.क.3 के प्रत्युत्तर में उल्लिखित हौसु के साथ संयुक्त उद्यम के अपवाद को छोड़कर" किसी अन्य कंपनी के साथ ऐसा कोई संपर्क या संयुक्त उद्यम नहीं है। वेस्टलेक ने इनमें से किसी भी प्रश्न में करार के विस्तृत विवरण का उल्लेख नहीं किया गया है।
- v. इस जांच में एक सहयोगकर्ता निर्यातक के रुप में विचार किये जाने के उद्देश्य से शिन्टेक इन कारपोरेशन को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भेजे गए निर्यातक प्रश्नावली का संपूर्ण उत्तर प्रस्तुत करना अपेक्षित है। शिन्टेक को आंशिक सूचना प्रदान करने का अधिकार नहीं है।
- vi. यह तथ्य सिन्टेक ने लाभप्रदायकता प्रदर्शित की है, इससे यह सिद्ध नहीं हो जाता है कि इसने पाटन का आश्रय नहीं लिया है। इसे निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत करना चाहिए।
- ख. वे निर्यातक जिन्हें मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया था, उन्हें निम्नलिखित कारणों से इस निर्णायक समीक्षा से अपवर्जित नहीं किया जाना चाहिए:
- एक परंपरा के रुप में भारत पूर्ण मध्याविध एवं पूर्ण निर्णायक समीक्षा आयोजित करता है जो पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव पर प्रकाश डालती है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन का निर्धारण वास्तविक निर्यातों के संबंध में करते है और पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का परिकलन मूल जांच में किये गये परिकलन के अनुरुप ही किया जाता है समीक्षा अविध में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के आधार पर यह शुल्क भिन्न होता है।
- कोरिया और ताइवान के मामले में याचिका वास्तविक पाटन और वास्तविक सारवान क्षित पर आधारित है और इसके अतिरिक्त चूंकि प्राधिकारी करार के अनुच्छेद-2 और 3 की अपेक्षाओं से संगत इन आयातों के संबंध में पूर्ण जांच का आयोजन कर रहे है। इसलिए ऐसा स्पष्ट होता है कि प्राधिकारी इन कंपनियों के संबंध में शुल्क की सिफारिश करने के लिए पूर्णतया हकदार हैं।
- iii. यह तर्क कि आयात आंकड़ों को उन निर्यातकों के आयातों, जिनके आयात (i) पाटन रोधी शुल्क के अध्यधीन है और (ii) जिनके आयात पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं है से अलग रखना चाहिए, इसका कोई विधिक आधार नहीं है। वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आयातों की संपूर्णता पाटित आयात है।
- iv. इस सुझाव के संबंध में प्राधिकारी वाक्यांश ''सम्बद्ध आयातक" या ''असम्बद्ध निर्यातक" के स्थान पर सम्बद्ध देश के नाम का उल्लेख किये बिना निर्यातकों के नामों से प्रतिस्थापित करके आयात आंकड़े प्रदान कर सकते है और उसके द्वारा गोपनीयता बनाये रख सकते है, 'प्राधिकारी पर इस ढंग से आंकड़े प्रदान करने की कोई बाध्यता नहीं है। इस संबंध में जो संगत है वह है आयातों की मात्रा और मौजूदा जांच की क्षति अवधि के दौरान भारत में प्रवेश करने वाले आयातों की कीमत, चाहे वह निर्यात पाटित कीमतों पर ही क्यों न किये गये हो।
- v. इस दावे में कोई ठोस आधार नहीं है कि कोरिया आरपी के एलजी केम और हान्वाह नामक ही निर्यातक है। किसी भी हाल में जांच से अभी तक यह सिद्ध नहीं हुआ है कि इन निर्यातकों द्वारा पाटन मार्जिन न्यूनतम है और प्रस्तुत की गई सूचना यह दर्शाती है कि वे पाटन कर रहे है। प्राधिकारी द्वारा जारी किये गये जांच परिणाम स्पष्टत: यह सिद्ध करते है कि अन्य ज्ञात निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक था। प्राधिकारी ने किसी भी निर्यातक को छोड़ा नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने केवल कुछ निर्यातकों पर निल या शून्य शुल्क और ''किसी अन्य निर्यातक" पर अवशिष्ट शुल्क का ही उल्लेख किया गया है।

- vi. अत्यधिक गोपनीयता के आकलन के संबंध में यह उल्लेख किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने केवल उन व्यवसाय संवेदनशील आंकड़ों के संबंध में ही गोपनीयता का दावा किया है जिन्हें याचिकाकर्ताओं के हित में प्रकट नहीं किया जा सकता है।
- 22. प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये है:
- क. यह अनुरोध किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी शुल्क तालिका में पाटनरोधी शुल्क के प्रयोजनार्थ ''3904'' एचएस कोड को स्पष्ट करें।
- ख. एल.जी.केम, फोरमोसा प्लास्टिक्स और हान्वाह केमिकल्स को अपूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर न्यूनतम पाटन मार्जिन प्रदान किया गया है। उन्होंने तृतीय देशों को किये गये अपने निर्यातों का बीजक दर बीजक वार विवरण भी नहीं प्रदान कराया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि परिशिष्ट-2क में दी गई सूचना इन कंपनियों द्वारा प्रदान करायी गई है या नहीं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि प्राधिकारी इस तथ्य से कैसे संतुष्ट हैं कि (क) इन निर्यातकों द्वारा पीवीसी सस्पेंशन रिजन की समस्त बिक्रियों का प्रकटन कर दिया गया है और; (ख) इन निर्यातकों द्वारा घरेलू, तृतीय देशों और भारत को किये गये निर्यात बिक्रियों का पृथक्करण यथार्थ एवं उपयुक्त है।
- ग. पीवीसी सस्पेंशन रिजन एक शुद्ध वस्तु उत्पाद है और ताइवान जैसे भौगोलिक रुप से छोटे देश में यह संभव नहीं है कि दो उत्पादकों की बिक्री कीमत वस्तुत: अलग-अलग हो। तथापि, चीन जनरल प्लास्टिक्स (सीजीपीसी) के मामले में पाटन मार्जिन को पर्याप्त रुप से सकारात्मक पाया गया और फोरमोसा प्लास्टिक्स के बारे में इसे नकारात्मक पाया गया है। सीजीपीसी के मामले में पाटन मार्जिन घरेलू बिक्री कीमतों पर आधारित है। अतः प्रकटन विवरण यह स्पष्ट करता है कि जांच की अविध के दौरान भारत को सीजीपीसी की निर्यात कीमत सामान्य मूल्य से कम थी। सीजीपीसी और फोरमोसा की निर्यात कीमत तथा घरेलू बिक्री कीमत की तुलना माह दर माह आधार पर की जानी चाहिए घरेलू बिक्रयों और तृतीय देश को की गई बिक्रियों के संबंध में संव्यवहारों से संबंधित फोरमोसा के दावों का स्वतंत्र लेखा परीक्षा द्वारा सत्यापन किया जाना और प्रत्युत्तरों का पुन: सत्यापन किया जाना अपेक्षित है।
- घ. ताइवान में इस विचाराधीन उत्पाद के केवल तीन उत्पादक है और इसलिए इन तीन उत्पादकों के संयुक्त आंकड़ों का बहुत कुछ समाधान ताइवान के सीमाशुल्क आंकड़ों से किया जाना चाहिए।
- ड. फोरमोसा ने प्राधिकारी के समक्ष गलत ढंग से यह प्रक्षेपित किया है कि उनकी बिक्री कीमत सीजीपीसी की बिक्री कीमत से कम है चूंकि उनकी लागत कम है।
- च. यह प्रकटन विवरण रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी का उल्लंघन करता है क्योंकि यह इस तथ्य को स्वीकार नहीं करता है कि उन मामलों में जहां कोई घरेलू/विदेशी उत्पादक इनपुटों का ग्राही रुप से उत्पादन कर रहा है वहां उनके ग्राही इनपुटों का बाजार मूल्य पर विचार किया जाना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, ऐसा प्रतीत होता है कि इन ग्राही इनपुटों की उत्पादन लागत के संबंध में दी गई सूचना की प्राधिकारी द्वारा मांग नहीं की गई है।
- छ. ओसन प्लास्टिक्स और सीजीपीसी ने वीसीएम का क्रय कर लिया है जबिक हान्हवा केमिकल्स एलजी केम और फोरमोसा प्लास्टिक्स का ग्राही वीसीएम है। यद्यपि इससे उत्पादन लागत प्रभावित होती है परंतु इससे सामान्य मूल्य इस हद तक प्रभावित नहीं होना चाहिए।
- ज. निर्यातक की उत्पादन लागत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और उसकी बिक्री से जुड़ी लागत को तर्क संगत ढंग से प्रतिविम्बित किया जाना चाहिए।
- झ. निर्यातकों/उत्पादकों ने वीसीएम के मृल्यांकन के संबंध में अपूर्ण सूचना प्रदान की है।
- ञ. चूंकि वीसीएम और पीवीसी दोनों ही व्यापार करने योग्य वस्तुएं हैं। इसलिए याचिकाकर्ता अनुरोध करते है कि सामान्य मूल्य की संगणना करने के लिए लागत के तत्व का निर्धारण करते समय वीसीएम की बाजार कीमत पर विचार किया जाना चाहिए।
- ट. आस्ट्रेलिया ने कोरिया गणराज्य से पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया है और उस मामले की जांच अवधि तथा वर्तमान मामले की जांच अवधि में पर्याप्त अतिच्छादन है। एलजी केम के संबंध में सकारात्मक पाटन मार्जिन पाया गया था। याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किये गये विवरण के अनुसार कोरिया से आस्टेलिया को निर्यात कीमत भारत को निर्यात कीमत (माह दर माह आधार पर) से अधिक थी। उस मामले में एलजी केम की सूचना की विश्वसनीयता पर शंका उत्पन्न की गई थी। फोरमोसा प्लास्टिक्स और सीजीपीसी द्वारा रिवेटो के कारण कीमत समायोजन का दावा किया गया था परंतु एलजी केम और हान्वाह केमिकल्स ने ऐसा कोई दावा नहीं किया है। समायोजनों की अनुमित दिये जाने और अनुमित न दिये जाने के बीच भारी अंतर होने पर छलसाधन की संभावना बढ़ जाती है।
- ठ. सत्यापन रिपोर्ट को सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा गया है। जिन दस्तावेजों पर भरोसा किया गया है उनके नामों को गोपनीय नहीं रखा जा सकता है। घरेलू उद्योग इस तथ्य के प्रति जागरुक है कि कीमत समायोजन का दावा प्रकटन विवरण के पश्चात ही किया गया है।
- ड. सार्वजनिक फाइल में प्राधिकारी द्वारा प्रतिवादी निर्यातकों को जारी अनुपूरक प्रश्नावली या अपूर्णत: प्रश्नावली प्रदान नहीं कराई गई हैं।

- ढ. प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या बिक्री कीमत पर 80:20 का परीक्षण छूट को घटाने के पश्चात किया गया है या 80:20 परीक्षण सकल बिक्री कीमत पर किया गया है। 80:20 परीक्षण इन रिवेटो और भाड़ों पर होने वाले व्यय को कम करने के पश्चात किया जाना अपेक्षित होता है।
- ण. यूएस इन इनपुटों की (क) अंतरण कीमत, (ख) बाजार मूल्य और (ग) उत्पादन लागत पर विचार करता है और तीनों में से उच्चतर पर विचार किया जाता है। तथापि, निर्यातकों ने अंतरण कीमत को वस्तुत: बाजार मूल्य से कम का दावा किया है। ग्राही इनपुटों की उत्पादन लागत के संबंध में प्रकटन विवरण में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि क्या यह सूचना निर्यातकों द्वारा प्रदान करायी गई है या नहीं।
- त. पोटैशियम परमैंगनेट में ईसी ने उल्लेख किया है कि संबंधित उत्पाद को उत्पादन परिसर से स्वतंत्र केता तक ले जाने के लिए किये गये लागत के लिए ही समायोजन का दावा किया जा सकता है। ईसी ने पुन: विचार किया कि संयंत्र और डिपो समान आर्थिक एवं विधिक निकाय का भाग है और डिपो एक संवर्धित फैक्ट्री द्वार होता है। यदि फैक्ट्री से डिपो तक के लिए भाड़ा लागत समायोजन हेतु स्वीकार नहीं है तो फैक्ट्री गेट के बाहर इन भंडागारों/डिपो पर होने वाला व्यय स्पष्टत: स्वीकार नहीं होगा।
- थ. यदि फैक्ट्री गेट के अंदर भंडारण लागत के संबंध में भंडारण व्ययों का दावा किया जाता है तो इन समायोजनों की अनुमित नहीं दी जा सकती है क्योंिक फैक्ट्री के अंदर माल के भंडारण के लिए केवल घरेलू बाजार हेतु दावा नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नियमों में भंडारण लागत को कीमत समायोजन की एक मद के रुप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है। कीमत समायोजन की अनुमित केवल तभी दी जा सकती है जब इससे यह अभिव्यक्त होता हो कि कीमत की तुलनीयता प्रभावित हो सकती है। भंडारण लागत स्वभावतः ही अप्रत्यक्ष उपरिशीर्ष व्यय होता है।
- द. घरेलू उद्योग द्वारा कराये गये स्वतंत्र अध्ययन के अनुसार कोरिया और ताइवान में घरेलू बिक्री कीमत भारत को निर्यात कीमत की तुलना में बहुत अधिक है।
- ध. चीन ने इससे पहले ताइवान के उत्पादकों की जांच की थी और यह पाया था कि फोरमोसा के संबंध में पाटन मार्जिन सकारात्मक है।
- न. सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय संबंधित पक्षकारों को की गई बिक्री को शामिल किया गया है। यदि निर्यातकों का यह तर्क है कि सम्बद्ध और असम्बद्ध पक्षकारों की कीमतों के बीच कोई वास्तविक अंतर नहीं है तो इन सभी बिक्रियों का अपवर्जन कर देने से पाटन मार्जिन में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।
- प. यद्यपि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह उल्लेख किया है कि उन्होंने अर्थक्षमता परीक्षण का अनुप्रयोग किया है परंतु यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य मूल्य सभी घरेलु बिक्रियों पर आधारित है या केवल लाभदायक घरेलु बिक्रियों पर।
- फ. इसके अतिरिक्त, यह स्पष्ट नहीं है कि 80:20 का परीक्षण माह दर माह आधार पर लागू किया गया है अथवा जांच की अवधि के लिए समग्र आधार पर। इसे माह दर माह आधार पर लागू होना चाहिए था।
- ब. वह कीमत जिसपर विचारधीन उत्पाद का कोरिया को आयात किया गया है उस कीमत से बहुत अधिक है जिसपर इस उत्पाद का कोरिया से निर्यात किया गया है। यह दर्शाता है कि घरेलू कीमतें उच्चतर हैं और प्रतिवादी निर्यातकों ने इस तथ्य का दमन किया है।
- भ. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कई पाटन रोधी मामलों में फोरमोसा प्लास्टिक्स, एलजी केम और हान्वाह केमिकल्स द्वारा बार-बार पाटन नहीं पाया है यद्यपि अन्य निर्यातकों को भारी पाटन मार्जिन दिया गया है और यह उत्पाद ऐसे उत्पाद है जिनपर कोई उत्पादक भारतीय बाजार में अन्य प्रदायकों से स्पष्टत: भिन्न कीमत प्राप्त कर सके। इसका आशय यह है कि इन कंपनियों की कीमत निर्धारण नीति यह है कि उत्पाद की बिक्री, बाजार पर ध्यान दिये बिना, एक ही कीमत पर की जाए। इसके अतिरिक्त यह बिक्री कीमत के लिए नहीं है बल्कि यह समायोजन के पश्चात निर्यातकों द्वारा वसूल की गई फैक्ट्री बाह्य कीमत के लिए है जैसा की प्रश्नावली प्रत्युत्तर में दावा किया गया है और इससे प्रतीत होता है कि प्रश्नावली प्रत्युत्तर में सकल रुप से छद्म परिवर्तन किये गये है।
- म. कुछ उत्पादकों ने दावा किया है कि उनके निर्यातों का कुछ हिस्सा भारत के बाहर स्थित व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से किया गया है। इन कंपनियों पर उत्पादक और निर्यातक संयोजन को स्पष्ट करके पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया गया था। यदि किसी अन्य कंपनी द्वारा निर्यात किये गये होते तो इन निर्यातों पर अविशष्ट शुल्क लागू होता। तथापि, ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि इन निर्यात भारत को उन व्यापारियों द्वारा किये गये है जिनपर भारत में पाटन रोधी शुल्क लगाया जाता है। अत:, यदि इन व्यापारियों ने भारत को इन उत्पादों का निर्यात ऐसे आयातों के जिए किया होता जिनपर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाता है तो निर्यात के समय भारतीय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष इन व्यापारियों द्वारा किये गये दावे और अब निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष इन व्यापारियों द्वारा किये गये दावे दोनों स्पष्टत: विरोधाभाषी होते।
- य. प्रकटन विवरण से यह स्पष्ट है कि उत्पादकों द्वारा सभी बिक्रियों का बीजक प्रत्यक्षत भारतीय आयातक पर तैयार नहीं किया जाता है। इसके अतिरिक्त वह सभी व्यापारी जिन्होंने इन उत्पादकों द्वारा उत्पादित माल का निर्यात किया है प्राधिकारी के समक्ष नहीं हैं। वास्तव में, इनमें से कुछ मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यापारियों के प्रश्नावली प्रत्युत्तरों को नामंजूर कर दिया है। यद्यपि उन मामलों में जहां प्रश्नावली प्रत्युत्तर अधूरे है इन व्यापारियों द्वारा किये गये पाटन मार्जिन के दावों को अस्वीकार कर देना उपयुक्त है, परंतु यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पाटन मार्जिन का निर्धारण इन उत्पादकों द्वारा की गई समस्त बिक्रियों, जिसमें इन व्यापारियों को की गई

- बिक्रियां भी शामिल है जिनका बीजक भारतीय उपभोक्ताओं पर तैयार किया गया है, पर विचार करते हुए किया गया है।
- कक. हान्वाह केमिकल्स इस कारण से व्यक्तिगत पाटन मार्जिन के लिए हकदार नहीं है कि वर्तमान मामले में निर्यातक हान्वाह केमिकल कारपोरेशन है। इस मामले में निर्यातक हान्वाह कारपोरेशन है क्योंकि वाणिज्यिक बीजक उसके द्वारा ही जारी किये गये है। हान्वाह कारपोरेशन के प्रश्नावली प्रत्युत्तर के बिना हान्वाह केमिकल कारपोरेशन को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया जा सकता है।
- खख. हान्वाह केमिकल कारपोरेशन ने यह दावा किया है कि उन्होंने हान्वाह कारपोरेशन को कमीशन का संदाय किया है। तथापि हान्वाह कारपोरेशन को कमीशन का संदाय केवल तभी किया जा सकता है जब भारत को किये जाने वाले निर्यात के लिए वाणिज्यिक बीजक हान्वाह केमिकल कारपोरेशन द्वारा जारी किये गये हों और इन बिक्रियों में हान्वाह कारपोरेशन द्वारा सहयोग किया गया हो। निर्यातक ने हान्वाह कारपोरेशन को कमीशन देने का दावा किया है जबिक उत्पादक या निर्यातक के रिकार्डों में इसका कोई उल्लेख नहीं है।
- गग. यह स्पष्ट नहीं है कि फोरमोसा प्लास्टिक्स ने अपने तीनों संयंत्रों से होने वाले उत्पादन और बिक्री की लागत की सूचना संयुक्त रुप से दी है या घरेलू बिक्रियों और उत्पादन लागत के संबंध में सूचना अलग-अलग प्रदान करायी गयी है। पृथक सूचना प्रदान करायी जानी चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के प्रत्येक संयंत्र के लिए पृथक गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया है।
- घघ. फोरमोसा ने दावा किया है कि उसने वीसीएम के लिए औसत उत्पादन लागत पर विचार किया है और वह अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के अनुरुप है। यदि वीसीएम की कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के अनुरुप माना जाता है तो फोरमोसा प्लास्टिक्स न्यूनतम पाटन मार्जिन नहीं दिखा सकता है।
- ड.ड. प्रकटन विवरण में निर्यातक द्वारा दावाकृत उत्पादन लागत का सत्यापन किये जाने के संबंध में कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है।
- चच. यूएसए से पाटन मार्जिन 80-90 प्रतिशत के आसपास है जबिक क्षति मार्जिन 0-10 प्रतिशत के आसपास है। तथापि, यूएस हाउसिंग बाजार का विघटन होने के कारण यूएस में इसकी मुक्त रुप से बिक्री योग्य क्षमताओं का भारी राशि पर विचार करते हुए क्षति होने की पर्याप्त संभावना है। इसके अतिरिक्त जांच की अवधि के पश्चात की अवधि में यूएसए से आयातों के संबंध में सकारात्मक क्षति मार्जिन परिकलित की गई है।
- छछ. ऐसा प्रतीत होता है कि उस प्रतिवादी निर्यातक जिसके लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है (क) प्राधिकारी ने बीजक की तारीख को बिक्री की तारीख से संगत के रुप में माना है, (ख) किसी भी निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कोई सूचना नहीं दी है कि बीजक की तारीख वस्तुत: बिक्री की संगत तारीख है, और (ग) किसी भी निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कोई संगत सूचना प्रदान नहीं की है कि आर्डर की तारीख को संगत तारीख के रुप में माने जाने के संबंध में याचिकाकर्ताओं का तर्क उपयुक्त नहीं है। इंडोनेशिया, जापान, थाइलैंड, मलेशिया और यूएसए के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में प्रवेश के लिए बिल की निकासी की तारीख पर विचार किया है। अत: प्रतिवादी एवं असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करने में असंगतता है और प्रतिवादी निर्यातकों का हित घरेलू उद्योग के हित के विपरीत किया गया है।
- जज. वर्तमान में अपनाई गई क्षति मार्जिन क्रियापद्धति से उचित तुलना नहीं हो पाती है:
- i. घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में इस माल की बिक्री अधिकांशत: ''प्रदाय पर नकद'' के रुप में संदाय की पेशकश करके कर रहे है। इसके विपरीत, विदेशी उत्पादक 90 दिनों के लिए ब्याज मुक्त ऋण की पेशकश कर रहे है।
- ii. घरेलू उत्पादकों को अपना उत्पाद अपने कारखाने के भंडारागार से देश के अंदर स्थित डिपो भंडारागारों तक ले जाने में बहुत अधिक भाड़ा लागत व्यय करनी पड़ती है। जब माल की बिक्री फैक्ट्री बाह्य स्तर पर न होकर भंडारागारों से की जाती है तो कीमत का निर्धारण बिक्री स्थल तक हुए व्यय के आधार पर किया जाता है, इसलिए गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के लिए बिक्री स्थल तक किये गये व्यय पर विचार किया जाना अपेक्षित होता है।
- iii. जिस गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया गया है वह घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त बट्टों और कमीशन पर विचार किये बिना निर्धारित की गई है, जबकि आयातों की अवसारित कीमत में निर्यातकों द्वारा दिये गये बट्टों और कमीशन को भी शामिल किया गया है।
- ii. निर्धारित गैर क्षतिकारी कीमत सकल रुप से कम है क्योंकि:
- ं केमप्लास्ट सनमार के मामले में कार्यशील पूंजी का निर्धारण ब्याज युक्त ऋण क्रय का उपशमन करके किया जाना अपेक्षित होगा। चूंकि डीसीडब्ल्यू की लेखा बहियों में ब्याज मुक्त ऋण दर्शाया गया है इसलिए वीसीएम की खरीद के लिए संदेय राशि को आकस्मिक ऋणदाता के रुप में माना जाए और इस राशि को मौजूदा देयता के रुप में माना जाए और उसे कार्यशील पूंजी का निर्धारण करने के लिए मौजूदा परिसंपत्तियों से घटाया जाना चाहिए।
- झझ. मौजूदा कानून घरेलू उद्योग के उस आधारभूत अधिकार के विपरीत है जिससे वह अनुचित पाटित आयातों के विरुद्ध संरक्षण की मांग कर सकता है।

- लगाई गई पूंजी का निर्धारण अचल पिरसंपत्तियों के मौजूदा मूल्य या अचल पिरसंपत्तियों के कम से कम सकल मूल्य पर विचार करते हुए किया जाना चाहिए। किसी मामले में निवल अचल पिरसंपत्तियों को अपनाना इस तथ्य पर विचार करते हुए अत्यधिक अनुपयुक्त है कि कुछ निवेश बहुत पुराने है और इसलिए निवल अचल पिरसंपत्तियां निवेश के वास्तविक मूल्य का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।
- ii. प्राधिकारी को वास्तविक कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं की खपत पर विचार करना अपेक्षित होता है। वर्षों के दौरान खपत कारक में अंतर कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं के अकार्यकुशल उपयोग से भिन्न होता है।
- iii. प्राधिकारी को वास्तविक उत्पादन लागत का निर्धारण करना अपेक्षित होता है न कि नोशनल न्यूनतर उत्पादन लागत का निर्धारण करना। वर्षों के दौरान क्षमता उपयोग में कई कारणों से अंतर हो सकता है और इसका आशय उत्पादन क्षमताओं का अकुशल उपयोग नहीं हो सकता है।
- iv. उच्चतर उत्पादन मात्रा और व्यय के समान स्तर को अपनाना बिल्कुल अनुपयुक्त है और वास्तव में यह घरेलू उद्योग के लिए उचित नहीं है।
- ञञ. पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण केवल पाटनरोधी शुल्क की नियत प्रमात्रा के रुप में किया जाना चाहिए जैसाकि पिछले मामलों में किया गया है।
- i. आधारभूत कच्चे माल की लागत में उतार-चढ़ाव पर विचार करते हुए एक बेंचमार्क उपयुक्त नहीं हो सकता है।
- ii. पीवीसी पेस्ट रेजिन के पहले मामले में शुल्क की सिफारिश परिवर्तनीय/बेंचमार्क के आधार पर की गई थी जिनमें निर्णायक समीक्षा के समय नियत प्रमात्रा के रुप में संशोधन किया गया था।
- iii. आयात कीमत का सत्यापन करना पत्तन प्राधिकारियों के लिए न तो अर्थक्षम होता है और न ही व्यवहार्य।
- टट. शुल्क का अधिरोपण अमरीकी डालर के रुप में किया जाना चाहिए। रुपये का भारी मात्रा में अवमूल्यन हो गया है।
- ठठ. पहले पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण भारतीय रुपये के रुप में किया गया था। मूल जांच के समय भारतीय रुपयों से शुल्क को अमरीकी डालर में परिवर्तित करने के लिए प्रचलित विनिमय दर पर विचार किया जाना अपेक्षित होता है।
- डड. एफपीसी ताईवान द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर के संबंध में घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि एफपीसी द्वारा किया गया स्पष्टीकरण पूरी तरह से अपर्याप्त एवं निम्नलिखित कारणों से बहुत अधिक अतार्कित है:-
- (i) ताईवान में विचाराधीन उत्पाद की मांग इसके उत्पादन और क्षमता से बहुत कम है जिससे ताईवान के उत्पादकों को अपना अधिकांश माल निर्यात करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है अत: ताईवान में किसी उत्पादक (जैसे सीजीपीसी या ओसन प्लास्टिक्स) के लिए यह संभव नहीं है कि वह बाजार का नेतृत्व करने वाले एफपीसी की कीमतों से उच्चतर कीमतों पर अपने उत्पाद की बिक्री कर सके। अत्यधिक वेशी क्षमता की स्थिति में छोटे-छोटे उत्पादको जैसे सीजीपीसी और ओसन प्लास्टिक्स को फोरमोसा द्वारा अपनाई गई कीमतों का अनुकरण करना पड़ रहा है। अत: यह उल्लेख किया जाता है कि फोरमोसा ने अपने प्रत्युत्तर में मिथ्यारचना की है और ताईवान में ऐसी बिक्री कीमत का दावा किया है जो वस्तुत: उस कीमत से न्यूनतर है जिसपर ताईवान में कंपनी अपने उत्पाद की बिक्री करती है।
- (ii) यह आश्यजनक है कि अब फोरमोसा ने उल्लेख किया है कि उसे ऐसा कोई विचार नहीं है कि चीन ने 10 प्रतिशत पाटन मार्जिन का परिकलन कैसे कर लिया। यह फोरमोसा के पक्ष में स्पष्टत: निग्रहण है। नियमों में संबंधित निर्यातक के पाटन मार्जिन का प्रकटन करने का प्रावधान है। चीन एक ऐसी परंपरा का अनुसरण करता है जहां पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए संबंधित निर्यातक को प्राविधानित किया जाता है। अत: यह स्पष्ट नही है कि फोरमोसा यह दावा कैसे कर सकता है कि उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि चीन ने पाटन मार्जिन का निर्धारण किस तरह किया है। अत: यह स्पष्ट है कि एफपीसी कुछ बड़े तथ्यों को प्राधिकारी से छुपाना चाहता है।
- (iii) एलजी केम कोरिया द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर के संबंध में घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि एलजी केम का दावा है कि आस्ट्रेलिया द्वारा अपनाई गई क्रियापद्धित के परिणामस्वरुप उच्चतर पाटन मार्जिन है। यदि यह दावा सही है तो भारतीय प्राधिकारी भी आस्ट्रेलिया द्वारा अपनाई गई क्रियापद्धित का अनुसरण कर सकते है और उच्चतर पाटन मार्जिन का निर्धारण कर सकते है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह एलजी केम द्वारा आस्ट्रेलिया को किए गए निर्यातों के संबंध में आस्ट्रेलिया द्वारा अपनाई गई क्रियापद्धित के आधार पर निर्धारित किये गये पाटन मार्जिन द्वारा एलजी केम के दावों का सत्यापन करे क्योंकि इससे एलजी केम द्वारा दावाकृत घरेलू बिक्री कीमत की विश्वसनीयता सिद्ध हो सके। याचिकाकर्ताओं ने उल्लेख किया है कि केआईटीए में रिपोर्ट की गई कीमत पेस्ट रेजिन शामिल किये जाने के कारण विकृत नहीं हुई होगी और एलजी केम द्वारा किया गया उत्तर प्रमुख तत्वों को छुपाने तथा प्राधिकारी को भ्रमित करने का प्रयास है।
- (iv) हान्वाह केमिकल कारपोरेशन कोरिया द्वारा दिये गये प्रत्युत्तर के संबंध में घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि निर्यातक द्वारा दिया गया कोई भी औचित्य उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर के विचार को न्यायोचित नहीं ठहराता है। इस संबंध में निम्नलिखित तत्व संगत हैं:
- (क) विधि के अंतर्गत संयुक्त प्रश्नावली प्रत्युत्तर की अनुमित नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को स्पष्टत: अलग-अलग प्रश्नावली प्रत्युत्तर अपेक्षित होते है। याचिकाकर्ताओं ने कभी किसी अन्य ऐसे क्षेत्राधिकार के बारे में नहीं सुना है

- जहां उत्पादकों और निर्यातकों ने जब वे दो भिन्न निकाय हो तो संयुक्त प्रत्युत्तर दिये जाने की अनुमति प्राप्त की हो।
- (ख) एचसीसी द्वारा निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के संव्यवहार का लेखाकरण जिसका उल्लेख एचसीसी की लेखा बहियों और एचडब्ल्यूसी की बहियों में किया गया है, वे सामान्यत: स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के विपरीत है।
- (ग) एचसीसी और एचडब्ल्यूसी के बीच प्रबंध निम्नलिखित कारणों से भारत में प्रचलित ''खेप एजेंट बिक्री प्रणाली" के समान नहीं हो सकता है।
- (घ) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए खेंप एजेंसी टाइप व्यवस्था संभव नहीं है।
- (ड.) खेंप एजेंसी टाइप बिक्री में अंतिम ग्राहक को भंडार की बिक्री करने से पहले विनिर्माण स्थल से बिक्री स्थल तक भेजने की व्यवस्था होती है। एचसीसी-एचडब्ल्यू सी के मामले में ऐसा घटित नहीं हो रहा है।
- (च) एचडब्ल्यूसी का बीजक निकालने के उद्देश्य से सामान पर अधिकार है।
- (छ) एचसीसी बिक्री के लिए किसी अन्य कंपनी द्वारा निकाले गये बीजक पर भरोसा नहीं कर सकता है चाहे वह एक समूह कंपनी ही क्यों न हो और यह सामान्यत: स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के विपरीत है।
- (v) कई ऐसे तथ्य हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि एचसीसी ने प्रमुख तथ्यों को छुपाया है जैसे भारत स्थित उनके कार्यालय और भारत को निर्यात में ''इंडेंट करने वाले" की संलिप्तता।
- (vi) घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि एचसीसी का भारत में एक कार्यालय है और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उस पर होने वाले व्यय को निर्यात कीमत से घटाया जाना चाहिए।
- (vii) चूंकि एचसीसी और एचडब्ल्यूसी के बीच लेनदेन बिक्री की प्रकृति का है इसलिए प्राधिकारी से भारत को निर्यातित वस्तु की निर्यात कीमत से एचजीए व्यय और एचडब्ल्यूसी को हुए लाभ घटाना चाहिए जैसा कि अन्य देशों में किया जा रहा है।
- (viii) पुन: यह उल्लेख किया गया है कि इन निर्यातकों द्वारा इस स्तर पर प्रस्तुत आंकड़ों का प्रमाण आंकड़ों को स्वीकार करने के लिए अपर्याप्त औचित्य है। प्राधिकारी ने अन्य अवसरों पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में लागत लेखाकारों द्वारा दिये गये प्रमाण पत्रों को नामंजूर कर दिया और अपनी निजी क्रियापद्धति अपनाई।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 23. हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित सूचीबद्ध मुद्दे उठाये:
- क. यदि पाटन और क्षति मौजूद नहीं है तो यह ना तो जारी रह सकती है और न ही इसकी पुरावृत्ति हो सकती है। प्राधिकारी द्वारा की गई मूल जांच में यह पाया गया कि निम्नलिखित निर्यातक पाटन नहीं कर रहे थे और वे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे थे:
- i. हान्वाह केमिकल कारपोरेशन कोरिया आरपी
- ii. एलजी केम कोरिया आरपी
- iii. फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन ताइवान
- iv. ओशन प्लास्टिक्स ताइवान
- ख. इन निर्यातकों के लिए पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जांच का स्तर उन निर्यातकों से भिन्न होना चाहिए जिन्हें मूल जांच में पाटन करते हुए पाया गया था।
- ग. सम्बद्ध देशों से आयात आंकड़ों को ऐसे निर्यातकों से किये गये आयातों के रुप में अलग-अलग किया जाना चाहिए जिनका निर्यात (1) पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन है और (2) पाटनरोधी शुल्क के अध्ययधीन नहीं है। मूल जांच में डीजीएडी ने कुछ निर्यातकों के संबंध में न्यूनतम पाटन मार्जिन का निर्धारण किया था और इसलिए इन निर्यातकों द्वारा बनाई गई वस्तु के आयातों के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की थी और पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 5.8 तथा नियम 14(ग) में उल्लिखित शर्तों के परिणामस्वरुप निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ऐसे निर्यातकों के संबंध में जांच समाप्त कर दी थी। इसके अतिरिक्त न्यूनतम पाटन मार्जिन के आयात और अपाटित आयात को घरेलू उद्योग के संचयी आकलन में पैनल रिपोर्टों के रुप में शामिल नहीं किया जा सकता है। यह भी तर्क दिया गया है कि उन निर्यातकों के विरुद्ध जांच समाप्त कर दी जानी चाहिए जिनके आयात पर मूल जांच तथा उत्तरवर्ती समीक्षा में न्यूनतम पाटन मार्जिन पाया गया था। ऐसे निर्यातकों से किये गये आयातों अपीलीय निकाय रिपोर्ट के अनुसार अपाटित के रुप में माना जाए।
- घ. प्राधिकारी सम्बद्ध देश के नाम का उल्लेख के बिना निर्यातकों के नामों को ''सम्बद्ध आयातक" या ''असम्बद्ध आयातक" के रुप में प्रतिस्थापित करके आयात आंकड़े प्रदान कर सकते है और इस तरह वे गोपनीयता बनाए रख सकते है।
- ड. नियम 14(ग) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार प्राधिकारी को ऐसे निर्यातकों के संबंध में जांच समाप्त कर देनी चाहिए जिनका पाटन मार्जिन न्यूनतम है। वीएएसएफ दक्षिण पूर्व एशिया पीटीई लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में सीईएसटीएटी ने स्पष्ट रुप से यह पाया कि प्राधिकारी क्षति का आकलन करने के लिए अपाटित

आयातों को सम्बद्ध देशों से होने वाले आयातों की कुल मात्रा में शामिल नहीं कर सकते है। अपीलीय निकाय रिपोर्ट डीएस/295 में प्रावधान है कि उन निर्यातकों के विरुद्ध जांच समाप्त कर देनी चाहिए जिनका आयात मूल जांच और उत्तरवर्ती समीक्षा में पाटन का मार्जिन न्यूनतम पाया गया हो और ऐसे निर्यातकों से किये गये आयात को अपाटित आयात के रुप में माना जाना चाहिए।

- च. जांच शुरुआत नोटिस विधि संवत नहीं है क्योंकि यह इस समय प्रभावी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता और उसमें वृद्धि करने की जरुरत की समीक्षा के लिए निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करता है जबिक निर्णायक समीक्षा की शुरुआत यह जांच करने के प्रयोजनार्थ की जाती है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने और उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- छ. चूंकि डीसीडब्ल्यू लिमिटेड और केमप्लास्ट सनमार की वार्षिक रिपोर्टें उनकी वेबसाइट पर नहीं है इसलिए अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है जबिक कितपय लागत निर्धारण सूचना को अनुक्रमित रुप में दिया जाना चाहिए और घरेलू उद्योग ने अपने ग्राही खंड और व्यापारी खंड के लिए अलग-अलग सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।
- ज. विधिवत साक्ष्यांकित याचिका के अभाव में स्वत: ही अनिवार्य रुप से निर्णायक समीक्षा का अंत करना जरुरी नहीं है।
- झ. सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9क(5) और बीफ तथा राइस मामले में अपीलीय निकाय की रिपोर्ट और संयुक्त राज्य–विधि विनियम और पाटन मार्जिन (शून्य) का परिकलन करने के लिए क्रियापद्धित के अनुसार हान्वाह निर्णायक समीक्षा जांच का एक पक्षकार नहीं हो सकता है क्योंकि हान्वाह, कोरिया आरपी से होने वाले आयातों को पाटित के रुप में नहीं कहा जा सकता है।
- 24. प्रकटन विवरण जारी करने के पशचात अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित टिप्पणियां की गई है:

एलजी केम, कोरिया आरपी और एफपीसी, ताइवान द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण

- 25. निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये है:
- क. सीपीएमएए की प्रतिभागिता के मुद्दे के संबंध में एलजी केम कोरिया आरपी और एफपीसी, ताइवान द्वारा यह प्रस्तुतिकरण किया गया कि सीपीएमए पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ग) (iii) के अनुसार एक हितबद्ध पक्षकार नहीं है। गैर-हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरणों पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- ख आस्ट्रेलिया द्वारा एलजी केम के लिए निर्धारित सकारात्मक पाटन मार्जिन के मुद्दे के संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है कि शुल्क प्रतिअदायगी संबंधी अनुचित समाधान के प्रभाव, एलजीआई के जरिए भारत को निर्यातों के लिए अपनाए गये लाभ के प्रभाव और एक ग्रेड सीओपी टेस्ट के प्रभाव के कारण आस्ट्रेलियाई पाटन मार्जिन उचित नहीं था। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि यदि आस्ट्रेलियाई सरकार ने तर्क संगत क्रियापद्धति अपनाई होती तो पाटन मार्जिन ऋणात्मक रहा होता।
- ग. यह प्रस्तुत किया गया है कि भारत और आस्ट्रेलिया के संबंध में समान शर्तो जैसे "एफओबी" कीमत के संबंध में निर्यात कीमत भारत को की गई निर्यात कीमत से कम है। अत: भारतीय मामले में कोई पाटन मार्जिन नहीं है।
- घ. निर्यात कीमत के लिए बिक्री की तारीख के विचार के मुद्दे के संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है कि बिक्री की तारीख उस तारीख पर आधारित होनी चाहिए जब बिक्री की शर्तें स्थापित की गई। चूंकि आर्डर की तारीख को निर्यात बिक्रियों के संबंध में पूरी निश्चित सूचना नहीं है इसलिए बिक्री की तारीख पर विचार किया जाना चाहिए।
- ड. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने में सम्बद्ध पक्षकार की बिक्रियों का अपवर्जन किये जाने के मुद्दे के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि सम्बद्ध पक्षकारों और असम्बद्ध पक्षकारों को बिक्री के बीच कीमत का कोई खास अंतर नहीं है।
- च. इनपुटों के मूल्यांकन के संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि यूएसए मैनुअल की धारा 773 सम्बद्ध पक्षकारों के बीच इनपुटों का मूल्यांकन किये जाने से संबंधित है। चूंकि एलजी केम कच्चे माल जैसे वीसीएम ईडीसी का उत्पादन अपने संयंत्र पर करता है इसलिए याचिकाकर्ता का तर्क सही है।
- छ. आस्ट्रेलिया को किये गये निर्यात के संबंध में कोरियाई सीमाशुल्क आंकड़ें आस्ट्रेलिया को एलजी की निर्यात कीमत दर्शाने के लिए संकेतक के रुप में नहीं हो सकते है क्योंकि सीमाशुल्क आंकड़ों में पीवीसी स्ट्रेट और पीवीसी पेस्ट दोनों को शामिल किया गया है। पीवीसी पेस्ट की कीमतें पीवीसी स्ट्रेट की कीमतों से अधिक हैं इसका मतलब यह हुआ सीमाशुल्क आंकड़ों में बढ़-चढ़कर उल्लेख किया गया है।
- ज. आस्ट्रेलिया को निर्यात कीमत, जिसका हमने अपने प्रत्युत्तर में रिपोर्ट किया है, वास्तविक कीमत है जिसपर एलजी केम ने एलजी इंटरनेशनल को निर्यात किया है। दूसरी ओर, सीपीएमए द्वारा उद्धृत किए गए निर्यात आंकड़ें मुख्यत: उस निर्यात कीमत पर आधारित है जिनको एलजी इंटरनेशनल ने सूचित किया है। आस्ट्रेलिया को निर्यात कीमतें वास्तव में भारत को निर्यात कीमतों से कम है।
- झ. चूंकि सम्बद्ध वस्तु का आर्डर प्रस्तुत करने और इसके वास्तविक आगमन के बीच काफी समय अंतराल है इसलिए आयात कीमतों और घरेलू कीमतों की तुलना आईएचएस आंकड़ों से मासिक आधार पर करना उचित नहीं है।

- इसके अतिरिक्त, दोनो कीमतें विभिन्न कारको के आधार पर जैसे प्रदायगी समय, मात्रा, सरणी, दूरी आदि के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।
- ञ. कोरिया में कीमतों के संबंध में सीपीएमए द्वारा उद्धृत दक्षिण कोरिया और ताइवान में पीवीसी रेजिन कीमत बेंचमार्किंग अध्ययन अतिशयोक्तिपूर्ण है और यह तथ्यों पर आधारित नहीं है। प्रायोजित रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण और प्रायोजक के अनुकुल है और वह निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए मार्ग दर्शन का कोई स्रोत नहीं हो सकती है।
- ट. एलजी केम के विरुद्ध जांच पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.8 और बीफ एंड राइस संबंधी निर्णायक पाटनरोधी शुल्क संबंधी पाटनरोधी विवाद में अपीलीय निकाय के निर्णय (यूएसए और मैक्सिकों) का उल्लंघन है।

सीपीएमए ने और घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये अन्य मुद्दों के संबंध में एफपीसी, ताइवान का प्रस्तुतिकरण

- 26. निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये हैं:
- क. घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये इस मुद्दे के संबंध में कि ताइवान की घरेलू बाजार में कीमतें भिन्न ग्राहकों के लिए वास्तविक रुप से भिन्न नहीं हो सकती है, एफपीसी ने उल्लेख किया है कि घरेलू बिक्री मात्रा सीजीपीसी की दस गुणा है। यद्यपि एफपीसी बड़े क्रेताओं को बिक्री करता है वहीं सीजीपीसी छोटे-छोटे क्रेताओं को बिक्री करता है। एफपीसी निर्यात बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए उनको उनकी जरुरत और मात्रा को ध्यान में रखते हुए भारी प्रोत्साहन देता है। एफपीसी अपनी सम्बद्ध वस्तु की बिक्री कुछ प्रमुख ग्राहकों को अतिरिक्त प्रतिस्पर्धी कीमतों पर करता है क्योंकि उसकी उत्पादन लागत बहुत कम है।
- ख . एफपीसी द्वारा भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रभारित कीमतें सीजीपीसी द्वारा प्रभावित कीमतों से कम है।
- ग. एफपीसी ने बाह्य लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत प्रमाणित प्रतियां अनुबंध-1 और 2 पर प्रस्तुत की हैं।
- घ. एफपीसी ने जहां कही लागू, डिस्काउंट और रिबेट का दावा किया है।
- ड. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए लागत के तत्वों का निर्धारण करते समय पीसीएम की बाजार कीमत पर विचार करने के मुद्दे के संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यूएस प्रक्रिया की गलत व्याख्या की है। यदि कच्चे माल का उत्पादन ग्राही रुप से होता है तो उसे पूरी तरह से अंगीकार किया जाना चाहिए।
- च. एफपीसी द्वारा व्यय की गई घरेलू परिवहन लागत संयंत्र से डिपो तक ले जाने के लिए न होकर वस्तु को अपने संयंत्र से गंतव्य स्थल तक ले जाने के लिए की गई है जैसा घरेलू ग्राहकों द्वारा अनुदेश दिया गया और एफपीसी भंडारण लागत का दावा नहीं करता है।
- छ. एफपीसी ने दावा किया है कि सीपीएमए यह दावा कि एफपीसी ने प्रत्युत्तर ने फेरबदल किया है, सही नहीं है और घरेलू बाजार में सम्बद्ध ग्राहकों से प्रभारित कीमत असम्बद्ध ग्राहकों से प्रभारित कीमतों से तुलनयी है।
- ज. एफपीसी ने चीन द्वारा शुरु की गई निर्णायक समीक्षा जांच में विभिन्न कारणों से भाग नहीं लिया है जिसमें फोरमोसा ग्रुप द्वारा चीन में एक संयंत्र की स्थापना किया जाना भी शामिल है।
- झ. घरेलू उद्योग की ओर से तृतीय पक्षकार द्वारा स्वतंत्र अध्ययन किये जाने के मुद्दे के संबंध में एफपीसी ने उल्लेख किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट केवल घरेलू उद्योग का तर्क है और उसे प्राधिकारी द्वारा एक ''विशेषज्ञ राय'' के रुप में स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह रिपोर्टे अक्सर पक्षपातपूर्ण और त्रुटिपूर्ण। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने अपनी रिपोर्ट को गोपनीय रखा है।
- ञ. ताईवान के विरुद्ध चीन जन गण द्वारा पाटनरोधी जांच के संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि उस समय राजनीतिक कारणों से ताईवान की सरकार ने चीन के सत्यापन दल को सत्यापन करने की अनुमति नहीं दी थी। ऐसी स्थिति के मद्दे नजर चीन ने सकारात्मक पाटन का निर्धारण किया था। ताईवान के उत्पादकों द्वारा प्रतिभागिता न किये जाने के कारण चीन ने समापन समीक्षा जांच में शुल्क बढ़ा दिया था।
- ट. गैर क्षतिकारी कीमत के विभिन्न पैरामीटरों के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे सही नहीं है और वे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के विपरीत है।
- ठ. कार्यशील पूंजी से ऐसी क्रेडिट खरीद को हटा देने, जिसपर ब्याज लगता हो, और सकल अचल परिसंपत्तियों के विचार के मुद्दे के संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग का दावा डीजीएडी द्वारा अपनाये गये सिद्धांतों के विपरीत है। इसके अतिरिक्त गैरक्षतिकारी कीमत निर्धारित करने के लिए लगाई गई पूंजी पर 22 प्रतिशत आवक का प्रावधान पाटनरोधी नियमावली के विपरीत है।
- ड. एफपीसी पर पाटनरोधी शुल्क, यदि कोई हो की जांच शुरुआत करना और अधिरोपण करना पाटनरोधी करार के अनुच्छेद-5.8 के प्रावधानों के विरुद्ध है।

हान्वाह केमिकल कारपोरेशन (एचसीसी) और हान्वाह कारपोरेशन (एचडब्ल्यूसी) द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण

- 27. निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये है:-
- क. एचसीसी द्वारा एचडब्ल्यूसी से सेवाएं प्राप्त करने और प्रति एमटी *** अमरीकी डालर का भुगतान करने के संबंध में एचसीसी ने उल्लेख किया है कि एचडब्ल्यूसी बीजकों का हैडलिंग करने का यह क्रियाकलाप न केवल एचसीसी के लिए बल्कि अन्य समृह कंपनियों के लिए भी करता है जिससे कि प्रभावोत्पादकता, किफायत, लागत बचत

- तथा एचसीसी को लाभ हो सके। इसके अतिरिक्त एचसीसी निर्यात प्रलेखनों के हैंडलिंग के बजाय समुद्रपारीय बाजार विकास तथा ग्राहकों के साथ वार्ता जैसे क्रियाकलापों पर अधिक बल देना चाहता है।
- ख बीजकों के प्रहस्तन और भारतीय आयातकों से भुगतान प्राप्त करने के संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है कि एचडब्लयूसी और एचसीसी ने यह कार्य करने के लिए प्रहस्तन/कमीशन करार किया है।
- ग. इस मुद्दे के संबंध में कि संबद्ध वस्तु की कोरिया में आयात कीमत (कोरिया से बाहर) बहुत अधिक है परंतु एलजी और हान्वाह द्वारा बेची गई सम्बद्ध वस्तु घरेलू कीमत संगत रुप से कम हैं। यह उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराये गये आंकड़े पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड और पीवीसी पेस्ट रेजिन दोनो के लिए है। यह भी प्रस्तुत किया जाता है कि पीवीसी पेस्ट रेजिन की कीमत पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड से बहुत अधिक है। अत: इसकी तुलना औसत आयात कीमत तथा पीयुआई की घरेलू बिक्री कीमत के साथ नहीं की जा सकती है।
- घ. यह उल्लेख किया गया है कि एचसीसी और एचडब्ल्यूसी ने कमीशन/हैंडलिंग करार न केवल पीवीसी सस्पेंशन रेजिन बल्कि कुछ अन्य उत्पादों के लिए भी किया है।
- ड एचसीसी ने प्रस्तुत किया है कि निर्यातक प्रश्नावली तथा निर्णायक समीक्षा प्रश्नावली हान्वाह केमिकल कारपोरेशन (एचसीसी) द्वारा उत्पादक के रुप में और हान्वाह कारपोरेशन (एचडब्ल्यूसी) द्वारा संयुक्त रुप से दिनांक 11.12.2012 को दायर की गई थी। प्राधिकारी के साथ उत्तरवर्ती सभी पत्राचार दोनो कंपनीयों की ओर किया गया है। प्राधिकारी ने हान्वाह के सियोल, कोरिया स्थित कार्यालय का दिनांक 26.11.2013 को स्थल सत्यापन किया था जिसमें अन्य दस्तावेजों के अलावा घरेलू तथा निर्यात संव्यवहारों के न्यादर्श दस्तावेजों से समायोजन प्रमाण, एचसीसी और एचडब्ल्यूसी की लेखापरीक्षित तुलन पत्र, एचसीसी और एचडब्ल्यू सी के बीच सेवा करार हान्वाह से एकत्र किये गये। उसके पश्चात दिनांक 30.12.2013 को एचसीसी और एचडब्ल्यूसी के लिए संयुक्त रुप से सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई। अंत में प्रकटन विवरण का प्रत्युत्तर भी एचसीसी और एचडब्ल्यूसी द्वारा दिनांक 20.2.2014 को संयुक्त रुप से दायर किये गये।
- च एचसीसी ने पुन: उल्लेख किया है कि उन्होंने पीवीसी की मूल जांच में दी गई सूचना के अनुसार यह सूचना प्रस्तुत की है। वर्ष 2010 में सऊदी अरेबिया, ओमान और सिंगापुर से पोलीप्रोपाइलिन की मूल जांच में प्राधिकारी ने समान कार्यप्रणाली अपनाई थी जिसमें तीन पक्षकारों द्वारा संयुक्त प्रत्युत्तर दायर किया गया था।
- छ इस मुद्दे पर कि चूंकि एचसीसी और एचडब्ल्यूसी के बीच क्रय और विक्रय लेनदेन नहीं हुआ है था, इसलिए एचसीसी द्वारा एचडब्ल्यूसी के जिरए भारत को किये गये निर्यातों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जाना चाहिए, एचसीसी ने प्रस्तुत किया है कि एचडब्ल्यूसी के जिरए एचसीसी द्वारा किये गये निर्यात कमीशन/हैंडलिंग करार के अनुरुप किये गये थे। पुन: यह उललेख किया गया कि एचडब्ल्यूसी ने एचसीसी सहित किसी भी अन्य उत्पादक से जांच के अधीन विचाराधीन उत्पाद की खरीद नहीं की है और एचडब्ल्यूसी सम्बद्ध वस्तु की बिक्री नहीं करता है। एचडब्ल्यूसी बिक्री बीजकों को जारी करता है और उन्हें हैंडल करता है तथा कोरिया के सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा जारी निर्यात परिमट एचडब्ल्यूसी को निर्यातक के रुप में वस्तु का निर्यात करने और एचसीसी को उत्पादक के रुप में अनुमित देता है। इसके अतिरिक्त मैसर्स समजोंग केमपीजी, मैसर्स एचडब्ल्यूसी के सांविधिक लेखाकार ने उपयक्त आशय का प्रमाण पत्र जारी किया है।
- ज. अधूरे प्रश्नावली प्रत्युत्तर के मुद्दे पर हान्वाह द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि इसने तृतीय देशों को निर्यात की विस्तृत लेनदेन वार सूचना प्रदान करायी है।
- झ. इस मुद्दे पर की निर्यातक ने पूरी उत्पादन लागत, खासकर ग्राही रुप से उत्पादित कच्चे माल अर्थात वीसीएम का लागत निर्धारण विवरण उपलब्ध नहीं कराया है, एचडब्ल्यूसी ने उल्लेख किया है कि वह कोरिया आरपी के जीएएपी के अनुसार रिकार्डों की सभी बहियां रखता है और विचाराधीन उत्पाद तथा ग्राही रुप से उत्पादित कच्चे माल का विस्तृत सीओपी प्रस्तुत किया है।
- ञ. इनपुटों का मूल्यांकन करने के लिए 'प्रमुख इनपुट नियम'' के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित यूएस प्रक्रिया के मुद्दे के संबंध में यह उल्लेख किया जाता है कि वह सम्बद्ध प्रदायक द्वारा प्रदान कराये गये कच्चे माल के लिए लागू है न कि ग्राही रुप से उत्पादित कच्चे माल के लिए
- ट. भंडारण लागत के आधार पर कीमत समायोजन करने के संबंध में यह उल्लेख किया जाता है कि उन्होंने भंडारण लागत के संबंध में किसी समायोजन का दावा नहीं किया है।
- ठ. इस मुद्दे के संबंध में कि स्वतंत्र अध्ययन कोरिया आरपी ने उच्च कीमत दर्शाता है, यह उल्लेख किया गया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा ग्रहण किया गया स्रोत भरोसेमंद स्रोत नहीं है क्योंकि एचसीसी और एचडब्ल्यूसी को भी घरेलु बाजार में एलजी केमिकल की बिक्री कीमत का ज्ञान नहीं है।
- ड. सम्बद्ध पक्षकारों को बिक्री के मुद्दे के संबंध में एचडब्ल्यू सी ने सम्बद्ध पक्षकारों को घरेलू बिक्री का उपशमन करने के पश्चात पाटन मार्जिन की संगणा की है।

चीन क्लोर अल्कलाइ इंडस्ट्री एसोसिएशन, चीन जन.गण (सीसीएआईए) द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण

28. चीन क्लोर अल्कलाइ इंडस्ट्री एसोसिएशन, चीन जन.गण (सीसीएआईए) द्वारा प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तुत की गई है:-

- न्यादर्श दिये गये उत्पादकों तथा चीन जन गण के निर्यातकों के लिए पृथक पाटन मार्जिन प्रदान करने के मुद्दे के संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है कि प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात चीन क्लोर अल्कलाइ इंडस्ट्री एसोसिएशन. चीन जन गण (सीसीएआईए) द्वारा यह प्रस्तुतिकरण किया गया है कि डीजीएडी द्वारा न्यादर्श किये गये 4 उत्पादकों /निर्यातकों में से 2 दो उत्पादकों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है- (i) इनर मंगोलियां सैनलियान केमिकल कारपोरेशन लिमिटेड और (ii) जिनजियांग टियानयाई फोरन कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) और जिनजियांग सीहेजी झोंगफा केमिकल कंपनी लि. (उंत्पादक) और जिनजियांग टियानयाई कंपनी लि., और उन्होंने अन्रोध किया है कि दोनो उत्पादकों/निर्यातकों ने न्यादर्श प्रश्नावली प्रपत्र में यथापेक्षित उत्पाद का उत्पादन कर रहे उत्पादकों का विवरण प्रदान किया है और ऐसा होते हुए भी मूल जांच में मैसर्स जिनजियांग सीहेजी झोंगफा केमिकल कंपनी लि. (उत्पादक) और मैसर्स जिनजियांग टियानई कंपनी लि. निर्यातक के लिए संयुक्त रुप से पाटन मार्जिन की पृथक दर का निर्धारण किया गया है। उन्होंने सभी न्यादर्श किये गये उत्पादकों/निर्यातकों को समान सहयोगकर्ता मानने के लिए डीजीएडी से अनुरोध किया है क्योंकि डीजीएडी को न्यादर्श तथा निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में सभी संगत सूचना प्रदान करा दी गई है। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि जिनजियांग टियानयाई ने अपने न्यादर्श प्रश्नावली तथा निर्यातक प्रश्नावली में उत्पादक का नाम 'जिनजियांग सीहेजी झोंगफा केमिकल कंपनी लि.' के रुप में प्रदान कराया गया है। तथापि क्षति मार्जिन तालिका और पाटन मार्जिन तालिका में डीजीएडी ने उत्पादक के नाम के रुप में ''जिनजियांग टियानयाई फोरन कंपनी लिमिटेड" के नाम पर विचार किया है। उन्होंने डीजीएडी से अनुरोध किया है कि अंतिम जांच परिणाम में वह इसमें सुधार कर लें। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि डीजीएडी ने चीन जन गण के दो सत्यापित निर्यातकों/ उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन परिकलन उपलब्ध कराया है और यह निर्धारण प्रकटन विवरण के पैरा 103 के पश्चात पाटन मार्जिन की श्रृंखला के अंतर्गत नहीं आता है। उन्होंने डीजीएडी से उसकी जांच करने और उसमें सुधार करने का अनुरोध किया है। जहां तक फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत निर्धारित करने का संबंध है, यह प्रस्तुत किया गया है कि वैट वापसी निर्यातों के एफओवी मूल्य पर आधारित होना चाहिए और उन्होंने डीजीएडी से इसकी जांच करने का अनुरोध किया है और यदि वैट समायोजन सीआईएफ मूल्य पर आधारित है तो उन्होंने इसमें सुधार करने के लिए और फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत में संशोधन करने के लिए अनुरोध किया है।
- ख. निर्मित सामान्य मूल्य पर पहुंचने के लिए क्रियापद्धित ज्ञात नहीं है।
- ग. यह प्रस्तुत किया गया है कि क्षति केवल गैर पाटित आयातों के कारण हुई है। स्टेनलेस स्टील फासनर्स के आयातों के संबंध में भारत के विरुद्ध यूरोपियन यूनियन में पाटनरोधी जांच इसलिए समाप्त कर दी गई क्योंकि अपाटित आयातों की मात्रा पाटित आयातों की मात्रा उस स्थिति में बहुत अधिक थी जहां अपाटित आयातों का अवसारित मूल्य से कम था।
- घ. यह भी प्रस्तुत किया गया है कि चीन के आयात क्षति कारित नहीं कर रहे है क्योंकि उसका अवसारित मूल्य अन्य देशों के अवसारित मूल्य से अधिक है। यह कि घरेलू उद्योग द्वारा अपने आवेदन पत्र में प्रस्तुत किये गये आयात आंकड़ों तथा डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों के बीच भारी अंतर है।
- ड. डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त खेप दर खेप वार आंकड़ों का प्रकटन न करना और गोपनीयता का मुद्दा। अत: डीजीएडी से उस सूचना का प्रकटन करने का अनुरोध किया जाता है जिसके लिए गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है।
- च. कीमत प्रभाव विश्लेषण बहुत गंभीर शंका उत्पन्न करता है और याचिका में उपलब्ध कराये गये आंकड़ों तथा डीजीएडी द्वारा भरोसा किये गये आंकड़ों के बीच भारी विसंगति है।
- छ. पाटनरोधी शुल्क समाप्त हो जाने के पश्चपात जांच जारी रखना अवैधानिक है। अत: प्रतिवादियों का यह प्रस्तुतिकरण है कि समय समाप्त हो जाने के कारण जांच का निष्कर्ष निकालने का डीजीएडी को क्षेत्राधिकार नहीं है और इस कारण यह जांच समाप्त कर दिया जाना अपेक्षित है। वर्तमान जांच मूल जांच तथा निर्णायक समीक्षा का मिश्रण हैं। अत: पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ डीजीएडी ने मूल जांच के साथ-साथ वर्तमान जांच पर भी विचार किया है। तथापि क्षति जांच के दौरान डीजीएडी ने केवल वर्तमान जांच तथा निर्णायक समीक्षा जांच पर ही विचार किया है और उसने मौजूदा क्षति एवं क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की ही जांच की जाए।
- ज. आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा किये गये आयातों की जांच क्षति विश्लेषण के लिए की जानी चाहिए।
- झ. प्रतिवादी द्वारा किये गये इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि आवेदक घरेलू उद्योग की ग्राही एवं व्यापार बाजार की एक साथ जांच किया जाना अपेक्षित है, यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षित नहीं हुई है और पुन: क्षित होने की संभावना का गलत निर्धारण किया गया है। यह प्रस्तुत किया गया है कि मांग आपूर्ति अंतराल मुद्दे का समुचित समाधान नहीं निकाला गया है। यह भी उल्लेख किया गया है कि लगाई गई पूंजी पर 22 प्रतिशत अर्जन न्यायोचित नहीं है।

वेस्टलेक केमिकल कारपोरेशन और वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन की टिप्पणियां

- 29. प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात वेस्टलेक केमिकल कारपोरेशन और वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन ने निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तुत की है:-
- क. यह उल्लेख किया गया है कि वेस्टलेक के भारत को इसकी प्रत्यक्ष बिक्री आंकड़े कंपनी विशिष्ट पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए डीजीएडी हेतु पर्याप्त से अधिक है। स्पष्टत:, चूंकि वेस्टलेक ने अपने असम्बद्ध ग्राहक के गोपनीय आंकड़े प्रदान नहीं कराये है जिनपर वेस्टलेक का कोई नियंत्रण नहीं है या उसको उपयोग करने की

अनुमित नहीं है इसिलए डीजीएडी के पास वेस्टलेक के लिए पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए (प्रकटन विवरण पैरा 85) पर्याप्त आंकड़े नहीं है। वास्तव में भारत को की गई वेस्टलेक की प्रत्यक्ष बिक्रियां – जो असम्बद्ध व्यापारिक कंपनियों द्वारा नहीं की गई – जांच की अविध के दौरान इसकी बिक्री का *** प्रतिशत से कम नहीं है। वेस्टलेक ने डीजीएडी की प्रश्नावली और अनुपूरक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया है। डीजीएडी ने वेस्टलेक के प्रश्नावली के प्रत्युत्तर का सत्यापन निश्चय किया और फिर उसे निरस्त किया। वेस्टलेक ने संपूर्ण ऐसे एसएसआर में सहयोग किया है। वेस्टलेक के लिए कंपनी विशिष्ट पाटन मार्जिन का परिकलन करके वेस्टलेक के सहयोग को महत्व देने के बजाय डीजीएडी ने वेस्टलेक को ऐसी सूचना प्रदान न करने के लिए दंडित किया है जिसपर उसका कोई नियंत्रण नहीं है।

- ख. यह उल्लेख किया गया है कि 18 अक्तूबर, 2012 को वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन ("कारपोरेशन") ने निर्णायक समीक्षा में प्रतिभागिता करने का अनुरोध किया था। 13 दिसम्बर, 2012 को निगम ने अपना निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर और अतिरिक्त प्रश्नावली प्रत्युत्तर (भाग-2) दायर किया। दोनो प्रश्नावलियों में उल्लिखित सूचना के लिए प्रश्नों एवं अनुरोध वैश्विक बिक्रियों से संबंधित है और पीवीसी-एस के यूएस उत्पादन लागत से संबंधित है। निगम दो यूएस संयंत्रों अर्थात गीजमर संयंत्र और कालबर्ट सिटी संयंत्र पर पीवीसी-एस का उत्पादन करता है। निगम का कालबर्ट सिटी संयंत्र पर 100 प्रतिशत स्वामित्व है और यह वेस्टलेक विनायल्स कंपनी एलपी ("कंपनी") के 100 प्रतिशत के नाते गीजमर संयंत्र पर भी इसका 100 प्रतिशत स्वामित्व है। निगम तथा इसके 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली सम्बद्ध कंपनियों दोनों ने जांच की अवधि ("पीओआई") तथा उसके पश्चात के दौरान पीवीसी-एस की गृह बाजार बिक्रियों से संबंधित बीजक जारी किये है। निगम और कंपनी भी ऐसा करने वाली वेस्टलेक निकाय थे। कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान और उसके पश्चात भारत में निगम और कंपनी की पीवीसी-एस की बिक्री से जुड़े प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष बिक्री बीजक जारी किये है। ऐसा करने वाली वेस्टलेक एक मात्र कंपनी है।
- ग. यदि दो या उससे अधिक सम्बद्ध निकाय अपने सम्बद्ध पण्य की जांच अविध के दौरान अपने गृह बाजार में बिक्री करते है तो ऐसी सभी वाणिज्यिक बिक्रियों के लिए पाटन रोधी विश्लेषण में सम्बद्ध वस्तु के रुप में विचार जाने के पात्र है। निगम ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में अपनी सभी गृह बाजार बिक्रियों और कंपनी की बिक्रियों को रिपोर्ट किया है। इसके अतिरिक्त, यदि दो या अधिक सम्बद्ध निकाय जांच के अधीन वस्तु का विनिर्माण करते है तो उन निकायों द्वारा उत्पादित उत्पादन की लागत भार औसत होनी चाहिए, जिसका परिणाम एक उत्पाद विशिष्ट लागत को और फिर इसकी तुलना गृह बाजार कीमत से की जाए। उस तुलना का परिणाम निर्यात कीमत से तुलना करने के लिए बेंच मार्क सामान्य मूल्य के रुप में कार्य करता है। निगम ने अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कालवर्ट सिटी प्लांट (निगम) और गिजमर प्लांट (कंपनी) दोनों से जुड़ी सभी लागतों को रिपोर्ट किया है और दोनों संयंत्रों के बीच भार औसत लागत द्वारा आवश्यक समझी गयी सीमा तक यूनिट लागत का परिकलन किया है।
- घ. दूसरे शब्दों में निगम की बिक्री रिपोर्ट करने और लागत परिकलन करने की क्रिया विधि इन जरुरतों की संपृष्टि करती है। निगम ने जांच की अविध के दौरान इस तथ्य पर ध्यान दिये बिना कि यूएस के दो संयंत्रों में से किसी संयंत्र द्वारा उत्पादन किया गया है, जांच की अविध के दौरान पीवीसी-एस की सभी गृह बाजार बिक्रियों की रिपोर्ट की है। इसके अतिरिक्त निगम को लागत जांच आयोजित करने में अपने और कंपनी की संयुक्त रुप से गृह बाजार बिक्रियों की कालवर्ट सिटी संयंत्र लागत (निगम) और गिजमर संयंत्र लागत (कंपनी) के भारी औसत से तुलना करनी पड़ी। चूंकि निगम पीवीसी-एस से जुड़ी सभी बिक्री एवं लागत को 100 प्रतिशत स्वामित्व नियंत्रण सहित सर्वाधिक वेस्टलेक विशिष्ट निकाय था इसलिए निगम ही केवल एसएसआर में प्रतिभागिता करने के अनुरोध के लिए पात्र वेस्टलेक निकाय था।
- ड. यह उल्लेख किया गया है कि निगम को शुल्क तालिका में उत्पादक और निर्यातक के रुप में नाम देकर तकनीकी रुप से सही ही किया गया है, तथापि ऐसी सूचीबद्धता प्रशासित करने के लिए असंभव सिद्ध होगी निगम केवल नियातक है क्योंकि इसकी 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ने भारत को पीवीसी-एस के निर्यातों से जुड़े बीजक जारी किये है। तथापि यदि शुल्क तालिका में निगम को निर्यातक के रुप में नामित किया जाता है तो भारतीय सीमाशुल्क प्राधिकारी पाटन रोधी शुल्क आदेश प्रशासित करने में सक्षम नहीं होगे अथवा संयुक्त राज्य से पीवीसी-एस के निकाय के प्रक्रिया करने में सक्षम नहीं होगे क्योंकि संभावना है कि कंपनी ने निर्यात बीजक जारी कर दिये गये होगे। ऐसे मामले में जब निर्णायक समीक्षा में अपनी प्रतिभागिता के परिणामस्वरुप प्राप्त अपने कंपनी विशिष्ट पाटनरोधी शुल्क के कारण भारतीय आयातक पाटनरोधी शुल्क की अवशिष्ट दर या ''अन्य सभी'' दर का भुगतान करने के लिए अपेक्षित होंगे।
- च. यह पुन: उल्लेख किया गया है कि शुल्क तालिका में कंपनी को उत्पादक और निर्यातक के रुप में नाम देना सही नहीं होगा क्योंकि उत्पादन लागत परिकलन करने में निगम की लागत और कंपनी की लागत को भारित औसत कर दिया गया। उस उत्पादन लागत का प्रयोग लागत परीक्षण में समुचित बेंच मार्क का निर्धारण करने के लिए किया जाएगा जिससे कि पाटनरोधी शुल्क विश्लेषण में सामान्य मूल्य के रुप में प्रयोग किया जा सके।
- छ. इस प्रकार यह प्रस्तुत किया गया है कि वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन/ वेस्टलेक विनायल कंपनी एलपी को उत्पादक के रुप में और वेस्टलेक विनायल्स कंपनी को निर्यातक के रुप में सूचीबद्ध करके डीजीएडी निकार्यों के संयोजन पर समुचित पाटनरोधी शुल्क लागू करेगा।

एफपीसी, यूएसए, त्रिकान ओवरसीज और त्रिकान एनर्जी युके द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरण

- 30. प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात एफपीसी, यूएसए, त्रिकान ओवरसीज और त्रिकान एनर्जी यूके ने निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तुत की है:
- यह प्रस्तुत किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, युएसए, (''एफपीसी क. यूएसए") और इसके असम्बद्ध निर्यातक, त्रिकान ड्राई केमिकल्स एलएलसी, यूएसए एवं त्रिकान एनर्जी युके लिमिटेड और त्रिकान ओवरसीज इंक (''सहयोगकर्ता निर्यातक'') के संबंध में गलती से पाटन मार्जिन की मनाही कर दी है। यह प्रस्तुत किया जाता है कि इन निकार्यो द्वारा समय-समय पर अपूर्णता प्रत्युत्तर सहित निर्यातक प्रश्नावली प्रत्यत्तर विधिवत दायर किये है। इन निकाय निर्यातकों ने सार्वजनिक सुनवाई में प्रतिभागिता की और उसके बाद लिखित प्रस्तुतिकरण और प्रत्युक्तियां दायर की इसके अतिरिक्त सहयोगकर्ता निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उनके परिसर में स्थल सत्यापन करने के लिए भी आमंत्रित किया। स्थल सत्यापन के लिए यह अनरोध 6 नवम्बर, 2013, 8 नवम्बर, 2013 और 23 दिसम्बर, 2013 के पत्रों द्वारा बार-बार किया गया। तथापि
 - निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उत्पादक या निर्यातक के परिसर का स्थल सत्यापन करना उचित नहीं समझा।
- दोनों पक्षकारों द्वारा विभिन्न अवसरों पर स्थल सत्यापन कराने के लिए बारबार अनुरोध करने के बावजूद भी ख निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सत्यापन करना 'संगत और जरुरी' नहीं समझा। निर्यातक द्वारा संपूर्ण विवरण प्रदान कराये जाने और स्वेच्छा से सत्यापन सूचना दायर करने के बावजूद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह धारित किया कि बैक टू बैक बीज्क प्रदान नहीं कराया गया है जो कि तथ्यों और रिकार्ड दर्ज करने के विपरीत है। यह प्रस्तुत किया गया है कि सहयोगकर्ता निर्यातकों के व्यक्तिगत पाटन मार्जिन को तब मना कर देना जब निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्षे किये गये पूर्णतया एवं जानबूझकर अनदेखी करने वाले प्रस्तुतिकरण पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) के अनुसरण में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान करने के निर्दिष्ट प्राधिकारी के दायित्व का खुला उल्लंघन होने के साथ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन है।
- ऐसा होते हुए भी उन मुद्दों का हल कर लिया गया जिनकी निर्दिष्ट प्राधिकारी को चिंता थी और उनको दिनांक ग. 4 मार्च, 2014 के पत्र द्वारा दायर विस्तृत परिकलनों (फैक्ट्री बाह्य मूल्य, पाटन मार्जिन और अवसारित कीमत का निर्धारण करने के लिए यथाआवश्यक उत्पादन लागत सामान्य मूल्ये, निर्यात कीमत, समायोजन) का विस्तृत परिकलन उपलब्ध करा दिया गया है। यह दस्तावेज और सूचना विस्तृत चर्चा के पश्चात दायर की गई है जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के सभी मुद्दों का निपटान कर दिया गयो और प्रश्नों के उत्तर दे दिये गये। अत: यह उम्मीद है कि अब निर्दिष्ट प्राधिकारी सहयोगकर्ता निर्यातकों को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान कर देंगे।
- घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वर्तमान जांच में सहयोगकर्ता निर्यातकों ने कच्चे माल की कीमत निर्धारण से घ. संबंधित जरुरी सूचना प्रदान नहीं की है। इस संबंध में नम्रता पूर्वक यह प्रस्तुत किया जाता है कि एफपीसी यूएसए ने कच्चे माल के ग्राही खपत के संबंध में संपूर्ण सूचना प्रदान केर दी है। इसके अतिरिक्त, कच्चे माल की कीमतों और लागत के संपूर्ण ब्यौरो एफपीसी यूएसए प्रश्नावली प्रत्युत्तर के परिशष्टि 5 और 6 में रिपोर्ट कर दिये है। वास्तव में एफपीसी यूएसए ने विशिष्ट शब्दों में यह निश्चय किया है कि ग्राही रुप से ख्पत किया गया कच्चा माल बाजार कीमतों के आधार पर विनायल प्रभाग को अंतरित किया जाता है। इस लिए घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई आपत्तियां इस मामले में एफपीसी यूएसए पर लागू नहीं होती है।
- घरेलु उद्योग ने दावा किया है कि प्रकटन विवरण से यह स्पष्ट है कि निर्यातकों ने अंतरण कीमत का दावा ड. ''बाजार मुल्य से कम मुल्य परे" किया है। नम्रता पूर्वक यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने केवल यह माना है कि सभी अंतरित कीमतें बाजार दरों से कम मुल्य पर है। इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पूर्वउदाहरण और ग्राही रुप से उत्पादित इनपुटों का अंतरण करने से संबंधित परंपरा का अनुपालन करने के लिए बाध्य है और युएस विधि यह पूर्वउदाहरण निर्दिष्ट प्राधिकारी पर बाध्यकारी नहीं है।
- यह अविवादित है कि मूल जांच में मार्जिन परिकलन ग्रेड से ग्रेड आधार पर किया गया था। यह निर्दिष्ट ਚ. प्राधिकारी द्वारा कुछ साक्ष्यों तथा पूछताछ के आधार पर किया गया था जिसके द्वारा इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि विभिन्न ग्रेड पर्याप्तत: कीमत निर्धारण और लागत में भिन्न होते हैं इसीलिए ग्रेड से ग्रेड तुलना करना अपेक्षित होता है। विनमग्रतापूर्वक यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा ऐसे कोई आंकड़े प्रस्तृत नहीं किए गए है जिनसे यह सिद्ध होता हो कि ग्रेड से ग्रेड की तुलना करने संबंधी प्राचीन क्रियापद्धति में कोई संशोधन किया जाना अपेक्षित है।
- एनआईपी परिकलन के संबंध में घरेलू उद्योग के प्रस्तुतिकरणों के बारे में यह प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू છ્ય. उद्योग का प्रस्तृतिकरण इस संबंध में बिना किसी पूर्वोदाहरण और ठोस आधार के हैं। क्षतिमार्जिन परिकलन का आशय उन कीमतों के बीच तुलना को सुकर बनाना है जिन पर भारत में वस्तुए फैक्टरी गेट पर उपलब्ध हैं। इसलिए, अतिरिक्त व्ययों, जैंसे पत्तन/फैक्टरी से ग्राहक के ठिकाने तक अंतरर्देशीय भाड़े को कीमत तुलना में शामिल नहीं किया जाता है क्योंकि उनमें परिवर्तन हो सकता है और वे एक व्यवस्था से दूसरी व्यवस्था में अलग-अलग हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरुप् घरेलू उद्योग के गैर क्षतिकारी कीमत का परिकलन सभी बिक्री, वितरण ओर ऋण लागत जैसी वित्तीय लागत को हटाने के पश्चात किया जाता है। इसके अतिरिक्त, अवसारित मृल्य का परिकलन भारत में हुए किसी फैक्टरी पश्चात व्यय को शामिल किए बिना किया जाता है ताकि दोनों ही कीमतें भारतीय ग्राहक को सँमान स्तर पर उपलब्ध कीमतें प्रतिबिम्बित करती हो।
- निर्यातगण यह भी प्रस्तुति करते हैं कि क्षति मार्जिन में भाड़े को शामिल किए जाने का घरेलू उद्योग के अनुरोध का ज. कोई औचित्य अथवा विधिक आधार नहीं है। यदि क्षति मार्जिन की तुलना उसी स्तर पर की जाती है तो भारत के

अंदर भाड़े को अवसारित मूल्य तथा गैर क्षतिकारी कीमत दोनों में शामिल किया जाना अपेक्षित होगा। अत: केन्द्रीय उत्पाद कर तथा लेखाकरण मानक एएस-2 की सिफारिशें लागू नहीं होती है क्योंकि वे पाटनरोधी नियमों की अपेक्षाओं के विपरीत हैं।

- झ. पुन: यह प्रस्तुत किया जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 में गैर क्षतिकारी कीमत निर्धारित करने की प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख है। लागू नियमों में अधिदेशित क्रियापद्धति का घरेलू उद्योग की सुविधा के लिए अधिक्रमण नहीं किया जा सकता है। अत: इस सम्बंध में घरेलू उद्योग का दावा खारित कर दिए जाने योग्य है।
- ज. इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के इस दावे के सम्बंध में कि गैर क्षितिकारी कीमत का अनुबंध-3 के अनुसार निर्धारण करना भारत में वस्तु के अनुचित पाटन के विरुद्ध अपनी रक्षा करने के घरेलू उद्योग के आधारभूत अधिकार के विपरीत है अत: यह प्रस्तुत किया जाता है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को न तो पाटनरोधी नियमावली में संशोधन करने का ही अधिकार है और न ही उन्हें इन नियमों का उल्लंघन करने का ही अधिकार है। इसलिए पाटनरोधी नियमावी के अनुबंध-3 के द्वारा पीड़ित होने के घरेलू उद्योग के दावे को एक ऐसे अनुपयुक्त मंच पर उठाया जा रहा है जिसका इन मुद्दों के संबंध में न्याय-निर्णयन देने का क्षेत्राधिकार ही नहीं हे। इसलिए घरेलू उद्योग को पुन: निवेश दिया जा सकता है कि वे अपनी समस्याओं का निराकरण करने के लिए किसी न्यायिक समुचित मंच या विधायी निकाय का आश्रय लें।

कोरिया आरपी के गणराज्य की टिप्पणियां

- 31. कोरिया आरपी गणराज्य द्वारा, प्रकटन विवरण जारी किए जाने के पश्चात निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तृत की है-
- क. यह प्रस्तुत िकया गया है कि मूल जांच में जिसमें अंतिम निर्णय 26 दिसम्बर, 2007 को िकया गया था, कोरिया की दो कम्पनियों को 'न्यूनतम पाटन मार्जिन' युक्त पाया गया था (एल जी केम: 0.03 प्रतिशत हान्वाह कैमिकल कारपोरेशन 1.36 प्रतिशत) और इसलिए उन कोरियाई उत्पादों पर कोई पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित नहीं िकया गया था। इन जांच परिणामों के बावजूद भारत सरकार ने इन दोनों कंपनियों को निर्णायक समीक्षा में जांच िकए जाने के लिए निर्यातको के दायरे में शामिल कर लिया। यह उल्लेख िकया गया कि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.8 के अनुसार'' उन मामलों को तत्काल समाप्त कर दिया जाना चाहिए जहां प्राधिकारी यह निर्धारित करते है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम है अथवा यह िक पाटित आयातों की मात्रा, वास्तविक या संभावित या क्षित, नगण्य है" इसका आशय हुआ कि यदि पाटन का मार्जिन 'न्यूनतम'' निर्धारित कर लिया गया है तो पाटनरोधी जांच तुरंत समाप्त कर दी जानी चाहिए और निर्यातकों को पाटनरोधी शुल्क से छूट प्रदान की जानी चाहिए। एलजीकेम और हान्वाह कैमिकल कारपोरेशन इसी श्रेणी में आते है।
- ख. बीफ एंड राइस पर मैक्सिको निर्णायक पाटनरोधी शुल्क के मामले में (जून, 2005) डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय ने निष्कर्ष निकाला कि इन निर्यातकों को पाटनरोधी शुल्क या प्रतिवलनकारी शुल्क से अपवर्जित करने का आशय अनिवार्यत: यह होगा कि उन्हें प्रशासनिक तथा परिवर्तित परिस्थितियों की समीक्षा से भी अलग रखा जाए। शून्य मार्जिन वाले और विस्तारित करके न्यूनतम मार्जिन वाले निर्यातकों के लिए समीक्षा आयोजित करने की इकनामियां की (मैक्सिकों के अर्थव्यवस्था मंत्रालय) की अपेक्षा करके पाटनरोधी करार का अनुच्छेद 68 अनुच्छेद 5.8 से असंगत है......" (डब्ल्यू टी/डीएस 295/एबी/आर 360)। इसका आशय यह होगा कि न्यूनतम मार्जिन वाले निर्यातक समीक्षा प्रक्रिया के अध्यधीन नहीं होने चाहिए।
- ग. इसके अतिरिक्त, एबी रिपोर्ट डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.8 के संबंध में उल्लेख करती है।
- घ. यह करार कि ''सइ तथ्य पर ध्यान देते हुए कि अंतिम निर्धारण किए जाने के पश्चात पाटनरोधी शुल्क की स्थापना करते हुए आदेश जारी करना अनिवार्य हो जाएगा, इसलिए उन निर्यातकों या उत्पादकों के संबंध में जिनका पाटन मार्जिन न्यूनतम निर्धारित हो जाता है तत्काल रुप से समाप्त करने का एक मात्र रास्ता उनको उस आदेश के दायरे से हटा देना है।''
- ड. यह अनुरोध किया गया है कि एलजी केम और हान्वाह केमिकल कारपोरेशन को पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड रेजिन के आयातों से संबंधित चल रही पाटनरोधी निर्णायक समीक्षा जांच के अध्ययनी नही होने चाहिए और यह कि न इन दोनों कम्पनियों के लिए समीक्षा जांच तत्काल समाप्त कर दी जानी चाहिए। भारत में ताइपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण
- 32. प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात भारत में ताइपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र ने निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए है-
- क. यह प्रस्तुत किया गया है कि प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार के अनुच्छेद-6 का क्रियान्वयन करने संबंधी करार के अनुच्छेद 5.8 के अनुसार उन मामलों में तत्काल समापन होना चाहिए जहां प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटन का मार्जिन कम से कम है। इसके अतिरिक्त, सीमाशुल्क प्रशुल्क नियमावली 1995 के अनुच्छेद 1(ग) में यह भी उल्लेख है कि प्राधिकारी इस निर्णायक समीक्षा में एफपीसी और ओपीसी के विरुद्ध जांच को तुरंत समाप्त कर देगे क्योंकि दोनो कंपनियों को प्रारंभिक जांच में न्यूनतम के रुप में माना गया है।
- ख. द्वितीयत: मैक्सिकों राइस पाटनरोधी उपाय के संबंध में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय की रिपोर्ट (डब्ल्यूटी/डीएस/295/एबी/आर) में जांचकर्ता प्राधिकारी से उन निर्यातकों के बारे में जांच तुरंत समाप्त कर देने की अपेक्षा की गई है जिनका पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक नहीं पाया गया है और यह कि इसके

परिणामस्वरुप उस निर्यातक को निर्णायक पाटनरोधी उपाय से अलग कर दिया जाना चाहिए। इस अधिगम का तर्कसंगत परिणाम यह है कि ऐसे निर्यातक मूल उपाय की प्रशासनिक एवं परिवर्तित परिस्थिति समीक्षा के अध्यधीन भी नहीं होंगे।

ग. उन्होंने भारत सरकार से एक बार फिर अनुरोध किया है कि एफपीसी और ओपीसी को वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच से छूट दी जाए और यह सम्पुष्टि की जाए कि इन दोनों पर कोई भी पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 33. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों को नोट किया है और इन मुद्दों की इस प्रकटन विवरण में नियमों के अनुसार संगत शीर्षकों के अंतर्गत जांच की गई है।
- 34. घरेलू उद्योग ने इन जांचों में सम्बद्ध देशों के विभिन्न उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर किए गए प्रस्तुतिकरणों के सम्बद्ध में मुद्दे उठाए हैं। प्राधिकारी ने जांच की प्रक्रिया के दौरान स्वयं को इस तथ्य से संतुष्ट किया कि वह सूचना जिसपर जांच परिणाम आधारित है यथार्थ है या नही। इस उद्देश्य के लिए प्राधिकारी सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों का संगत एवं जरुरी समझी गई सीमा तक स्थल सत्यापन का आयोजन किया और वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ अपेक्षित सूचना मांगी।
- 35. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह मुद्दा उठाया है कि सम्बद्ध देशों के उन उत्पादकों/निर्यातकों को, जिन्हें मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया था, मैक्सिको बीफ एंड राइस मामले में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय की रिपोर्ट में जांच परिणाम के मद्देनजर इस समीक्षा जांच के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि इन उत्पादकों/निर्यातकों को समीक्षा के दायरे से अलग नहीं किया जा सकता है। उन्होंने पुन: तर्क दिया है कि भारत में निर्णायक समीक्षा में पाटन एवं क्षति मार्जिन का सम्पूर्ण पुन: परिकलन किया जाता है।
- 36. जांच शुरुआत अधिसूचना के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने यह जांच प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के निरंतरता बनाए रखने उसमें संवर्धन किये जाने के लिए घरेलू उद्योग के अनुरोध के संबंध में समीक्षा करने के लिए प्रारंभ की। प्राधिकारी यह संगत परंपरा है कि मूल जांच के सभी पहलुओं जिनमें घरेलू उद्योग का दायरा, पाटन (पाटन मार्जिन सहित), घरेलू उद्योग को क्षित की मौजूदगी, पाटन मार्जिन शामिल है, की समीक्षा की जाए। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह जांच भी करते है कि क्या इस शुल्क को समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षित निरंतरता बनी रहेगी तथा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। हितबद्ध पक्षकार मामले के किसी भी पहलू के संबंध में मुद्दे उठाने के लिए स्वतंत्र होते है जिनमें पाटन की मौजूदगी, पाटन मार्जिन, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षित, क्षित मार्जिन, शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षिति की निरंतरता बने रहने और उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना तथा पाटित आयातों एवं घरेलू उद्योग को क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध शामिल है। ऐसे निर्धारण के परिणाम स्वरुप प्राधिकारी मानते है कि इस साधन के स्वरुप में संशोधन किया जाना अपेक्षित है।
- 37. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उन निर्यातकों को जिन्हें मूल जांच में शून्य शुल्क दिया गया था इस निर्णायक समीक्षा से अलग नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि भारत परंपरा अनुसार पूर्ण मध्यावधि समीक्षा और पूर्ण निर्णायक समीक्षा का आयोजन करता है जो पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रो और उसके प्रभाव पर प्रकाश डालता है और प्राधिकारी वास्तविक निर्यातों के बारे में पाटन मार्जिन का निर्धारण करते है और पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का परिकलन उसी तरह से किया जाता है जैसा मूल जांच में किया गया था। समीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के आधार पर यह शुल्क अलग-अलग हो सकता है। याचिकाकर्ता द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कोरिया और ताइवान के मामले में याचिका वास्तविक पाटन और वास्तविक सारवान क्षति पर आधारित है और चूंकि प्राधिकारी इन आयातों के संबंध में करार के अनुच्छेद 2 और 3 की जरुरतों से संगत पूर्ण जांच कर रहे है। इस लिए यह स्पष्ट होता है कि प्राधिकारी इन कंपनियों के संबंध में शुल्क की सिफारिश करने के लिए अधिकार प्राप्त हैं। दूसरी और आयातकों और निर्यातकों सहित अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि यदि पाटन एवं क्षेति मौजूद नहीं रहती है तो इसे जारी रखना या इसका पुनरावृत्ति नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि प्राधिकारी द्वारा की गई मूल जांच में यह पाया गया था कि हान्वाह केमिकलस कारपोरेशन कोरिया आरपी, एलजी केम कोरिया आरेपी, फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, ताइवान और ओशन प्लास्टिक्स ताइवान नामक चार निर्यातक पाटन नहीं कर रहे थे या घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे थे और यह निर्यातक वर्तमान निर्णायक समीक्षा के दायरे के अंतर्गत नहीं आने चाहिए क्योंकि उनके विरुद्ध जांच मूल जांच के दौरान ही समाप्त कर दी गई थी। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि इन निर्यातकों के संबंध में पाटन एवं क्षिति की पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच उन निर्यातकों से भिन्न होनी चाहिए जिन्हें मल जांच में पाटन करते हुए पाया गया है।
- 38. इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय ने अपनी रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि डब्ल्यूटीओ एडीए के अनुच्छेद 5.8 में जांचकर्ता प्राधिकारी से उन निर्यातकों के संबंध में जांच समाप्त कर देना उपेक्षित माना गया है जिनका मार्जिन मूल जांच में न्यूनतम पाया गया और इसके परिणामस्वरुप उन निर्यातकों को निर्णायक पाटन रोधी उपाय से अलग रखना चाहिए और इन निर्यातकों के संबंध में प्रशासनिक एवं परिवर्तित परिस्थितियों की समीक्षा भी नहीं की जानी चाहिए। प्राधिकारी यह नोट करते है कि जब कभी कोई निर्यातक जिसे मूल जांच में शून्य शुल्क प्रदान किया गया था पाटन करता हुआ पाया जाता है तथा यह पाया जाता है कि उससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तो वर्तमान समीक्षा जांच अवधि में पाये गये पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर विचार करते हुए उनपर शुल्क अधिरोपित करना चाहिए। चूंकि डब्ल्यूटीओ

पाटनरोधी करार में डब्ल्यूटीओ सदस्यों को उस पाटन का मुकाबला करने के लिए शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की गई है जो घरेलू उद्योग को क्षित पहुंचा रहे है, इसिलए उपयुक्त रिपोर्ट में अपीलीय निकाय के निर्णय को एडीए के अनुच्छेद 2 के आशय के अंतर्गत सकारात्मक पाटन और एडीए के अनुच्छेद 3 के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग को क्षिति के निष्कर्ष के बिना उस निर्यातक पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की अनुमित नहीं होगी। अतः प्राधिकारी ने, वर्तमान जांच निर्णायक समीक्षा जांच होते हुए भी एडीए के अनुच्छेद 2 और अनुच्छेद 3 के संगत आवश्यकता का अनुकरण किया है, इसिलए एडीए अनुच्छेद 2 और 3 की जरुरतों का पालन किये जाने और उन सभी निर्यातकों के बारे में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन और क्षित मार्जिन, जिनपर इस समय शून्य पाटनरोधी शुल्क है, निर्धारित किये जाने के पश्चात पाटन रोधी शुल्क अधिरोपित करना उपयुक्त होगा।

- 39. इसलिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच किये जाने के पश्चात यह धारित किया जाता है कि प्राधिकारी की यह प्रक्रिया रही है कि वह सभी सहयोगकर्ता निर्यातकों, जिन्हें पहले कम से कम पाटन मार्जिन किया गया था या जिनका क्षित मार्जिन ऋणात्मक था, को मिलाकर सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन क्षिति और क्षित मार्जिन का निर्धारण करने लिए पूरी जांच का आयोजन करते है। यह भी नोट किया जाता है कि ऐसी स्थितियों में जहां निर्यातकों को न्यूतनम पाटन मार्जिन प्रदान किया गया था और उन्हें अब भी न्यूनतम पाटन मार्जिन प्रदान किया गया है अथवा जिनका क्षिति मार्जिन ऋणात्मक है, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि इन कंपनियों द्वारा किये गये निर्यात घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षित नहीं पहुंचायेंगे। इसके अतिरिक्त, ऐसी परिस्थिति में जहां पहले पाटन मार्जिन न्यूनतम था प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिये जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षिति की संभावना के प्रयोजनार्थ इस समय निर्धारित पाटन मार्जिन पर विचार किया है।
- 40. जहां तक गोपनीयता के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान करायी गई सूचना की जांच गोपनीयता के पर्याप्तता के दावे के संबंध में की गई। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर यथावांछित गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और ऐसी सूचना को गोपनीय के रुप में माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों से यह अनुरोध किया गया कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रदान कराये।

प्रकटन विवरण के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

- 41. प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों ने सम्बद्ध जांच से संबंधित विभिन्न मुद्दें उठाये। प्रकटन विवरण जारी होने तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये कुछ मुद्दों का हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पुन: उल्लेख किया गया है।
- 42. तृतीय देशों के निर्यातों के संबंध में निर्यातक आंकड़ों की उपलब्धता और सम्बद्ध देशों से सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा किये गये सत्यापन के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में यह उल्लेख किया जाता है कि जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने सहयोगकर्ता निर्यातकों को न्यूनता पत्र जारी किये गये है और तृतीय देशों को निर्यातों का बीजक बार विवरण प्राप्त किया गया है। प्राधिकारी ने भारत को किये गये घरेलू निर्यात और बिक्रियों के विवरण का सत्यापन परीक्षण जांच करके किया गया और यह पाया कि वे उन निर्यातकों द्वारा अनुरक्षित एसएपी प्रणाली के अनुरुप है जिनका स्थल सत्यापन किया गया था। अन्यों के लिए प्राधिकारी ने कार्यालय में किये गये अध्ययन के आधार पर सूचना की जांच की है। प्रकटन विवरण के पश्चात जांच की प्रक्रिया के दौरान निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की सच्चाई के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में प्राधिकारी ने हान्वाह केमिकल कारपोरेशन, एलजी केम और फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन के विचाराधीन उत्पाद के घरेलू बिक्रियों और निर्यात बिक्री आकड़ों की मांग की गई जो लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत सत्यापित हो और उनके द्वारा प्रस्तुत किये गये आंकड़ों की सच्चाई के बारे में स्वयं संतुष्टी प्राप्त की।
- 43. गैर क्षतिकारित कीमत का निर्धारण करने के संबंध में घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये विभिन्न तर्कों के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते है कि गैर क्षतिकारी कीमत की संगणना घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत वित्तीय एवं लागत आंकड़ों के आधार पर की गई है आधार पर और पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-3 में उल्लिखित सिद्धांतों और परपंराओं के अनुरुप की गई है।
- 44. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि हान्वाह केमिकल एलजी केम और फोरमोसा प्लास्टिक के लिए सामान्य मूल्य की गणना सही नहीं की गई है। प्राधिकारी यह नोट करते है कि उन्होंने उसका निर्धारण विचाराधीन उत्पाद की माहवार उत्पादन लागत की विधिवत जांच करने और सहयोगकर्ता निर्यातकों के रिकार्डो का सत्यापन करने के पश्चपात कि है फिर माह वार आधार पर व्यापार का सामान्य अनुक्रम परीक्षण किया। इसके अतिरिक्त पैकिंग व्यय, ऋण लागत अंतरदेर्शीय भाड़ा, कमीशन, रिवेट और डिस्काउंट आदि के आधार पर जहां कहीं संभव हुआ घरेलू बिक्री कीमत और विचाराधीन उत्पाद के लिए माह वार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया।
- 45. प्राधिकारी ने हान्वाह केमिकल, एलजी केम और फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन की लेखा बहियों में रिकार्ड किये गये ग्राही रुप से उत्पादित इनपुटों की उत्पादन लागत पर विचार किया है और संगत परम्परा के अनुरुप उनका प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया है।
- 46. सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों की सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का सत्यापन करने के बारे में घरेलू उद्योग के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने व्यापार के सामान्य अनुक्रम का परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने वाली फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन की सभी इकाइयों की संयुक्त उत्पादन लागत पर विचार किया है जैसा कि प्राधिकारी की संगत परम्परा रही है।

- 47. घरेलू उद्योग द्वारा दिये गये इस तर्क के संबंध में कि फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, ताइवान और एलजी केम कोरिया द्वारा रिपोर्ट की गई घरेलू कीमतों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है इसलिए उन्हें नामंजूर कर दिया जाना चाहिए। प्राधिकारी यह नोट करते है कि एफपीसी, ताइवान और एलजी केम कोरिया ने अपने टिप्पणियों घरेलू उद्योग के इस तर्क का खंडन किया है। प्राधिकारी ने घरेलू कीमतों से संबंधित आंकड़ों का उनके लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत सत्यापित और इस जांच के प्रयोजनार्थ यथा सत्यापित विचार किया है।
- 48. घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये इस मुद्दे के संबंध में कि चीन ने ताइवान से, जिसमें एफपीसी शामिल है होने वाले विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया गया है परंतु भारतीय प्राधिकारियों ने किस तरह एफपीसी के लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है, प्राधिकारी नोट करते है कि एफपीसी ताइवान ने इस प्रश्न का उत्तर पहले ही दे दिया गया है। प्राधिकारी यह धारित करते है कि उनसे यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वे अपने जांच परिणाम का समाधान किसी अन्य देश के प्राधिकारी के जांच परिणाम से करेंगे। तथापि प्राधिकारी ने विधिवत सत्यापन के पश्चात उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के आधार पर अपने पाटन मार्जिन निर्धारण की पुन: जांच कर ली है और यह पाते है कि एफपीसी ताइवान के लिए प्रकटन विवरण के पश्चात यथानिर्धारित पाटन मार्जिन में संशोधन किये जाने की जरुरत नहीं है।
- 49. घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये इस प्रश्न के संबंध में कि आस्ट्रेलिया ने एलजी केम सिहत कोरिया से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटन रोधी शुल्क लगाया है परंतु किसी तरह भारतीय प्राधिकारियों ने एलजी केम के लिए न्यूनतम पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है, प्राधिकारी यह नोट करते है कि एलजी केम ने घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये मुद्दों का प्रत्युत्तर पहले ही दे दिया गया है। प्राधिकारी से यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वे अपने जांच परिणाम का समाधान किसी अन्य देश के प्राधिकारी के जांच परिणाम से करेंगे। प्राधिकारी ने विधिवत सत्यापन के पश्चात उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के आधार पर इसका निर्धारण किया है और उसकी जांच कर ली है और सत्यापन के पश्चात वे यह पाते है कि एलजी केम के लिए पाटन मार्जिन वही रहेगा जो प्रकटन विवरण में निर्धारित किया गया है और उसमें संशोधन किये जाने की जरुरत नहीं है।
- 50. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रस्तुत खेपवार आयात आंकड़ों पर विधिवत विश्लेषण के पश्चात विचार किया है। खेपवार डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के सारांश की वृद्धि सार्वजनिक फाइल में रखी गयी है।
- 51. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार क्षति एवं कारणात्मक संबंधों का इस जांच में अन्यत्र विश्लेषण किया है। चीन के आयातों की माह वार अवसारित कीमत अपाटित आयातों की अवसारित कीमत से कम है और इसलिए यह तर्क कि चीन के आयात घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर रहे है सही नहीं है।
- 52. व्यक्तिगत सहयोगकर्ता निर्यातकों द्वारा दावा किया गया समायोजन और सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी द्वारा विचारे गये समायोजन का इस जांच में अन्यत्र उल्लेख किया गया है। पुन: प्राधिकारी यह नोट करते है कि निर्यातकों द्वारा दावा किया गये समायोजन संवीक्षा के पश्चात स्वीकार कर लिये गये।
- 53. प्राधिकारी ने प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत घरेलू बिक्री कीमत की विश्वनियता के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्को तथा एफपीसी ताइवान और एलजी केम कोरिया द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर पर विचार किया है। प्राधिकारी ने एलजी केम एफपीसी ताइवान के प्रत्युत्तर की जांच की है और उनके द्वारा दावाकृत घरेलू बिक्री कीमत को नामंजूर करने का कोई भरोसेमंद कारण नहीं पाया। प्राधिकारी पुन: यह धारित करते है कि घरेलू बिक्री कीमत की तर्कसंगतता के बारे में घरेलू उद्योग के आरोप के समर्थन में किसी भरोसेमंद साक्ष्य के अभाव में वह घरेलू उद्योग द्वारा प्रारंभ किये गये अध्ययन की रिपोर्ट के आधार पर उन्हें नामंजूर नहीं कर सकते है। प्राधिकारी ने एफपीसी ताइवान, एलजी केम कोरिया आरपी और एचसीसी कोरिया आरपी द्वारा भारत को किये गये निर्यातों और घरेलू बिक्रियों के संबंध में उनके लेखापरीक्षकों द्वारा प्रमाणित आंकड़ें प्राप्त कर लिये है। लेखापरीक्षकों ने प्रमाणित किया है कि इन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किये गये उपयुक्त आंकड़े उनके द्वारा अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरुप है।
- 54. मैसर्स एचसीसी और एचडब्ल्यूसी द्वारा प्रस्तुत अधूरे प्रश्नावली प्रत्युत्तर के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्रत्युत्तर प्रस्तुत किये जाने के पश्चात प्राधिकारी द्वारा मैसर्स एचसीसी को (तथा अन्य निर्यातकों को) एक न्यूनता पत्र जारी किया गया जिसमें उन्हें प्राधिकारी को अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत करने का सुझाव दिया गया। यह उल्लेख किया जा सकता है कि प्राधिकारी हमेशा वह सूचना मगाते हैं जो उन्हें प्रदान नहीं की गई है और जो जांच के दौरान अतिरिक्त सूचना अपेक्षित हो।
- 55. मैसर्स एचसी डब्ल्यू द्वारा प्रत्युत्तर दायर न किये जाने के संबंध में यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने उत्पादक मैसर्स एचसीसी के साथ दायर संयुक्त प्रत्युत्तर के भाग के रुप में आवश्यक सूचना प्रस्तुत कर दी है। इसके पश्चात मैसर्स एचडब्ल्यू सी ने एक पृथक प्रत्युत्तर भी दायर किया गया और उसकी अगोपनीय प्रति सार्वजनिक फाइल में भी रखी गई।
- 56. हान्वाह तथा अन्य कंपनियों द्वारा परिशिष्ट-2 क दायर किये जाने के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये मुद्दे के बारे में यह उल्लेख किया जाता है कि इन कंपनियों द्वारा प्रत्युत्तर मैसर्स एचसीसी के साथ निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के एक भाग के रुप में दायर किया गया था।
- 57. मैसर्स एचसीसी, एफपीसी और एलीजी केम के लिए भंडारण लागत के आधार पर कीमत समायोजन के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इन संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों ने भंडारण लागत के आधार पर किसी तरह के समायोजन का दावा नहीं किया है।

- एचडब्लूसी द्वारा भारतीय निर्यातकों पर, एचसीसी से सम्बद्ध वस्तु की खरीद किये बिना बीजक उठाने से संबंधित 58. मुद्दे और एचसीसी द्वारा भारत को एचडब्ल्यू सी के माध्यम से किये गये निर्यातों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण न किये जाने के संबंध में यह रिपोर्ट किया जाता है कि एचडब्ल्यूसी के जरिए एचसीसी द्वारा भारत को किये गये निर्यातों का लेनदेन कमीशन के लिए कार्य करने वाले एजेंट की प्रकृति का है। तथापि एचडब्ल्यूसी कोरिया सरकार के साथ कमीशन एजेंट के रुप में पंजीकृत नहीं है। स्थल सत्यापन के दौरान सत्यापन दल को यह दर्शाया गया कि एचडब्ल्युसी द्वारा भारत को निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के संबंध एचडब्ल्युसी को बिक्री दस्तावेजों का रखरखाव करने और संमुद्री बीमा तथा बैंक प्रभारों के लिए एचसीसी से कमीशन प्राप्त होती है। कोरिया के सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा जारी निर्यात परमिट में एचडब्ल्यूसी को एक निर्यातक के रुप में और एचसीसी को एक उत्पादक के रुप में बताया गया है। जब घरेलू उद्योग ने यह मुद्दा उठाया कि एचडब्लयू सी वस्तु का निर्यात तब तक नहीं कर सकता है जब तक वह एचसीसी से उस वस्तु की ख्रीद न करे, एचसीसी ने अपने सांविधिक लेखा परीक्षकों से यह उल्लेख करते हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है कि एचसीसी और एचडब्ल्यू के बीच होने वाले लेनदेन को क्रय और बिक्रय के रूप में न माना जाए और उन्हें एचडब्ल्यू सी द्वारा एचसीसी को दी गई कीमत के लिए सेवा के रुप में माना जाए। यदि एचसीसी और एचडब्ल्यू सी के बीचे लेनदेन को क्रय और बिक्रय के रुप में माना गया तो प्राधिकारी ने एचसीसी की निर्यात कीमत का पुन: आकलन किया। यदि इसे क्रय एवं विक्रय संव्यवहार के रुप में माना जाता है तो निवल निर्यात कीमत की पाटन मार्जिन कथित तौर पर (—)1.5 प्रतिशत बनता है।
- 59. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि सीपीएमए का इस जांच में भाग लेने का कोई स्थानीय आधार नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते है कि सीपीएमए एक शीर्ष मंच है जो भारतीय पेट्रोकेमिकल उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है और यह अपने सदस्यों को अपने विचार सामूहिक रुप से व्यक्ति करने, अपने मुद्दे उठाने और संगत मुद्दों पर अपने सुझाव देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्राधिकारी पुन: यह नोट करते है कि वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग बनने वाले सभी चार घरेलू उत्पादक सीपीएमए के सदस्य है। इसलिए प्राधिकारी यह धारित करते है कि सीपीएमए का पीवीसी सस्पेंशन रेजिन का उत्पादन करने वाले इसके सदस्य उत्पादकों के विचार को सामूहिक रुप से व्यक्त करने का आधार है।
- 60. प्राधिकारी ने निर्यातकों से किसी अन्य संगत तारीख पर विचार करने के लिए किसी साक्ष्यांकित अनुरोध के अभाव में अपनी संगत परंपरा के अनुसार पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए सहयोगकर्ता निर्यातकों के बीजक की तारीख को संगत तारीख के रुप में माना है।
- 61. प्राधिकारी ने इंडोनेशिया, थाइलैंड, जापान और मलेशिया के असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए अवसारित मूल्य, निवल फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर और संगत परंपरा के अनुसार डीजीसीआईएंएस आंकड़ों के आधार पर किया है।
- 62. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि वीसीएम के विदेशी प्रदायकों द्वारा विस्तारित ब्याज युक्त क्रेडिट को ऋण के रुप में माना जाए ना कि मौजूदा देयता के रुप में, प्राधिकारी यह नोट करते है कि उन्होंने इसे लेखापरीक्षित लेखाओं में प्रदर्श किये गये के अनुसार मौजूदा देयता के रुप में माना है और लगाई गई पूंजी की गणना अर्जन प्रदान कराने के लिए की गई। इसके अतिरिक्त सम्बधित घरेलू उत्पादकों द्वारा संदत्त और कच्चे माल की लागत के रुप में दावाकृत ब्याज एवं विनिमय क्षति/अग्रेषण प्रीमियम की प्राधिकारी द्वारा अनुमित पहले ही दे रखी है। इसके अतिरिक्त विदेशी प्रदायकों के ऋण को उसी तरह माने जाने के मुद्दे पर घरेलू उद्योग यह चाहता है कि प्राधिकारी विभिन्न उपचारों पर विचार करें-एक कैमप्लास्ट के लिए दूसरा डीसीडब्ल्यू के लिए इसलिए प्राधिकारी यह धारित करते हैं पहले से निर्धारित क्षतिकारी कीमत में संशोधन करने का कोई आधार नहीं है।
- 63. प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन का निर्धारण संगत परंपरा के अनुसार गैर क्षतिकारी कीमत और अवसारित मूल्य के बीच अंतर के रुप में किया है इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने फैक्ट्री बाह्य स्तर पर गैर क्षतिकारित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 में उल्लिखित सिद्धांतों के अनुसार किया है। प्राधिकारी ने अवसारित मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क मूल्यांकन नियमावली और अपनी संगत परंपरा के अनुसार सीआईएफ कीमत, उतराई प्रभार और लागू सीमाशुल्क तथा शिक्षा उपकर पर विचार करते हुए किया है।
- 64. मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज यूएसए, ट्रिकान एनर्जी यूके लि. और मैसर्स ट्रिकान ड्राई केमिकल्स यूएसए द्वारा उनके लिए पृथक पाटन मार्जिन की मनाही करने के संबंध में उठाये गये मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि प्रकटन विवरण जारी करने पश्चात इन निर्यातकों ने अतिरिक्त दस्तावेज एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत किये है और उत्पादक से निर्यातक को तथा निर्यातक से भारतीय आयातकों को बैक टू बैक बीजक प्रस्तुत किये है। इन निर्यातकों से अतिरिक्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त होने के पश्चात उन मामलों में जहां बीजको के बैक टू बैक लिंकिंग के रूप में सम्पूर्ण श्रृंखला उपलब्ध कराई गई है, सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। इसी तरह चीन क्लोर अल्कलाय एसोसिएशन द्वारा पाटन मार्जिन की अनुक्रमणिका बनाने और उत्पादकों के नाम सूचीबद्ध करने के संबंध में उठाये गये मुद्दों का इस अंतिम जांच परिणाम में समुचित शिर्षकों के अंतर्गत समाधान कर दिया है।
- 65. यह नोट किया जाता है कि प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात पाटन मार्जिन और निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने से संबंधित सभी परिकलन सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों को उपलब्ध करा दिये गये थे। इसी तरह गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने की गोपनीय प्रति भी घरेलू उद्योग को उपलब्ध करा दी गई थी।

पाटन एवं पाटन मार्जिन का परिकलन

<u>पाटन मार्जिन</u>

घरेलू उद्योग के विचार

- 66. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित दावा किया है:-
- क. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रुप में माना जाए। मूल जांच में चीन से उत्पादकों और निर्यातकों से भारी संख्या में प्राप्त प्रत्युत्तरों के कारण प्राधिकारी को न्यादर्श करना पड़ा। प्राधिकारी ने चीन जन गण से न्यादर्शकृत किसी भी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।
- ख. इस मामले के तथ्य निर्दिष्ट प्राधिकारी से माह दर माह आधार पर तुलना करने की अपेक्षा करते है क्योंकि उत्पाद और वीसीएम की कीमतों में प्रतिमाह भारी अंतर हो जाता है। पूरे वर्ष के लिए औसत कीमत लेने से पाटन की विकृति हो जाएगी।
- ग. वस्तु की आपूर्ति करने के लिए दिये गये समय और इसके भारत आगमन के समय में काफी अंतर है। पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किये गये प्रस्तावों के आधार पर किया जाना चाहिए अथवा कम से कम निर्यातकों द्वारा बीजक जारी करने की तारीख के आधार पर किया जाना चाहिए।
- घ. याचिकाकर्ताओं ने ताइवान, कोरिया आरपी, यूएसए, मलेशिया, जापान, इंडोनेशिया और थाइलैंड में विचाराधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए हरिमन कैमसल्ट रिपोर्ट में उद्धृत कीमतों का उल्लेख किया है। याचिकाकर्ताओं ने रिपोर्ट में दी गई उचचतर कीमतों और न्यूनतम कीमतों के औसत पर विचार करते हुए माह वार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
- ड. इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ताओं ने विदेशी उत्पादकों की उत्पादन लागत का निर्धारण वीसीएम की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और परिवर्तन लागत तथा उपरीशीर्ष लागत के सर्वोत्तम आकलनों पर विचार करते हुए किया है। संगत महीनों के दौरान इस उत्पाद की बिक्री कीमत की तुलना उस माह के लिए उत्पादन लागत से की गई। ऐसा देखा जाता है कि जांच अविध के कई महीनों में बिक्री कीमत उत्पादन लागत से कम थी। दूसरे शब्दों में संगत अविध के दौरान बिक्री कीमत व्यापार के सामान्य अनुक्रम में नहीं थी। इसलिए याचिकाकर्ताओं ने जहां कहीं बिक्री कीमत उत्पादन लागत को (लाभ के लिए तर्क संगत सम्वर्धन जोड़ने के पश्चात) को अपनाया है। जहां कहीं बिक्री कीमत उत्पादन लागत से अधिक थी वहां याचिकाकर्ताओं ने बिक्री कीमत को अपनाया है। इसी तरह याचिकाकर्ताओं ने जांच अविध के प्रत्येक महीने के लिए पृथक निर्यात कीमत निर्धारित की है।
- च. माह वार पाटन मार्जिन जांच की अवधि के उत्तरवर्ती छह महीनों में पाटन में वृद्धि प्रदर्शित करता है।
- छ. मलेशिया से निर्यात हुए ही नहीं और इंडोनेशिया से आयात बहुत कम अथवा नग्ण्य हुए है परंतु अन्य सम्बद्ध देशों से पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।
- ज. मलेशिया और इंडोनेशिया के संबंध में याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय आयात आंकड़ों में आयातों की पूरी मात्रा प्रदर्शित नहीं की गई है क्योंकि 3904 के अंतर्गत किये गये अधिकांश निर्यात इन्हीं देशों से रिपोर्ट किये जा रहे है जबिक भारत में रिपोर्ट किये गये आयात मात्रा के रुप में बहुत कम है। तदनुसार याचिकाकर्ता यह दावा करते है कि इंडोनेशिया के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक देश के व्यापार आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए। दोनो देशों से आयात की कम मात्रा इस समय प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के कारण है।
- झ. विचाराधीन उत्पाद की ग्रेडवार तुलना करना अपेक्षित नहीं है और यह कि इस तरह का विश्लेषण पाटन मार्जिन को विकृत कर देगा। इसके अतिरिक्त उत्पादकों /निर्यातकों ने कीमत सूची प्रकाशित नहीं की है इसका आशय यह है कि उनकी कीमतें विभिन्न ग्रेडों के लिए अलग-अलग नहीं है। ग्रेडों के बीच भारी कीमत एवं लागत अंतर नहीं है। अत: ग्रेड दर ग्रेड विश्लेषण वांछित नहीं है।
- ञ. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह स्पष्ट है कि सम्बद्ध देशों के कई प्रतिवादी उत्पादक या तो कच्चे माल, वीसीएम का ग्राही उत्पादन करते है या इसे अपने सम्बद्ध आपूर्तिकर्ता से इसकी खरीद करते है। जहां प्रमुख कच्चे माल, जो इस मामले में उत्पादन लागत का एक बड़ा निर्धारक है, का ग्राही रुप से उत्पादन किया जाता हो या उसकी खरीद सम्बद्ध पक्षकार से की जाती हो। वहां यह नहीं कहा जा सकता है कि उत्पादक के रिकार्डों में इस उत्पाद की ''बिक्री और उत्पादन से जुड़ी लागत प्रदर्शित होगी''।
- ट. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग की विनिर्मित लागत का प्रयोग करने के कारण याचिका में पाटन की स्फीत दर पर पहुंचा गया था, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि सम्बद्ध देशों के लिए विनिर्मित सामान्य मूल्य सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित है।
- ठ. जहां तक सिनटेक के इस तर्क का संबंध है कि प्लेट्स पालोमर स्कैन हरिमन कैमस्लट की तुलना में अधिक सही स्नोत है और इसका सप्ताहिक प्रकाशन होता है तथा हरिमन कैमस्लट ने उल्लेख किया है कि यह कीमतें ''डिस्काउंट, रिबेट, प्रोत्साहन आदि से पहले'' की है इसलिए इन से परिकलित सामान्य मूल्य बहुत अधिक एवं अविश्वसनिय है। यह प्रस्तुत किया गया था कि हरिमन कैमस्लट बहुत अधिक भरोसेमंद है और सूचना के स्नोत के रूप में इसका प्रयोग नियमित रुप से किया जाता है प्राधिकारी ने विगत जांच में हरिमन कैमस्लट से प्राप्त सूचना

- को स्वीकार किया है। निर्यातक को डिस्काउंट, रिबेट, प्रोत्साहन आदि की गणना करना अपेक्षित होगा। प्राधिकारी द्वारा उसकी परिकल्पना नहीं की जा सकती है क्योंकि उसकी अनुमति दी या नहीं दी जा सकती है।
- ड. सिनटेक द्वारा यह दावा किया गया कि यूएस निर्यातकों ने जांच की अवधि के दौरान या उत्तरवर्ती अवधि में प्लैट्स तथा आईसीआईएस से प्राप्त सूचना के अनुसार कोई पाटन नहीं किया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान करायी गई सूचना यह दर्शाती है कि यूएस के निर्यातकों द्वारा पाटन किया गया है।
- ढ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि सिनटेक ने हिरमन कैमसल्ट के अनुरुप 1547.33/एमटी अमरीकी डालर के रुप में और प्लैट्स के अनुसार 1035.02अमरीकी डालर/एमटी के रुप में सामान्य मूल्य का दावा किया है। यह प्रस्तुत किया गया है कि निर्यातक ने स्थल कीमतों पर विचार किया है और इसके लिए कोई आधार नहीं है। निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है और यह नहीं दर्शाया है कि इसकी सभी विक्रियां स्थल आधार पर की गई है। वास्तव में विक्रियां मुख्यत: युएस के अंदर संविदा आधार पर की गई है।
- ण. यह तर्क कि यूएस उत्पादकों के पास कई निर्यात बाजार हैं और इस लिए याचिकाकर्ता द्वारा दावाकृत कम कीमतों पर अपनी बिक्री करना उनके लिए निरर्थक है और इसका कोई सकारात्मक साक्ष्य भी नहीं है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 67. पाटन की मौजूदगी और पाटन की निरंतरता अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये गये है-
- क. एलजी केम लिमिटेड और हान्वाह केमिकल कारपोरेशन कोरिया के एक मात्र ज्ञात उत्पादक है और फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन ताइवान में इसका सबसे बड़ा उत्पादक है। यह दोनो गैर पाटनकर्ता निर्यातक है। कोरिया और ताइवान से आयातों की मात्रा कुल आयातों का एक बड़ा भाग है तथा अवसारित मूल्य चीन के आयातों से कम है।
- ख. याचिकाकर्ताओं द्वारा भरोसा किये गये निर्यात आंकडों में अपने निजी प्रस्तुतिकरण द्वारा, इसमें पर्याप्त पीवीसी पेस्ट रेजिन आंकड़े भी शामिल हो सकते है। यह पाटनरोधी करार तथा पाटनरोधी नियमावली दोनो के अंतर्गत समान वस्तु प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन करते है।
- ग. यद्यपि याचिकाकर्ताओं ने विशिष्ट सम्बद्ध देशों में कीमतों पर विचार किया है परंतु कच्चे माल की कीमत उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय दरों पर ग्रहण की है जो प्रत्येक संबंद्ध देश में समान कच्चे माल की पूर्व सहमत लागत है।
- घ. कुछ घरेलू उद्योग इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए प्रमुख कच्चे माल के रुप में ईडीसी का प्रयोग करते है। ईडीसी को पहले वीसीएम प्राप्त करने के लिए प्रसंस्कृत किया जाता है और फिर उससे पीवीसी का उत्पादन किया जाता है। प्राधिकारी को इस संबंध में नियत लागत और परिवर्तन दर की जांच करनी चाहिए।
- ड. इस विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग घरेलू उद्योग के कुछ सदस्यों द्वारा अगले उत्पाद करने के लिए ग्राही रुप से प्रयोग किया जाता है। यह ग्राही खपत अंतरण कीमत निर्धारण तंत्र के अनुरुप होना चाहिए। यह पाया जाता है कि ग्राही खपत और बहुत कम है इससे स्पष्टत: अनुउत्तरदायित्व का एक कारक सिद्ध होता है प्राधिकारी को इस पर विचार करना चाहिए।
- च. आईसीआईएस और प्लैट आंकड़े दर्शाते है कि कोई पाटन नहीं हुआ है। हरिमन कैमसल्ट के अनुसार सामान्य मूल्य 1547.33 अमरीकी डालर/एमटी हैं और प्लैट के मुताबिक इसका सामान्य मूल्य 1035.02 अमरीकी डालर/एमटी है।
- छ. सिनटेक को जांच की अवधि के दौरान लाभ हुआ है। यह एक कार्यकुशल उत्पादक है और घाटे पर बिक्री नहीं करता है। पैरेंट कंपनी, शिन-इट्सु केमिकल कंपनी लि. की सार्वजनिक रिपोर्टिंग जांच की अवधि के दौरान सिनटेक की लाभप्रदायकता दर्शाती है।
- ज. याचिका के अनुबंध-3 में पाटन मार्जिन का किया गया परिकलन हरिमन कैमसल्ट की रिपोर्ट के आधार पर किये गये निर्णायक तालिकाकरण से कुछ अधिक है। भाड़ा और व्यय आंकड़ों में फेर बदल किया गया है और उनसे याचिकाकर्ताओं द्वारा विश्वसनीयता सिद्ध नहीं होती है। इन मदों के संबंध में उपलब्ध तथ्य दर्शाते है कि यह दोनों ही आंकड़े उच्च है। तदनुसार, यूएसए के लिए जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का याचिकाकर्ताओं द्वारा किया गया परिकलन गलत है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 68. किसी वस्तु के संबंध में धारा 9क(1) (ग) के अंतर्गत सामान्य मूल्य का आशय:-
 - ं व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु के लिए उस तुलनीय कीमत से होता है जब उसका आयात उप धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या भू-भाग में खपत के उद्देश्य से किया गया हो, या
 - ii. जब निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु की बिक्री नहीं होती है अथवा निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में विशिष्ट बाजार स्थिति या बिक्री की अल्प मात्रा के कारण यह बिक्रियां समुचित तुलना की अनुमति नहीं देती हैं तो सामान्य मूल्य या तो

क. समान वस्तु की वह प्रतिनिधिक तुलनीय कीमत होती है जब उसका निर्यात निर्यातक देश या भू-भाग या उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित किसी समुचित तृतीय देश से किया गया हो; या

ख. उद्गम के देश में उस वस्तु की प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निर्धारित लाभ के लिए तर्कसंगत संवर्धन सहित उत्पादन लागत होती है;

69. अधिकारी ने सम्बद्ध देशों के और भारत के ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को प्रश्नाविलयां यह सुझाव देते हुए भेजी कि वे निर्धारित स्वरुप और ढंग से सूचना प्रदान करें। तथापि निम्नलिखित उत्पादकों, निर्यातकों और सम्बद्ध आयातकों को छोड़कर सम्बद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक और भारत के किसी भी आयातक ने इस जांच में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करके सहयोग नहीं दिया है। निम्नलिखित कंपनियों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है:-

xvii. ट्रिकान ओवरसीज, इंक, यूएसए (निर्यातक)

xviii. ट्रिकान ड्राई कैमिकल्स एलएलसी, यूएसए (निर्यातक)

xix. वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन, यूएसए, यूएसए (उत्पादक एवं निर्यातक)

xx. वेस्टलेक कैमिकल कारपोरेशन, युएसए (उत्पादक एवं निर्यातक)

xxi. मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, यूएसए (उत्पादक)

xxii. फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, ताईवान (उत्पादक)

xxiii. ओसन प्लास्टिक्स कंपनी, लिमिटेड, ताईवान (उत्पादक)

xxiv. ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड, यूके (निर्यातक)

xxv. एलजी कैम लिमिटेड, कोरिया (उत्पादक एवं निर्यातक)

xxvi. हानवा कैमिकल कारपोरेशन, कोरिया (उत्पादक एवं निर्यातक)

xxvii. मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी, लिमिटेड, ताईवान

xxviii. मैसर्स शिनटेक इनकारपोरेटेड

xxix. सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन (''सीजीपीसी पोलिमर''), ताईवान

xxx. चीन जनरल प्लास्टिक्स कारपोरेशन (''सीजीपीसी"), ताईवान

xxxi. ताईपेई इकनॉमिक एंड कल्चरल सेंटर. दिल्ली

xxxii. आईसीसी कैमिकल कारपोरेशन (जिसे एतदपश्चात ''आईसीसी" या ''कंपनी" कहा जाएगा)

- 70. किसी भी प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने अपने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर या लिखित प्रस्तुतिकरण या सार्वजनिक सुनवाई में यह सिद्ध नहीं किया है कि ग्रेड से ग्रेड तुलना वांछित है। इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान कराये गये रिकार्डी/दस्तावेजों का विश्लेषण करने तथा उनके परिसर पर आयोजित सत्यापन के पश्चात यह नोट किया गया कि इन प्रतिवादी निर्यातकों ने विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न ग्रेडों की लागत और कीमत में इतना अधिक अंतर स्थापित नहीं किया है कि उससे ग्रेड दर ग्रेड तुलना करना अपेक्षित हो जाए। वास्तव में यह पाया कि किसी ग्रेड की बिक्री जानबूझ कर उच्चतर कीमत पर की जाती है और उसी की बिक्री अन्य ग्रेड की कीमत से कम कीमत पर की जाती है। विभिन्न ग्रेडों के बीच कीमत अंतर की कोई संगत प्रणाली नहीं है।
- 71. माह दर माह योजना के तर्क, प्रमुख कच्चे माल (वीसीएम) की कीमत प्रवृत्ति और माह दर माह आधार पर संबंधित उत्पाद भारी अंतर दर्शाता है। इसके अतिरिक्त किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने माह दर माह तुलना के संबंध में कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है अथवा ऐसे विश्लेषण को अपने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तरों में, लिखित प्रस्तुतिकरणों में अथवा सार्वजनिक सुनवाई के दौरान विश्लेषण से अस्वीकृत व्यक्त करने के लिए कोई कारण प्रदान नहीं कराया है। अतः प्राधिकारी ने प्रमुख कच्चे माल तथा संबंधित उतपाद की कीमतों में भारी अंतर के मद्दे नजर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए माहवार विश्लेषण किया है।
- 72. पीवीसी पेस्ट रेजिन आंकड़ों को संबंधित उत्पाद के आयात आंकड़ों में शामिल किये जाने की संभावना के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने खेपवार आयात आंकड़ों का विश्लेषण डीजीसीआईएंडएस के अनुरुप किया है और वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ केबल पीवीसी सस्पेंशन रेजिन से संबंधित आंकड़ों पर ही विचार किया है।
- 73. कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिये गये इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों को निर्यातक वार आंकड़े उपलब्ध कराना चाहिए, यह उल्लेख किया जाता है कि डीजीसीआईएस से अधिप्राप्त खेपवार आंकड़ों का सार सभी संबंधितों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में रख दिया गया है।
- 74. उन कंपनियों के लिए एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई जहां प्राधिकारी द्वारा स्थल सत्यापन किया गया। उनसे प्राप्त टिप्पणियों पर सहयोगकर्ता उत्पादक और निर्यातक के लिए समान मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है।

चीन जन गण के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

चीन जन.गण

75. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधान किया गया है:

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था में निर्मित मूल्य या कीमत या ऐसे तृतीय देश से भारत सिहत अन्य देशों के लिए कीमत के आधार पर अथवा जहां यह संभव नहीं है वहां किसी अन्य न्यायोचित आधार पर, जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तिवक प्रदत्त या देय कीमत जिसका तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए यथावश्यक समायोजन किया गया हो, भी शामिल हो, किया जा सकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबंधित देश के विकास का स्तर तथा प्रश्नाधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश का चयन किया जाना चाहिए और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय जानकारी को उचित रुप से ध्यान में रखना चाहिए। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में किसी समान मामले में की गई जांच, यदि उपयुक्त हो, की लेखाओं पर समय सीमा के अंतर्गत विचार किया जाना चाहिए। उपर्युक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के चयन की जानकारी जांच के पक्षकारों को अविलंब दी जानी चाहिए और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उपयुक्त समयाविध दी जानी चाहिए।

- 76. प्राधिकारी नोट करते है कि चीन को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा खंडन की परिकल्पना के अध्यधीन गैरबाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन गण के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उपपैराग्राफ 3 में निर्दिष्ट प्रक्रिया के आधार पर पर्याप्त सूचना एवं साक्ष्य उपलब्ध कराये और इसके विपरीत तथ्यों को सिद्ध करें। चीन जनवादी गणराज्य के सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली प्रत्युतर के पैराग्राफ 8 के उपपैराग्राफ 3 में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रदान कराये जिससे कि प्राधिकारी निम्नलिखित प्रक्रिया पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या;
 - कीमत कच्चे माल, लागत प्रौद्योगिकी और श्रेम, आउटपुट, बिक्री और निवेश सहित कीमत लागत और इनपुट के संबंध में चीन जन गण की फर्मों से संबंधित निर्णय मांग एवं आपूर्ति को प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में राज्य के हस्तक्षेप के बिना किये जाते है और क्या प्रमुख इनपुटों की लागत बाजार मुल्यों को पर्याप्त रुप से प्रदर्शित करती है;
 - इन फर्मो की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्वेवर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से किये गये पर्याप्त विकृति खासकर परिसंपत्तियों के अवक्षयण, बट्टे खाते में डाली गई राशि, व्यापार विनिमय प्रणाली और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में के अध्यधीन हो;
 - ऐसी फर्मे दिवालियापन और सम्पति विधियों के अध्यधीन हुई जो इन फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता की गारंटी प्रदान करती हो;
 - विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता हो:

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 77. किसी वस्तु के संबंध में धारा 9क(1) (ग) के अंतर्गत सामान्य मूल्य का आशय:-
 - व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु के लिए उस तुलनीय कीमत से होता है जब उसका आयात उप धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या भू-भाग में खपत के उद्देश्य से किया गया हो, या
 - ii. जब निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु की बिक्री नहीं होती है अथवा निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में विशिष्ट बाजार स्थिति या बिक्री की अल्प मात्रा के कारण यह बिक्रियां समुचित तुलना की अनुमति नहीं देती हैं तो सामान्य मूल्य या तो
 - क. समान वस्तु की वह प्रतिनिधिक तुलनीय कीमत होती है जब उसका निर्यात निर्यातक देश या भू-भाग या उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित किसी समुचित तृतीय देश से किया गया हो; या
 - ख. उद्गम के देश में उस वस्तु की प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निर्धारित लाभ के लिए तर्कसंगत संवर्धन सहित उत्पादन लागत होती है;
- 78. प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और भारत के आयातों को प्रश्नाविलयां यह सुझाव देते हुए प्रेषित कि वे विहित स्वरुप और ढंग में सूचना उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों की सरकारों जिनमें नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात निर्यातक/आयातक भी शामिल थे, को प्रश्नावली संगत सूचना प्रदान कराने के लिए भेजी। निर्णायक समीक्षा में प्रतिभागिता करने के लिए भारी संख्या में अनुरोध को देखते हुए चीन जन गण में सम्बद्ध वस्तु के सभी ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों को (डब्लूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छंद-6.10 और पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) के परंतुक में उल्लिखित शर्तों के अनुसार) इस अनुरोध के साथ प्रेषित की वे भारत को उनके द्वारा निर्यात की गई सम्बद्ध वस्तु की मात्रा और मूल्य से संबंधित आधारभूत जानकारी (सैम्पलिंग प्रश्नावली) प्रदान करायें जिससे की समीक्षा के लिए चुने जाने वाले प्रतिवादियों की संख्या को सीमित किया जा सके। व्यक्तिगत समीक्षा के लिए प्रतिवादियों का चयन करने में इस बात का ख्याल रखा गया कि जांच की अविध के दौरान भारत

को निर्यात मात्रा के रुप में सबसे बड़े निर्यातक/उत्पादक का चयन किया जाए। इस पत्र का प्रत्युत्तर चीन जन.गण के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से प्राप्त हुआ।

- xi. जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- xii. यिविन टियानयूयान ग्रुप कंपनी लिमिटेड
- xiii. क्यूंगडाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड
- xiv. इनर मंगोलिया सनलियान कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड
- xv. टियानजिन एलजी डागू कैमिकल कंपनी लिमिटेड
- xvi. टियानजिन डागू कैमिकल कंपनी लिमिटेड
- xvii. शैनडोंग ओसन आयात-निर्यात कंपनी लिमिटेड
- xviii. जिन्जियांग झोंगताई कैमिकल कंपनी लिमिटेड
- xix. तंगसांन शैनयू क्लोर-अल्क्लाइ कंपनी लिमिटेड
- xx. चिपिंग जिनफा पीवीसी कंपनी लिमिटेड
- 79. निर्यात की सबसे बड़ी मात्रा की प्रतिशतता का सुनिश्चयन करने के लिए आंकड़ों की जांच की गई जिससे कि तर्क संगत ढंग से जांच की जा सके। यह पाया गया कि चोटी के चार बड़े निर्यातक उन सभी निर्यातकों की कुल मात्रा का 82 प्रतिशत निर्यात करते है जिन्होंने नमूना प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया गया है। अत: मात्रा के रुप में चोटी के चार उत्पादकों/निर्यातकों पर विचार करना चीन जन गण से निर्यात करने वाले सभी निर्यातकों को प्रलक्षित कर देगी, इसलिए नमूने में केवल निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों को ही शामिल करने का प्रस्ताव किया गया।

जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड

- vii. अअयिविन टियानयूयान ग्रुप कंपनी लिमिटेड
- vii क्यूंगडाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड
- viii. इनर मंगोलिया सनलियान कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड
- 80. चूंकि प्राधिकारी द्वारा प्रस्तावित नमूना प्रक्रिया के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर किसी भी हितबद्ध पक्षकार से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई इसलिए उल्लिखित चार नमूना कृत उत्पादकों और निर्यातकों से अनुरोध किया गया कि वे निर्यातक प्रश्नावली, एमईटी प्रश्नावली तथा अतिरिक्त निर्णायक समीक्षा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर निर्धारित स्वरुप और ढंग में विहित समय सीमा के अंदर दायर करें।
- 81. न्यादर्श किये गए चीन जन गण के चार उत्पादकों और निर्यातकों में से, प्रत्युत्तर की जांच के दौरान यह नोट किया गया कि इन न्यादर्श किये गये उत्पादकों/निर्यातकों में से दो ने सम्बद्ध वस्तु के उन सभी उत्पादकों के नाम का प्रकटन नहीं किया जिन्होंने उनके प्रत्युत्तर में भारत को निर्यात किया था। चूंकि उनके प्रत्युत्तर अपूर्ण पाये गये इसलिए इन दो उत्पादकों और निर्यातकों को पृथक पाटन मार्जिन दिये जाने का प्रस्ताव नहीं किया गया जिनकी सूचना को प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। शेष बचे दो उत्पादकों और निर्यातकों अर्थात इबीन टियानयूयांन ग्रुप कंपनी लिमिटेड और मैसर्स क्यूंगडाऊ हेजिंग केमिकल (ग्रुप) कंपनी कि विस्तृत जांच की गई और उन्हें उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर पृथक पाटन मार्जिन, जिसका स्पष्टीकरण नीचे दिया गया है प्रदान किया गया। उन कंपनियों को एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई जिनका प्राधिकारी ने स्थल स्त्यापन किया था।
- 82. चूंकि उपयुक्त कंपनियों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है इसलिए इन कंपनियों के संबंध में पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया। सम्बद्ध देशों से अन्य उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद -6.8 के साथ पठित पाटन रोधी नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तो के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कर दिया। तदनुसार प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया है:-

चीन जन गण के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध सामान्य मूल्य का निर्धारण

83. यह नोट किया जाता है कि उपयुक्त न्यादर्श किये गये किसी भी उत्पादक एवं निर्यातक ने एमईटी दर्जा प्रदान करने के लिए अनुरोध नहीं किया है और न ही उन्होंने उनके लिए अलग सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए कहा है। तदनुसार न्यादर्श किये गये चीन के निर्यातकों द्वारा गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खंडन किये जाने के अभाव में न्यादर्श किये गये उत्पादकों और निर्यातकों दोनों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। इस मामले में यह नोट किया गया कि घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन पत्र में हिरमन कैमसल्ट की रिपोर्ट उपलब्ध करायी है जो जांच की अविध के दौरान चीन जन गण में व्याप्त सम्बद्ध वस्तु की कीमत का उल्लेख करती है। प्राधिकारी के समक्ष हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई किसी अन्य सुचना के

अभाव में यह प्रस्ताव किया जाता है कि इन कीमतों को चीन जन गण के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सम्बद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के रुप में माना जाए।

चीन जन गण के न्यादर्श किये गये निर्णायतकों की निर्यात कीमत और व्यक्तिगत पाटन मार्जिन

क. मैसर्स क्यूंगडाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रूप) कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)

निर्यात कीमत

- 84. प्रत्युत्तर की जांच करने के दौरान यह नोट किया गया कि उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** एमटी पीवीसी का निर्यात किया है जिसमें भारत को प्रत्यक्ष रुप से निर्यात किये गये और असम्बद्ध निर्यातक मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड के जिरए शेष सम्बद्ध वस्तु का ***एमटी शामिल है। यह नोट किया गया कि प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात असम्बद्ध व्यापारी/निर्यातक ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड ने भारत को सम्बद्ध वस्तु की मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड निर्यातक के साथ उत्पादक आपूर्ति और उसी सम्बद्ध वस्तु का भारत को निर्यात करने का समाधान करने के संबंध में अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की। उसकी जांच करने के पश्चात निर्यातक उत्पादक के भारत को प्रत्यक्ष निर्यातों और इसके असंम्बद्ध निर्यातक के जिरए किये गये निर्यातों पर ध्यान दिया जाना उपयुक्त माना गया। प्रत्यक्ष निर्यातों के लिए यह नोट किया गया कि बीजक भारतीय आयातकों के संबंध में तैयार किये गये और उनसे भुगतान प्राप्त किये गये। इसके अतिरिक्त कंपनी ने जांच की अवधि के पश्चात की अवधि के दौरान भारत को कोई निर्यात नहीं किया है।
- 85. यह नोट किया गया कि निर्यात सीआईएफ या सीएफआर के रुप में किये गये है। इसिलए निर्यातक ने उन संव्यवहारों पर सभी प्रत्यक्ष बिक्री खर्ची जैसे अंतरर्देशीय भाड़ा सामुद्रिक भाड़ा और बीमा निर्यात पैकिंग और बैंक प्रभार का समायोजन करने का दावा किया है। कंपनी ने कुछ संव्यवहारों पर डिस्काउंट की अनुमित दी है। कंपनी ने घरेलू बिक्रियों पर 17 प्रतिशत वैट प्रतिसंदाय प्राप्त किया है जबिक इसने निर्यात बिक्रियों पर 13 प्रतिशत वैट प्रतिसंदाय प्राप्त किया। इसके परिणामस्वरुप निर्यात कीमत में चार प्रतिशत की कमी की गई। प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणी प्राप्त होने के पश्चात वैट समायोजन से संबंधित परिकलन ने थोड़ा सा संशोधन किया गया क्योंकि अब यह समायोजन एफओबी मूल्य के आधार पर किये गये थे।
- 86. अंतरदेशीय परिवहन व्यय जैसे दस्तावेज प्रभार, हैंडलिंग प्रभार, सीमाशुल्क घोषणा दलाली शुल्क एवं पत्तन प्रवाह, सामुद्रिक भाड़ा सीआईएफ पोत लदान की बीमा राशि जैसे व्ययों पर आंकडों की जांच करने के पश्चात विचार किया गया और तदनुसार फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया। उपर्युक्त निर्यातक उत्पादक का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण पाटन मार्जिन तालिका में किये गये उल्लेख के अनुसार किया गया।

<u>मैसर्स क्यूंगडाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड ("क्यूंगडाओ") से मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड के जरिए भारत को किये गये निर्यात</u>

- 87. मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लि. से दायर प्रत्युत्तर से यह नोट किया गया कि मैसर्स क्यूंगडाओ चीन जन.गण द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु को मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लि. द्वारा निर्यातक के रुप में भारत को निर्यात करते हुए दिखाया गया है। प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात क्यूंगडाओ हैजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी के लिए शीर्षक में किये गये उल्लेख के अनुसार मैसर्स ट्रिकान यूके ने उत्पादक और निर्यातक के बैक टू बैक बीजक के संबंध में तथा उत्पादक द्वारा निर्यातक को किये गये निर्यात को किये गये निर्यात के संबंध में स्पष्टीकरण दायर किया है। फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत का परिकलन उत्पादक तथा ट्रिकान एनर्जी यूके द्वारा किये गये फैक्ट्री पश्चात सभी खर्ची (बैंक प्रभार, सनदी देयता, डिस्काउंट, ब्याज, ब्याज व्यय, निर्यात एलसी शुल्क और समुद्र कार्गो बीमा) को घटाकर किया गया है। माह वार आधार पर इस तरह निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उनका भारित औसत आधार पर समाकलन करने से पहले माह वार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए किया गया। उत्पादक क्यूनडाओ की ओर से फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए श्रृंखला में व्यापारियों से संबंधित कुछ जरुरी समायोजन किये गये है।
- 88. प्रदान कराये गये समायोजन के मद्दे नजर क्यूनडाओ हैजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी द्वारा ट्रिकान यूके लिमिटेड के जरिए किये गये अप्रत्यक्ष निर्यातों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

(ख) मैसर्स इनर मंगोलिया शैनलियान कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड, चीन जन.गण निर्यात कीमत

- 89. कंपनी ने स्वयं अपने द्वारा उत्पादित और इसके संबंधित निकायो इनर मंगोलिया शैनलियान जिन्शांन कंपनी लिमिटेड और इनर मंगोलिया शैनलियान जिन्शांन प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया है। यद्यपि अन्य देशों में कुछ संव्यवहार असम्बद्ध व्यापारियों के जरिए दिये गये है और कुछ अन्य लेन देन अंतिम प्रयोक्ता भारत में वितरको को किये गये है।
- 90. सत्यापन के दौरान निर्यात खेपो की जांच और सत्यापन किया गया। यह पाया गया कि कंपनी के सम्बद्ध उत्पादकों ने पृथक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। स्थल सत्यापन दौरे के समय यह पूछा गया कि सम्बद्ध उत्पादकों ने सहयोग क्यों नहीं किया यह स्पष्ट किया गया कि निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए उनसे अपेक्षित

निर्यात संव्यवहारों के विवरण उनके लिए इनर मंगोलिया द्वारा प्रदान कराये गये थे और चूंकि दोनो ही सम्बद्ध उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे की मांग नहीं कर रहे थे इसलिए उनके पास कोई नई सूचना नहीं थी जिसे वह दायर कर सके। इस बात पर बल दिया गया कि यह तथ्य कि उसके दो सम्बद्ध उत्पादक मौजूद है जिन्होंने जांच की अविध के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात किया है। इसका उल्लेख निर्यातक प्रश्नावली में भी किया गया है।

- 91. यह नोट किया गया कि न्यादर्श किये गये सहयोगकर्ता निर्यातक ने सम्बद्ध उत्पादकों और निर्यातकों का प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है और इसलिए न्यादर्श किये गये उत्पादक और निर्यातक मैसर्स इनर मंगोलिया शैनलियान कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड, चीन जन गण के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है।
- (ग) जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) और झिन्जियांग शिहेजी जोंग्फा कैमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और झिन्जियांग ट्रियानई कंपनी लिमिटेड (कंसाइनर) निर्यात कीमत
- 92. जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड की स्थापना 30 नवम्बर, 2000 को चीन की कंपनी विधि के अंतर्गत एक सीमित देयता कंपनी के रुप में की गई थी। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स झिन्जियांग ट्रियानई ने भारत को किये गये निर्यातों का बीजक वार विवरण प्रस्तुत किया है।
- यह नोट किया जाता है कि यद्यपि न्यादर्श सहयोगकर्ता निर्यातक ने न्यादर्श प्रश्नावली प्रत्यत्तर में उत्पादक के 93. नाम का प्रकटन कर दिया है तथापि उसका नाम उत्पादकों की न्यादर्श की गई सूची में शामिल नहीं है और इसलिए प्रकटन विवरण में पृथेक पाटन मार्जिन का प्रस्ताव नहीं किया गया। प्रकटन विवरण के पश्चात यह इंगित किया गया कि उत्पादक का नाम न्यादर्श प्रश्नावली प्रत्युत्तर में और निर्यातक प्रत्युत्तर में भी दायर किया गया था और इसलिए न्यादर्श किये गये उत्पादक/निर्यातक के लिए पथक पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए। इस मामले की जांच की गई और यह नोट किया गया कि यह प्रत्युत्तर झिन्जियांग शिहेजी जोंग्फा कैमिकल कंपनी लिमिटेड के नाम पर उत्पादक के रुप में और जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) का नाम प्रत्युत्तर ने निर्यातक के रुप में दायर किया गया था। इस प्रत्युत्तर के जांचे करते समय यह नोट किया गया कि न्यादर्श किये गये उत्पादक और निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु की *** एमटी की बिक्री की थी। तथापि जांच की अवधि के दौरान उनके प्रत्यक्ष निर्यात *** एमटी थे। यह भी नोट किया जाता है कि किसी व्यापारी द्वारा जिसके जरिए न्यादर्श किये गये उत्पादक ने सम्बद्ध वस्तु की भारत को बिक्री की है, कोई बैक टू बैक बीजक प्रदान नहीं कराया गया है। उपयुक्त को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उनकी जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गये केवल प्रत्यक्ष[°]निर्यात पर ही विचार किया गया है। यह नोट किया गया कि यह निर्यात सीआईएफ अथवा सीएंडएफ शर्तो के अनुकूल है। इसलिए निर्यातक ने इन लेनदेनों पर सभी बिक्री प्रभारों का समायोजन करने का दावा किया है अर्थात कर्मीशन हैडलिंग एवं लोड़िंग शुल्क, अंतरदेर्शीय भाड़ा, समुद्रिक भाड़ा और बीमा, निर्यात पैकेजिंग और बैंक प्रभार। कंपनी को घरेलू बिक्रियों पर 17 प्रतिशत वैट प्रतिसंदाय प्राप्त हुआ जबकि इसे निर्यात बिक्रियों पर 13 प्रतिशत वैट प्रतिसंदाय प्राप्त हुआ। इसके परिणाम स्वरुप निर्यात कीमत में 4 प्रतिशत की कमी की गई। फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात का कीमत का निर्धारण निर्यातक की ओर से किये गये सभी खर्चों को घटाने के पश्चात किया गया। उपयुक्त निर्यातक उत्पादकों का भारत को किये गये प्रत्यक्ष निर्यात के लिए पाटन मार्जिन की गणना की गई है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

घ. <u>इविंन टियानयूआन ग्रुप कंपनी लिमिटेड</u> निर्यात कीमत

94. प्रत्युत्तर से यह नोट किया जाता है कि मैसर्स इविंन टियानयूआन ने भारत को प्रत्यक्षत: किये गये निर्यातों का बीजक वार विवरण प्रस्तुत किया है जिसमें वह बीजक मूल्य शामिल है जिसे प्राधिकारी निर्यात कीमत के आधार के रुप में मानते है। भारतीय ग्राहकों को उनकी प्रत्यक्ष बिक्रियों का समायोजन का दावा बैंक प्रभारों, सामुद्रिक भाड़ा, बीमा, अंतरर्देशीय भाड़ा, पैकेजिंग प्रभारों तथा क्लीयरिंग एवं हैंडलिंग प्रभारों के कारण किया गया है। तदनुसार फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा दावा किये गये समायोजन को ध्यान में रखकर किया गया है और प्राधिकारी उसकी जांच की गई है। उपर्युक्त निर्यातक के पाटन मार्जिन का परिकलन किया गया है और उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

चीन जन.गण के न्यादर्श किये गये सभी सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

95. सहयोगकर्ता न्यादर्शकृत निर्यातक उत्पादकों के लिए निवल निर्यात कीमत की तुलना उस माह के लिए समनुरुपी सामान्य मूल्य से की गई जिससे की भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत आधार का समृहन करने से पहले उस माह के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण कर लिया जाए।

चीन जन गण के न्यादर्श ना किये गये सभी सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

96. चूंकि भारित औसत पाटन मार्जिन की स्थापना चुंनिदा निर्यातकों या उत्पादकों के संबंध में की गई थी इसलिए चीन जन गण के गैर न्यादर्शकृत उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नियमावली के नियम 17 (3) में उल्लिखित शर्तों के अनुरुप किया गया।

चीन जन गण के सभी असहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

97. चीन जन गण के अन्य सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण उस देश से सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए परीक्षित आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

प्रतिवादी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु अपनाई गई सामान्य क्रियापद्धति

- 98. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु की कीमतों में उत्पतता रही है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन एवं क्षिति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए समस्त आंकड़ों का माह बार विश्लेषण किया है। इस माहवार आधार पर विश्लेषण को करने के लिए सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों से आवश्यक आंकड़े मंगाये गये, जिन्हें प्रस्तुत किया गया और मासिक आधार पर पाटन मार्जिन एवं क्षिति मार्जिन का निर्धारण किया गया।
- 99. प्राधिकारी ने उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर और नियमों के अनुसार सामान्य मूल्य का आकलन किया है। पहले यह देखा गया कि क्या प्रतिवादी निर्यातक/उत्पादक द्वारा सम्बद्ध वस्तु की की गई घरेलू बिक्री उसकी गृह बाजारों में प्रतिनिधिक बिक्री है या नहीं और क्या वह उनकी घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की अनुमति देने के लिए अर्थक्षम है या नहीं और क्या प्रतिवादियों द्वारा प्रदान कराये गये आंकड़ों के अनुसार व्यापार के समान्य अनुक्रम में परीक्षण हुआ है या नहीं। प्रतिवादियों ने अपने प्रत्युत्तर में अपनी गृह बाजारों में की गई बिक्रियों का खेपवार विवरण प्रदान कराया है। इसके अतिरिक्त यह निर्धारण करने के लिए कि क्या यह घरेलू बिक्रियों व्यापार के सामान्य अनुक्रम में की गई है, सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में सभी घरेलू बिक्री संव्यवहारों की जांच की गई। यह भी देखा गया कि क्या घाटा पहुंचाने वाले संव्यवहार कुल बिक्री के 20 प्रतिशत के बराबर है या नहीं जहां कहीं लाभदायक घरेलू बिक्री संव्यवहार कुल बिक्रियों का 80 प्रतिशत से अधिक पाया गया वहां घरेलू बिक्रियों की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है। तथापि जहां कही लाभदायक बिक्री मात्रा को 80 प्रतिशत से कम पाया गया वहां लाभप्रदायक घरेलू बिक्रियों की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया।

ताइवान के सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत

100. सम्बद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है।

<u>फोरमोसा पलास्टिक्स कारपोरेशन (एफपीसी), ताइवान (उत्पादक एवं निर्यातक)</u> सामान्य मूल्य

- 101. यह कंपनी जिसकी स्थापना वर्ष 1954 में की गई थी, एक बहु उत्पाद कंपनी है। पीवीसी के अलावा यह कंपनी एक दर्जन से अधिक उत्पादों का उत्पादन करती है यह कंपनी ताइवान में विभिन्न स्थानों पर अवस्थित अपने तीन संयंत्रों में से एक में सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण करती है। यह नोट किया गया कि पीवीसी का उत्पादन करने के लिए अपेक्षित प्रमुख कच्चा माल वीसीएम है और कंपनी द्वारा उसका ग्राही विनिर्माण ताइवान में विभिन्न स्थानों पर स्थित अपने संयंत्रों में से दो संयंत्रों में किया जाता है। यह नोट किया गया कि एफपीसी ना केवल इस कच्चे माल का ग्राही उत्पादन करता है बल्कि वह वीसीएम का विनिर्माण करने के लिए अपेक्षित अन्य इनपुटों जैसे क्लोरिन, इथाइलीन क्लोराइड का विनिर्माण भी करती है। वीसीएम का विनिर्माण करने में प्रयोग होने वाला प्रमुख कच्चा माल ईडीसी और इथाइलीन है। ईडीसी का विनिर्माण करने के लिए अपेक्षित प्रमुख कच्चा माल इथाइलीन है। यद्यपि एफपीसी ईडीसी का ग्राही उत्पादन करता है परंतु इसने इथाइलीन की खरीद अधिकांशत: घरेलू रुप से की है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत माह बार उत्पादन लागत के विवरण की जांच की गई और उसके पश्चात व्यापार के सामान्य अनुक्रम परीक्षण के लिए उसका आकलन किया गया।
- 102. यह नोट किया गया कि कंपनी ने परिशिष्ट-1 में *** संव्यवहारों की सूचना दी थी। यह भी नोट किया गया कि कंपनी ने *** किग्रा. सम्बद्ध वस्तु की बिक्री घरेलू बाजारों में की थी। यह नोट किया गया कि सम्बद्ध वस्तु का लगभग *** प्रतिशत की बिक्री घरेलू बाजार में अपने सम्बद्ध पक्षकारों को की गई और शेष *** प्रतिशत की बिक्री असम्बद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियां लगभग समान दरों पर की गई जिनपर वह बिक्री असम्बद्ध पक्षकारों को की गई। कंपनी ने घरेलू अंतर्र्देशीय भाड़ा, पैकिंग और क्रेडिट व्यय तथा घरेलू बिक्रियों के संबंध में रिबेटों के कारण समायोजन का दावा किया गया है।
- 103. इस कंपनी द्वारा दायर किये गये प्रत्युत्तरों की जांच की गई। प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह नोट किया गया कि कंपनी ने सम्बद्ध वस्तु के लिए माह बार लागत निर्धारण किया है। जांच से यह नोट किया गया कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता परीक्षण को पूरा करती है। सम्बद्ध वस्तु की प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-8ख में यथाइंगित उत्पादन लागत को व्यापार के सामान्य अनुक्रम का परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया है। सामान्य व्यापार अनुक्रम परीक्षण करते समय यह नोट किया गया कि जांच की अवधि (पीओआई के दौरान *** प्रतिशत समग्र) के प्रत्येक 12 माह में से *** में घरेलू बिक्रियां लाभदायक (मात्रा के रुप में 80 प्रतिशत से अधिक) रही और इसलिए *** माह के प्रत्येक माह के लिए कुल बिक्री तथा शेष महीनों के लिए उनकी लाभदायक बिक्रियों को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए विचार में लिया गया है। जांच के पश्चात उसका समायोजन करने की अनुमित दे दी गई। उत्पादक द्वारा अंतरर्देशीय भाड़ा, पैकिंग लागत, क्रेडिट लागत के संबंध में दावा किये गये खर्चों का समायोजन

करने की अनुमित सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए दे दी गई। इन निर्धारणों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन मासिक आधार पर किया गया है।

एफपीसी ताइवान से भारत को निर्यात कीमत

104. कंपनी के परिशिष्ट-2 में *** लेन देनों की जांच की अवधि के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु निर्यात को दर्शाते हुए रिपोर्ट की गई। पुन: यह नोट किया गया कि परिशिष्ट-2 में हुए *** संव्यवहारों में से *** संव्यवहार भारत को प्रत्यक्ष बिक्री के रुप में थे और *** संव्यवहार भारत के बाहर *** व्यापारियों के माध्यम से किये गये थे। *** व्यापारियों में से मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड ने प्राधिकारी को प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया। यह नोट किया गया कि क्योंकि बताये गये व्यापारियों के जिरए किये गये संव्यवहार छोटे-छोटे थे इसलिए मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड के अलावा अन्य किसी ने प्रत्युत्तर दायर नहीं किया। प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों के निर्यात कीमतों की जांच उनके द्वारा दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर की गई निर्यात कीमत और उनके समायोजनों की अनुमित जांच के पश्चात की गई। फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत का परिकलन फैक्ट्री से बाहर होने वाले सभी खर्ची अर्थात पैकेजिंग व्यय, अंतर्र्देशीय भाड़ा व्यापार संवर्धन शुल्क, समुद्री भाड़ा, कमशीन, निकासी एवं अनुषंगी व्यय, बैंक प्रभाव, वार्ता हित, पत्तन सेवाएं, लोडिंग शुल्क, लैडिंग बिल आदि घटाकर किया गया है जो उत्पादक द्वारा किये गये। इस तरह प्राप्त निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए किया गया। यह कार्य भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत का समाकलन करने से पहले किया गया।

एफपीसी ताइवान से मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड (ट्रिकान यूके) के जरिए भारत को निर्यात कीमत

- 105. यह पुन: स्पष्ट किया जाता है कि प्रकटन विवरण में उत्पादकों और निर्यातकों/व्यापारियों से बैक टू बैक बीजक का समाधान न होने के कारण यह नोट किया गया था कि सम्बद्ध वस्तु के उत्पादक एफपीसी, ताइवान का मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड और ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड का भारत के बीच सम्पर्क के अभाव में मैसर्स एफपीसी ताइवान और मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड से सरणियों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का प्रस्ताव नहीं किया गया है।
- मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड से प्राप्त प्रत्युतर से यह नोट किया गया कि मैसर्स एफपीसी ताइवान द्वारा 106 उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ संव्यवहारों को भारत को निर्यात के लिए मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यके लिमिटेड की ओर से किये गये निर्यातों के रुप में दर्शीया गया है। अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करने के पश्चात मैसर्स ट्रिकान युके ने बैक टू बैक बीजकों का समाधान करने में कुछ त्रुटियों की ओर इशारा किया क्योंकि बिक्री के लिए किये गये कुछ संव्यवहार जिनका निर्यात मैसर्स एफपीसी ताइवान द्वारा भारत को नहीं किया गया था, का उल्लेख परिशिष्ट-2 में की गई निर्यात कीमत संगणना में किया गया था वास्तव में इन निर्यातों को एफपीसी ताइवान द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार एफपीसी ताइवान द्वारा भारत को किये गये प्रत्यक्ष निर्यातों के रुप में किया गया था। अनिवॉर्य तेथ्यों का प्रकॅटन करने के पश्चात ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड ने स्पष्ट किया कि *** एमटी के संव्यवहारों के अलावा भारत को किये गये सभी निर्यात, जिनका उल्लेख पहले ट्रिकान एनर्जी यूके के माध्यम से किये गये निर्यातों के रूप में किया गया था, वास्तव में उनका निर्यात एफपीसी ताइवान द्वारा भारत को प्रत्यक्ष रूप से किया गया था। इस सम्बंध में कंपनी ने प्रस्तुत किया है कि भारत को उनके संव्यहार पूर्ण थे और मात्रा के रूप में होनी वाली दुविथा का निराकरण स्थल सत्यापन के दौरान कर दिया था। मैसर्स एफपीसी ताइवान के प्रत्युत्तर से यह भी नोट किया गया कि *** एम टी के संव्यवहारों के अलावा भारत को निर्यात की गई सभी शेष मात्रों (जिसका पहले ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड द्वारा किया जाना बताया गया था) भारतीय आयातकों को प्रत्यक्ष रूप से उनके द्वारा किया गया था।
- 107. प्राधिकारी ने ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड की निर्यात कीमत की जांच उनके द्वारा दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर की। यह नोट किया गया कि मैसर्स एफपीसी ताइवान ने ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड के जिरए भारत को संवद्ध वस्तु की *** किया. मात्रा की बिक्री की थी। उसी मात्रा की सूचना ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड ने अपने *** संव्यवहारों में की है। निर्यात कीमत और उनके समायोजन की अनुमित जांच के पश्चात् दी गई है। फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत की गणना निर्यातक उत्पादक अर्थात मैसर्स एफपीसी ताइवान और निर्यातक अर्थात मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड द्वारा फैक्ट्री से बाहर किये जाने वाले सभी खर्चों को घटाकर की गई है (बैक प्रभार, सनदी देयता, डिस्काउंट ब्याज, भाड़ा लागत, ब्याज व्यय, निर्यात एलसी शुल्क तथा समुद्र कार्गो बीमा और एसजीए)। अंत में एफपीसी ताइवान की निर्धारित निवल निर्यात कीमतों की तुलना उस माह के लिए पाटन मार्जिन की गणना करने हेतु उस माह के लिए समनुरूपी सामान्य मूल्य से की गई।
- 108. अंत में एफपीसी ताइवान के लिए माह वार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग माह वार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए, उनका भारित औसत पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए भारित औसत आधार पर समूहन करने के पूर्व प्रयोग किया गया है।
- 109. जांच के पश्चात् ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड के जरिए एफपीसी ताइवान के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया और उपयुक्त संयोजन के लिए इस तरह निर्धारित पाटन मार्जिन और पाटन मार्जिन प्रतिशत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

चीन जनरल प्लास्टिक्स कारपोरेशन ("सीजीपीसी") ताइवान सामान्य मूल्य

- 110. यह नोट किया गया कि यह कंपनी जिसकी स्थापना 1964 में की गई थी एक बहुउत्पाद कंपनी है। पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड के अलावा यह कंपनी पीवीसी पाइप, एन्टी-कोरोजन लाइनर, स्पंज लेदर, पीवीसी लेदर, पीवीएस फ्लेक्सिविल फिल्म आदि का निर्माण भी करती है। पीवीसी संस्पेंशन ग्रेड कंपनी की कुल बिक्री मात्रा का लगभग *** प्रतिशत है। यह भी नोट किया गया कि पीवीसी का उत्पादन करने के लिए अपेक्षित आधारभूत कच्चा माल वीसीएम हैं। कंपनी उसको ताइवान स्थित अपनी एक सम्बद्ध कंपनी से प्राप्त करती है। यह नोट किया गया कि परिशिष्ट-1 में कंपनी ने *** संव्यवहारों की रिपोर्ट की थी। कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की *** किग्रा. (***एनटीडी) की बिक्री की थी।
- 111. कंपनी द्वारा परिशिष्ट-7 और 8 में जांच की अविध के लिए रिपोर्ट किये गये आंकड़ों का समाधान किया गया और उनका मिलान वर्ष 2011, मार्च, 2011 को समाप्त तिमाही और मार्च, 2012 को समाप्त तिमाही के लिए लेखापरीक्षित लेखाओं में उल्लिखित आंकड़ों से किया गया। पीवीसी सस्पेंशन रेजिन का उत्पादन करने के लिए प्रयोग किया जाने वाला प्रमुख कच्चा माल वीसीएम है। यह नोट किया गया कि सीजीपीसी इस कच्चे माल की खरीद अपनी एक सम्बद्ध कंपनी ताइवान वीसीएम कारपोरेशन से करती है। कंपनी ने यह दर्शाने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि सम्बद्ध कच्चे माल की खरीद बराबर कीमतों पर की जाती है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध कंपनी से वीसीएम की औसत क्रय कीमत औसत बाजार कीमतों से तुलनीय है। मासिक आधार पर उत्पादन लागत विवरण की तुलना समग्र रुप से जांच की अविध के लिए प्रस्तुत लागत विवरण से की गई है।
- 112. यह नोट किया गया कि सम्बद्ध वस्तु की *** प्रतिशत से कम मात्रा की बिक्री घरेलू बाजार में सम्बद्ध पक्षकारों को की गई है और शेष बिक्रियां असम्बद्ध पक्षकारों को की गई। यह नोट किया गया कि सम्बद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियां लगभग उस समान दर पर थी जिसपर असम्बद्ध पक्षकार को बिक्री की गई। उपर्युक्त को देखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उनकी समस्त बिक्री को ध्यान में रखा गया। परिशिष्ट-1 के अनुसार कंपनी ने अपनी घरेलू बिक्रियों के संबंध में कमीशन, रिबेट, डिस्काउंट, घरेलू अंतरदेशींय भाड़ा, पैकेजिंग, भंडारण, वारंटी और क्रेडिट व्यय के समायोजन का दावा किया है। पर्याप्तता जांच और व्यापार के सामान्य अनुक्रम जांच करने के पश्चात घरेलू बिक्रियों के लिए उपयुक्त समायोजनों को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य का मासिक आधार पर निर्धारण किया गया है। सामान्य व्यापार परीक्षण करते समय यह नोट किया गया कि जांच की अवधि (जांच की अवधि के दौरान समग्र *** प्रतिशत) के प्रत्येक माह हुई *** बिक्रियों में से *** बिक्रियां लाभदायक (मात्रा में 80 प्रतिशत से अधिक) थी और इसलिए *** महीनों में से प्रत्येक माह के लिए उनकी कुल बिक्रियां तथा शेष महीनों के लिए उनकी लाभदायक बिक्रियां ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

भारत को निर्यात बिक्रियां

113. कंपनी द्वारा रिपोर्ट किये गये परिशिष्ट-2 से यह नोट किया गया कि जांच की अवधि के दौरान भारत को पीवीसी का *** किग्रा. (*** अमरीकी डालर) के निर्यात को दर्शाते हुए *** संव्यवहार किये गये थे। पुन: यह नोट किया गया कि इन *** संव्यवहारों में से *** संव्यवहार भारत को प्रत्यक्ष बिक्रियों के रूप में और *** संव्यवहार *** व्यापारियों के जरिए किये गये थे जो भारत से बाहर के थे। इन *** व्यापारियों में से मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड और मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने प्राधिकारी के समक्ष व्यापक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। यह नोट किया गया कि भारत को समबद्ध वस्तु की बिक्री मुख्यत: सीआईएफ आधार पर की गई थी और यह कि भारत को निर्यात के संबंध में किये गये व्यय उत्पादक/निर्यातक द्वारा किये गये है। कंपनी ने समुद्री भाड़ा अंतर्राष्ट्रीय बीमा, अंतरदेशीय भाड़ा, पैकिंग व्यय, बैंक प्रभार, अन्य दलाली शुल्क, व्यापार संवर्धन शुल्क, क्रेडिट लागत और अन्य-पत्तन सेवा शुल्क तथा क्रेडिट लागत के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। इस तरह माह वार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग माहवाह आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण, भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत पर उनका समूहन करने से पहले, करने के लिए प्रयोग किया गया है।

मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, ताइवान के जरिए भारत को की गई निर्यात बिक्रियां

114. यह नोट किया गया कि मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने भारत को सम्बद्ध वस्तु के निर्यातों के लिए, जिनका प्रापण उसने मैसर्स सीजीपीसी ताइवान से किया था, निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। तथापि कंपनी इसके द्वारा दायर की गई सूचना का स्थल सत्यापन कराने के लिए सहमत नहीं हुई। मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा असहयोग को देखते हुए मैसर्स पावेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जिए मैसर्स सीजीपीसी द्वारा भारत को किए गये निर्यातों के लिए अलग से पाटन मार्जिन प्रदान करने की सहमित दी गई।

सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन ("सीजीपीसी पोलिमर"), ताइवान

सामान्य मूल्य

115. मैसर्स सीजीपीसी पोलिमर ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन फरवरी, 2012 में प्रारंभ किया था और उन्हें जांच की अवधि के दौरान अभी अपना उत्पादन स्थिर करना बाकी था। पुन: यह नोट किया गया कि परिशिष्ट-7 और 8 में रिपोर्ट की गई अवधि के लिए उत्पादन लागत सामान्य उत्पादन लागत का प्रतिनिधत्व नहीं करती है कि क्योंकि जांच की अवधि के दौरान संयंत्र का प्रचालन स्थिर नहीं हो पाया था। परिशिष्ट-6 में दिये गये पीवीसी का प्रति यूनिट उत्पादन करने के लिए वीसीएम की खपत की तुलना परिशिष्ट-5 में उल्लिखित कुल खपत से आंकड़ों से की गई और यह पाया गया कि वे दोनों मेल नहीं खाते है। पीवीसी सस्पेंशन रेजिन का प्रयोग विनिर्माण करने में

प्रयोग किया जाने वाला प्रमुख कच्चा माल वीसीएम है। यह नोट किया गया कि मैसर्स सीजीपीसी पोलिमर इस कच्चे माल की खरीद अपनी एक सम्बद्ध कंपनी, ताइवान वीसीएम कारपोरेशन से करती है। कंपनी ने यह दर्शाने के लिए कि सम्बद्ध कच्चे माल की खरीद आसान कीमत पर की गई है, दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया है। उत्पादक और निर्यातक द्वारा सीजीपीसी पोलिमर द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का निर्धारण करने के संबंध में प्रस्तुत सूचना का समाधान न हो पाने को ध्यान में रखते हुए व्यापार परीक्षण का सामान्य अनुक्रम कंपनी द्वारा की गई घरेलू बिक्रियों के संबंध में नहीं किया जा सका। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

भारत को निर्यात बिक्रियां

116. यह नोट किया गया कि कंपनी ने परिशिष्ट-2 में जांच अविध के दौरान भारत को पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के *** किया. (*** अमरीकी डालर) के निर्यातों को दर्शाते हुए *** संव्यवहारों को रिपोर्ट किया है। यह पुन: यह नोट किया गया कि इन *** संव्यवहारों में से *** भारत को प्रत्यक्ष बिक्रियां थी और *** संव्यवहार मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जिए किये गये थे। मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है परंतु उसने सत्यापन में प्रतिभागिता करने से मना कर दिया। यह नोट किया गया कि भारत को की गई सम्बद्ध वस्तु की समस्त बिक्रियां सीआईएफ आधार पर की गई थी और भारत को किये गये निर्यात के संबंध में व्यय का वहन उत्पादक/निर्यातक द्वारा किया गया। कंपनी ने भाड़ा, लोडिंग शुल्क, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, अंतरर्देशीय भाड़ा, पैकिंग व्यय, बैंक प्रभार, अन्य दलाली शुल्क, अन्यव्यापार संवर्धन शुल्क तथा अन्य-पत्तन सेवा शुल्क के आधार पर समायोजन का दावा किया है। इस तरह महावार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत आधार पर समुचयन करने से पहले किया गया।

मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जरिए भारत को की गई निर्यात बिक्रियां

117. यह नोट किया गया कि *** संव्यवहारों में से *** संव्यवहार भारत को प्रत्यक्ष बिक्रियां की और *** संव्यवहार मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जिए किये गये थे। मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है परंतु सत्यापन में प्रतिभागिता करने से मना कर दिया। मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड से असहयोग को देखते हुए मैसर्स पोवेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के जिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

ओसन प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड ("ओवीसी") ताइवान

- 118. कंपनी की स्थापना 1965 में की गई थी। यह कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है। पीवीसी के अलावा यह कंपनी अन्य उत्पादों का उत्पादन भी करती है। कंपनी सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण हैं हु ईस्ट रोड, है हु गांव, लुचु हिसयाग, ताओ- यूआन, ताइवान में करती है। यह प्रस्तुत किया गया कि कंपनी वीसीएम मोनोमर का पालिमराईजेशन पीवीसी के रुप में करती है। रिएक्टर को नियंत्रित करके वह विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न ग्रेड का प्रयोग करते है। सत्यापन के दौरान यह प्रस्तुत किया गया कि वे वीसीएम की खरीद जापान से करते है और टीवीसीएम से करते है जिसमें उनका छोटा सा पण है।
- 119. पीवीसी सस्पेंशन रेजिन का विनिर्माण करने में प्रयोग किया जाने वाला प्रमुख कच्चा माल वीसीएम है। यह नोट किया गया की ओपीसी इस कच्चे माल की खरीद अपनी एक सम्बद्ध कंपनी ताइवान वीसीएम कारपोरेशन से करती है और उसका आयात असंम्बद्ध पक्षकारों से भी किया जाता है। कंपनी ने यह दर्शाने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि सम्बद्ध कच्चे माल की खरीद सस्ती कीमतों पर इसकी सम्बद्ध कंपनियों से की गई थी। कंपनी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध कंपनियों से वीसीएम की औसत खरीद कीमत असम्बद्ध कंपनियों से आयातित वीसीएम की औसत खरीद कीमत से तुलनीय है। तथापी, ओपीसी द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का निर्धारण करने के संबंध में निर्यातकों और उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का समाधान ना हो पाये के कारण व्यापार परीक्षण का सामान्य अनुक्रम कंपनी द्वारा की गई घरेलू बिक्रियों के संबंध में नहीं किया जा सका। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

भारत को निर्यात बिक्रियां

120. परिशिष्ट-2 से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने *** संव्यवहारों को रिपोर्ट किया है जिसमें जांच की अविध के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु का *** अमरीकी डालर का निर्यात दर्शाया गया है। यह नोट किया गया कि सत्यापन के दौरान सम्बद्ध वस्तु की भारत को की गई सभी बिक्रियां एफओबी या सीआईएफ आधार पर की गई थी और यह कि भारत को निर्यात के संबंध में व्यय का वहन व्यापार मोड के आधार पर उत्पादक/निर्यातक द्वारा किया गया था। कंपनी ने कमीशन, निर्यातक देश में अंतर्रदेशीय भाड़ा, बीमा, हैडलिंग शुल्क, निर्यात विकास प्रभार, क्रेडिट लागत, बैंक प्रभार, डीएचसी, भाड़ा, पत्तन शुल्क पर हुए व्यय के समायोजन का दावा किया है। समायोजन सहित निर्यात कीमत के दावों को कंपनी के दावों की जांच करने के पश्चात स्वीकार कर लिया गया। इस तरह महावार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत आधार पर समुचयन करने से पहले किया गया।

कोरिया आरपी एलजी केम लिमिटेड, कोरिया आरपी

सामान्य मुल्य

यह नोट किया जाता है कि कंपनी, जिसकी स्थापना 1954 में की गई थी, एक बहु उत्पाद कंपनी है। पीवीसी के 121. अलावा यह कंपनी पैट्रो रसायन प्रभाग में उत्पादन भी करती है जो कई उत्पादों कॉ उत्पादन करने में अंतर्ग्रस्त है। यह नोट किया जाता है कि पीवीसी का उत्पादन करने के लिए अपेक्षित प्रमुख कच्चा माल वीसीएम है जिसका ग्राही उत्पादन किया जाता है। सम्बद्ध वस्तु का निर्माण इओशु और देशान स्थित दो संयंत्रों में किया जाता है। यह कंपनी बैकवड एकीकृत प्रणाली के आधार पर प्रचालन करती है। वीसीएम का उत्पादन इडीसी का प्रयोग करके किया जाता है। ईडीँसी का विनिर्माण इथायलीन का प्रयोग करके किया जाता है और इथायलीन का उत्पादन इस कंपनी द्वारा किया जाता है। कच्चे माल की खपत एनपी रिपोर्ट के लिए कच्चे माल की खपत के अनुरुप थी और इसके साथ मासिक मालसूची रिपोर्ट लगाई गई थीं जो जांच की अवधि के दौरान प्रत्येक माह किये गये खपत मात्रा और मूल्य को दर्शाती थी। यह नोट किया गया कि कंपनी ने घरेलू बिक्रियों के लिए *** संव्यवहारों को रिपोर्ट किया है। कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की *** किग्रा. (*** केआरडब्ल्यू) की बिकी की है। यह नोट किया गया कि सम्बद्ध वस्तु का लगभग *** प्रतिशत घॅरेलू बाजार में सम्बद्ध पक्षकारों को बेचा गया और शेष *** प्रतिशत की बिक्री असम्बद्ध पक्षकारों को की गई। यह नोटे किया गया कि असम्बद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियों की दर व्यापक रुप से वही थी जिसपर असम्बद्ध पक्षेकारों को बिक्रियां की गई थी। कंपनी ने घरेलू अंतरदेशीय भाड़ा, अपनी घरेलू बिक्रियों के संबंध में पैकिंग और क्रेडिट व्यय के आधार पर समायोजन का दोवा किया है जिसकी अनुमति जांच और सत्यापन के पश्चात दे दी गई। पर्याप्त जांच करने और व्यापार जांच करने के पश्चात माह वार ऑधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बिक्रियों के लिए उपर्युक्त समायोजनों को ध्यान में रखकर किया गया है। सामान्य अनुक्रमे व्यापार परीक्षण करेते समय यह नोट किया गया कि जांच अवधि (जांच की अवधि के दौरान समग्र *** प्रतिशत) के प्रत्येक माह में *** प्रतिशत बिक्रियां लाभदायक (मात्रा के रुप में 80 प्रतिशत से अधिक) थीं और इस लिए सामान्य मृल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उनकी समग्र बिक्रियों पर विचार किया गया है।

भारत को निर्यात बिक्रियां

122. परिशिष्ट- 2 में दी गई सूचना से यह नोट किया गया कि कंपनी ने *** संव्यवहार किये जिसमें जांच की अविध के दौरान पीवीसी का भारत को *** किग्रा. (*** अमरीकी डालर) का निर्यात किया गया। यह भी नोट किया गया कि भारत को सम्बद्ध वस्तु की सभी बिक्रियां सीएफआर और सीआईएफ आधार पर की गई है और यह कि भारत को निर्यात से सम्बंधित किया गया समस्त व्यय निर्यातक/उत्पादक द्वारा किया गया है। कंपनी ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, क्रेडिट व्यय, समुद्रपारीय बीमा, सीमाशुल्क एजेंट फीस, कमीशन, पैकिंग व्यय, बैंक प्रभार और शुल्क प्रति अदायगी के आधार पर समायोजन का दावा किया है। ऊपर उद्धृत मदों के संबंध में समायोजन के दावे का आधारभूत रिकार्डी/समर्थनकारी दस्तावेजों से सत्यापन किया गया। इस तरह महावार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत

हान्वाह केमिकल कारपोरेशन (एचसीसी) और हान्वाह कारपोरेशन (एचडब्ल्यूएच) कोरिया आरपी

यह नोट किया गया कि मैसर्स एचसीसी की कोरिया में उलसान और एओशु नामक स्थान पर स्थित दो कारखाने 123. हैं। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन दोनों कारखानों में किया जाता है। कंपनी बैकवड एकीकृत यूनिट के आधार पर प्रचालन करती है और ईडीसी जैसे कच्चे माल तथा वीसीएम का उत्पादन करती है। विचाराधीन उत्पाद वीसीएम और ईडीसी दोनों का उत्पादन दोनों संयंत्रों अर्थात उलसान और एओश् में किया जाता है । कंपनी इथायलीन की खरीद अपने असम्बद्ध प्रदायकों तथा सम्बद्ध प्रदायकों दोनों से करती है। ईडीसी का उत्पादन इथायलीन का प्रयोग करके और वीसीएम का उत्पादन ईडीसी का प्रयोग करके किया जातो है। यह भी नोट किया जाता है कि ऊपर सुचीबद्ध कोई शेयर होल्डर जांचाधीन उत्पाद का उत्पादन करने से संबंधित क्रियाकलाप में अंतरग्रस्त नहीं है, होन्वाह कारपोरेशन को छोड़कर। निर्यातक की प्रस्तृतिकरण से यह नोट किया जाता है कि जांचाधीन उत्पाद की निर्यात बिक्रियों के लिए मैसर्स हान्वाह कारपोरेशन की बिक्री दस्तावेजों जैसे वाणिज्यिक बीजक और लैडिंग बिल का प्रहस्तन करने की सीमित भूमिका है। यह नोट किया जाता है कि एचडब्ल्यूसी के जरिए एचसीसी द्वारा किये गये निर्यात संव्यवहार कमीशेन/हैंडलिंग करार के अनुसरण में किये गये है। यह नोट किया जाता है कि निर्यात बिक्रियों में हान्वाह कारपोरेशन को बिक्री दस्तावेजों का रखरखाव करने और समुद्री बीमा तथा बैंक प्रभारों को कवर करने के लिए एचसीसी से कमीशन मिलती है। इसके अतिरिक्त यह नोट किया गया कि कोरिया के सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा जारी एक निर्यात परमिट नामक दस्तावेज है जो एचडब्ल्यूसी को निर्यातक के रुप में और एचसीसी को उत्पादक के रुप में निर्यात करने की अनुमति प्रदान करता है।

सामान्य मूल्य

124. परिशिष्ट-1 में यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने *** संव्यवहारों की सूचना दी है। कंपनी ने घरेलू बाजार में
*** एमटी (*** केआरडब्ल्यू) सम्बद्ध वस्तु की बिक्री की है। जांच के दौरान ऐसा पाया कि मासिक उत्पादन मात्रा
और लागत का समाधान कर दिया गया। जांच की अविध के लिए लेखा शीर्षों के समाधान किया गया जिससे
परिशिष्ट 7 में प्रदर्शित आंकड़ों की तुलना की गई। परिशिष्ट-1 के अनुसार कंपनी ने अपनी घरेलू बिक्रियों के संबंध
में घरेलू अंतरदेशीय भाड़ा, पैकिंग एवं क्रेडिट व्यय के आधार पर समायोजन का दावा किया है। यह नोट किया

गया कि सम्बद्ध वस्तु के लगभग *** प्रतिशत की बिक्री घरेलू बाजार में सम्बद्ध पक्षकारों को तथा शेष *** प्रतिशत की बिक्री असम्बद्ध पक्षकारों को की गई। यह नोट किया गया कि सम्बद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियां उसी दर पर की गई थी जिस दर पर बिक्री असम्बद्ध पक्षकारों को की गई। पर्याप्त परीक्षण और सामान्य व्यापार अनुक्रम परीक्षण के पश्चात माहवार आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बिक्रियों के लिए उपर्युक्त समायोजनों को ध्यान में रखकर की गई। सामान्य व्यापार अनुक्रम परीक्षण करते समय यह नोट किया गया कि जांच की अवधि (जांच की अवधि के दौरान समग्र *** प्रतिशत) के प्रत्येक माह में घरेलू बिक्रियां लाभदायक (मात्रा के रुप में 80 प्रतिशत से अधिक) रही और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ सम्पूर्ण बिक्री को ध्यान में रखा गया।

भारत को निर्यात बिक्रियां

125. परिशिष्ट-2 में यह नोट किया गया कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को पीवीसी के *** संव्यवहारों में *** एमटी (*** अमरीकी डालर) का निर्यात किया था। यह नोट किया गया कि भारत को संम्बद्ध वस्तु की सभी विक्रियां सीआईएएफ आधार पर की गई थी और यह कि भारत को निर्यात के संबंध में किया गया समस्त व्यय निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा वहन किया गया था। कंपनी ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, क्रेडिट व्यय, ट्रर्मिनल हैंडलिंग प्रभाग, सीमाशुल्क एजेंट कमीशन, हान्वाह कारपोरेशन को कमीशन, पैकिंग व्यय, के आधार पर समायोजन का दावा किया है। हान्वाह केमिकल कारपोरेशन द्वारा हान्वाह कारपोरेशन को दी गई कमीशन में वैकिंग प्रभाग और समुद्री बीमा शामिल है। चूंकि आयातित माल की खपत नगण्य थी इसलिए शुल्क प्रतिअदायगी का दावा नहीं किया गया। इस तरह माहवार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत आधार पर समुच्चयन करने से पहले किया गया।

मैसर्स वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन, युएसए

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

- 126. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स वेस्टलेक केमिकल कारपोरेशन (''वेस्टलेक'') स्टेट ऑफ डेलावेयर, संयुक्त राज्य अमेरिका में पंजीकृत एक सार्वजनिक स्वामित्व वाला निगम है। गीजमर, लुसीयाना और कावर्ट सिटी, केन्टकी सुविधाएं संयुक्त राज्य में एकमात्र वेस्टलेक सुविधाएं हैं जो पीवीसी रेजिन का उत्पादन करने में समर्थ हैं। वेस्टलेक केमिकल कारपोरेशन अर्थात ''कंपनी का वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन में 100 प्रतिशत स्वामित्व है जिसका बदले में गीजमर, लुसीयाना सुविधाओं में 100 प्रतिशत स्वामित्व है। वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन का वेस्टलेक पीवीसी कारपोरेशन में 100 प्रतिशत स्वामित्व है जिसकी कावर्ट सिटी, केन्टकी सुविधा और सल्फर लुसियाना सुविधा दोनों अनुषंगी कंपनियां हैं। वेस्टलेक घरेलू बाजार में पीवीसी रेजिन की बिक्री अंतिम प्रयोक्ताओं को प्रत्यक्ष रुप से और अंतिम प्रयोक्ताओं को ब्यापारियों के जरिए करता है। यह नोट किया जाता है कि उन्होंने इन दोनों सुविधाओं से घरेलू बिक्रियों का प्रस्तुतिकरण निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-1 में किया है।
- इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन ने निर्यातक प्रश्नावली और अतिरिक्त 127. निर्यातक प्रश्नावली (भाग-2) के प्रत्युत्तर दायर किये हैं दोनों प्रश्नावलियों में उल्लिखित सुचना के लिए प्रश्न एवं अनुरोध पीवीसी-एस की युएस उत्पादन लागत और वैश्विक बिक्रियों से संबंधित हैं। यह निगम युएस में स्थित अपने दो संयंत्रों-गीजमर प्लोट और कावर्ट सिटी प्लांट में पीवीसी-एस का उत्पादन करता है, इस निगम का कावर्ट सिटी प्लांट पर 100 प्रतिशत स्वामित्व है और वेस्टलेक विनायल कंपनी एलपी ("कंपनी") पर 100 प्रतिशत के नाते इसका गीजमर प्लांट पर भी 100 प्रतिशत स्वामित्व है (देखें निर्यातक प्रश्नावली) यह भी नोट किया जाता है कि निगम और इसकी 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली कंपनियां दोनों ने जांच की अवधि के दौरान और उसके पश्चात घरेलु बाजार में पीवीसी-एस की बिक्रियों से संबंधित बीजक जारी किये है। यह भी नोट किया जाता है कि वेस्टलेक विनायल्स कंपनी एलपी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को सभी बीजक जारी किये। यह नोट किया गया कि वेस्टलेक ही जांच की अवधि के दौरान घरेलू बिक्री *** एमटी अर्थात जांच की अवधि के दौरान *** अमरीकी डालर की थी। यह भी नोट किया गया कि सम्बद्ध वस्तु की लगभग *** प्रतिशत की बिक्री घरेलू बाजार में सम्बद्ध पक्षकारों को की गई और शेष की बिक्री गैर सम्बद्ध पक्षकार को की गई। यह नोट किया गया कि सम्बद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियां सामान्यत: उन्हीं दर पर की गई थी जिनपर असम्बद्ध पक्षकारों को बिक्री की गई। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए संपूर्ण बिक्री मात्रा पर विचार किया गया है। कंपनी ने अपनी घरेलू बिक्री के संबंध में डिस्काउंट, रिबेट, कमीशन, भोड़ा, पैकिंग और क्रेडिट व्यय के संबंध में समायोजन का दावा किया है। प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह भी नोट किया गया कि कंपनी ने सम्बद्ध वस्तु के लिए मासिक आधार पर लागत निर्धारण किया है। जांच से यह नोट किया गया कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता परीक्षण को पूरा करती है। प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-8ख में यथाउल्लिखित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को व्यापार सामान्य अनुक्रम परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार कर लिया गया। व्यापार सामान्य अनुक्रम परीक्षण करते समय यह नोट किया गया कि घरेलू बिक्रियां जांच की अवधि के (जांच की अवधि के दौरान समग्र *** प्रतिशत) *** महीनोें में से *** माह के लिए लोभदायक थी (मात्रा के रूप में 80 प्रतिशत से अधिक) और इसलिए *** महीनों के लिए कुल बिक्री और शेष माह के लिए लाभदायक बिक्रियों को सामान्य मुल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ ध्यान में रखा गया है।

- 128. जांच के पश्चात उसके समायोजन की अनुमित दे दी गई। उत्पादक द्वारा अंतरदेशीय भाड़ा, के लिए दावा किये गये व्यय का समायोजन सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कर दिया गया। इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन लाभ परीक्षण का आयोजन करने के पश्चात मासिक आधार पर किया गया है।
- 129. भारत के सम्बद्ध वस्तु के निर्यात के संबंध में यह नोट किया जाता है कि भारत को वेस्टलेक एक्सपोर्ट सेल्स के लिए बिक्री की शर्ते फ्री एलांग साइड (''एफएएस") हौस्टन टैक्सास या फ्री आन बोर्ड (''एफ ओ बी'') होस्टन टैक्सास, कास्ट एंड फ्रेट ('सीएफआर'') नेवा शेवा, भारत या कास्ट इन्स्योरेंश फ्रेट ('सीआईएफ') नेवा शेवा भारत थी। प्रत्युत्तर से यह नोट किया गया कि वेस्टलेक ने कुछ पण्य की बिक्री समीक्षा अवधि के दौरान और उसके बाद छठे महीने में असम्बद्ध व्यापारिक कंपनियों को की थी। यह नोट किया जाता है कि एक कंपनी को छोड़कर किसी ने भी भारत को निर्यातित उस सम्बद्ध वस्तु के सम्बंध में, जिसका वेस्टलेक द्वारा उत्पादन किया गया था, सूचना प्रस्तुत नहीं की थी। पुन: यह नोट किया गया कि वेस्टलेक ने प्रस्तुत किया है कि इसका इसके अम्बद्ध ग्राहकों पर कोई नियंत्रण नहीं है और उसकी अपने असम्बद्ध ग्राहकों की वित्तीय या बिक्री सूचना से संबंधित कोई पहुंच नहीं है और इसलिए वह इन असम्बद्ध व्यापारिक कंपनी ग्राहकों द्वारा की गई पुनर्बिक्री के लिए किए गए अनुरोध के अनुरुप आंकड़े प्रदान करने में अक्षम है। यह नोट किया जाता है कि किसी भी पुनर्बिक्रीकर्ता ने उत्पादक से उनको और भारतीय आयातकों को प्राधिकारी को बैक टू बैक लिंकिंग से संबंधित कोई सूचना प्रदान नहीं कराई है।
- 130. कंपनी द्वारा दायर की गई सूचना की जांच करने के पश्चात यह नोट किया जाता है कि भारत को सम्बद्ध वस्तु की अप्रत्यक्ष बिक्री की तुलना में कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष रुप से किए गए निर्यात *** प्रतिशत है। प्रकटन विवरण के पश्चात कंपनी ने भारतीय ग्राहकों को दिये गये बीजकों की प्रतियां प्रदान करायी। प्रत्युत्तर से यह नोट किया गया कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** अमरीकी डालर मूल्य की *** एम टी सम्बद्ध वस्तु की बिक्री की थी। निर्यातक ने अंतरदेशीय भाड़ा, पैकिंग, भंडारण, समुद्री भाड़ा, सामुद्रिक बीमा, बैंक प्रभार, क्रेडिट व्यय के संबंध में समायोजन का दावा किया है। यह नोट किया गया कि उन्होंने जांच की अवधि के *** महीनों के दौरान भारतीय बिक्रियां की थी। पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए फैक्ट्री बाह्य कीमत का निर्धारण इन समायोजनों को ध्यान में रखकर किया गया है। इस तरह माहवार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत आधार पर समुच्चयन करने से पहले किया गया।

इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

- 131. यह नोट किया गया कंपनी सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण नहीं करती है और वे चार क्रेताओं से इसका अधिप्रापण करके भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करते हैं। यह भी कहा गया कि मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) भारत में ग्राहकों से पूछताछ आमंत्रित करता है। पूछताछ प्राप्त हो जाने के पश्चात यह सिंगापुर में प्रदायकों/विनिर्माताओं से वार्ता करता है जो मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) को सम्बद्ध वस्तु की बिक्री करने के लिए कीमत रेंज प्रदान करते हैं। प्रदायकों द्वारा प्राप्त कीमत श्रृंखला के आधार पर मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) व्यक्तिगत ग्राहकों से वार्ता आयोजित करता है और बिक्रियां करता है।
- 132. मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) से प्राप्त प्रत्युत्तर से यह नोट किया जाता है कि कुछ अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु, जिसमें मैसर्स वेस्टलेक यूएसए शामिल है, को मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) द्वारा भारत को निर्यातित के रुप में दर्शाया गया है, परंतु मैसर्स वेस्टलेक तथा अन्य उत्पादकों द्वारा जारी बीजकों के संबंध में बैक टू बैक बीजक मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) को उपलब्ध नहीं कराये गये हैं। मैसर्स वेस्टलेक यूएसए तथा अन्य उत्पादकों के बीच और मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर) से भारत को सम्पर्क के अभाव में मैसर्स वेस्टलेक यूएसए और मैसर्स इटोचु प्लास्टिक्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर (इटोचु, सिंगापुर) सहित अन्य उत्पादकों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है। उपर्युक्त को देखते हुए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण असहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन यूएसए (उत्पादक)

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

- 133. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन यूएसए (फोरमोसा) एक निगम है जिसकी स्थापना डेलावेयर राज्य की विधियों के अनुसार की गई थी। मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन यूएसए (फोरमोसा) विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करता है। तथापि फोरमोसा और इसकी सम्बद्ध कंपनियों ने भारत को इस वस्तु का जांच की अविध के दौरान निर्यात नहीं किया है। कनाडा, मैक्सिकों और कुछ यूरोपिय देशों को की गई सीमित बिक्रियों के अलावा निर्यात के लिए फोरमोसा उत्पादों की बिक्रियां असम्बद्ध पुनर्बिक्रीकर्ताओं द्वारा की जाती है। दूसरे शब्दों में फोरमोसा संयुक्त राज्य में यूएस आधारित कंपनियों को या पुनर्बिक्रीकर्ताओं को बिक्री करता है जहां यह संयुक्त राज्य में निर्धारित एक स्थल पर प्रदाय करता है।
- 134. भारत को निर्यात के संबंध में यह उल्लेख किया गया है कि फोरमोसा भारत को पीवीसी का निर्यात स्वयं नहीं करता है अथवा भारत में किसी पक्षकार को, जिसमें विनिर्माता और भारत के अंतिम प्रयोक्ता शामिल है, पीवीसी की बिक्री स्वयं नहीं करता है। इसके बजाय फोरमोसा संयुक्त राज्य स्थित पुनर्बिक्रीकर्ताओं को इसकी बिक्री करता

- है जो उस उत्पाद का भारत को निर्यात करते हैं। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि फोरमोसा यह जानता है कि पुनर्बिक्रीकर्ता उसके उत्पाद की खरीद भारत सहित कई संभावित देशों को निर्यात के लिए करते है और उन्होंने फोरमोसा के लिए संयुक्त राज्य में एक पत्तन उपलब्ध कराया है जहां तक फोरमोसा के उत्पादों की प्रदाय किया जाता है।
- 135. उसकी ओर से उसके एक असम्बद्ध पुनर्बिक्रीकर्ता ट्रिकान ड्राई केमिकल ने प्रतिभागिता की थी और भारत में कीमत और निर्यात सरणी स्थापित करने के लिए प्रत्युत्तर प्रदान किया था।
- 136. तथापि रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी उत्पादक से ट्रिकान डाई केमिकल्स के जरिए भारत को बिक्री के संपूर्ण प्रवाह स्थापित करने के लिए उसकी मात्रा का मिलान करने में अक्षम रहे। इसलिए इससे पहले जारी किये गये प्रकटन विवरण में यह नोट किया गया कि चूंकि उत्पादक द्वारा भारत में किसी आयातक अथवा प्रयोक्ता को निर्यात कीमत से संबंधित सूचना प्रदान नहीं कराई गई थी और कंपनी ने निर्यातक प्रश्नावली में विहित स्वरुप और ढंग में सूचना प्रदान नहीं कराई है इसलिए प्राधिकारी को निर्यात कीमत या पृथक पाटन मार्जिन की अनुमित नहीं दी गई है। अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करने के पश्चात एफपीसी यूएसए और ट्रिकान ड्राई केमिकल्स एलएलसी ने भारत को निर्यात के लिए उत्पादक से निर्यातक को कितपय संव्यवहारों की गुम बीजक संख्या प्रदान कराई है और स्पष्ट किया है कि यह सभी संव्यवहार पूरे नहीं हो पाये। प्रकटन पश्चात एफपीसी यूएसए और ट्रिकान डाई केमिकल्स एलएलसी ने अपनी स्थिति स्पष्ट की और भारत को बिक्री की समस्त सरणी का प्रकटन किया जिसमें सभी संव्यवहारों को उत्पादक से निर्यातक तक बैक टू बैक मिलान किया गया था।

एफपीसी, यूएसए के लिए सामान्य मूल्य

137. इस सम्बंध में यह नोट किया जाता है कि एफपीसी, यूएसए ने जांच की अवधि के दौरान *** संव्यवहारों की तुलना में अपने गृह बाजार में पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड की *** एमटी की बिक्री की है। जांच से यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान सभी बिक्रियां असम्बद्ध पक्षकारों को की गई है। प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने सम्बद्ध वस्तु के लिए माह वार लागत निर्धारण किया है। जांच यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता जांच को पूरा करती है। प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-8ख में यथाउल्लिखित सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को व्यापार सामान्य अनुक्रम परीक्षण करने समय यह नोट किया गया कि जांच की अवधि (जांच की अवधि के दौरान समग्र *** प्रतिशत) के बारह महीनों के *** महीने में घरेलू बिक्रियां लाभदायक (मात्रा के रुप में 80 प्रतिशत से अधिक रही है और इसलिए जांच की अवधि के प्रत्येक माह के लिए उनकी कुल बिक्रियों को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। चूंकि कंपनी ने घरेलू बिक्रियों के संबंध में पूर्व संदत्त डिस्काउंट, कीमत समायोजन, मात्रा रिबेट, कमीशन, भाड़ा, पैकिंग और ऋण व्यय के कारण कीमत समायोजन का दावा किया। जांच के पश्चात इस समायोजन की अनुमित दे दी गई। इस निर्धारण के आधार पर व्यापार सामान्य अनुक्रम परीक्षण आयोजित करने के पश्चात मासिक आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी, यूएसए

एफपीसी, यूएसए और ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी, यूएसए के लिए निर्यात कीमत

- 138. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी टेक्सास संयुक्त राज्य, राज्य विधियों के अंतर्गत संगठित एक सीमित दायित्व वाली कंपनी है। यह एक व्यापरिक कंपनी है और सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण करने में अंतर्ग्रस्त नहीं है। पुन: यह प्रस्तुत किया गया है कि मैसर्स ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी की कोई विनिर्माता अनुषंगी नहीं है और न ही कोई सम्बद्ध कंपनी है जो संबंधित उत्पाद का उत्पादन करती हो। पुन: यह नोट किया जाता है कि मैसर्स ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी की वर्तमान जांच के लिए कोई घरेलू बाजार बिक्री नहीं है। भारत को निर्यात करने के लिए मैसर्स ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी बाजार दरों के आधार पर बिक्री कीमत के लिए वार्ता करता है।
- 139. परिशिष्ट-2 में यह नोट किया जाता है कि मैसर्स एफपीसी, यूएसए ने *** संव्यवहारों की सूचना दी है जिसमें *** एमटी बिक्रियां शामिल है। इसमें जांच की अवधि के दौरान पुनर्बिक्रीकर्ता को की गई बिक्रियां दर्शायी गयी हैं। पुन: यह नोट किया जाता है कि परिशिष्ट-2 में एफपीसी, यूएसए के रिपोर्ट किये गये इन संव्यवहारों में से *** एमटी सम्बद्ध वस्तु की बिक्री भारत को मैसर्स ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी द्वारा की गई थी। मैसर्स ट्रिकोन ड्राइ केमिकल्स एलएलसी ने प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया गया है। प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत की जांच उनके द्वारा दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर की है। जांच के पश्चात निर्यात कीमतों और उनके समायोजन की अनुमित दे दी गई। फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत का परिकलन उत्पादक द्वारा फैक्ट्री से बाहर किये गये सभी खर्चों (पूर्व संदत्त डिस्काउंट, कीमत समायोजन, भाड़ा, पैकिंग एवं क्रेडिट व्यय) और पूनर्बिक्रीकर्ता द्वारा किये गये व्यय (बैंक प्रभार, चार्टर देयता, डिस्काउंट ब्याज, भाड़ा, अंतरदेशीय भाड़ा, ब्याज व्यय, निर्यात एलसी शुल्क, समुद्री कार्गो बीमा और विविध व्यय) को घटाकर किया गया है। इस तरह माहवार आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत का प्रयोग महावार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत आधार पर समुच्चयन करने से पहले किया गया। एफपीसी, यूएसए उत्पादक की ओर से फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए श्रंखला में व्यापारी शेष से संबंधित आवश्यक समायोजन किया गया है।

आईसीसी केमिकल कारपोरेशन (आईसीसी), यूएसए

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

140. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स आईसीसी केमिकल कारपोरेशन (जिसे एतद्पश्चात ''आईसीसी'' या ''कंपनी'' कहा गया है) आईसीसी ट्रेडिंग इंक की एक अनुषंगी कंपनी है इसका निगमन 30 अप्रैल, 1985 को न्यूयार्क, यूएसए की राज्य विधियों के अंतर्गत किया गया था। यह भी नोट किया जाता है कि आईसीसी एक विनिर्माता नहीं है। आईसीसी केमिकल्स कार्प, निर्यातक के रुप में भारत में स्थानीय अंतिम प्रयोक्ताओं और स्थानीय व्यापारियों एवं स्थानीय वितरकों को बिक्री करता है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर से यह नोट किया जाता है कि कंपनी एक व्यापारी है जो सम्बद्ध वस्तु की खरीद विभिन्न देशों से विभिन्न उत्पादकों से करती है और फिर भारत में उसकी बिक्री करती है। तथापि कंपनी ने उस उत्पादक का नाम नहीं बताया है जहां से वह सम्बद्ध वस्तु की खरीद करती है और सम्बद्ध वस्तु की मात्रा और कीमत के बीच कोई ऐसा सम्पर्क प्रदान नहीं किया है जिसपर उन्होंने सम्बद्ध वस्तु की खरीद की है और भारतीय आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को उसकी बिक्री की है। उपर्युक्त को देखते हुए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करना संभव नहीं दिया जा सकता है।

मैसर्स सिन्टेक इनकारपोरेटेड, यूएसए

निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य

- 141. कंपनी द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किये गये जांच की अवधि के दौरान (''पीओआई'') के यूएस सामान्य मूल्य आंकड़े सही नहीं है। याचिकाकर्ता ने हरिमन कैमसल्ट (इस समय "आईएचएस केमिकल") का उल्लेख किया है और उसके मासिक प्रकाशन की प्रतियां प्रदान की है। यह तर्क दिया गया है कि उस विषय पर उपलब्ध तथ्यों का एक अधिक यथार्थ स्रोत प्लेट्स पोलिमर स्कैन है जिसका प्रकाशन साप्ताहिक किया जाता है। हरिमन कैमसल्ट यह उल्लेख करता है कि कीमतें "डिस्काउंट, रिबेट, प्रोत्साहन आदि से पहले" की है इसलिए इस समीक्षा के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य हमेशा उच्च और भरोसा न करने योग्य होगा। यह भी उल्लेख किया गया है कि सिन्टेक पीवीसी रेजिन उत्पाद, जो इस जांच का विषय है, का एक बड़ा कार्यकुशल उत्पादक है और यह घाटे पर बिक्री नहीं करता है। यह भी उल्लेख किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान युएसए के लिए पाटन मार्जिन का याचिकाकर्ता का परिकलन गलत है।
- 142. कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रत्युत्तर से यह नोट किया जाता है कि उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली के स्वरुप और ढंग में प्रत्युत्तर नहीं दिया है। वास्तव में यह प्रत्युत्तर सकल रुप से न्यून था, यह सम्बद्ध उत्पाद और निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य या निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए संभव नहीं था। उपर्युक्त को देखते हुए सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत का निर्धारण अन्य असहयोग कर्ता उत्पादक और निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

ट्रिकान ओवरसीज इंक, यूएसए

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

- 143. यह नोट किया गया है कि मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. को पनामा गणराज्य की विधियों के अंतर्गत एक स्टॉक निगम के रुप में संगठित किया गया था। इसने प्रस्तुत किया है कि यह एक व्यापारिक कंपनी है और यह सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण नहीं करती है। इसने यह भी प्रस्तुत किया है कि मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. की कोई विनिर्माता अनुषंगी या सम्बद्ध कंपनी नहीं है जो संबंधित वस्तु का उत्पादन करती है। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि विभिन्न उत्पादकों से सम्बद्ध वस्तु के क्रय विवरणों के संबंध में अपेक्षित विवरण सहयोग कर्ता उत्पादों के प्रत्युत्तर में पाये जा सकते है। इसके अतिरिक्त यह भी उल्लेख किया गया है कि निर्यातक की वर्तमान जांच और भारत को निर्यात के लिए कोई गृह बाजार बिक्रियां नहीं है। मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. बाजार दरों के आधार पर बिक्री कीमत की वार्ता करता है।
- 144. मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. द्वारा मूल रुप से दायर प्रत्युत्तर से यह नोट किया गया था कि उन्होंने मैसर्स सीपीजी ताईवान से भारत को निर्यात का एक केवल संव्यवहार किया है। प्रकटन विवरण में यह नोट किया गया कि यद्यपि मैसर्स सीजीपीसी ताईवान द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का भारत को निर्यात के लिए मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. को निर्यात किया गया के रुप में दर्शाया गया परंतु बैक टू बैक बीजक का विवरण प्रकटन विवरण जारी होने से पहले मैसर्स सीजीपीसी द्वारा मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. को जारी बीजकों और मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. से भारत को जारी सभी बीजकों के संबंध में बैक टू बैक बीजक का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया था।
- 145. प्रकटन विवरण के पश्चात निर्यातकों द्वारा यह प्रस्तुत किया गया कि उन्होंने सम्बद्ध वस्तु के लिए भारत को ऐसे *** पोत लदान किये हैं जिन्हें जांच की अवधि के दौरान सीजीपीसी ताईवान से अधिप्राप्त किया गया था। उनमें से एक पोत लदान का ट्रिकान ओवरसीज इंक. द्वारा भारत को सीधे निर्यात किया गया था जबिक दूसरा पोत लदान मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड द्वारा भारत को निर्यात किया गया था। मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. और मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड ने प्रकटन विवरण के पश्चात अपेक्षित सूचना तथा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया है। निर्यात कीमते तथा उनके समायोजन की अनुमित जांच के पश्चात की गई। फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत का परिकलन उत्पादक अर्थात सीजीपीसी ताईवान और निर्यातक अर्थात ट्रिकान ओवरसीज इंक. यूएसए द्वारा फैक्ट्री के बाहर किये गये सभी खर्चों को घटाकर किया गया जिससे कि मैसर्स सीजीपीसी ताईवान, अंतिम उत्पादक की निवल निर्यात कीमत की गणना की जा सके। मैसर्स ट्रिकान ओवरसीज इंक. को बैंक प्रभार के लिए समायोजन, चार्टर देयता के लिए समायोजन, भाड़ा लागत, ब्याज व्यय, निर्यात एलसी शुल्क, समुद्री कार्गो

- बीमा और एसजीए व्यय को शामिल करते हुए घटौतियों की अनुमित दी गई। इस श्रृंखला के लिए सीजीपीसी ताईवान की ओर से निर्धारित निर्वल निर्यात कीमत की तुलना उस माह के लिए मैसर्स सीजीपीसी ताईवान, उत्पादक के समनुरुपी सामान्य मूल्य से की गई जिससे कि उस माह के लिए पाटन मार्जिन की गणना की जा सके।
- 146. एक अन्य संव्यवहार, जिसमें ट्रिकान ओवरसीज इंक., यूएसए और ट्रिकान एनर्जी (यूके) लिमिटेड दोनो अंतरग्रस्त थे, के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण उत्पादक अर्थात सीजीपीसी ताईवान और निर्यातक अर्थात ट्रिकान ओवरसीज इंक. यूएसए और मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड द्वारा फैक्ट्री के बाहर किये गये सभी खर्चों को घटाकर किया गया है जिससे कि मैसर्स सीजीपीसी ताईवान उत्पादक के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना की जा सके। जिन कटौतियों की अनुमित मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके को दी गई उनमें शामिल है चार्टर देयता, भाड़ा लागत ब्याज व्यय, निर्यात एलसी शुल्क, समुद्री कार्गो बीमा और एसजीए व्यय समायोजन, ओवरसीज इंक. के लिए जिन समायोजनों की अनुमित दी गई उनमें शामिल है बैंक प्रभार समायोजन, चार्टर देयता का समायोजन, भाड़ा लागत, ब्याज व्यय, निर्यात एलसी शुल्क, समुद्री कार्गो बीमा और एसजीए व्यय समायोजन। सीजीपीसी की ओर से इस श्रृंखला के लिए निर्धारित निवल निर्यात कीमत की तुलना उस माह के लिए पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए उस माह के लिए मैसर्स सीजीपीसी ताईवान उत्पादक के समनुरुपी सामान्य मूल्य से की गई।
- 147. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि मैसर्स सीजीपीसी ताईवान और ट्रिकान ओवर सीज इंक. और ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड से प्राप्त बैक टू बैक बीजक, उपर्युक्त श्रृंखला के लिए पृथक पाटन मार्जिन और इस तरह निर्धारित पाटन मार्जिन का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड (ट्रिकान यूके)

निर्यात कीमत एवं सामान्य मूल्य

- 148. यह नोट किया गया कि मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड का गठन कंपनी अधिनियम, 1985 से 1989 के अंतर्गत इंगलैंड और वेल्स के शेयर द्वारा गैर सरकारी कंपनी लिमिटेड के रुप में किया गया था। यह एक व्यापारिक कंपनी है और सम्बद्ध वस्तु का विनिर्माण नहीं करती है। यह प्रस्तुत किया गया है कि मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड की कोई विनिर्माणकर्ता अनुषंगी नहीं है। यह भी नोट किया गया कि मैसर्स ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड की वर्तमान जांच के लिए कोई गृह बाजार बिक्री नहीं है। भारत को निर्यात करने के लिए ट्रिकान यूके बिक्री कीमत के लिए वार्ता बाजार दरों के आधार पर करता है।
- 149. भारत को निर्यात बिक्रियों के संबंध में यह नोट किया गया कि कंपनी ने सम्बद्ध वस्तु को अधिप्राप्त किया है जिसका उत्पादन जांच अविध के दौरान विभिन्न उत्पादकों द्वारा किया गया। उन उत्पादकों में से जहां ट्रिकान ने भारत को निर्यात के लिए सम्बद्ध वस्तु की खरीद की है, यह नोट किया गया कि सम्बद्ध देशों से चार उत्पादकों अर्थात मैसर्स सीजीपीसी ताईवान, एफपीसी ताईवान, क्विवगडाओं हैजिंग, चीन जन गण तथा इनर मंगोलिया सैनलियान, चीन जन गण ने निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया है और उन्होंने ट्रिकान यूके के जिरए भारत को किये गये निर्यातों के ब्यौरे प्रस्तुत किये है। यह पुन: उल्लेख किया जा सकता है कि बैक टू बैक बीजकों का समाधान न हो पाने के कारण ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड के जिरए निर्यात करने वाले निर्यातक उत्पादकों के लिए प्रकटन विवरण जारी होते समय पृथक पाटन मार्जिन का प्रस्ताव नहीं किया गया था। तथापि प्रकटन विवरण जारी होने के पश्चात और मैसर्स ट्रिकान यूके से बैक टू बैक बीजकों का समाधान होने के संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त होने के संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त होने के संबंध में एफपीसी ताईवान, सीजीपीसी ताईवान क्विंगडाओं चीन जन गण से प्राप्त सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करता है और उसका उल्लेख इस जांच परिणाम में उपयुक्त शिर्षकों के अंतर्गत कर दिया गया है। इनर मंगोलीया सैनलियान तथा अन्यों के लिए सहयोगकर्ता उत्पादकों से निर्यातकों को और निर्यातकों से भारतीय आयातकों को बैक टू बैक बीजकों का समाधान नहीं हो सका और इसलिए उन के लिए पृथक पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया जा सका। निर्यात की इन सभी श्रृंखलाओं से निर्धारित पाटन मार्जिन का उल्लेख इस जांच परिणाम में तथा पाटन मार्जिन तालिका में अलग-अलग शिर्कों के अंतर्गत कर दिया गया है।

<u>इंडोनेशिया, मलेशिया, जापान और थाइलैंड के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य</u>

150. इंडोनेशिया, मलेशिया, जापान और थाइलैंड के सम्बद्ध वस्तु के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन की गणना करने हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अर्थात हरिमन कैमसल्ट रिपोटों में रिपोर्ट की गई कीमतों के आधार पर किया गया क्योंकि इन देशों से किसी भी उत्पादक और निर्यातक से कोई सहयोग प्राप्त नहीं हुआ था। उसकी तुलना उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अर्थात माह वार आधार पर डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त लेनदेन वार आंकड़ों के आधार पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत से की गई। इन सम्बद्ध देशों के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए इस तरह निर्धारित पाटन मार्जिन और पाटन मार्जिन प्रतिशत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

<u>सम्बद्ध देशों के सभी प्रत्युत्तरदाता और सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण</u>

151. सम्बद्ध वस्तु के बारे में पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए फैक्ट्री बाह्य आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना मासिक आधार पर निर्वात निर्यात कीमत से की गई और मासिक आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया। तब इन पाटन मार्जिनों की तुलना सम्बंधित उत्पादकों और निर्यातकों की निर्यात मात्रा से करने के पश्चात एक भारित औसत पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया। प्रत्येक प्रत्युत्तर दाता और सहयोगकर्ता उत्पादक

- और निर्यातक के लिए इस तरह निर्धारित पाटन मार्जिन और पाटन मार्जिन प्रतिशत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।
- 152. यह नोट किया गया कि वर्तमान जांच में कई सहयोगकर्ता उत्पादक और निर्यातक एक दूसरे से सम्बद्ध है और उनका सम्बद्ध कंपनियों का एक समूह है। प्राधिकारी की यह संगत परंपरा रही है कि सम्बद्ध निर्यातकों उत्पादकों या समान समूह से संबंधित निर्यातकर्ता उत्पादकों को पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए एक एकल निकाय के रुप में माना जाए और इस प्रकार उनके लिए एक एकल पाटन मार्जिन बनाया जाए। यह विशेष तौर पर इस कारण से किया गया कि व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का परिकलन करने से पाटन रोधी उपायो का प्रतिलंघन प्रोत्साहित होगा और इस प्रकार उसे अप्रभावी बना देगा, जिससे कि सम्बद्ध निर्यातकर्ता उत्पादकों को कंपनी के जिए भारत को अपने निर्यात न्यूनतम व्यक्तिगत पाटन मार्जिन सहित सरणीकृत करना सुलभ हो सके। इसके अतिरिक्त विभिन्न सरणियों के जिरए (विभिन्न निर्यातकों के जिरए) सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने वाले उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण भी एक साथ किया गया है।
- 153. उपर्युक्त के अनुसार, समान समूह से संबंधित सम्बद्ध उत्पादकों/निर्यातकों को एक एकल निकाय के रुप में माना गया था और उनके लिए एकल पाटन मार्जिन की गणना की गई जिसका परिकलन अलग-अलग समूहों में सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों के भारित औसत पाटन मार्जिन के आधार पर की गई। इसी तरह पाटन मार्जिन का निर्धारण ही विभिन्न सरणियों (विभिन्न निर्यातकों के जरिए) के जरिए सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने के लिए उत्पादक के लिए एक साथ किया गया है।

सम्बद्ध देशों के असहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

154. सम्बद्ध वस्तु के अविशष्ट उत्पादकों और निर्यातकों के लिए तथा उन उत्पादकों और निर्यातकों के लिए जिनके आंकड़े प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किए गए थे पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित सामान्य की तुलना न्यूनतर प्रतिनिधिक कीमत स्तर पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत से की गई। अविशष्ट उत्पादकों और निर्यातकों तथा उन उत्पादकों और निर्यातकों के लिए जिनके आंकड़े प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत नहीं किये गये थे इस तरह निर्धारित पाटन मार्जिन और पाटन मार्जिन प्रतिशत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाटन मार्जिन तालिका

देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	समूह डीएम	समूह डीएम %	डीएम% रेंज
	सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन	सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन	***	***			
	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	***	***			
	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	ट्रिकान ओवरसीज इंक. यूएसए और ट्रिकान एनर्जी युके लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
ताईवान	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	ट्रिकान ओवरसीज इंक. यूएसए	***	***			
	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड	***	***	(***)	(-)%	(0-10)
	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	***	***		(-)/0	(0-10)
	ओसन प्लास्टिक्स	ओसन प्लास्टिक्स	***	***			10-20

	कंपनी लि.	कंपनी लि.					
	उपर्युक्त	के अलावा	***	***			20-30
कोरिया आरपी	हान्वाह केमिकल कारपोरेशन	हान्वाह कारपोरेशन	***	***			(0-10)
	एलजी केम	एलजी केम	***	***			(0-10)
	क्विंगडाओ हैजिंग कैमिकल ग्रुप कंपनी लिमिटेड	क्विंगडाओ हैजिंग कैमिकल ग्रुप कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
	क्विंगडाओ हैजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड	ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड, यूके	***	***			20-30
	यिबिन टियानयुयान ग्रुप कंपनी लिमिटेड	यिबिन टियानयुयान ग्रुप कंपनी लिमिटेड	***	***			10-20
	जिन्जियांग शिहेजी जोंग्फा केमिकल कंपनी लि.	जिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी, लिमिटेड	***	***			30-40
चीन	इनर मंगोलिया शैनलियान केमिकल कारपोरेशन लिमिटेड	इनर मंगोलिया शैनलियान केमिकल कारपोरेशन लिमिटेड	***	***			20-30
जन.गण	टियान्जिन एलजी डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	टियान्जिन एलजी डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***			20-30
	टियान्जिन डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	टियान्जिन डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***			20-30
	शैन्डांग ओशन केमिकल क्लोर- अलकलाय रेजिन कंपनी लिमिटेड	शैन्डांग ओशन केमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***			20-30
	झिन्जियांग झोन्गटाई केमिकल कंपनी लिमिटेड	झिन्जियांग झोन्गटाई केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***			20-30
	तंगशान शैनयू क्लोर- अलकलाय	तंगशान शैनयू इंटरनेशनल इंडस्ट्री कंपनी	***	***			20-30

	कंपनी लिमिटेड	लिमिटेड				
	चिपिंग झिनफा पीवीसी कंपनी, लिमिटेड	निंग्बो ग्रांड इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड	***	***		20-30
	अन्य	अन्य	***	***		30-40
	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, यूएसए	ट्रिकान ड्राई केमिकल्स एलएलसी	***	***		10-20
यूएसए	वेस्टलेक विनायल्स कारपोरेशन या वेस्टलेक विनायल्स कंपनी एलपी	वेस्टलेक विनायल्स कंपनी एलपी	***	***		0-10
	अन्य	अन्य	***	***		10-20
इंडोनेशिया	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***		20-30
थाइलैंड	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***		0-10
मलेशिया	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***		10-20
जापान	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***		85-95

155. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल जांच में मैसर्स हान्वाह केमिकल कारपोरेशन, मैसर्स एलजी केम और मैसर्स एफपीसी ताईवान के पाटन मार्जिन का निर्धारण न्यूनतम स्तर पर किया गया था। एफपीसी ताईवान, एलजी केम कोरिया और एचसीसी कोरिया के लिए वर्तमान जांच में आकलित पाटन मार्जिन क्रमशः (-) *** प्रतिशत,(-) *** प्रतिशत और (-) *** प्रतिशत है जो न्यूनतम है। इसलिए इन तीन निर्यातकों से आयात की मात्रा को क्षति एवं कारणात्मक संबंधों का विश्लेष करने के लिए नहीं लिया गया है। कोरिया के सहयोगकर्ता निर्यातकों से आयात की मात्रा कोरिया से डीजीसीआईएंडएस द्वारा रिपोर्ट की गई आयात की मात्रा से अधिक है। घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में उल्लेख किया है कि केवल ज्ञात निर्यातक एचसीसी और एलजी केम ही है। कोरिया सरकार ने भी डीजीएडी को किए गए पत्राचार में इन्हीं निर्यातकों का उल्लेख किया है। अत: क्षति एवं कारणातमक सम्बधों की स्थापना करने के लिए कोरिया से सम्पूर्ण आयातों पर विचार नहीं किया है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग के विचार

- 156. अन्य बातों के साथ घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित दावे किए हैं:-
- क. घरेलू उद्योग को क्षति का आकलन संचयी रूप से किया जाना चाहिए। वर्तमान समीक्षा एक निर्णायक समीक्षा है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इससे पहले घरेलू उद्योग को क्षति का आकलन संचयी रूप से किया था।
- ख. सम्बद्ध वस्तु की मांग/स्पष्ट खपत में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- ग. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा संपूर्ण क्षति अवधि में समग्र रूप से बढ़ी है और इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है। आयातों में सम्बद्ध देशों के हिस्से में भी वर्षों से वृद्धि हुई है और जांच की अवधि के दौरान यह वृद्धि कुल आयातों के 76 प्रतिशत से अधिक है।
- घ. भारित औसत आयात कीमत (आधारभूत सीमाशुल्क सहित के पश्चात्) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत अधिक कम रही है इसके परिणामस्वरुप भारी कीमत अधोरदन हुआ है।

- ड. आयातों की अवसारित कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान कम रही है।
- च. आयातों का बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर निग्रहकारी प्रभाव रहा है जैसे कि घरेलू उद्योग को बिक्री लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत में वृद्धि न करने के लिए विवश किया गया और उसके द्वारा उन्हें भारी घाटा उठाना पड़ा।
- छ. घरेलू उद्योग के संघटकों में से एक ने अपनी क्षमताओं में विस्तार कर लिया जिसका वाणिज्यिक उत्पादन 200910 में शुरु हुआ तथा यह 2010-11 में पूरी तरह से प्रचालनात्मक हुआ। संपूर्ण क्षित अविध के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है क्योंकि उसने अपनी क्षमताओं में वृद्धि कर ली थी। अंतर्ग्रस्त उत्पाद एक पेट्रोरसायन उत्पाद है जिसका उत्पादन एक सतत प्रक्रिया है। इसका उत्पादन समाप्त कर देना घरेलू उद्योग के लिए एक अनुपलब्ध विकल्प है। घरेलू उद्योग की संयुक्त नियत लागत इतनी अधिक है कि उससे उत्पादन का इष्टतम होना संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त उत्पादन कम कर देना भी कोई विकल्प नहीं है क्योंकि यदि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें ऐसी निर्धारित करता है जिससे उसे तर्क संगत अर्जन होने लगे तो विदेशी उत्पादकों की वेशी क्षमताएं संपूर्ण भारतीय मांग का हरण करने के लिए पर्याप्त होगी।
- ज. घरेलू उद्योग के लाभ में वर्ष 2009-10 से पतन होना शुरु हो गया और जांच की अवधि के दौरान जिसे भारी घाटा हुआ। नकदी प्रवाह भी वही प्रवृत्ति प्रदर्शित करता है जो लाभ/हानि की थी। संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान निवेश पर अर्जन में भी इतनी अधिक गिरावट हुई कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को निवेश पर ऋणात्मक अर्जन सहन करना पड़ा।
- झ. घरेलू उद्योग तथा समग्र रूप से घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में कमी आ गई जबकि क्षति अवधि के दौरान आयातों में बढ़ोतरी हुई।
- ञ. घरेलू उद्योग में रोजगार में वर्ष 2009-10 तक बढ़ोतरी हुई परंतु उसके पश्चात इसमें कमी आने लगी संदत्त पारिश्रमिक भी सामान्य पारिश्रमिक वृद्धि दर्शाता है। प्रतिदिन उत्पादकता में भी बढ़ोतरी दर्शायी गई है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि यह पैरामीटर कई अन्य कारकों पर निर्भर है तथा घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव को प्रदर्शित नहीं करते हैं।
- ट. घरेलू उद्योग के मालसूची स्तर में वर्ष 2010-11 तक बढ़ोतरी हुई परंतु जांच की अवधि के दौरान इसमें कमी आई।
- ठ. पिछले कुछ वर्षों से लगातार पाटन होने के कारण जहां उत्पाद के निष्पादन में कमी आई हो वहां पर्याप्त नये निवेश की कल्पना नहीं की जा सकती है। देश में भारी मांग होने के बावजूद भारतीय उत्पादकों ने यह पाया कि क्षमता वृद्धि में निवेश करना अर्थक्षम नहीं है।
- ड. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न पैरामीटर सामूहिक रूप से और संचयी रूप से यह स्थापित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तव में क्षति हुई है।
- ढ. ऐसे स्थिति में जहां विचाराधीन उत्पाद की मांग में बढ़ोतरी हो रही हो वहां घरेलू उद्योग को बाजार में अपने उत्पाद के लिए उचित कीमत प्राप्त करना बाजिव होता है। यह ऐसी स्थिति नहीं है जहां देश में सृजित की गई क्षमता बाजार में मांग की तुलना में बहुत अधिक हो और घरेलू उत्पादकों को बाजार पर पकड़ बनाने के लिए एक दूसरे के साथ तीव्र प्रतिस्पर्धों करनी पड़ रही है।
- ण. इस तर्क के संबंध में कि आरआईएल ने वर्ष 2012-13 की तीसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, यह नोट किया जाता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बारे में विगत वर्ष की तुलना में निवल लाभ में 24 प्रतिशत की वृद्धि समग्र रूप से हुई है। यह कंपनी एक बहुत बड़ी, बहुउत्पाद कंपनी है जिसके व्यवसाय में वस्त्र, तेल, पेट्रोरसायन, खुदरा व्यापार और ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्र आते हैं। किसी एक कंपनी के निष्पादन, वह भी विभिन्न उत्पादों के लिए. संगत नहीं हैं।
- त. मांग-आपूर्ति अंतर देश में क्षमताओं में और अधिक वृद्धि करने को स्पष्टत: न्यायोचित ठहराता है। तथापि किसी मौजूदा अथवा नवीन कंपनी द्वारा इस तरह की वृद्धि किये जाने की कोई योजना नहीं है क्योंकि निवेश पर अर्जन बहुत कम है। 5 लाख एमटी के बराबर किसी संयंत्र की स्थापना करने में 1200 करोड़ रुपये पूंजी व्यय होगा जिसके लिए वीसीएम कीमतों पर तर्क संगत लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से 15000 रुपये प्रति एम टी की कीमत निर्धारित करना अपेक्षित होगा। इसके विपरीत घरेलू उद्योग को कई अवसरों पर वीसीएम की कीमत केवल 3000 से 4000 रुपये ही निर्धारित करनी पड़ी है।
- थ. इस तर्क के संबंध में कि भारत में पीवीसी की कीमतों में क्रमिक वृद्धि हुई है यह देखा जा सकता है कि वीसीएम की कीमतों में वर्ष 2008 में कमी आने के पश्चात उक्त अविध में निरंतर बढ़ी है। इसलिए पीवीसी की कीमतों में यह वृद्धि वीसीएम की कीमतों में हुई वृद्धि के कारण हुई है। वास्तव में घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में वृद्धि वीसीएम की कीमत में हुई वृद्धि के अनुपात में करने से बचता रहा है। यह भी उल्लेख किया जाता है कि आईसीसी द्वारा जिस सूचना पर भरोसा किया गया है वह फरवरी माह के लिए आईसीआईएस न्यू नेटवर्क की रिपोर्ट तक सीमित है। इसके अतिरिक्त आईसीसी ने रिलायंस द्वारा किये गये उस अभि-कथन पर भरोसा किया है कि कीमतों में जून, 2011 से अप्रैल, 2012 के बीच बढ़ोतरी हुई है और यह दावा किया गया है कि भारत में इस उत्पाद की कीमतों में समग्र वृद्धि हुई है। आईसीसी ने यह दावा करने के लिए कि भारतीय उत्पादक अपनी कीमतों में बढ़ोतरी करने में सक्षम रहे हैं, फरवरी माह के लिए ग्लोबल विनायल्स मार्केट रिपोर्ट पर भरोसा किया है। तथापि हितबद्ध

पक्षकारों ने इस अवधि के दौरान वीसीएम की कीमतों में बढ़ोतरी की बड़ी आसानी से अनदेखी कर दी। किसी उत्पाद की कीमत पर, इनपुट कच्चे माल की कीमतों पर विचार किये बिना, एकाकी रूप से विचार नहीं किया जा सकता है।

- द. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को ईंधन, श्रम और विद्युत लागत के बढ़े हुए अभिप्रापण के कारण नुकसान हो रहा है, यह नोट किया जाता है कि पीवीसी सस्पेंशन का विनिर्माण करने में लगने वाली लागत मुख्यत: इसके कच्चे माल अर्थात वीसीएम की लागत होती है। वीसीएम की कीमतों में संपूर्ण विश्व में बढ़ोतरी हुई है। यह वह मामला नहीं है कि इस उत्पाद के घरेलू उत्पादकों को गैर प्राकृतिक रूप से उच्च उत्पादन लागत वहन करनी पड़ रही हो।
- ध. इस तर्क के संबंध में कि कच्चे माल के एक भाग के रूप में फिनोलेक्स को प्राप्त करना काफी लम्बे समय से बंद कर दिया गया था, इसलिए उत्पादन सामान्य की तुलना में कम हो रहा था। फिनोलेक्स घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं है। दावाकृत क्षिति फिनोलेक्स का संयंत्र बंद कर दिये जाने के कारण नहीं हुई है। वास्तव में फिनोलेक्स का संयंत्र बंद होने से घरेलू उद्योग के अन्य संघटकों को बेहतर कीमत अर्जित करने में सक्षम होना चाहिए था। तथापि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में तेजी से कमी आई है जो कि फिनोलेक्स द्वारा संयंत्र बंद कर दिये जाने के कारण नहीं हुई है।
- न. यह तर्क कि घरेलू उद्योग द्वारा पीवीसी का उत्पादन करने के लिए कच्चे माल के आयात पर अधिक आश्रित होने से इसकी उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हुई और लाभप्रदायकता में कमी आई, स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उद्योग द्वारा वीसीएम की खरीद एक अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर की गई है और इसलिए यह वह मामला नहीं है जहां घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में कमी घरेलू उद्योग द्वारा संदत्त वीसीएम की असामान्य रूप से बढ़ी हुई कीमतों के कारण हुई हो। किसी उद्योग के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि वह अपनी क्षति केवल ऐसे कारण से कारित कर रहा हो कि इस उत्पाद का विनिर्माण करने के लिए अपेक्षित कच्चे माल का ग्राही उत्पादन नहीं कर रहा है या यह कि कच्चा माल स्थानीय रूप से उपलब्ध नहीं है।
- प. इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि भारतीय उपभोक्ता पीवीसी सस्पेंशन रेजिन के लिए अधिक भुगतान करते है क्योंकि पाटन की मौजूदगी का आशय यह होता है कि निर्यातकर्ता देश सामान्य कीमत भारत को निर्यात कीमत से अधिक है।
- फ. सीसीए आईए के इस तर्क को कि चीन के निर्यातकों का अवसारित मूल्य घरेलू उद्योग द्वारा दावा किये गये एनएसआर के बराबर या उससे अधिक है, स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि चीन के आयात वर्ष 2009-10 और 2010-11 में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे थे। भारित औसत के आधार पर किया गया कोई विश्लेषण अत्यधिक भ्रामक होगा। समय अंतराल के साथ कीमतों में भारी अंतर हो जाता है और इसलिए याचिकाकर्ताओं ने पाटन मार्जिन, कीमत अधोरदन और क्षित मार्जिन के प्रयोजनार्थ माह दर माह विश्लेषण करने की जरूरत को न्यायोचित ठहराया है।
- ब. इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि घरेलू उद्योग ने यदि अपनी कीमतें आयात कीमतों के अनुसार बढ़ाई होती तो उसे लाभ हुआ होता। घरेलू उत्पादक हम अपनी कीमतों का निर्धारण माह के प्रारंभ में घोषित आयातों के आधार पर करते हैं। इससे कम कीमतों पर माल की बिक्री करने से कोई लाभ नहीं होगा इसके अतिरिक्त आयात कीमतों पर बिक्री करने से घाटा होगा, लाभ नहीं।
- भ. हितबद्ध पक्षकारों में से एक ने यह दावा नामंजूर कर दिया कि घरेलू उद्योग को अपने उत्पादों की कीमत आयात कीमत के आधार पर निर्धारित करने के लिए मजबूर किया गया। आयातों के मामले में प्राधिकारी प्रस्ताव/आदेश की तारीख पर विचार कर सकते हैं और फिर उसकी तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कर सकते हैं। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से आयातों की अवसारित कीमत से करना भ्रामक होगा।
- म. इस तर्क के संबंध में कि एनआईपी की गणना गलत ढंग से की गई है और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि प्राधिकारी यदि घरेलू उद्योग में 22 प्रतिशत से अधिक उच्चतर अर्जन किया हो तो उच्चतर अर्जन प्रदान नहीं करते हैं और यदि घरेलू उद्योग ने न्यूनतर अर्जन किया हो तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग को न्यूनतम अर्जन प्रदान नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने इस मुद्दे का सही ढंग से निपटारा कर दिया है। प्राधिकारी लगाई गई पृंजी पर 22 प्रतिशत अर्जन करना संगत समझते हैं।
- य. याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत एनएसआर आंकड़ों के संबंध में सीसीएआईए ने त्रुटिपूर्ण निष्क**र्श** निकाला है। घरेलू उद्योग के एनएसआर के लिए एक एकल अंग को माना गया और सम्बद्ध देशों से आयात के संबंध में इसका एक रूपता से प्रयोग किया गया।
- कक. एक हितबद्ध पक्षकार ने उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ता अधोरदन और अवसारित मूल्य के दावे के समर्थन में भरोसेमंद साक्ष्य प्रदान करने में अक्षम रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस से प्राप्त संव्यवहार-दर-संव्यवहार आधार पर आयात आंकड़े प्रदान कराये हैं। एनएसआर की गणना याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा प्रदान करायी गई वित्तीय सूचना के आधार पर की गई है। अधोरदन तथा अवसारित मूल्य का परिकलन ही इसी सूचना के आधार पर किया गया है।
- खख. पीवीसी पेस्ट रेजिन संव्यवहारों सहित आयात आंकड़ों के संबंध में पाटन एवं क्षिति का निर्धारण करने के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा जिस आयात कीमत पर भरोसा किया गया है उसमें पीवीसी पेस्ट रेजिन के आयातों को शामिल नहीं किया गया है। याचिकाकर्ताओं के पाटन एवं क्षित संबंधी दावे विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर आधारित हैं। संभावना विश्लेषण के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में यह स्पष्ट किया है कि पेस्ट

- रेजिन को शामिल करने से पाटन मार्जिन कम हो जाएगा क्योंकि पेस्ट रेजिन की कीमतें सस्पेंशन रेजिन से सामान्यत: बहुत अधिक होती हैं।
- गग. इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि घरेलू उद्योग की कीमतें 75000-85000 पीएमटी के दायरे में रहे हैं। घरेलू उद्योग ने सत्यापन योग्य सूचना प्रदान करायी है जो दर्शाती है कि कीमतें वस्तुत: इसकी तुलना में बहुत कम हैं। घरेलू उद्योग निर्यातकों द्वारा पेशकश की गई कीमतों पर विचार करते हुए अपनी कीमतें निर्धारित की जाती हैं। यद्यपि घरेलू उद्योग अपने उत्पाद की तत्काल प्रदायगी करता है तथापि निर्यातकों का माल भारत में भारी समय अंतराल से आता है। चूंकि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें पेशकश की गई कीमतों के आधार पर निर्धारित करता है प्राधिकारी को चाहिए कि वे घरेलू उद्योग की कीमतों की तुलना निर्यातकों द्वारा लिये गये आर्डरों और किये गये पेशकश से करें।
- घघ. घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित 'सुधार' मात्रा पैरामीटरों में वृद्धि से संबंधित हो सकता है जिसमें घरेलू मांग में बढ़ोतरी और घरेलू उद्योग द्वारा क्षमताओं में वृद्धि के कारण सुधार हुआ है। लाभप्रदायकता, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आयी है तथा जांच की अवधि में यह ऋणात्मक हो गया है।
- ड.ड. उच्चतर कीमतों का आशय उच्चतर लाभ नहीं होता है। लाभ कीमत और लागत का एक प्रकार्य होता है। हितबद्ध पक्षकारों ने चुनिंदा रूप से केवल कीमतों का ही उल्लेख किया है और लागत में बढ़ोतरी की अनदेखी की है।
- चच. यह आकलन घरेलू उद्योग गैर क्षतिकारी कीमत अर्जित करने में सक्षम है क्योंकि कीमत अधोरदन और कीमत अधोबिक्रयण की रेंज समान है, त्रुटिपूर्ण है। घरेलू उद्योग का एनएसआर परिकलित एनआईपी से कम है।
- छछ. पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को क्षित के बीच एक स्पष्ट कारणात्मक संबंध मौजूद है। विचाराधीन उत्पाद के तृतीय देशों से आयात या तो नगण्य है या उनकी निर्यात कीमतें, मैक्सिको और ईयू को छोड़कर, उच्चतर हैं। मैक्सिकों और ईयू से आयात पाटित कीमतों पर है और याचिकाककर्ताओं ने इन देशों से होने वाले आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए याचिका दायर की है। चूंकि वर्तमान याचिका एक निर्णायक समीक्षा याचिका है इसलिए सम्बद्ध देशों के दायरे में किसी नये देश को शामिल नहीं किया जा सकता है। जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध उत्पाद की मांग में संकुचन नहीं हुआ है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी सम्बद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी से तुलनीय है। विनिर्माण प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने विचारधीन उत्पाद का निर्यात किया है। तथापि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति घरेलू प्रचालनों के कारण हुई है।
- जज. घरेलू उद्योग को पहुंचाई गई क्षति पाटित आयातों द्वारा कारित की गई है। आयातित उत्पाद घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं और इसे उत्पादन की लागत में हुई बढ़ोतरी के अनुरूप अपनी कीमतें बढ़ाने से रोक रहे हैं। लाभ, लगाई गई पुंजी पर अर्जन और नकद लाभ में कमी देश में उत्पाद के पाटन के कारण हुई है।
- झझ. यह तर्क कि उस क्षति जिसके लिए सम्बद्ध देशों से आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है उसके अन्य कारणों के अंतर्गत असंबद्ध आयातों पर विचार किया जाना अपेक्षित होगा, स्वीकार नहीं किया जा सकता है। पाटनरोधी नियमावली उल्लिखित कारणात्मक संबंधों के बारे में विधि में प्रावधान है कि ''इस संबंध में जो कारक संगत होंगे उनमें, अन्य बातों के साथ-साथ उन आयातों की मात्रा और कीमत शामिल है जिनकी बिक्री पाटित कीमतों पर नहीं की गई..... '' स्पष्टत:, यह देखा जाना चाहिए कि क्या अपाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहे हैं।
- ञञ. घरेलू उद्योग ने मैक्सिकों और ईयू से होने वाले आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण कराने के लिए एक जांच प्रारंभ करने की मांग करते हुए एक पृथक याचिका पहले ही दायर कर रखी है। चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए इन देशों को इस जांच के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है। नियम में ''गैर पाटित आयातों" से घरेलू उद्योग द्वारा सहन की जारी क्षति के लिए पृथक होना अपेक्षित है।
- टट. इस तर्क के संबंध में कि आयात कीमतों तथा घरेलू उद्योग की कीमतों पर विचार करने से दोनों के बीच कारणात्मक संबंध प्रतीत नहीं होता है, यह आवश्यक है कि पेशकश/आर्डर के आधार पर आयात कीमत पर विचार करते हुए आयात कीमतों की तुलना घरेलू उद्योग की कीमतों से की जाए। चूंकि घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतें आयात पेशकशों पर विचार करते हुए निर्धारित की है इसलिए आगमन आधार पर आयातों की अवसारित कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से करने से भ्रामक परिणाम सामने आयेंगे।
- ठठ. घरेलू उद्योग द्वारा आयातों के विपरीत कीमत प्रभाव के तर्क को ध्यान में रखते हुए लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ की तुलना आयात मात्रा से करना उपयुक्त नहीं होगा। मांग-आपूर्ति अंतराल के मद्दे नजर आयात मात्रा में बढ़ोतरी हुई है जबिक इन आयातों की पाटित कीमतों को ध्यान में रखते हुए लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ में कमी आयी है। अत: लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ की तुलना आयात कीमत से की जानी चाहिए न कि आयात मात्रा से।
- डड. इस तर्क के संबंध में कि आयातों के बाजार हिस्से में बढ़ोतरी की समानता घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी से नहीं की जा सकती है, यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2008-09 से वर्ष 2010-11 की प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि सम्बद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उसी के अनुरूप कमी आयी है और इसके विपरीत कार्य हुआ है। केवल जांच की अविध में ही दोनों के बाजार हिस्से में हल्की सी कमी आई है।
- ढढ. घरेलू उद्योग के संघटकों द्वारा अधोगामी उत्पादों के लिए उत्पाद के ग्राही प्रयोग के संबंध में प्रदान करायी गई सूचना के बारे में घरेलू उद्योग ने जरुरी सूचना उपलब्ध करायी है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग की समग्र बिक्री मात्रा पर विचार करते हुए ग्राही खपत वर्तमान मामले में बहुत कम है।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 157. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटन तथा वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित मृद्दे उठाये हैं तथा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किये हैं:-
- क. घरेलू उद्योग केवल 51 प्रतिशत बाजार हिस्से पर अपनी पकड़ बनाने में सक्षम हुआ है जबिक उसका क्षमता उपयोग 95 प्रतिशत है। डीसीडब्ल्यू की लेखा परीक्षा रिपोर्ट और कैमप्लास्ट सनमार की वार्षिक रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि पीवीसी की कुछ मांग को आयातों से पूरा किया जा रहा है तथा पीवीसी की मांग बढ़ रही है। अत: यह स्पष्ट है कि देश में आयातों का आगमन मांग आपूर्ति अंतर को पूरा करने के लिए हो रहा है न कि घरेलू उद्योग पर विपरीत प्रभाव डालने के लिए।
- ख. मूल जांच की जांच अवधि से घरेलू उद्योग ने अपनी संस्थापित क्षमता में श्रीवृद्धि कर ली है और क्षमता उपयोग में 38 प्रतिशत की वृद्धि पंजीकृत की है। अत: घरेलू उद्योग का यह दावा गलत है कि आयातों का उन पर विपरीत प्रभाव पर रहा है।
- ग. जांच की अवधि के दौरान तथा जांच की अवधि के पश्चात की अवधि के दौरान कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है (घरेलू उद्योग के विभिन्न संघटकों की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार। घरेलू उद्योग को वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच की जांच अवधि के दौरान सर्वाधिक बिक्री प्रापण अर्जित हुआ है। अत: घरेलू उद्योग का यह दावा पूरी तरह से गलत है कि उन्हें नुकसान हो रहा है।
- घ. जब आयात सर्वाधिक थे तो घरेलू उद्योग लाभ अर्जित कर रहा था। अतः घरेलू कीमतों और आयात मात्रा के बीच कोई सहसंबंध नहीं है।
- ड. निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह आवश्यक है कि वह पाटन के अलावा क्षति के लिए उत्तरदायी अन्य कारणों, यदि कोई हो, की जांच भी करें। तथाकथित ऋणात्मक परिणाम जापान में बड़े-बड़े प्रदायकों के संयंत्रों में दुर्घटना तथा कच्चे माल की कीमत में वृद्धि के कारण था।
- च. गैर क्षतिकारी कीमत की क्रियापद्धित पर पुन:विचार किये जाने की जरूरत है क्योंकि यह अत्यधिक त्रुटिपूर्ण है और यह वास्तविक हालात पर आधारित नहीं होती है। ब्याज की अनुमित बिक्री लागत की एक मद के रूप में दी जाती है और ब्याज घटाने के पश्चात अर्जन की शेष राशि की अनुमित एनआईपी का निर्धारण करने लिए करपूर्व लाभ के रुप में दी जाती है।
- छ. निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटन का आरोप न होने की स्थिति में तर्कसंगत लाभमार्जिन के रूप में उद्योग द्वारा अर्जित आरओसीई को अपनाया जाना चाहिए न कि 22 प्रतिशत आरओसीई को। लगाई गई पूंजी पर 22 प्रतिशत का लाभ प्रदान करना गलत है।
- ज. नियम 2 (ख) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार डीसीडब्ल्यू के अलावा अन्य सभी घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग के दायरे से हटा दिया गया है कि क्योंकि उन्होंने क्षति अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का आयात किया है। यद्यपि निर्णायक समीक्षा के दौरान घरेलू उद्योग के आधार की जांच करना अपेक्षित नहीं होता है। इसलिए क्षति निर्धारण और क्षति की संभावना का निर्धारण केवल घरेलू उद्योग के संबंध में ही किया जाता है।
- झ. चीन के आयातों का अवसारित मूल्य सबसे अधिक है, यह घरेलू उद्योग के एनएसआर के बराबर या उससे अधिक है और कोई अधोरदन नहीं हो रहा है। चीन के आयातों के उतराई मूल्य में मौजूदा पाटन रोधी शुल्क जोड़ने से यह घरेलु उद्योग द्वारा दावाकृत गैरक्षतिकारी कीमत से अधिक है।
- ञ. अधिकतम क्षमता उपयोग के साथ घरेलू उद्योग को 44 प्रतिशत के बराबर आपूर्ति अवरोध का सामना करना पड रहा है।
- ट. चीन से आयात क्षतिकारित नहीं कर रहे हैं क्योंकि चीन से आयातों का एडीडी सहित अवसारित मूल्य याचिकाकर्ता से गहन की गई कीमत अधोरदन श्रृंखला से परिकलित औसत एनएसआर से अधिक है।
- ठ. यदि घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतें आयात कीमतों के अनुरूप बनाई होती तो उसे लाभ होता।
- ड. कीमत अधोरदन रेंज तथा प्रदत्त अवसारित मूल्य से एनएसआर की रेंज का निर्धारण किया जा सकता है। यह देखा गया कि जापान, कोरिया, ताईवान और थाइलैंड के अवसारित मूल्य को लेकर परिकलित किये जाने पर न्यूनतम संभावित निवल बिक्री प्रापण इंडोनेशिया के मामले में सर्वोच्च बिक्री प्रापण से अधिक है।
- ढ. चूंकि कोरिया और ताईवान से आयातों का अवसारित मूल्य गैर क्षतिकारी कीमत से कम है इसलिए घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति, यदि कोई हो असम्बद्ध आयातों से आयातों के परिणामस्वरूप हुई है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को असम्बद्ध आयातों को अलग करके विगत में हुई क्षति तथा चीन से क्षति की निरंतरता की संभावना की जांच करनी चाहिए।
- ण. याचिकाकर्ताओं याचिका के पेज 88 पर यह उल्लेख किया है कि पाटन मैक्सिको और जर्मनी से किया जा रहा है।
- त. यदि आयात कीमत में वृद्धि के साथ-साथ घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत में बढ़ोतरी करने में अक्षम रहा है तो उसके लिए घरेलू उद्योग को आयातों को दोषी नहीं बना सकता है। जांच की अवधि में जब कभी आयातों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई तब घरेलू कीमतों में गिरावट आई।
- थ. घरेलू उद्योग के लाभ, आरओआई और नकद लाभ सम्बद्ध देशों की आयात मात्रा की प्रवृत्ति का अनुपालन नहीं करते हैं।
- द. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट का सम्बद्ध देशों के बाजार हिस्से में बढ़ोतरी से कोई संबंध नहीं है।
- ध. ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित उत्पाद की घरेलू उद्योग द्वारा अधोगामी उत्पाद का विनिर्माण करने के लिए ग्राही रूप से खपत की जा रही है। अत: घरेलू उद्योग ग्राही तथा व्यापारिक बाजार के संबंध में सूचना प्रदान करने के लिए बाध्य है।

- न. गैरक्षतिकारी कीमत का गलत परिकलन किया गया है क्योंकि 22 प्रतिशत आरओसीई न्यायोचित नहीं है और कच्चे माल की ग्राही खपत के लिए समायोजन किया जाना चाहिए क्योंकि कैमप्लास्ट ईडीसी का ग्राही उत्पादन करता है।
- प. रिलायंस और फिनोलेक्स ने इंगित किया है कि एस-पीवीसी की मांग में वर्ष 2011-12 में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- फ. घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है (रिलायंस उद्योग पीवीसी का विनिर्माण करने के लिए दाहेज, गुजरात में एक अन्य संयंत्र स्थापित कर रहा है; कैमप्लास्ट सनमार कुड़ालोर ने एक अन्य संयंत्र स्थापित कर रहा है; रिलायंस जामनगर में अपनी क्षमताएं बढ़ा रहा है।) अत: सम्बद्ध देशों से होने वाले आयात घरेलू उद्योग की प्रगति अवरूद्ध नहीं कर रहे हैं।
- ब. विभिन्न रिपोर्टो जैसे आईसीआईएस नेटवर्क के अनुसार मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज ने स्वीकार किया है कि भारत में पीवीसी की कीमतों में क्रमिक रूप से वृद्धि हुई है।
- भ. संयुक्त राज्य अमेरिका से एस-पीवीसी का आयात याचिकाकर्ताओं के बाजार हिस्से में संकुचन के लिए उत्तरदायी नहीं है। इसमें कमी याचिकाकर्ताओं की अपनी उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी करने की अक्षमता के परिणाम स्वरूप आयी है।
- म. घरेलू उद्योग द्वारा पीवीसी का उत्पादन करने के लिए कच्चे माल के आयात पर पूरी तरह से निर्भरता होने के कारण पीवीसी की उत्पादन लागत बढ़ी है तथा घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता घटी है।
- य. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा ईंधन का प्रापण, श्रमिक, बिजली पर किये गये व्यय की लागत में कई गुणा बढ़ोतरी हुई है और उससे घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति में इजाफा हुआ है जैसा कि मैसर्स फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड की वर्ष 2011-12 की वार्षिक रिपोर्ट, एचआईएस केमिकल मार्केट एडवायजरी सर्विसेस, ग्लोबल विनायल्स मार्केट रिपोर्ट 2012 आदि से सिद्ध होता है।
- कक. याचिकाकर्ताओं को वार्षिक रिपोर्टो के अनुसार क्षति अवधि के दौरान या जांच की अवधि के दौरान कभी कोई क्षति नहीं हुई क्योंकि उनकी वार्षिक रिपोर्ट लाभ प्रदर्शित करती है। वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़े दर्शाते है कि याचिकाकर्ताओं ने क्षति अवधि में तथा जांच की अवधि में न केवल लागत से अधिक मूल्य पर बिक्री की है बल्कि जांच की अवधि के दौरान उन्हें बढ़ा हुआ लाभ हुआ है:
 - i. सार्वजनिक रूप से प्राप्त कीमत सूचना 75000 से 85000/एमटी के बीच रेंज दर्शाती है।
 - ii. निर्मित सामान्य मूल्य के समान रूप में निर्मित लागत बिक्री कीमत से बहुत कम पाई गई है।
 - iii. इसलिए जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के प्रत्येक वर्ष में उन्हें प्रति एमटी लाभ हुआ है इसका आशय यह है कि याचिका में दर्शाया गया ऋणात्मक लाभ भरोसा करने योग्य नहीं है और असंगत है।
 - iv. घरेलू उद्योग की कीमतों में भिन्नता पर माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाना चाहिए।
- खख. वर्ष 2009-10 में संपूर्ण विश्व में व्याप्त मंदी के पश्चात घरेलू उद्योग को कथित पाटन एवं क्षति के बावजूद लाभ हुआ तथा क्षति अवधि के द्वितीय अर्धांश में इसे सम्पन्नता प्राप्त हुई और संवेदनशील कारकों में पर्याप्त सुधार हुआ।

<u>प्राधिकारी द्वारा जांच</u>

- 158. जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये प्रस्तुतिकरणों की निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संगत विधिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए जांच की गई है। प्राधिकारी ने विभिन्न प्रस्तुतिकरणों की उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत जांच की है।
- 159. एक हितबद्ध पक्षकार ने यह तर्क दिया है कि गैर क्षितिकारी कीमत (एनआईपी) का परिकलन करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई क्रियापद्धित त्रुटिपूर्ण है और उसके प्रभाव स्वरूप गैर क्षितिकारी कीमत को बढ़ाचढ़ा कर प्रस्तुत किया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षितिकारी कीमत का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-3 के प्रावधानों पर विचार करते हुए और प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई संगत प्रक्रिया के अनुरुप किया गया है।
- 160. घरेलू उद्योग के लिए ग्राही तथा व्यापारिक बाजार संबंधी सूचना के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवश्यक पाई गई सभी सूचना मंगायी तथा उसका विश्लेषण किया गया।
- 161. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए क्षति अविध के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन और पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षिति तथा पाटन की संभावना पर विचार किया जाना यह निर्धारित करने के लिए अपेक्षित होगा कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षिति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त लागत तथा कीमत के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच क्षति अविध के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के अवसारित मूल्य के संदर्भ में की गई विधि के अंतर्गत सूचीबद्ध सभी पैरामीटरों के संबंध में एक विस्तृत विश्लेषण किया गया। इन पैरामीटरों पर निम्नलिखित चर्चा की जा रही है:

संचयी आकलन

- 162. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 में प्रावधान है कि यदि किसी उत्पाद का आयात एक देश से अधिक देशों से एक साथ किया जा रहा है तो वे पाटन रोधी जांच के अध्यधीन होगे, निर्दिष्ट प्राधिकारी इन आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेंगे, यदि वह यह निर्धारित करते हैं कि:
 - "(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयातों का तीन प्रतिशत है अथवा जहां अलग-अलग देशों से निर्यात तीन प्रतिशत से कम हुआ है, और यह आयात समान वस्तु के आयातों के संचयी रूप से सात प्रतिशत से अधिक होते हैं और (ख) तो समान घरेलू वस्तु तथा आयातित वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त नहीं होगा।"
- 163. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि न्यूनतम पाटन मार्जिन के लिए प्रक्रिया और आयातों की नगण्य मात्रा की प्रक्रिया सम्बद्ध देशों से पाटन मार्जिन की संभावना का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ संगत नहीं है। तथापि संचयी आकलन के प्रयोजनार्थ सम्बद्ध देशों से उत्पादकों से अपाटित आयातों को क्षति विश्लेषण के प्रयोजन से हटा दिया गया है।
- 164. इसके अतिरिक्त सम्बद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित वस्तु परस्पर समान वस्तुएं है और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों की तुलना में है। चूंकि संबद्ध देशों के निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं इसलिए सम्बद्ध देश के आयातों के प्रभावों का संचयी आकलन करना उपयुक्त होगा। सामान्य पक्षकार विभिन्न स्रोतों से और भारतीय घरेलू उद्योगों से प्राप्त वस्तु का प्रयोग अदल-बदल कर रहे हैं तथा बिक्री सरणियां एक समान हैं।

<u>मांग का</u> आकलन

165. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने मांग या उत्पाद की भारत में स्पष्ट खपत को घरेलू उद्योग द्वारा सम्बद्ध वस्तु की बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है। भारतीय उत्पादकों द्वारा किये गये निर्यातों को इस संगणना से हटा दिया गया है। यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध वस्तु की मांग/स्पष्ट खपत में सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इस तरह आकलित मांग निम्नलिखित है:-

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
कुल घरेलू बिक्रियां	एमटी	7,87,181	8,17,655	9,77,281	9,78,779
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	104	124	124
अन्य उत्पादकों की बिक्रियां	एमटी	1,86,020	1,67,392	2,02,736	1,50,286
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	90	109	81
कुल आयात	एमटी	2,35,312	5,45,736	5,50,468	7,51,027
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	232	234	319
मांग	एमटी	12,08,513	15,30,783	17,30,485	18,80,092
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	127	143	156
सम्बद्ध देशों से आयात	एमटी	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	153	141	151
मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	65%	53%	56%	52%
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	82	87	80
कुल मांग में अन्य घरेलू उत्पादकों का हिस्सा	एमटी	15.39%	10.94%	11.72%	7.99%
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	71	76	52
मांग में सम्बद्ध देशों से आयातों का हिस्सा	%	10%	12%	10%	9%
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	121	98	97
जांच के अंतर्गत अन्य देशों से आयातों का मांग में हिस्सा	%	3%	5%	3%	7%
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	147	92	230

अन्य देशों से आयातों तथा मांग में सम्बद्ध देशों से अपाटित आयातों का हिस्सा	%	7%	19%	19%	23%
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	292	294	351

166. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि याचिकाकर्ता भारत में मांग को पूरा करने में अक्षम रहे हैं और भारत में भारी मांग आपूर्ति अंतर है इसलिए आयात जरूरी हो गये थे, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यत: पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षित का उपशमन करना होता है जिससे कि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपातरिहत प्रतिस्पर्धा का माहौल स्थापित किया जा सके जो देश सामान्य हित में होता है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किसी भी रूप में सम्बद्ध देशों से आयातों को प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा। प्राधिकारी इस सम्बद्ध में अपनी विगत की संगत स्थिति का उल्लेख करते हैं और डीएसएम इदेमित्सु लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में सीईएस टीएटी के निर्णय पर भरोसा करते हैं। यदि निर्यातक भारतीय बाजार में जरूरतों को पूरा करने के लिए वस्तु की आपूर्ति करना चाहता है तो ऐसा जरूरत के मुताविक सामान्य मूल्य के बराबर कीमत पर, न कि पाटित कीमतों पर, आयात किया जा सकता है।

पाटित आयातों की मात्रा

- 167. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में यह जांच की गई है कि क्या सम्बद्ध देशों से सामान्यता और विशेषकर उन निर्यातकों से जिन पर पाटनरोधी शुल्क की शून्य प्रमात्रा हैं, पाटित आयातों में निरुपाधि रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत के संगत रूप से बहुत अधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियामवली के अनुबंध-2(ii) में निम्नलिखित प्रावधान है:
 - ''पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में निरुपाधि रूप से या भारत में उत्पादन या खपत के संगत रूप से भारी वृद्धि हुई है।''
- 168. विचाराधीन उत्पाद के आयातों में निरुपाधि रूप से तथा उत्पादन और खपत के संगत रूप से हुए निर्यात का विवरण निम्नलिखित है:-

आयातों की मात्रा	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
सम्बद्ध देश	एमटी	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
चीन जन.गण	एमटी	41,257	26,468	21,724	49,540
चाईनीज ताईपेई	एमटी	51,048	68,196	41,360	21,217
इंडोनेशिया	एमटी	3,433	3,783	609	1,253
जापान	एमटी	1,782	2,920	1,974	3,039
मलेशिया	एमटी	0	1,186	1,796	2,384
थाईलैंड	एमटी	1,464	5,353	6,523	10,075
यूएसए	एमटी	18,167	71,381	90,786	89,961
सम्बद्ध देश-प्रवृत्ति		100	153	141	151
अन्य देश – जांच के अधीन	एमटी	38,415	71,650	50,386	1,37,638
प्रवृत्ति		100	187	131	358
अन्य देश तथा सम्बद्ध देशों से अपाटित आयात	एमटी	79,747	2,94,799	3,35,311	4,35,921
प्रवृत्ति		100	370	420	547
कुल आयात	एमटी	2,35,312	5,45,736	5,50,468	7,51,027
प्रवृत्ति		100	232	234	319
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियां	एमटी	7,87,181	8,17,655	9,77,281	9,78,779
अन्य उत्पादकों की बिक्री	एमटी	1,86,020	1,67,392	2,02,736	1,50,286

घरेलू उद्योग की बिक्री से संगत सम्बद्ध देशों से आयात	%	15%	22%	17%	18%
मांग	एमटी	12,08,513	15,30,783	17,30,485	18,80,092
सम्बद्ध देशों से खपत से संगत आयात	%	10%	12%	10%	9%
कुल आयातों में सम्बद्ध देशों से आयात का हिस्सा	%	50%	33%	30%	24%

169. यह नोट किया गया कि जांच की अवधि के दौरान आधार वर्ष से तुलना करने पर सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयात में निरुपाधि रुप से तथा भारत में उत्पाद की घरेलू उद्योग की बिक्री के संबंध में भारी वृद्धि हुई है। मांग में सम्बद्ध देशों के आयात के बाजार हिस्से में जांच की अवधि के दौरान जब इसकी तुलना आधार वर्ष से की गई तो इसमें मामूली सी गिरावट आई है।

कीमत प्रभाव

170. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-2 (ii) में उल्लेख है कि

''कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियम 18 के उपनियम (2) में किए गए उल्लेख के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमतों से तुलना किये जाने पर भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का अन्यथा भारी मात्रा में अवमंदन करने से है अथवा कीमतों को बढ़ने से रोकने से है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हआ होता।''

कीमत अधोरदन

171. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि भारित औसत आयात कीमत (आधारभूत सीमाशुल्क को शामिल करके) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत अधिक कम है इसके परिणामस्वरुप भारी कीमत अधोरदन हुआ है। प्राधिकारी ने इस स्थिति की जांच घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत और सम्बद्ध देशों से आयातों की अवसारित कीमत, जिसका निर्धारण मासिक आधार पर किया गया है, का विश्लेषण करने के पश्चात की है। विश्लेषण के पश्चात यह नोट किया गया कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु की कीमतें समग्र रुप से क्षिति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रही है।

आयातों की अवसारित कीमत

आईएनआर/एमटी

	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि*
चीन जन.गण	54,137	45,780	49,138	54,459
चाईनीज ताईपेई	49,509	45,351	49,925	53,776
इंडोनेशिया	54,645	42,729	48,800	53,801
जापान	50,422	46,268	48,910	54,671
मलेशिया	-	48,199	48,879	53,216
थाइलैंड	52,393	43,982	48,797	52,139
यूएसए	36,020	39,356	46,531	52,741
सम्बद्ध देश समग्र रुप से	48,235	44,171	49,215	53,357

^{*} पीओआई संख्याएं माह वार विश्लेषण पर आधारित है।

कीमत अधोरदन

आईएनआर/एमटी

	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि*
चीन जन.गण.	***	(***)	(***)	***
चाईनीज ताईपेई	***	(***)	(***)	***
इंडोनेशिया	***	(***)	(***)	***
जापान	***	(***)	(***)	(***)

मलेशिया	_	(***)	(***)	***
थाइलैंड	***	(***)	(***)	***
यूएसए	(***)	(***)	(***)	***
सम्बद्ध देश समग्र रुप से	***	(***)	(***)	***
<u>कीमत</u> अधोरदन <u>(%)</u>				
चीन जन.गण.	***	(***)	(***)	***
चाईनीज ताईपेई	***	(***)	(***)	***
इंडोनेशिया	***	(***)	(***)	***
जापान	***	(***)	(***)	(***)
मलेशिया		(***)	(***)	***
थाइलैंड	***	(***)	(***)	***
यूएसए	(***)	(***)	(***)	***
सम्बद्ध देश समग्र रुप से	***	(***)	(***)	***
	2008-09	2009-10	2010-11	POI*
<u>कीमत</u> अधोरदन <u>(%)</u> <u>रेंज</u>				
चीन जन गण.	10-20	(0-10)	(0-10)	0-10
चाईनीज ताईपेई	0-10	(0-10)	(0-10)	0-10
इंडोनेशिया	10-20	(10-20)	(0-10)	0-10
जापान	0-10	(0-10)	(0-10)	(0-10)
मलेशिया	-	(0-10)	(0-10)	0-10
थाइलैंड	0-10	(10-20)	(0-10)	0-10
यूएसए	(30-40)	(20-30)	(10-20)	0-10
सम्बद्ध देश समग्र रुप से	0-10	(10-20)	(0-10)	0-10

^{*} पीओआई संख्याएं माह वार विश्लेषण पर आधारित है।

कीमत निग्रहण एवं अवमंदन

172. निम्नलिखित तालिका घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा उसकी प्रवृत्ति दोनों के आंकड़ों को दर्शाती है

विवरण		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
बनाने एवं बेचने की लागत	रुपये/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमणिका		100	91	103	126
आधार वर्ष से वृद्धि(कमी) (%)		-	(9)	3	26
घरेलू बिक्री कीमत	रुपये/एमटी	***	***	***	***
अनुक्रमणिका		100	105	109	116
आधार वर्ष से वृद्धि(कमी) (%)		-	5	9	16

- 173. प्राधिकारी नोट करते है कि जहां क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है वही यह वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि के अनुरुप नहीं है। इसके अतिरिक्त जांच की अवधि में बिक्री कीमत बिक्री लागत से कम है। अत: घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत निग्रहण हुआ है।
- 174. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीवीसी सस्पेंशन रेजिन उत्पादन के मामले में लागत निर्धारण में मुख्य भूमिका कच्चे माल के विनायल क्लोराइड मोनोमर ('वीसीएम') की कीमत की होती है। वीसीएम की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ी हैं, जहां से घरेलू उद्योग संघटित होने वाले दो घरेलू उत्पादक वीसीएम का प्रापण करते थे। इसके परिणाम स्वरुप वर्ष 2008-09 के अपवाद स्वरुप संपूर्ण क्षति अविध में बिक्री लागत में बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारी द्वारा जांच की गई सूचना से यह स्पष्ट होता है कि वीसीएम की कीमतों में वर्ष 2008-09 में कमी होने के पश्चात संपूर्ण अविध में वृद्धि हुई है।

कीमत अधोबिक्रयण

175. प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा सहन किये जा रहे कीमत अधोबिक्रयण की जांच भी की है। विधिवत परीक्षण के पश्चात यह देखा गया कि सम्बद्ध देशों से भारत में सम्बद्ध वस्तु की अवसारित कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई गैर क्षतिकारी कीमत से कम रही है जिसके परिणामस्वरुप कीमत अधोबिक्रयण हुआ है। कीमत अधोबिक्रयण मार्जिन का निर्धारण माह वार आधार पर अवसारित मूल्य तथा गैर क्षतिकारित कीमत पर विचार करके किया गया है।

<u>जांच की अवधि में कीमत अधोबिक्रयण (माहवार सारांश) (अमरीकी डालर/एमटी)</u>								
	चीन जन.गण.	चाईनीज ताईपेई	इंडोनेशिया	जापान				
कीमत अधोबिक्रयण	***	***	***	***				
कीमत अधोबिक्रयण (%)	***	***	***	***				
अनुक्रमणिका (प्रतिशत)	0-10	0-10	0-10	0-10				
	मलेशिया	थाईलैंड	यूएस	ाएं				
कीमत अधोबिक्रयण	***	***	(***	*)				
कीमत अधोबिक्रयण %	***	***	(***	*)				
अनुक्रमणिका (प्रतिशत)	0-10	0-10	(0-1	0)				

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक पैरामीटर

176. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 में यह अपेक्षा की जाती है कि क्षित के निर्धारण में इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभावों की उद्देश्य परक जांच करना अंतर्ग्रस्त होगा। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियम में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारको एवं देशनांकों का उद्देश्य परक एवं पक्षपात रिहत मूल्यांकन शामिल होना चाहिए जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जिसमें बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर अर्जन या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, पारिश्रमिक, विकास, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभाव शामिल होता है। वर्तमान जांच एक निर्णाय समीक्षा जांच है इसलिए क्षति निर्धारण से संबंधित नियम 11 यहां यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होगा। इसके अतिरिक्त यह जांच की गई कि क्या वर्तमान शुल्क समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना बढ़ जाएगी। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति पैरामीटरों पर निम्नलिखित चर्चा की गई है।

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

177. निम्नलिखित तालिका उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन को दर्शाती है:

विवरण	इकाई	2008-09	2009-1 0	2010-11	जांच की अवधि
क्षमता	एमटी	8,08,320	8,97,745	10,29,320	10,29,320
उत्पादन	एमटी	7,84,884	8,33,651	9,77,797	9,85,559

क्षमता उपयोग	%	97%	93%	95%	96%
घरेलू बिक्री	एमटी	7,69,326	8,00,227	9,51,324	9,51,941

- 178. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इसके एक संघटक ने अपनी क्षमताओं में वृद्धि करने हेतु जिसने 2009-10 में अपना वाणिज्यिक उत्पादन शुरु कर दिया और 2010-11 में यह पूरी तरह से प्रचालनात्मक हो गया और इसके कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में संपूर्ण अविध के दौरान वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने पुन: उल्लेख किया कि उत्पादन और बिक्री में इस बढ़ोतरी को अंतर्ग्रस्त उत्पाद के संबंध में देखा जाना चाहिए। चूंकि उत्पाद एक पेट्रोरसायन है जिसका उत्पादन एक सतत प्रक्रिया है। इसलिए उत्पादकों के लिए संभव नहीं है कि वे, यि उन्हें अपने उत्पाद का सही दाम नहीं मिलता है तो उत्पादन बंद कर दें। जिसके अतिरिक्त उस उत्पादन के संबंध में नियत लागत तब बहुत अधिक हो जाती है जब इसका उत्पादन और इसकी बिक्री कम कर दी जाए।
- 179. प्राधिकारी यह नोट करते है कि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन की मात्रा और घरेलू बिक्री दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि उद्योग का क्षमता उपयोग आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि में बढ़ा है।
- 180. आईसीसी केमिकल कारपोरेशन ने तर्क दिया है कि यह तथ्य कि रिलायंस और कैमप्लास्ट जैसे भारतीय उत्पादक अपनी क्षमताओं में विस्तार कर रहे और नये संयंत्र स्थापित कर रहे है, इसका आशय यह है कि आयात घरेलू उद्योग को बाधा उत्पन्न नहीं कर रहे है। इस संदर्भ में प्राधिकारी नोट करते है कि घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमताओं में विस्तार इस उत्पाद के लिए भारतीय मांग को ध्यान में रखकर की है। तथापि यह इस समय अपनी संवर्धित क्षमता का पूरा उपयोग करने की स्थिति में नहीं है। केवल यह तथ्य कि घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमताओं में विस्तार किया है, का आशय यह नहीं है कि घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है अथवा पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिये जाने की स्थिति में उसे क्षति होने की संभावना नहीं होगी।

ख. लाभदायकता. निवेश पर अर्जन और नकद लाभ

181. घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता, लगाई गई पूंजी पर अर्जन और नकद लाभ के संदर्भ में सूचना निम्नवत प्रदान की जाती है:

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
कर पूर्व लाभ/हानि	रुपये/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	238	169	17
कर पूर्व लाभ/हानि	रुपये/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	248	208	21
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ/हानि	रुपये/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	210	177	28
नकद लाभ	रुपये/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	231	196	27
लगाई गई पूंजी पर अर्जन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	156	167	26

- 182. घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता का निर्धारण उत्पाद बनाने और उसकी बिक्री करने तथा बिक्री कीमत पर विचार करते हुए किया गया है यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में वर्ष 2009-10 में बढ़ोतरी हुई और फिर इसमें कमी आई। जांच की अविध के दौरान लाभप्रदायकता में बहुत अधिक कमी आई। इसके अतिरिक्त लाभप्रदायकता में तेजी से गिरावट के परिणाम स्वरुप जांच की अविध के दौरान कर पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन में तेजी से गिरावट आयी है।
- 183. एआईपीएमए के इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने हानि का दावा गलत किया है क्योंकि जांच की अवधि के दौरान उन्हें सर्वाधिक बिक्री प्रापण हुआ है, प्राधिकारी यह नोट करते है कि उन्होंने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराये गये आंकड़ों का सत्यापन किया है तथा यह पाया है कि जांच की अवधि में लाभ में भारी कमी आयी है।
- 184. एफपीसी, यूएसए, टियानजिन डागू और ट्रिकान ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराये गये लाभ/हानि आंकड़ों को इस सूचना के आधार पर चुनौती दी है कि उन्होने उक्त सूचना उनकी वार्षिक रिपोर्टों से प्राप्त की है।
- 185. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी जांच उत्पाद विशिष्ट जांच होती है न कि कंपनी विशिष्ट जांच। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के रिकार्डो का सत्यापन करने के पश्चात क्षति पैरामीटरों की जांच की है और जांच के पश्चात क्षति पैरामीटरों का विश्लेषण किया है।

ग. बाजार हिस्सा

186. घरेलू उद्योग के बाजर हिस्से तथा संबंध देशों से आयातों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

आयात कीमत	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
सम्बद्ध देश	एमटी	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
चीन जन.गण	एमटी	41,257	26,468	21,724	49,540
चाइनीज ताइपेई	एमटी	51,048	68,196	41,360	21,217
इंडोनेशिया	एमटी	3,433	3,783	609	1,253
जापान	एमटी	1,782	2,920	1,974	3,039
मलेशिया	एमटी	0	1,186	1,796	2,384
थाइलैंड	एमटी	1,464	5,353	6,523	10,075
यूएसए	एमटी	18,167	71,381	90,786	89,961
सम्बद्ध देश-प्रवृत्ति		100	153	141	151
जांच के अधीन अन्य देश (ईयू और मैक्सिको)	एमटी	38,415	71,650	50,386	1,37,638
प्रवृत्ति		100	187	131	358
अन्य देश तथा सम्बद्ध देशों से अपाटित आयात	एमटी	79,747	2,94,799	3,35,311	4,35,921
प्रवृत्ति		100	370	420	547
कुल आयात	एमटी	2,35,312	5,45,736	5,50,468	7,51,027
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	232	234	319
मांग	एमटी	12,08,513	15,30,783	17,30,485	18,80,092
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	127	143	156
सम्बद्ध देशों से आयात	एमटी	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	153	141	151
मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	65	53	56	52

187. यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष से तुलना करने पर घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी है तथा क्षति अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से आयात में बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारी यह पुन: नोट करते है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के बावजूद भी सम्बद्ध देशों से आयात में वृद्धि हुई है।

घ. रोजगार, उत्पादकता और पारिश्रमिक

188. रोजगार, उत्पादकता और पारिश्रमिक से संबंधित घरेलू उद्योग के आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गये है:

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	116	115	115
उत्पादकता प्रतिदिन	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	106	125	126
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	91	108	109

पारिश्रमिक	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	105	144	161

189. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि रोजगार और पारिश्रमिक से सम्बंधित प्रवृत्तियों का निर्धारण कई कारकों द्वारा किया जाता है हो सकता है कि इससे पाटन का संकेत न मिलता हो। प्राधिकारी यह नोट करते है कि वर्ष 2008-09 से 2009-10 के बीच कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई परंतु इसके पश्चात इसमें मामूली सी कमी आई। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त पारिश्रमिक में भी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई। उत्पादकता प्रतिदिन तथा उत्पादकता प्रति कर्मचारी ने क्षति अवधि के दौरान वृद्धि प्रदर्शित की है।

ड. मालसूची

190. घरेलू उद्योग का औसत भंडार या मालसूची स्तर निम्नलिखित है:-

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
औसत भंडार	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	299	395	283

191. ऊपर दीगई तालिका में प्रस्तुत आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के औसत मालसूची स्तर में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई परंतु जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आयी । तथापि घरेलू उद्योग के मालसूची स्तर में क्षति अवधि के दौरान तेजी से वृद्धि हुई है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

192. सम्बद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात कीमतों का विचार, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य वे कारक जिनसे घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित होती हों, दर्शाती है कि सम्बद्ध देश से आयातित माल का अवसारित मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम था जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन हुआ। इस उत्पाद का कोई अर्थक्षम प्रतिस्थानी नहीं है। यह भी नोट किया गया कि सम्बद्ध वस्तु के लिए मांग क्षति अविध के दौरान भारी वृद्धि प्रदर्शित कर रही थी और घरेलू कीमतों को प्रभावित करने संबंधी यह एक कारक नहीं हो सकता है। अतः घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु का अवसारित मूल्य और कच्चे माल की कीमत है।

पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

193. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग की कार्य दशा को ध्यान में रखते हुए कि कल्पना नहीं की जा सकती है कि इसमें भारी निवेश किया जा सकता है। इसने दावा किया है कि देश में भारी मांग होने के बावजूद भारतीय उत्पादक वांछित क्षमता संवर्धन में वृद्धि करना अर्थक्षम नहीं पाते। यह नोट किया जाता है कि उत्पाद का सतत पाटन तथा इस उत्पाद के संबंध में वित्तीय पत्तन से घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश उगाने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव डालेगा। यद्यपि घरेलू उद्योग बहु उत्पाद कंपनियां है फिर भी इस उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव सम्बद्ध वस्तु के लिए पूंजी निवेश उगाहने की घरेलू उद्योग की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

वृद्धि

194. घरेलू उद्योग ने पिछले तीन वर्षों के दौरान मात्रा के रुप में सकारात्मक वृद्धि तथा वित्तीय रुप से भारी ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की है। यह नोट किया जाता है कि लाभ, निवेश पर अर्जन और नकद लाभ में वृद्धि वर्ष दर वर्ष आधार पर ऋणात्मक रही है।

विवरण		2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
में वृद्धि					
उत्पादन	%	-	6.21	17.29	0.79
घरेलू बिक्री	%	-	4.02	18.88	0.06
लाभ	%	-	***	(***)	(***)
नकद लाभ	%	-	***	(***)	(***)
लगाई गई पूंजी पर अर्जन	%	-	***	***	(***)

पाटन का मार्जिन एवं परिमाण

195. यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध देशों से भारत को आने वाला आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से अधिक है। सम्बद्ध देशों से निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक माना जा रहा है।

क्षति मार्जिन का निर्धारण

196. सम्बद्ध देशों से सहयोगकर्ता तथा सहयोग न करने वाले उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में क्षिति मार्जिन का निर्धारण निम्निलिखित किया गया है। पाटन मार्जिन के निर्धारण की तरह ही सम्बद्ध कंपनियों के लिए क्षिति मार्जिन का निर्धारण भी उन्हें एक निकाय के रुप में मानते हुए एक साथ किया गया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न सरणियों के जिरए (विभिन्न निर्यातकों के जिरए) सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने वाले उत्पादक के लिए भी क्षित मार्जिन का निर्धारण एक साथ ही किया गया है। निर्धारित किया गया क्षिति मार्जिन निम्नलिखित है:

देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	समूह क्षति मार्जिन	समूह क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जि न % रेंज
	सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन	सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन	(***)	(***)			
	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	***	***		***	
	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	ट्रिकान ओवरसिज इंक. यूएसए और ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड	***	***	***		0-10
ताईवान	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	ट्रिकान ओवरसीज इंक. यूएसए	***	***			
	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	***	***			
	ओसन प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड	ओसन प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड	***	***			0-10
	उपर्युक्त	के अलावा	***	***	***		0-10
	क्विंगडाओ हैजिंग केमिकल ग्रुप कंपनी लि.	क्विंगडाओ हैजिंग केमिकल ग्रुप कंपनी लि.	***	***	***	***	10- 20
चीन	क्विंगडाओ हैजिंग केमिकल (ग्रुप) कंपनी लि.	ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड, यूके	***	***			10- 20
जन.गण	यिबिन टिआनयुआन ग्रुप कंपनी लि.	यिबिन टिआनयुआन ग्रुप कंपनी लि.	***	***			10- 20
	झिन्जियांग सिहेजी जोंग्फा केमिकल कंपनी लिमिटेड	झिन्जियांग टियानई फारन ट्रेड कंपनी लि.	***	***			0-10

	टियानजिन एलजी डागू केमिकल कंपनी लि.	टियानजिन एलजी डागू केमिकल कंपनी लि.	***	***	10- 20
	टियानजिन डागू केमिकल कंपनी लि.	टियानजिन डाग् केमिकल कंपनी लि	***	***	10- 20
	शन्डांग ओसन आयात निर्यात कंपनी लिमिटेड	शन्डांग ओसन आयात निर्यात कंपनी लिमिटेड	***	***	10- 20
	झिन्जियांग झोग्टाई केमिकल कंपनी लि.	झिन्जियांग झोग्टाई केमिकल कंपनी लि.	***	***	10- 20
	टैंग्शान शैंन्यू क्लोर अल्कलाइ कंपनी लिमिटेड	टैंग्शान शैंन्यू क्लोर अल्कलाइ कंपनी लिमिटेड	***	***	10- 20
	चिपिंग जिन्फा प्राइवेट कंपनी लि.	चिपिंग जिन्फा प्राइवेट कंपनी लि.	***	***	10- 20
	अन्य	अन्य	***	***	10- 20
	फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन यूएसए	ट्रिकान ड्राई केमिकल्स एलएलसी	***	***	0-10
यूएसए	वेस्टलेक विनायल्स कंपनी एलपी	वेस्टलेक विनायल्स कंपनी एलपी	***	***	10- 20
	अन्य	अन्य	***	***	10- 20
इंडोनेशिया	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	0-10
थाईलैंड	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	0-10
मलेशिया	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	0-10
जापान	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	0-10

क्षति की निरंतरता सम्बधी निष्कर्ष

- 197. यह पाया गया है कि
 - i. सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों में पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के बावजूद क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।
 - ii. आयातों में भारत में मांग/खपत के अनुरुप ही क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आयी है।
 - iii. घरेलू उद्योग के निष्पादन में क्षमता उपयोग उत्पादन और बिक्री के रुप में सुधार हुआ है। तथापि घरेलू उद्योग के निष्पादन में जांच की अवधि के दौरान लाभ, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन भारी गिरावट आयी है।
 - iv. आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी अधोरदन कर रहे है। इसके अतिरिक्त यह आयात घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित गैर क्षतिकारी कीमत से कम कीमत पर किये गये है।

पाटन एवं क्षति की निरंतरता/पुनरावृत्ति की संभावना

घरेल उद्योग के विचार

- 198. घरेलू उद्योगों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित विचार व्यक्त किये है:
- क. सम्बद्ध देशों से तृतीय देशों को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात पाटित कीमतों पर किये गये है।

- ख. सम्बद्ध देशों के उत्पादकों और निर्यातकों पर कई तृतीय देशों ने पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया है। यह अक्सर दीर्घकालिक अवधि के लिए होता है जिससे यह प्रदर्शित होता है कि यह निर्यातक प्रभावी शुल्क की अवस्थिति के बावजूद पाटन की निरंतरता बनाए हुए है।
- ग. पिछले मामलों में और चालू अवधि में रिपोर्ट की गई निर्यातों की मात्रा दर्शाती है कि सम्बद्ध देशों के मामले में आयात की मात्रा में पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद भारी वृद्धि हुई है।
- घ. सीएमएआई से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सम्बद्ध देशों के उत्पादकों की सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन करने की भारी क्षमता है और मुक्त रुप से निस्तारणीय यह क्षमताएं भारतीय मांग की तुलना में बहुत अधिक होने का अनुमान है।
- ड. शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिये जाने की स्थिति में सम्बद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतें पुन: अधोरदन करने लगेंगे। वह कीमते जिनपर सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का आयात किया जा रहा है उन कीमतों से बहुत कम है जिनपर घरेलू उद्योग द्वारा उन वस्तुओं की बिक्री की जा रही है जिससे भारतीय बाजार अत्यधिक कीमत आकर्षक हो रहा है। शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिये जाने की स्थिति में सम्बद्ध देशों के उत्पादक/निर्यातक अपने उत्पाद को भारतीय बाजार में सरणीकृत करने लगेंगे। जून, 2011 में एशियाई पीवीसी बाजार के संबंध में हिरमन कैमसल्ट टिप्पणी में यह उल्लेख किया गया था कि जापान के उत्पादन में सुधार होने लगा है और इस प्रभाव से प्रभावित होकर जिन और यूएस के निर्यातक अन्य बाजारों की तलाश करने लगे है। यह भी कहा गया कि यूएस माल की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण कीमतों में कम होने की प्रवृत्ति बढ़ी है।
- छ. आईसीआईएस ने दिनंक 20 जून, 2011 को प्रकाशित एक लेख में उल्लेख किया गया कि यूएस पीवीसी निर्यातों में जो वर्ष 2005 में 650000 टन थे बढ़कर वर्ष 2010 में 2.7 मिलियन टन हो गये। ऐसी संभावना है कि यूएस पीवीसी के निर्यातों में इस वर्ष इसके कुल उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है जबकि पिछले वर्ष यह वृद्धि 32.5 प्रतिशत, वर्ष 2009 में 20 प्रतिशत और वर्ष 2007 में 10.5 प्रतिशत हुई थी।
- ज. सिमुच डाट काम ने 9 अप्रैल, 2011 को प्रकाशित एक लेख में यह उल्लेख किया गया था कि घरेलू मांग बहुत कम है और यूएसए में पीवीसी की क्षमता बहुत अधिक है। उत्तरी अमेरिका अधिक वेशी क्षमता होने का कारण यूएस हाऊसिंग बाजार में गिरावट है। यह पीवीसी बाजार के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लगभग 60 प्रतिशत मांग निर्माण विभाग से ही होती है।
 - झ. वर्ष 2012 की सीएमएआई रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि दशक के मद तक चीन की क्षमता बढ़कर 25 मिलियन मिट्रिक टन तक पहुंच जाने की संभावना है जिससे पीवीसी की वैश्विक क्षमता में लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी।
 - ञ. चीन की क्षमता में वास्तविक विस्तार, जो पिछले पांच वर्षों में बढ़कर लगभग दुगना हो गया है, से यह भविष्यवाणी होती है वर्ष 2016 तक इसमें लगभग 20 प्रतिशत की और वृद्धि हो जाएगी जिससे चीन आत्मिनर्भर हो जाएगा। चूंकि पीवीसी की आपूर्तियां घरेलू खपत से अधिक होने लगी है इसलिए चीन एक निवल निर्यातक हो गया जिसका प्रमुख पोत लदान भारत तथा अन्य एशियाई देशों, अफ्रीकी और मध्य पूर्व के क्षेत्रों की ओर किया जाना प्रक्षेपित है। इस समय चीन की बाजारों में निर्यात करने वाले प्रमुख निर्यातक जैसे जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान अपने लिए चीन के अलावा अन्य निर्यात ठिकानों की तलाश करना प्रारंभ कर देंगे। धीमा विकास अपने सम्बधित घरेलू बाजार की क्षमता को सीमित कर देगे जिससे कि अतिरिक्त क्षमताओं की खपत होना सीमित हो जाएगी।
 - ट. सम्बद्ध देशों का भारी बाजार हिस्सा है जो क्षति अवधि के दौरान और भी अधिक बढ़ा है।
 - ठ. सम्बद्ध देशों में क्षमताएं इन देशों की घरेलू मांग की तुलना में बहुत अधिक है।
 - ड. सम्बद्ध देशों में क्षमताएं, घरेलू मांग और उनके मौजूदा निर्यात यह दर्शाते है कि सम्बद्ध देशों के उत्पादक भारी निर्यातोन्मुखी है।
 - ढ. पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण करने के पश्चात इंडोनेशिया, जापान मलेशिया और थाइलैंड्स से आयात की मात्रा बहुत कम महत्वपूर्ण हो गयी है। निर्यातकों का यह परिवर्तित व्यवहार पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के परिणाम स्वरुप हुआ है और यदि पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिया जाता है तो वे सम्बद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर निर्यात करने लगेंगे।
 - ण. पाटित आयातों की सतत मौजूदगी ने घरेलू उद्योग को पाटन के पिछले प्रभावों से उभरने से रोक दिया है। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने से घरेलू उद्योग या तो अपनी बिक्री और अधिक कम कर देगा या मौजूदा बिक्री कीमत ही बनाये रखेगा। दोनों ही स्थितियों में इसे वास्तविक क्षति होगी। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में और यदि घरेलू उद्योग आयात कीमतों पर बिक्री करने का चयन करता है तो घरेलू उद्योग को और अधिक वित्तीय घाटा होगा। निवेश पर अर्जन तथा नकद लाभ और भी अधिक ऋणात्मक हो जाएगा। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में और यदि घरेलू उद्योग बिक्री कीमतों को उसी स्तर पर बनाये रखने का चयन करता है तो आयात मात्रा में वृद्धि हो जाएगी और उससे बाजार हिस्से, बिक्रियों तथा उत्पादन मात्रा में परिवर्तन आएगा।
 - त. इस तर्क के संबंध में कि याचिकाकर्ता यह दर्शाने में असफल रहे कि संभव है कि निस्तारणीय क्षमताओं का उपयोग भारत को निर्यात करने के लिए किया जाए क्योंकि सम्बद्ध देशों जैसे अमेरिका में मांग कम हो रही है जबकि भारत में घरेलू मांग में वृद्धि हो रही है।

- थ. यह आरोप लगाया गया है कि निस्तारणीय क्षमता के संबंध में आंकड़ों का स्रोत याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदान नहीं कराया गया है। याचिकाकर्ताओं ने सम्बद्ध देशों में वेशी क्षमताओं का परिकलन करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना पर भरोसा किया है। यह सीएमएआई पर आधारित है और सूचना का स्रोत दायर की गई याचिका में प्रदान कराया गया है।
- द. यह तर्क दिया गया है कि सम्बद्ध देशों द्वारा भारी बाजार हिस्सा धारित किये जाने के कारण पाटन एवं क्षित होने की संभावना है, सही नहीं है क्योंकि सम्बद्ध देशों के बाजार हिस्से में वर्ष 2009-10 से गिरावट आ रही है। सम्बद्ध देशों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष से पर्याप्त वृद्धि (10 प्रतिशत) हुई है और वर्ष 2009-10 से इसमें कमी होने लगी है। यह कमी अन्य स्नोतों से बाजार हिस्से में बढ़ोतरी पाटन का आश्रय दिये जाने और घरेलू उद्योग की क्षमताओं में वृद्धि होने के कारण आई है।
- ध. सम्बद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा निर्यात की मात्रा, उनकी उत्पादन क्षमता और घरेलू बाजारों में उनकी मांग यह दर्शाती है कि वे अधिकांशत: निर्यात उन्मुखी है।
- न. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि हान्वाह द्वारा पाटन की संभावना नहीं है क्योंकि हान्वाह पर मूल जांच में शुल्क अधिरोपित नहीं किया गया और अब इसके निर्यात भारतीय मांग का केवल 2 प्रतिशत है, यह तथ्य कि इसके निर्यात की मात्रा भारतीय मांग की केवल 2 प्रतिशत है उसी तरह संगत नहीं है क्योंकि जिसतरह देश में आ रहे इसके निर्यातों की कीमत असंगत है।
- प. यह तर्क दिया गया है कि सम्बद्ध देशों में वेशी क्षमता नहीं है। नियमों में प्राधिकारी से 'मुक्त रुप से निस्तारणीय उत्पादन क्षमता'' पर विचार करना ना कि 'वेशी क्षमता'' पर विचार करना अपेक्षित होता है। अत: यदि मान भी लिया जाए विदेशी उत्पादकों के पास मुक्त रुप से निस्तारणीय उत्पादन क्षमताएं है। निर्यातकों ने इन अतिरिक्त निर्यातों की खपत करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की है। सम्बद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा निर्यात की गई मात्रा का वेशी क्षमता का परिकलन करते समय घरेलू उद्योग द्वारा अपवर्जन कर दिया गया था क्योंकि उनका संभावित रुप से शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिये जाने की स्थिति में भारत की ओर विपथन होगा। प्रतिसंहरण कर दिये जाने की स्थिति में भारत को निर्यातकों के पाटित कीमतों से पूरी तरह से असुरक्षित है।
- फ. वह कीमत जिस पर सम्बद्ध वस्तु का सम्बद्ध देशों से आयात किया जा रहा है उन कीमतों से बहुत कम है जिनपर घरेलू बाजार में उस वस्तु की बिक्री की जा रही है। उससे भारतीय बाजार कीमत आकर्षक हो रहा है।
- ब. सम्बद्ध देशों का भारी बाजार हिस्सा है जिसमें क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- भ. पाटित आयातों की सतत उपस्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन के पिछले प्रभावों से उबरने से रोक दिया है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को या तो अपनी बिक्री कीमत में कमी करनी पड़ेगी अथवा उसे अपनी मौजूदा बिक्री कीमत बनायी रखनी पड़ेगी। दोनों ही मामलों में इसे क्षित होगी। मौजूदा पाटन रोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग यदि आयात कीमतों पर बिक्री करने का चयन करता है तो घरेलू उद्योग को और अधिक वित्तीय घाटा उठाना पड़ेगा। निवेश पर अर्जन और नकद लाभ ही बहुत अधिक ऋणात्मक हो जाएगा। मौजूदा पाटन रोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग यदि उसी स्तर पर अपनी बिक्री कीमत बनाये रखने का चयन करता है तो आयात मात्रा में वृद्धि हो जाएगी जिससे उसके बाजार हिस्से, बिक्री और उत्पादन मात्रा में गिरावट आयेगी।
- म. वर्तमान मामलें में जांच की अवधि के पश्चात की अवधि के आंकड़ों पर विचार करने की जरुरत नहीं है। वास्तव में ऐसा कोई भी आवेदन पत्र सभी मामलों में जांच की अवधि में इसे बढ़ायेगा। वर्तमान मामले में जांच की अवधि के पश्चपा की अवधि के आंकड़े इस कारण से भी संगत नहीं है कि वर्तमान मामला घरेलू उद्योग द्वारा सतत पाटन के परिणाम स्वरुप सहन की जा रही सतत क्षति से संबंधित है।
- कक. एक पक्षकार ने यह उल्लेख करने के लिए जापान और यूएसए के एनीलाइन पर भरोसा किया है कि सम्बद्ध देशों में वेशी क्षमताओं की मौजूदगी का संकेत यह नहीं है क्षति में वृद्धि हो जाएगी। यूएसए और जापान निर्णायक समीक्षा ने एनीलाइन में यह पाया गया कि यूएसए से आयात घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत एनएसआर से 'भारी अधिक' कीमतों पर किये जा रहे है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि कीमत अधोरदन ऋणात्मक है। इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया जांच की अवधि के दौरान कीमत निग्रहण/अवमंदन नहीं हुआ है। क्षति मार्जिन को भी ऋणात्मक पाया गया। इसके अतिरिक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला है कि घरेलू उद्योग को सम्बद्ध देशों से आयातों से कोई क्षति नहीं हुई है। परंतु वर्तमान मामले के तथ्य इससे पूरी तरह से भिन्न है।
- खख. यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता दावा करते है कि भारतीय बाजार कीमत आकर्षक बाजार है और साथ ही यह कि कीमत अधोरदन हो रहा है, यह विचार उत्पादकों के विचारों से विरोधाभाषी है। भारतीय बाजार आकर्षक है क्योंकि घरेलू उद्योगों की कीमतें उन कीमतों से बहुत अधिक है जिनपर विदेशी निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में अपने उत्पाद की बिक्री की जा रही है। इसका आशय यह है कि विदेशी उत्पादक भारतीय बाजार को कीमत आकर्षक पाते है। इसमें कोई विरोधभाष नहीं है।
- गग. एक हितबद्ध पक्षकार ने यह दावा किया है कि भारतीय बाजार की कीमत संवेदनशीलता का आशय यह है कि यह उत्पाद और बाजार की प्रकृति है जिसके कारण क्षति कारित की जा रही है न कि आयातों के कारण। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि यह उत्पाद इस सेंस में कीमत संवेदनशील है कि उपभोक्तागण इस उत्पाद की

खरीद उन्ही बिक्रेताओं से करेंगे जो इसकी बिक्री कम कीमत पर कर रहे है। अत: बड़े-बड़े निर्यातक जब कम कीमतें उद्धृत करते हैं तो घरेलू उद्योग को अपने उत्पाद की बिक्री करने के लिए उनकी कीमतों के बराबर ही कीमतें निर्धारित करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

- घघ. सीसीएआईए ने सीईएसटीएटी मामले में बीएसएफ दक्षिण पूर्व एशिया पीटीई लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी पर भरोसा किया है और यह आकलन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी अपाटित आयातों का क्षित का आकलन करने के लिए सम्बद्ध देशों के आयातों की कुल मात्रा में शामिल नहीं कर सकते है। उस मामले की निर्णाय समीक्षा जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह पाया कि सिंगापुर के अपीलीय निर्यातक के आयातों का पाटन मार्जिन ऋणात्मक है। इसके अतिरिक्त कीमत निग्रहण भी नहीं पाया गया घरेलू उद्योग को शून्य क्षित प्रदर्शित करने के लिए अन्य क्षितिपैरामीटरों का निर्धारण भी किया गया। स्पष्टतः इस मामले का अनुपात वर्तमान मामलें पर लागू नहीं होता है जहां निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कोरिया आरपी और ताइवान या किसी अन्य सम्बद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों के पाटन मार्जिन को न्यूनतम स्थापित नहीं किया है।
- ड.ड. चूंकि सम्बद्ध आयातों की कीमतें घरेलू उत्पादकों की कीमतों से बहुत अधिक है इसलिए आईसीसी का यह तर्क कि क्षति की संभावना नहीं है, वस्तुत: गलत है। सम्बद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे है।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 199. पाटन एवं क्षति की निरंतरता या पुनरावृति की संभावना के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाये हैं।
- क. चूंकि सम्बद्ध देशों से होने वाले आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई विपरीत मात्रा प्रभाव नहीं हुआ है इसलिए क्षति या पाटन की संभावना नहीं है।
- ख. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग या निर्यातकों से जांच की अवधि के पश्चात की अवधि के लिए आंकड़ें नहीं मांगे है।
- ग. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विगत में यह धारित किया है कि किसी निर्यातक देश में वेशी क्षमता की मौजूदगी से यह निष्कर्ष निकालना पर्याप्त नहीं है कि क्षति की पुनरावृत्ति होगी।
- घ. निस्तारणीय क्षमता का याचिकाकर्ताओं का परिकलन भी संदेह के घेरे में है क्योंकि परिकलन के स्रोत और कुल मांग का खुलासा नहीं किया गया है।
- ड. सम्बद्ध देशों द्वारा पर्याप्त बाजार हिस्सा होने के कारण क्षति मार्जिन की संभावना होना भी उचित नहीं है क्योंकि सम्बद्ध देशों के बाजार हिस्से में वर्ष 2009-10 से गिरावट आ रही है।
- च. चूंकि यूएस उत्पादकों की कई निर्यात बाजार है इसलिए उनके लिए यह अच्छा नहीं होगा कि वे याचिकाकर्ताओं द्वारा दावा की गई कम कीमतों पर अपनी बिक्री करें।
- छ. इस समय हान्वाह के निर्यात कुल भारतीय मांग का केवल 2 प्रतिशत है और उस पर मूल जांच में भी शुल्क अधिरोपित नहीं किया गया था यह दर्शाता है कि शुल्क को समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में हान्वाह से पाटन की संभावना बढ़ जायेगी।
- ज. निर्यातक देशों में वेशी क्षमताएं भी नहीं है। यह सभी देश 90 प्रतिशत से अधिक क्षमता उपयोग पर प्रचालन कर रहे है। घरेलू उद्योग ने मुक्त रुप से निस्तारणीय क्षमता की संगणना करते समय सम्बद्ध देशों द्वारा निर्यात मात्रा को जानबूझ कर हटा दिया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 200. जहां तक जांच की अविध के पश्चात की अविध का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने निर्यातकों से निर्यातक प्रश्नावली के भाग-2 में उल्लिखित स्वरुप और ढंग से जांच की अविध के पश्चात की अविध की सूचना प्रदान कराने के लिए निर्यातकों से कहा था और हितबद्ध पक्षकारों ने इन प्रश्नाविलयों का प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत किया है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग से भी जांच की अविध के पश्चात की अविध से सम्बिधत सूचना मंगायी गई थी। प्राधिकारी यह धारित करते है कि जहां कहीं सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के पाटन की निरंतरता बनी हुई है वहां घरेलू उद्योग को क्षिति हो रही है क्योंकि सम्बद्ध देशों से निरंतर पाटित आयात हो रहे है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर लिये जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षिति और पाटन की पुनरावृत्ति की जांच करना वांछित नहीं है। जांच की अविध के दौरान यूएसए द्वारा निर्धारित ऋणात्मक क्षिति मार्जिन के संबंध में यह जांच की गई कि क्या पाटन और क्षिति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इस सम्बंध में यूएसए के बारे में जांच की अविध के पश्चात की अविध के बौरान पाटन मार्जिन और क्षिति मार्जिन सकारात्मक है।
- 201. सहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में यह माना गया कि घरेलू उद्योग को क्षित के संबंध में जांच की अविध के पश्चात की अविध के आंकड़े उस स्थिति में संगत है जहां घरेलू उद्योग को क्षित का दावा क्षिति की पुनरावृत्ति संभावना पर आधारित है। यदि वर्तमान जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग को क्षित हो रही हो तो क्षिति की संभावना के संबंध में निष्कर्ष निकालने के लिए वह पर्याप्त साक्ष्य है। जांच की अविध के दौरान

यूएसए के निर्धारित ऋणात्मक पाटन मार्जिन के संबंध में पुन: यह जांच की गई कि क्या पाटन एवं क्षिति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनारावृत्ति होने की संभावना है। इस संबंध में यूएसए के बारे में जांच की अविध के पश्चात की अविध का विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि जांच की अविध के पश्चात की अविध के लिए क्षिति मार्जिन सकारात्मक है।

202. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षित की संभावना के प्रश्न की जांच प्राधिकारी द्वारा सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9(क) (5) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार की गई है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि:

"(5)इस धारा के अंतर्गत अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क, यदि उसका प्रतिसंहरण नहीं कर दिया जाता है तो, का प्रभाव ऐसे अधिरोपण की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा;

शर्त यह है कि यदि, एक समीक्षा में, केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि ऐसे शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो यह समय-समय पर ऐसे अधिरोपण की अविध में पांच वर्षों की अन्य अविध के लिए विस्तार कर सकती है और इस तरह बढ़ी हुई अविध ऐसे विस्तारण के आदेश की तारीख से शुरु होगी;

शर्त यह है कि उक्त पांच वर्षो की अवधि समाप्त होने से पहले यदि कोई समीक्षा प्रारंभ की जाती है और ऐसे समापन से पूर्व उसका कोई निष्कर्ष नहीं आता है तो पाटनरोधी शुल्क ऐसी समीक्षा के परिणाम लंबित रहने तक ऐसी अवधि तक के लिए निरंतर जारी रहेगा जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

- 203. प्रासंगिक प्रावधानों के संबंध में किसी निर्णायक समीक्षा जांच में निम्नलिखित पहलूओं की जांच करना अपेक्षित होता है कि:
- क. क्या पाटन या/ और क्षति की निरंतरता बनी हुई है; और यदि ऐसा है तो, क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में पाटन की निरंतरता बने रहने की संभावना है;
- ख. ऐसे मामलों में जहां पाटन या/और क्षति की निरंतरता नहीं है वहां क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है;
- 204. पाटनरोधी नियमावली में निर्णायक समीक्षा जांच में पाटन या क्षित की संभावना की जांच करने के लिए किसी विशिष्ट क्रियापद्धित को विहित नहीं किया गया है। प्राधिकारी यह धारित करते है कि यदि जांच की अविध के दौरान सम्बद्ध वस्तु के निर्यातों के बारे में पाटन मार्जिन और उसके परिणाम स्वरुप घरेलू उद्योग को क्षित होने की संभावना बहुत अधिक सकारात्मक है तो यह संभव है कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षित की निरंतरता बनी रहेगी।
- 205. प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों से उत्पादकों और निर्यातकों से पाटन एवं क्षति की निरंतरता की संभावना के संबंध में सूचना की जांच की है। प्राधिकारी ने इस सम्बद्ध में घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये मुद्दों पर विचार किया है तथा उनका उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत समाधान किया है।

पाटन एवं क्षति की संभावना को दर्शाने वाले पैरामीटर

- 206. यह नोट किया जाता है कि कई तृतीय देशों ने पाटन रोधी जांच की है और सम्बद्ध देशों के उत्पादकों और निर्यातकों पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया है। कुछ मामलों में पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण को कई निर्णायक समीक्षाओं के माध्यम से बढ़ाया गया है।
- 207. वर्तमान मामले में सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का जांच की अविध के दौरान आयात भारी मात्रा में किया गया है। वास्तव में सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु की यह मात्रा क्षित अविध में बढ़ रही है। यह नोट किया जाता है कि इन वस्तुओं का निर्यात पाटित कीमतों पर किया गया है और यह घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी अधोरदन कर रही है। यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिये जाने की अनुमित प्रदान की जाती है तो सम्बद्ध वस्तु की पाटित कीमतों पर मात्रा में वृद्धि होने की संभावना है। सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन करने की अप्रयुक्त क्षमताओं पर विचार करते हुए यह विचार और भी अधिक मजबूत हो जाता है जैसा कि घरेलू उद्योग ने सीएमएआई रिपोर्ट और सम्बद्ध देशों के विरुद्ध अन्य देशों द्वारा अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क के द्वारा सिद्ध किया गया है।
- 208. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया और थाईलैंड से आयातों की घटी हुई मात्रा प्रभावी शुल्क के परिणाम स्वरुप हुई है। प्राधिकारी नोट करते है कि इन सम्बद्ध देशों पर अधिरोपित शुल्क की प्रमात्रा पर्याप्त है।
- 209. मौजूदा क्षित की जांच करने के अलावा प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षित की निरंतरता अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना की भी जांच घरेलू उद्योग द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत सूचना एवं साक्ष्य के आधार पर की। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि निर्णायक समीक्षा के अंतर्गत यह जांच करने की अपेक्षा होती है कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिये जाने से घरेलू उद्योग को क्षित की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भी इस संबंध में मुद्दे उठाये है इसलिए प्राधिकारी के संज्ञान में लाये गये ऐसे सभी कारकों की जांच यह सुनिश्चित करने के लिए की गई कि क्या शुल्क को समाप्त कर देने की स्थित में क्षित की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

- 210. प्राधिकारी यह नोट करते है कि इस समय सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव ने घरेलू उद्योग के प्रचालन निष्पादन में गिरावट सृजित की है। चूंकि घरेलू उद्योग को इस समय वास्तविक क्षति हो रही है इसलिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिये जाने की स्थिति में क्षति की निरंतरता बनी रहेगी। इस संबंध में निम्नलिखित कारक प्रासंगिक है और उनपर घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों, दोनों द्वारा उठाये गये मुद्दों को ध्यान में रखते हुए विचार किया है।
- 211. प्राधिकारी नोट करते है कि वह कीमत जिसपर जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु का भारत में आगमन हो रहा था, घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण से कम थी जिससे निर्यातों के लिए भारतीय बाजार एक आकर्षक ठिकाना बन गया था।
- 212. घरेलू उद्योग ने यह मुद्दा उठाया है कि इस अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों के आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह नोट करते है कि सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में पाटनरोधी शुल्क मौजूद होने के बावजूद वृद्धि हुई है और यह कि इस बाजार हिस्से में आधार वर्ष से तुलना करने पर जांच की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। यदि वर्तमान शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिया जाता है तो इसके बाजार हिस्से में अधिक वृद्धि होने की उम्मीद है।
- 213. घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति यह संकेत करती है कि उसे पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित होने के बावजूद पाटन के प्रभाव को अब भी सहन करना पड़ रहा है। प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि जहां घरेलू उद्योग को मौजूदा क्षति है वहां प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के पश्चात की अवधि के आंकड़ों की जांच करना यह निर्धारित करने के लिए अपेक्षित नहीं पाया जाता है कि क्या शुल्क को समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षति की संभावना है।
- 214. एआईपीएमए ने यह तर्क दिया है कि निर्यातक देशों में वेशी क्षमताएं नहीं है। इसने आरोप लगाया है कि वे 90 प्रतिशत क्षमता उपयोग से प्रचालन कर रहे है और यह कि घरेलू उद्योग ने मुक्त रुप से निस्तारणीय क्षमता की संगणना करते समय सम्बद्ध देशों से अन्य देशों को निर्यात की मात्रा का जानबूझ कर अपवर्जन कर दिया है। प्राधिकारी यह नोट करते है कि सम्बद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा तृतीय देशों को इतनी भारी मात्रा में निर्यात करने से ऐसी उम्मीद की जाती है कि उन्हें पाटनरोधी शुल्क का एक बार प्रतिसंहरण हो जाने की स्थिति में अपने निर्यात विपथित करने से कोई भी नहीं रोक पायी।

कारणात्मक संबंध

215. प्राधिकारी यह नोट करते है कि धारा 9क(5) के अंतर्गत प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इस तथ्य पर ध्यान दिये बिना कि क्या समीक्षा जांच अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात हुआ है या नहीं शुल्क की निरंतरता की जरुरत तथा पाटन एवं क्षित की संभावना की जांच करेगी। ऐसा होते हुए भी यह जांच की गई कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य पैरामीटर घरेलू उद्योग को क्षित कारित कर रहे है या नहीं।

त्तीय देशों से आयात

216. प्राधिकारी ने सम्बद्ध वस्तु के संव्यवहार वार आयात आंकड़ों का संग्रहण किया है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते है कि सम्बद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से आयात या तो उच्चतर कीमतों पर हुए है या वे पाटनरोधी शुल्क जांच के अध्यधीन है या अपाटित कीमतों पर किये गये है। जहां तक विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि अन्य देशों से पाटन कारणात्मक संबंध को भंग करता है, प्राधिकारी नोट करते है कि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए वर्तमान जांच के दायरे में नए देशों को नहीं जोड़ा जा सकता है और किसी भी मामले में इन आयातों पर अलग से विचार किया जाना अपेक्षित होगा।

मांग में संकुचन

217. प्राधिकारी नोट करते है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग के संबंध में जांच की अवधि के दौरान कोई भारी सुधार प्रदर्शित नहीं हुआ है। मांग में संभावित संकुचन से घरेलू उद्योग को क्षित नहीं हुई है।

व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं

218. सम्बद्ध वस्तु का मुक्त रुप से आयात किया जा सकता है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं नहीं है। घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करती है और साथ ही उन्हें सम्बद्ध वस्तु की अवसारित कीमत से भी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

प्रौद्योगिकी में विकास

219. यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए प्रौद्योगिकी में न तो कोई सारवान परिवर्तन हुआ है और न ही भविष्य में कोई परिवर्तन की संभावना है। इसलिए प्रौद्योगिकी में विकास क्षति संभावित कारक प्रतीत नहीं है।

निर्यात निष्पादन

220. घरेलू उद्योग ने संगत अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। तथापि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार घरेलू प्रचालनों के संबंध में किया है। अत: घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर सकता है।

कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

- 221. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि कोई कारणात्मक सम्बद्ध नहीं है क्योंकि आयात मात्रा तथा लाभ/हानि और आरओआई, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच में कोई सह संबंध नहीं है। यह तर्क दिया गया है कि जांच की अवधि के दौरान जब ही आयात कीमत में वृद्धि हुई तो घरेलू कीमत में गिरावट आयी। प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई संगत परंपरा के अनुसार प्राधिकारी ने आयातों की अवसारित कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से की और आयात की उतराई कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से करने पर यह दर्शाती है कि आयातों की अवसारित कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम है। विश्लेषण के आधार पर यह नोट किया जाता है कि आयात (1) घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे है और (2) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे है और उसे अपनी कीमतें लागत स्तर के अनुरुप बढ़ाने से रोक रहे हैं।
- 222. यह तर्क दिया गया है कि जापान में प्रदायकों की बंदी के कारण कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी से घाटा हुआ है और इस घाटे के लिए आयात उत्तरदाई नहीं हैं, यह नोट किया जाता है कि ऐसी घटनाओं से संपूर्ण विश्व में वीसीएम की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और यह वृद्धि सम्बद्ध वस्तु की कीमतों में प्रदर्शित होनी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते है कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग का बिक्री प्रापण पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण नहीं बढ़ सका।
- 223. आईसीसी केमिकल कारपोरेशन द्वारा जांच की अविध के दौरान यह तर्क दिया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा ईधन, श्रम, विद्युत का अधिप्रापण करने की लागत में कई गुणा वृद्धि हुई है तथा उससे क्षति को योगदान मिला है। प्राधिकारी नोट करते है कि पीवीसी सस्पेंशन का विनिर्माण करने में लागत निर्धारित करने का प्रमुख कारक वीसीएम की लागत है। वीसीएम की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें बढ़ गई है और इसलिए इस घाटे के लिए घरेलू उद्योग की अकार्यकुशलता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।

क्षति एवं कारणत्व के संबंध में निष्कर्ष

- 224. प्राधिकारी नोट करते है कि घरेलू उद्योग को सम्बद्ध देशों से पाटन के परिणामस्वरुप वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है। संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रुप से तथा भारत में खपत के संगत रुप से वृद्धि हुई है। पाटित आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे थे। यह भी निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत निग्रहण के रुप में भारी विपरीत कीमत प्रभाव है। इसके अतिरिक्त सम्बद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और उसे बहुत अधिक माना गया है।
- 225. यह नोट किया जाता है कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के पाटित आयातों का लाभप्रदायकता, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसलिए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते है कि घरेलू उद्योग को सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है।
- 226. इस लिए प्राधिकारी यह धारित करते है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण ही कारित की गई है।

भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

- 227. प्राधिकारी नोट करते है कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षिति का उपशमन करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनःस्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबंध देशों से आयातों को किसी भी रुप में प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- 228. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण सम्बद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है और उसके परिणाम स्वरुप इन उत्पादों की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से, खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्गहण घरेलू उद्योग की क्षित का शमन करने के लिए अनिवार्य राशि तक सीमित कर दिया जाता है तो भारतीय बाजार उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ को समाप्त करेगा, घरेलू उद्योग को पतन से बचायेगा और सम्बद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प बनाये रखने की उपलब्धता में सहयोग देगा।

निष्कर्ष एवं सिफारिशें

- 229. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गये तर्को, प्रदान कराई गई सूचना और दिये गये प्रस्तुतिकरणों और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों जिनको उपर्युक्त जांच परिणाम में रिकार्ड किया गया है, को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकालते है कि:
- (क) विचाराधीन उत्पाद का कोरिया को छोड़कर अन्य सभी सम्बद्ध देशों से पाटित कीमतों पर आयात जारी रहा।
- (ख) घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी।
- 230. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ की गई और इसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई। निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षित और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटन, क्षित और उनके कारणात्मक संबंधों की एक जांच पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुरुप शुरु करने और आयोजित करने और यह स्थापित करने के पश्चात कि सकारात्मक पाटन मार्जिन है और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षित इन आयातों द्वारा कारित की गई है, प्राधिकारी का विचार है कि क्षित कारित करने वाले पाटन को दूर करने के लिए शुल्क का अधिरोपण किया जाना अपेक्षित है। घरेलू उद्योग ने उनके द्वारा सहन की जा रही क्षित का निराकरण करने के लिए पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी द्वारा अपनाये जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षित के मार्जिन से न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षित दूर की जा सके। क्षितमार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद के आयातों के अवसारित मूल्य की तुलना इस जांच की अविध के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान उत्पाद की गैर क्षितकारी कीमत से की गई है।
- 231. तदनुसार, (कोरिया आरपी को छोड़कर) सम्बद्ध देशों में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से अधिरोपित करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं	उपशीर्षक या प्रशुल्क मद	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मुद्रा	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	3904	विनायल क्लोराइड मोनोमर का होमोपालि मर (सस्पेंशन ग्रेड) **	ताइवान	ताइवान	सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन	सीजीपीसी पोलिमर कारपोरेशन	33.62	अमरीकी डालर	एमटी
2	3904	वही	ताइवान	ताइवान	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	33.62	अमरीकी डालर	एमटी
3	3904	वही	ताइवान	यूरोपियन यूनियन	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	ट्रिकान ओवरसीज इंक. और ट्रिकान इनर्जी (यूके) लिमिटेड	33.62	अमरीकी डालर	एमटी
4	3904	वही	ताइवान	यूएसए	चीन जनरल प्लास्टिक कारपोरेशन	ट्रिकान ओवरसीज इंक.	33.62	अमरीकी डालर	एमटी

5	3904	वही	ताइवान	यूरोपियन यूनियन	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	ट्रिकान इनर्जी यूके लिमिटेड	Nil	अमरीकी डालर	एमटी
6	3904	वही	ताइवान	ताइवान	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	Nil	अमरीकी डालर	एमटी
7	3904	वही	ताइवान	ताइवान	ओसन प्लास्टिक्स कंपनी लि.	ओसन प्लास्टिक्स कंपनी लि.	9.47	अमरीकी डालर	एमटी
8	3904	वही	ताइवान	ताइवान		नावा कोई अन्य ोजन	61.25	अमरीकी डालर	एमटी
9	3904	वही	ताइवान	ताइवान के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	61.25	अमरीकी डालर	एमटी
10	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य	ताइवान	कोई	कोई	61.25	अमरीकी डालर	एमटी
11	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	क्विं ग्डाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड	क्विं ग्डाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड.	139.64	अमरीकी डालर	एमटी
12	3904	वही	चीन जन.गण	यूरोपियन यूनियन	क्विं ग्डाओ हेजिंग कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड	ट्रिकान एनर्जी यूके लिमिटेड	139.64	अमरीकी डालर	एमटी
13	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	यिबिन टियानयुआन ग्रुप कंपनी लि.	यिबिन टियानयुआन ग्रुप कंपनी लि.	139.52	अमरीकी डालर	एमटी
14	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	झिन्जियांग शिहेजी झोंग्फा केमिकल कंपनी लिमिटेड	झिन्जियांग टियानई फारेन ट्रेड कंपनी लि	91.27	अमरीकी डालर	एमटी
15	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	टिआनजिन एलजी डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	टिआनजिन एलजी डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	123.27	अमरीकी डालर	एमटी
16	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	टिआनजिन डागू केमिकल कंपनी	टिआनजिन डागू केमिकल कंपनी	123.27	अमरीकी डालर	एमटी

					लिमिटेड	लिमिटेड			
17	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	शान्डांग ओसन केमिकल क्लोर अलकलाय रेजिन कंपनी लिमिटेड	शान्डांग ओसन केमिकल आयात एवं निर्यात कंपनी लिमिटेड	123.27	अमरीकी डालर	एमटी
18	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	झिन्जियांग जोंग्टाई केमिकल कंपनी लिमिटेड	झिन्जियांग जोंग्टाई केमिकल कंपनी लिमिटेड	123.27	अमरीकी डालर	एमटी
19	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	तगशान सेन्यू क्लोर अलकलाय कंपनी लि.	तगशान सेन्यू इंटरनेशनल इंडस्ट्रीज कंपनी लि.	123.27	अमरीकी डालर	एमटी
20	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	चिपिंग जिन्फा पीवीसी कंपनी लि.	निंग्बो ग्रांड इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लि.	123.27	अमरीकी डालर	एमटी
21	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण	उपर्युक्त के अलावा कोई अन्य संयोजन		147.96	अमरीकी डालर	एमटी
22	3904	वही	चीन जन.गण	चीन जन.गण के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	147.96	अमरीकी डालर	एमटी
23	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य	चीन जन.गण	कोई	कोई	147.96	अमरीकी डालर	एमटी
24	3904	वही	यूएसए	यूएसए	फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, यूएसए	ट्रिकान डाई केमिकल्स एलएलसी	31.22	अमरीकी डालर	एमटी
25	3904	वही	यूएसए	यूएसए	वेस्टलेक विनायल कारपोरेशन या वेस्टलेक विनायल कंपनी एलपी	वेस्टलेक विनायल कंपनी एलपी	29.99	अमरीकी डालर	एमटी
26	3904	वही	यूएसए	यूएसए	उपर्युक्त के अलावा कोई अन्य संयोजन		115.54	अमरीकी डालर	एमटी
27	3904	वही	यूएसए	यूएसए के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	115.54	अमरीकी डालर	एमटी
28	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य	यूएसए	कोई	कोई	115.54	अमरीकी डालर	एमटी

			देश						
29	3904	वही	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई	कोई	70.58	अमरीकी डालर	एमटी
30	3904	वही	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	70.58	अमरीकी डालर	एमटी
31	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	इंडोनेशिया	कोई	कोई	70.58	अमरीकी डालर	एमटी
32	3904	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	48.21	अमरीकी डालर	एमटी
33	3904	वही	थाईलैंड	थाईलैंड के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	48.21	अमरीकी डालर	एमटी
34	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	थाईलैंड	कोई	कोई	48.21	अमरीकी डालर	एमटी
35	3904	वही	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	42.92	अमरीकी डालर	एमटी
36	3904	वही	मलेशिया	मलेशिया के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	42.92	अमरीकी डालर	एमटी
37	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	मलेशिया	कोई	कोई	42.92	अमरीकी डालर	एमटी
38	3904	वही	जापान	जापान	कोई	कोई	14.95	अमरीकी डालर	एमटी
39	3904	वही	जापान	जापान के अलावा कोई अन्य देश्	कोई	कोई	14.95	अमरीकी डालर	एमटी
40	3904	वही	सम्बद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	14.95	अमरीकी डालर	एमटी

^{**} विचाराधीन उत्पाद विनायल क्लोराइड मोनोमर का होमोपोलिमर (सस्पेंशन ग्रेड) जहां विभिन्न पोलिमर श्रृंखलाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई नहीं है। तथापि इसमें से विशेषज्ञता पीवीसी सस्पेंशन रेजिनों जैसे क्रास लिंक्ड पीवीसी, क्लोरिनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी) विनायल क्लोराइड- विनायल एसिटेड कोपालिमर (वीसी-वीएसी) पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेडिंग रेजिन का अपवर्जन किया गया है।

232. केन्द्रीय सरकार के इस आदेश के विरुद्ध अपील अधिनियम के अंतर्गत सीमाशुल्क, उत्पाद कर तथा सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष अपील दायर की जा सकती है।

जे.एस.दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 2014 **Final Finding**

Subject:—Sunset Review Investigation of anti-dumping duty imposed against imports of Polyvinyl Chloride (PVC) Suspension Grade originating in or exported from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA – Final findings.

No.21/29/2011-DGAD.— WHEREAS, having regard to under the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Act) andCustoms Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules,1995 thereof, as amended from time to time, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated an antidumping investigation on 28th June, 2006 into alleged dumping of Polyvinyl Chloride (PVC) Suspension Grade originating in or exported from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA and definitive anti-dumping duty was imposed on imports of Polyvinyl Chloride (PVC) Suspension Grade from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA vide Customs Notification No. 11/2008-Customs dated 23rd January, 2008 on the basis of the final findings of the Authority issued via Notification No. 14/8/2006-DGAD dated 26th December, 2007.

- 2. AND WHEREAS M/s DCW Limited (DCW), Chemplast Sanmar Limited (Chemplast), Reliance Industries Ltd (RIL) and DCM Shriram Consolidated Ltd. (DCM) (hereinafter referred to as the "petitioners") filed a duly substantiated application in accordance with the Act and the AD Rules before the Authority alleging continued dumping of PVC Suspension Grade Resin originating in or exported from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA and requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties. Having satisfied that the petitioners have substantiated the need for a review, the Designated Authority considered it appropriate to initiate sunset review vide Notification No.21/29/2011-DGAD dated 5th October, 2012 published in the Gazette of India, Extraordinary, to examine whether the expiry of anti dumping duty would lead to continuation or recurrence of dumping or injury.
- 3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - a. The Authority issued public notification No.21/29/2011-DGAD dated 5th October, 2012 initiating sunset review investigations, which was published in the Extraordinary Gazette of India.
 - b. The Authority sent copies of initiation notification dated 5th October 2012 to the Embassy of the subject countries, known exporters/producers from the subject countries, known importers and other interested parties. Parties to this investigation were requested to file the responses to the questionnaire and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters/producers were also sent to the Embassy of the subject countries along with a list of known exporters/producers with a request to advise the exporters/ producers from the subject countries to respond to the questionnaires within the prescribed time.
 - c. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers and/or exporters and the Embassy of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also made available for other interested parties, on request.
 - d. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and/or consumers of subject goods in India and advised them to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
 - e. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the Governments of subject countries, including known exporters/producers in accordance with the Rule 6(4).
 - f. Due to the large number of requests for participation in the sunset review, a letter was issued to all known producers and exporters of subject goods in China PR (in terms of Article 6.10 of WTO Anti-Dumping Agreement and proviso to Rule 17 (3) of the AD rules) asking for basic information (sampling questionnaire) regarding the volume and value of the subject goods exported by them to India for limiting the number of respondents selected for review. In selecting the respondents for individual review, it was intended to select the largest exporters/producers in terms of export volumes to India during the POI. The response to the letter was received from following producers/exporters from China PR:
- i. Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.
- ii. Yibin Tianyuan Group Co., Ltd.
- iii. Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., Ltd.
- iv. Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Limited.
- v. Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.
- vi. Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.
- vii. Shandong Ocean Imp & Exp Co., Ltd.
- viii. Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd
- ix. Tangshan Sanyou Chlor-Alkali Co., Ltd.
- x. Chiping Xinfa PVC Co., Ltd.

- g. The data was examined to ascertain the largest % age of the volume of exports that can be reasonably be investigated. It was found that the top 4 exporters by volume account for 82% of the total volume of the exports made by the exporters who have filed the response to the sampling questionnaire. Thus, considering the top 4 producers/exporters by volume will be reflective of the total population of exports from China PR, it was proposed to include the following exporters/ producers in the sample:
- i. Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.
- ii. Yibin Tianyuan Group Co. Ltd.
- iii. Qingdao Haijing Chemical (Group) Co.
- iv. Inner Mangolia Sanlian Chem Corp. Ltd.
 - h. As no comments to the sampling procedure proposed by the Authority was received till the stipulated time given by the Authority from the interested parties, the 4 sampled producers and exporters mentioned were requested to submit the response to questionnaire in the form and manner of exporter's questionnaire, MET questionnaire as well as additional sunset questionnaire within the stipulated time period.
 - i. The following producers/exporters also submitted responses to the Questionnaire.
- i. Tricon Overseas, Inc., USA (exporter)
- ii. Tricon Dry Chemicals LLC., USA (exporter)
- iii. Westlake Vinyl Corporation, USA, USA (producer and exporter)
- iv. Westlake Chemical Corporation, USA (producer and exporter)
- v. M/S. Formosa Plastics Corporation, U.S.A., (producer)
- vi. Formosa Plastics Corporation, Taiwan (producer)
- vii. Ocean Plastics Co., Ltd., Taiwan (producer)
- viii. Tricon Energy UK Ltd., UK (exporter)
- ix. LG Chem Ltd., Korea (producer and exporter)
- x. Hanwha Chemical Corporation, Korea (producer and exporter)
- xi. M/s Powell International Trading Co., Ltd., Taiwan
- xii. M/s Shintech Incorporated.
- xiii. CGPC Polymer Corporation ("CGPC Polymer"), Taiwan
- xiv. China General Plastics Corporation, ('CGPC") Taiwan,
- xv. Taipei economic and cultural centre, Delhi
- **xvi.** ICC Chemical Corporation (exporter)
 - j. Questionnaire was sent to known importers or users for providing necessary information in accordance with Rule 6(4).
 - k. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4)of the AD Rules:

1.	SHALIMAR REXINE INDIA LTD.	2.	FINOLEX GROUP
	1st Floor, Gumam Chambers		Finolex Group,
	67, Ganesh Peth,		D-1/10, MIDC,
	Pune - 411 002		Chinchwad,
	Maharashtra		Pune
3.	THE SUPREME INDUSTRIES	4.	KRISHNA VINYLS GROUP
	17/18, Shah Industrial Estate,		Belagaon Village, Boisar (East),
	Veera Desai Road, Andheri (W),		Mumbai
	Mumbai - 400 053		
5.	JAIN IRRIGATION SYSTEMS	6.	PRINCE GROUP
	Jain House, Police Court Lane,		Prince Arcade, C-10, Century Road,
	Fort,		Marol MDC,
	Mumbai - 400 001		Andheri
			Mumbai - 400 093
7.	KALPANA INDUSTRIES	8.	COSMOS CORPORATION
	2/B, Prictona St.		Jai Gurudeo Complex,
	Kolkata - 700 071		Shop No.C-4, Ground Floor,,
			Bhiwandi
9.	POLYTRUSIONS PRIVATE LTD.	10.	POLYCAB CABLES PVT. LTD.
	1-B, Gleneden Place,		Hicco House, North Wing,

	813, Poonamallee High Road,		1st Floor,
	Killpauk, Chennai - 600010		771, Pandit Satawalekar Marg,
	Kinpauk, Chemia 000010		Mahim,
			Mumbai - 400 016
11.	CHANDUBAI GROUP	12.	J. P. GROUP
11.		12.	
	No.58, Bharathisasan Street,		4314/5, Jai Mata Marg,
	Muthlalpet,		Tri Nagar,
	Chennai		New Delhi - 110 035
13.	Royal Cushion Vinyl Product	14.	KISAN GROUP TEX Centre,
	Plot No.9, Behind National Avenue,		K Wing, 3rd Floor,
	Akruti Road, Mandivali (East),		26-A Chandiwal Road,
	Mumbai -400 001		Andheri (East),
			Mumbai -400 059
15.	GOLDEN GROUP	16.	PREMIER POLYFILM LTD.
	E-5, Mayapuri Indl. Area, Phase II,		40/1A, Site IV,
	New Delhi - 110 064		Industrial Area Sahibabad,
			Ghaziabad (U.P.)
17.	V.K.GANDHI GROUP	18.	OMEGA UDYOG
1,,	10/60, Industrial Area,	10.	605, Krishna Apartment,
	Kirti Nagar,		Sector 18.
	New Delhi		Noida, UP
19.	FINE FLOW PLASTIC INDUSTRIES	20.	KRITI INDUSTRIES (INDIA) LTD.
19.	403 Steel Centre,	20.	Chetak Chambers,
	Ahmedabad Road,		14, R.N.T. Marg,
	, and the second		Indore
	Karnak Bunder, Masjid, Mumbai - 400 009		
21		22	M.P 452 001 VEEKAY POLYCOATS LTD.
21.	SIGNET OVERSEAS LTD.	22.	
	114-116, Trade House		Flat No.70, 7th Floor,
	14/3, South Tukoganj,		Hansalaya Building,
	Indore, M.P.		15, Barakhamba Road, New Delhi - 110 001
			New Deini - 110 001
23.	AVON PLASTICS GROUP	24.	KLJ GROUP
	No.7/1, 4th Cross,		KLJ House, Rana Marg,
	Padarayanpura,		Near Kirti Nagar,
	Mysore Road Cross,		New Delhi - 110 015
	Bangalore - 560 026		
25.	CAPRIHANS INDIA LTD.	26.	PAR PETROCHEM LTD.
	D Block, Shiovsagar,		Petro House,
	Dr.Annie Besant Rd,		1206, 1st Floor,
	Worli,		Bahadur Garh Road,
	Mumbai - 400 018		Delhi
27.	SUDHARKAR GROUP	28.	SURENDER COMMERCIAL
	Balaram Thanda,		14, Royd Street,
	Near Industrial Estate,		Kolkata
	Surya Pet,		
	Dist. Naigonda,		
	Andhra Pradesh - 500 001		
29.	MM Plastics	30.	K S PLASTICS
	Building No.26/779, Pant Nagar,		22A, Sardar Bazar,
	Ghatpokar (East),		New Delhi
i l	Mumbai	1 1	

31.	DELUXE KAARAN IMORT PVT. LTD.	32.	AASU CHEMPOPLAST
	321, Siddhivinayak Housing Society,		Shop No.907,
	Bhiwandi		Netaji Subhash Place,
			P.P.Tower, Pitampura,
			New Delhi - 110 034
33.	DUTRON PLASTICS	34.	PRFINTCRAFTS
55.	Dutron House.	5 1.	16-A/19, WEA, Ajmal Khan Road,
	Mithakhali Underbridge,		Karol Bagh,
	Navrangpura,		New Delhi
	Ahmedabad, Gujarat - 380 006		New Delin
35.	Additive ADITYA INDUSTRIES	36.	JEWEL POLYMERS
33.		30.	
	5, Khosla Corss Lane,		C-636, DSIDC Industrial Area,
	1st Floor, Near Paydhoni,		Narela,
	Masjid Buder,		Delhi
	Mumbai - 400 003		
37.	FANCY POLYMERS PVT. LTD.	38.	VARSHA CORPORATION LTD.
	C-3, Local Shopping Centre,		A/3-G, Malad Industrial Estate,
	Paschimi Marg, Vasant Vihar,		Malad, Mumbai
	New Delhi - 110 057		
39.	MAXX IMPEX	40.	ORIPLAST LTD.
	30/44, Gali No.7,		9/A, Wood Street,
	Vishwas Nagar, Shahadara,		Kolkata - 700 016
	Delhi		
41.	AMISHA VINYLS PVT. LTD.	42.	NOUVELLE CREDITS PVT.LTD.
	A-21, Sitaram Building,		4316/17, 3rd Floor,
	Kolkata - 700 016		Saini Market,
			New Delhi
43.	D.R.POLYMERS LTD.	44.	SINTEX INDUSTRIES LTD.
	C-24, Mansarovar Garden,		Plastic Division,
	DR Complex,		Kalok (NG), Kalol,
	New Delhi - 110 015		Mehsana, Gujarat
45.	SANKHLA INDUSTRIES	46.	SHANTILAL MAHENDRAKUMAR
13.	1st Floor, Race Course Road,	10.	23, Gurukrupa Apartments,
	Banalore,		H.C. Kelkar Road,
	Karnataka - 560 001		Dadar, Mumbai
	Kamataka - 300 001		Dadai, Mullibai
47	CAM DOLVMEDS	40	DD A IZ A CH INIDHICEDIEC
47.	SAM POLYMERS	48.	PRAKASH INDUSTRIES
	115/4A, Vidyut,		Near IOCL Depot,
	Near RBI Colony,		Brijwasan,
	Shalimar Baug,		New Delhi - 110 061
	New Delhi		
49.	R.S. OVERSEAS PVT.LTD.	50.	INCOM CABLES PVT. LTD.
	F-31, 1st Floor, Bhagwant Singh Market,		C-46, Mayapuri Industrial Area,
	3003, Bahadurgarh Road,		Phase II, New Delhi
	New Delhi		
ı			CHAIRANNA HADOCENEN
51.	DIAMOND PIPES & TUBES	52.	CHAITANYA IMPOGENEX
51.		52.	
51.	7th Cross Wilson Garden,	52.	Chikal House,
51.	7th Cross Wilson Garden, Bangalore,	52.	Chikal House, 146-B, Princes Street,
51.	7th Cross Wilson Garden,	52.	Chikal House,

	Patparganj, New Delhi - 110 092		Delhi - 110 052
55.	HAVELLS INDIA Havells India, E-1, Sector 59, Noida (U.P.)	56.	OSWAI CABIE PRODUCTS LTD A-93/1, Wazirpur Group Industrial Area, Delhi - 110 052
57.	MEGHA INDUSTRY Shop No.9/96, Shaasin Gali, Vishwas Nagar, Delhi - 110 052	58.	ASSOCIATED CAPSULES LTD Kalpatru Society, 289-2, Mahatma Phule Peth, Timber Market Road, Pune

- 1. The Authority provided opportunity to the industrial users of the product under consideration, to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. None of the importers have submitted response to the importers questionnaire and hence they are considered non cooperative in this investigation. However, the following importers/ users have submitted comments to the subject review investigation which have been examined by the Authority.
 - a. Sankhala Industries.
 - b. Manish Packaging Pvt Ltd
 - c. Dhabriya Agglomerates Pvt Ltd.
 - d. AVI Global Plast.
 - e. Sudhakar PVC Products Pvt Ltd.
 - f. Kalpena Industries
 - g. Oswal cable products
 - h. All India Plastic manufactures Association (AIPMA)
 - i. Prince Pipes and fittings Pvt Ltd, Mumbai
 - j. Dutron plastics Ltd
 - k. Cooldeck Aqua solutions Pvt Ltd
 - 1. Jain Irrigation systems Pvt Ltd
 - m. Kisan Mouldings Ltd.
 - n. Sandeep Organics Pvt Ltd
- m. A letter was received from M/s Tianjin Dagu Chemical Co, China PR for accepting the response from Chinese producer and exporter. It was submitted in that letter that the applicant was a cooperating party in the original investigation and obtained individual dumping margin. The letter was examined and it was noted that the Authority had issued a public notice dated 5th October 2012 initiating SSR anti-dumping investigation concerning imports of PVC Suspension Resin from China PR, Taiwan, USA, etc and since there were requests from large number of producers/exporters from China PR to participate in the investigation, sampling was conducted by the Authority. It was thus noted that the Authority had already selected a sample and that did not include M/s Tianjin Dagu Chemical Co. Ltd. After the Authority had made the sample, the list of sampled producers/exporters were communicated to all those who had responded to sampling questionnaire for their comments. However, it is noted from the records that Tianjin Dagu Chemical Co. Ltd., has not submitted any comments at that stage. Thus, the application filed by M/s Tianjin Dagu Chemical Co. Ltd, a non-sampled producer/exporter from China PR was not entertained.
- n. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations. Information received from the DGCI&S, has been relied upon in the present final finding.
- o. The Authority held a public hearing on 1st May, 2013 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally, which was attended by the domestic industry and other interested parties. The parties attending the public hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. Interested parties were also provided opportunity for rejoinder submissions on the views expressed by opposing interested parties. The Authority has considered the written submissions and rejoinders received from the interested parties, wherever found relevant, in this final findings.
- p. Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties, including domestic industry, during the course of the investigation, to the extent that the same are considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
- q. The Authority, during the course of investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied upon which this final finding is based. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry and the co-operating producer/exporter to the extent considered relevant and necessary.
- r. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by all interested parties as per Rule 6(7).
- s. Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry. The Non-injurious Price has been worked out in accordance with Annexure III of

the anti-dumping rules.

- Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2011 31st March 2012 (12 months and has been referred to as the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods 2008-09, 2009-10, 2010-11 and POI.
- u. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded findings on the basis of the facts available.
- v. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- w. In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis considered for the decision of the Authority were disclosed to known interested parties in the form of disclosure statement and comments received on the same have been considered in Final Findings. The comments to the disclosure statement have been received from the following interested parties.
 - i. The domestic industry
 - ii. M/s CPMA
 - iii. All India Plastic Manufacturer Association (AIPMA).
 - iv. Embassy of Republic of Korea RP.
 - v. Tricon Overseas, Inc., USA (exporter)
 - vi. Tricon Dry Chemicals LLC., USA (exporter)
 - vii. Westlake Vinyl Corporation, USA, USA (producer and exporter)
 - viii. Westlake Chemical Corporation, USA (producer and exporter)
 - ix. M/S. Formosa Plastics Corporation, U.S.A., (producer)
 - x. Formosa Plastics Corporation, Taiwan (producer)
 - xi. Tricon Energy UK Ltd., UK (exporter)
 - xii. LG Chem Ltd., Korea (producer and exporter)
 - xiii. Hanwha Chemical Corporation and Hanwha corporation, Korea RP (producer and exporter)
 - xiv. CGPC Polymer Corporation ("CGPC Polymer"), Taiwan
 - xv. China General Plastics Corporation, ('CGPC") Taiwan,
 - xvi. Taipei economic and cultural centre, Delhi
 - xvii. China Chlor-Alkali Industry Association, China PR (hereinafter also referred as "CCAIA").
 - xviii. Embassy of the Republic of Korea RP
- *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.
- y. The Central Government upon the request of the DGAD extended the time period to complete the investigation and notify the final findings till 4th April, 2014.
- z. The exchange rate for conversion of US\$ to INR in the POI has been considered at Rs.48.14 as per customs data.

A. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

4. The product under consideration in the present review investigation is homopolymer of vinyl chloride monomer (suspension grade), where various polymer chains are not linked to each other, falling under customs classification subheading 3904, known as PVC suspension resin. The product under consideration excludes specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride – vinyl acetate copolymer (VC-VAC), PVC paste resin and PVC blending resin. The product under consideration has been referred to as "Poly Vinyl Chloride (PVC) Resin Suspension Grade" or "PVC Suspension Resin" or "the subject goods". Since the current investigation is a Sunset Review investigation into anti-dumping duties currently in force, the scope of the product under consideration is the same as that in the original investigation. The product under consideration does not have dedicated HS Code and the imports are cleared under different HS Codes falling under 3904. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation and proposed measures.

Views of the domestic industry

- 5. Domestic industry has made following submissions.
- a. The Authority has, in the Final Findings of the original investigations, dealt with issues raised with respect to the scope of the product under consideration.
- b. Since the current investigation is a sunset review of existing anti dumping duty, the scope of the product under consideration is required to be kept the same as that of original investigations.
- c. The goods produced by the domestic industry are like article to the subject goods exported to India.

Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested Parties

6. None of the other interested parties raised any issues with respect to the scope of the product under consideration.

Examination by the Authority

- 7. The product under consideration in the present investigation is "homopolymer of vinyl chloride monomer (suspension grade), where various polymer chains are not linked to each other, falling under customs classification no. 3904.21. The product under consideration however, excludes the specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin". The product under consideration is the same as considered in the original investigation.
- 8. The product under consideration does not have dedicated HS Code and the imports are cleared under different HS Codes falling under 3904. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation and proposed measures.
- 9. In the initiation notification, the scope of the product under consideration was specified as follows –
- "Product under consideration in the present review investigation is homopolymer of vinyl chloride monomer (suspension grade), where various polymer chains are not linked to each other, falling under customs classification no. 3904, known as PVC suspension resin. The product under consideration excludes specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin. The product under consideration has been referred to as "Poly Vinyl Chloride (PVC) Resin Suspension Grade" or "PVC Suspension Resin" or "the subject goods"."
- 10. Having regard to the evidence on record and initiation notification, the Authority considers it appropriate to keep the scope of the product under consideration to the same as was considered in the original findings..
- 11. In order to determine whether goods produced by the domestic industry can be considered like article to the goods produced and/or exported from the subject countries, it is noted that the issue has been examined by the Authority and no submissions has been received by the Authority, opposing previous determination of the Authority. There is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and exported from subject countries. Subject goods produced by the petitioners and imported from the subject countries are comparable in terms of physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The Authority has come to the same conclusion in the final findings of the original investigation. The Authority, on the basis of the examination, holds that the subject goods produced by the domestic industry is like article to the goods imported or produced in subject countries within the meaning of the Rules. Further, none of the interested parties have raised any objections with respect to the scope of the product under consideration or the like article.

B. DOMESTIC INDUSTRY:

Views of the domestic industry

- 12. The Domestic industry made following submissions regarding domestic industry.
- a. The petitioners are DCW Limited ("DCW"), Chemplast Sanmar Limited ("Chemplast"), Reliance Industries Ltd ("Reliance") and DCM Shriram Consolidated Ltd. ("DCM"). There is one other producer of the product under consideration, namely, Finolex Industries Limited (hereinafter referred to as "Finolex"). Finolex has supported the petition and is a regular importer of the product under consideration.
- b. The production of the petitioners constitutes a major proportion in the total production of the like product in India and the petitioners have the necessary standing in the present investigation.
- c. The use of the word 'may' in Rule 2(b) suggests that two types of producers, i.e. related producers and producers importing the dumped product are not automatically excluded from being part of the domestic industry.
- d. Further, the Chennai High Court in the matter of Nirma Ltd. vs. Saint Gobain Glass India Ltd. and Calcutta High Court in the matter of State of Gujarat Fertilizers & Chemicals Limited vs. Designated Authority has held that the Designated Authority has discretion under Rule 2(b) and the amendment dated 27th Feb., 2010 has not taken away the discretionary power of the Designated Authority.
- e. None of the petitioner companies except DCM Shriram Consolidated Ltd have imported from the subject countries during the POI. Imports made by DCM Shriram Consolidated are made during their low production months to cater to their regular customers or for their captive use.
- f. Chemplast has not imported the subject goods from subject countries since 2009-10. They have, however, imported small volumes of subject goods from subject countries during 2008-09 for their captive use.
- g. DCM Shriram Consolidated Ltd. (DSCL) has imported the subject goods. The company has a number of divisions including Shriram Vinyl & Chemical Industries and Shriram Polytech. The subject goods are produced in Shriram Vinyl & Chemical Industries and Shriram Polytech consumes the product for making compounds out of it. Shriram Polytech keeps importing small quantity of general grades for smooth running of its plant and certain grades which are not being produced by M/s Shriram Vinyl & Chemical Industries. The volume of imports by DSCL is quite low looking at the overall import of product under consideration in India, consumption in India and production by the company.
- h. Finolex is a regular importer of the product under consideration. However, the imports are for captive consumption. The company is not a trader of the imported product.
- i. Reliance has imported prior to investigation period. There is no imports during the investigation period. However, the imports were for trading purposes.
- j. The petitioner companies are not related (either directly or indirectly) to any exporter or importer of product under consideration in the subject countries.

- k. The petitioner companies who are importing the subject goods are not resorting to imports in order to benefit from dumping. The focus of the petitioner companies has not turned to imports. Their focus continues to be on their own production.
- 1. The petitioner companies have exported the subject goods.

Views Of The Exporter, Importers, Consumers and other Interested Parties

13. One of the petitioners had imported the subject goods during the POI, and therefore initiation of this investigation was void as there is no justification for including importer companies in the definition of domestic industry. None of the interested parties have raised any fresh issues regarding the domestic industry status.

Examination By The Authority

- 14. According to the Rule 2 (b), "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers.'
- 15. The Authority has examined the submissions made by interested parties and has also carried out onsite verification of records of the domestic industry and on the basis of examination, it is noted that
 - a. Dhrangadhra Chemicals & Works (DCW) has not imported the subject goods from subject countries during the injury period or in period of investigation
 - Reliance Industries Ltd and Chemplast Sanmar Limited have not imported the subject goods during period of investigation but have imported prior to it.
 - One of the divisions of DCM Shriram Consolidated Ltd i.e. Shriram Polytech has imported the subject goods during the POI.
 - d. It is noted that the imports made by DCM Shriram Consolidated Ltd constitutes insignificant in relation to its production, total imports in India and consumption in India during the POI
- 16. With respect to the contention that there can be no justification for the inclusion of a company in the scope of domestic industry if it has imported the product under consideration, the Authority notes that it is an established position of law that the Authority has discretion to either include or exclude a producer who has imported the subject goods, within the scope of domestic industry based on sound reasons..
- 17. The Hon'ble division bench of Madras High Court in Nirma Limited v. Saint Gobain Glass India Ltd (2012 (281) E.L.T. 321 (Mad.) held, with respect to the effect of the amendment on Rule 2(b):
- 50. Moreover, as correctly submitted by the Senior Counsel and counsel appearing for various domestic producers, if the term "only" has been included anywhere else, there would have been scope for such restrictive interpretation. Furthermore, the Rule has been consistent in giving discretion to the Designated Authority for nearly 11 years from 1999 to 2010 and the Government having realized the difficulty has also reverted back to the period between 1999 to 2010 by taking away the term "only" and therefore it is patently clear that the intent of the law-makers is not to restrict the discretionary power of the Designated Authority so as to take cognizance of the application regarding anti-dumping.
- "62......(ii) the term 'domestic industry', as it was amended on 27.02.2010, has not taken away the discretionary power of the Designated Authority....."
- 18. The Hon'ble High Court of Kolkata in the matter of *State of Gujarat Fertilizers & Chem. Ltd.* v. *Addl. Secy. & Designated Authority* [2012 (286) E.L.T. 348 (Cal.)] held:
- "13. Bearing aforesaid legal position it is incumbent for this Court to see what could be real and rational object for employing the definition of 'domestic industry' and this could be gathered upon reading the object of the said Rule. The Supreme Court has explained why the aforesaid rule has been framed by the legislature. In case of Reliance Industries Ltd. v. Designated Authority and Others reported in (2006) 10 SCC 368 = 2006 (202) E.L.T. 23 (S.C.) in paragraph 48 it is clearly mentioned the object of framing this Rule. We cannot do better than to reproduce the paragraph 48 of the said report:-
- "The anti-dumping law is, therefore, a salutary measure which prevents destruction of our industries which were built up after independence under the guidance of our patriotic, modern-minded leaders at that time and it is the task of everyone today to see to it that there is further rapid industrialisation in our country, to make India a modern, powerful, highly industrialised nation."
- 14. Thus it is very clear that the definition of the importer as mentioned in Rule 2(b) has to be understood in the context of protecting indigenous industry producing same material. Here we notice on fact 'of course going by the statement made in the complaint of the appellant made to the appropriate authority' that nearly 15% of its total production is imported by it and that too casually and to meet customer's demand during the time when the production was disrupted, and this quantity of import is very insignificant portion of the total import from the same exporting countries. According to us realistic and logical meaning should be the person who is carrying on business of import exclusively for trading purpose is the importer under the said Rule. We have examined the object clause of the Memorandum of Association of the appellant and nowhere we find that it carries on business principally, of import of Melamine. It is carrying on business amongst other of manufacturing of heavy chemicals of every description, whether required for civil, commercial or military defence purposes. We record the learned Trial Judge did not decide with examination of object clause of Memorandum of Association. We think this exercise is paramount and without the same the appellant could not be held to be importer in the sense as it is intended by the said Rule."

- 19. The Authority notes that there were no imports of the product under consideration in the period of investigation by Reliance Industries Ltd, DCW and Chemplast, and therefore they are not liable to be excluded from the scope of domestic industry. With respect to M/s DSCL, the Authority finds that the company is primarily a producer and the focus of its activities have not shifted to imports and trading. Hence, all the petitioners are considered to constitute domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.
- 20. The production of the product under consideration by the petitioners is 79.46% of total Indian production and hence constitutes a major proportion in Indian production. Therefore, the petitioners are considered to constitute domestic industry within the meaning of Anti Dumping Rules.

C. OTHER ISSUES:

Views of the domestic industry

- 21. The domestic industry has claimed as under:-
- a. The responses to the Exporter Questionnaires filed by many of the producers/exporters from the subject countries were deficient and misleading:
 - i. LG Chem has stated that 'there is duty drawback available in which system import duty is refunded on export'. However, on page 21 of the response, LG Chem has stated "No grant, subsidy or other consideration on manufacturing, export or transportation of goods are received directly or indirectly."
 - ii. Similarly, Hanwha Chemical Corporation has stated that customs duties levied on imported raw materials used to manufacture export goods may be refunded. It has made the duty refund in the case of PVC Suspension Resin confidential. However, on page 26, it has implied that it does not receive any grant, subsidy or other consideration.
 - iii. Ocean Plastics ("OCP") has not mentioned the legal form of their company, the statute under which it was established, or if there has been any change in its structure over the last three years. OCP has failed to provide its normal corporate financial accounting period, audited accounts for the last three years along with those of related companies involved with the product, and financial statements, management reports, or standard cost reviews. In answer to the later part of question G 1 (e), that is, "[f]or materials purchased, explain the nature of arrangements with the supplier and whether the same is related to you", OCP has not provided an answer. It is clear that OCP sources its VCM from Taiwan VMC Corporation, in which it holds 12.46% stake, but the arrangement has not been explained. Further, OCP has not answered questions H, I and J of the exporter questionnaire.
 - iv. It is not clear whether it is Westlake Vinyl Corporation or Westlake Chemical Corporation that has filed the response. The organizational chart of the group has not been provided in the non-confidential version. Question A.6 requires a detailed explanation any "financial or contractual links and joint ventures with any other company concerning Research and Development, production, sales, licensing, technical and patent agreements for the product concerned". Westlake has stated that it does not have any such links or joint ventures "[w]ith the exception of its Huasu joint venture discussed in response to questions A.3". Westlake has not specified the details of the arrangement in either of these questions.
 - v. In order to be considered a cooperating exporter in this investigation, Shintech Incorporated is required to submit a full response to the Exporter Questionnaire sent by the Designated Authority. Shintech is not at liberty to submit partial information.
 - vi. The fact that Shintech shows profitability does not prove that it has not resorted to dumping. It should have submitted an Exporter Questionnaire Response.
- b. Exporters which were awarded zero duty in the original investigation should not be excluded from the sunset review for the following reasons.
- i. India by practice conducts full midterm and full sunset reviews which focus on existence, degree and effect of dumping. The Authority determines dumping margin in respect of actual exports and dumping margin and injury margin are calculated on the same lines as is done in the original investigations. The duty is varied depending on dumping margin and injury margin in the review period.
- ii. The petition in case of Korea and Taiwan is based on actual dumping and actual material injury and further since the authority is undertaking full investigation in respect of these imports consistent with requirements of Article 2 & 3 of the Agreement, it follows that the Authority is fully entitled to recommend duties in respect of these companies.
- iii. The argument that the import data should be segregated between imports from the exporters whose imports are (i) subject to Anti-Dumping Duty and (ii) not subject to Anti-Dumping Duty has no legal basis. Entirety of imports during the present POI is dumped imports.
- iv. With respect to the suggestion that the Authority may provide the import data by substituting the names of the exporters with the terms "subject importer" or "non-subject importer" without stating the name of the subject country, thereby preserving confidentiality, there is no obligation on the Authority to provide the data in such a manner. What is relevant is the volume of imports, the price at which they are entering into India during the injury period of the current investigation, whether the exports are at dumped prices.
- v. There is no substance to the claim that LG Chem and Hanwha are the only exporters from Korea RP. In any case, the investigation has not yet established that the dumping margin by these exporters is de minimis and the information submitted shows that they are dumping. The findings issued by the Authority clearly establish that the dumping margin in respect of other known exporter was more than de minimis. Authority has not exempted any exporter. The Designated Authority has merely specified nil or zero duty on some exporters and a residual duty on "any other exporter".
- vi. With respect to assertions of excessive confidentiality, the domestic industry has claimed confidentiality only on business sensitive data that cannot be disclosed in the interests of the petitioners.
 - 22. The following comments have been submitted by the domestic industry after the issuance of disclosure statement

- a. It has been requested that the Designated Authority should specify "3904" HS code for the purpose of the anti dumping duty in the duty table.
- b. LG Chem, Formosa Plastics and Hanwha Chemicals have been awarded de minimis dumping margin based on incomplete questionnaire response. They have not even provided invoice by invoice details of their exports to third countries. It is not even clear whether information in Appendix 2A has been filed by these companies. It is not clear how the authority is satisfied that (a) all sales of PVC Suspension Resin have been disclosed by the exporters and; (b) how the segregation of sales by the exporters into domestic, third countries and exports to India is accurate and adequate.
- c. PVC Suspension Resin is a pure commodity product and in a geographically small country like Taiwan, it is impossible that the selling price of two producers be materially different. However, dumping margin in case of China General Plastics (CGPC) was found to be significantly positive, and that of Formosa Plastics negative. Dumping margin in case of CGPC is based on domestic selling price. Thus, the disclosure statement establishes that export price of CGPC to India during the period of investigation was lower than normal value. Export prices, as well as domestic selling prices, of CGPC and Formosa on month by month basis should be compared. Claims of Formosa regarding domestic sales and third country sales transactions are required to be verified by an independent audit and cross verification of responses.
- d. There are only three producers of the product under consideration in Taiwan and therefore the combined data of the three producers should largely reconcile to the Taiwan customs data.
- e. Formosa has incorrectly projected before the Authority that their selling price is lower than that of CGPC since it has lower costs.
- f. The disclosure statement is in contravention to Reliance Industries Limited v. DA since it did not accept that captive inputs are required to be considered at their market values where a domestic/foreign producer is captively producing the input. Further, it appears that information on cost of production of these captive inputs has not been demanded by the Authority.
- g. Ocean Plastics and CGPC have purchased VCM whereas Hanwha Chemicals, LG Chem and Formosa Plastics have captive VCM. Though this affects cost of production, it should not affect normal value to such a degree.
- h. Cost of production of the exporter should reasonably reflect the cost associated with production and sale of the product under consideration.
- i. The exporters/producers have provided incomplete information with respect to valuation of VCM.
- j. Since both VCM and PVC are tradable commodities, petitioners request that market price of VCM be considered while determining elements of cost for computing normal value.
- k. Australia has imposed anti dumping duties on imports of PVC Suspension Resin from Republic of Korea and there is considerable overlap in POI of that case and present case. Positive dumping margin was found for LG Chem. As per statements submitted by the petitioners, export price from Korea to Australia were higher than export price to India (month by month basis). The credibility of LG Chem's information was questioned in that case. Price adjustments have been claimed on account of rebates by Formosa Plastics and CGPC but not by LG Chem or Hanwa Chemicals. If there is a significant difference when adjustments are allowed and not allowed, there is a possibility of manipulation.
- No verification report has been placed in the public file. The names of the documents relied on cannot be kept confidential. The domestic industry has become aware that price adjustments were claimed only in the disclosure statement.
- m. The public file does not contain supplementary questionnaires or deficiencies issued by the Authority to the responding exporters.
- n. It is not clear from questionnaire response whether the 80:20 tests has been applied on selling price after deducting rebates or 80:20 test has been applied on the gross selling price. 80:20 tests are required to be applied after deducting expenses such as rebate and freight.
- o. The US considers (a) transfer price, (b) market value and (c) cost of production of such inputs and considers higher of the three. The exporters have however claimed transfer price materially below the market value. As regards cost of production of captive inputs, the disclosure statement doesn't state whether this information has been provided by the exporters.
- p. The EC in Potassium Permanganate stated that the adjustment can only be made for costs incurred for conveying the product concerned from the premises to an independent buyer. The EC further considered that plant and depot are part of same economic and legal entity and the depot is an extended factory gate. If freight cost from factory to depot is inadmissible for adjustment, storage expenses incurred at such warehouse/depot outside factory gate are clearly inadmissible.
- q. If storage expenses have been claimed on account of storage cost within factory gate, such adjustment is impermissible as storage of goods within the factory cannot be claimed solely for domestic market. Further, the rules have not listed storage cost as an item of price adjustments. A price adjustment can be allowed if it is demonstrated to have affected price comparability. Storage cost is in the nature of indirect overhead expenses.
- r. As per the independent study which the domestic industry got done, domestic selling price in Korea and Taiwan are significantly higher than the export price to India.
- s. China had earlier investigated Taiwanese producers and found that dumping margin in respect of Formosa was positive.
- t. Sales made to related parties have been included in determination of normal value. If the contention of the exporters is that there is no material difference in the prices to related and unrelated parties, excluding all these sales should not alter the dumping margin.
- u. Even though the Designated Authority has stated that it has applied viability test, it is not clear whether the normal value is based on all domestic sales or only profitable domestic sales.
- v. Further, it is not clear whether the 80:20 test has been applied on month by month basis or on overall basis for the period of investigation. It should be applied on a month-by-month basis.

- w. The price at which product under consideration has been imported in Korea is far higher than the price at which product has been exported from Korea. This shows that domestic prices are higher and the responding exporters have suppressed this fact.
- x. The Designated Authority has repeatedly found no dumping by Formosa Plastics, LG Chem and Hanwha Chemicals in a number of anti-dumping cases, though other exporters were given significant dumping margins and the products are such that no producer is able to fetch a price materially different from other suppliers in Indian market. This implies that these companies' pricing policy is to sell the product at one price, regardless of the market. Further, this is not for selling price, this is for ex-factory realization to the exporters after making of the adjustments, as have been claimed in the questionnaire responses, and implies grossly manipulated questionnaire responses.
- y. Some of the producers have claimed that part of their exports have been exported through trading companies outside India. The anti-dumping duty was imposed on these companies by specifying the producer and exporter combination. If exports were made by any other company, the residual duty was applicable on such exports. It, however, does not appear that exports have been made to India by these traders which attracted anti dumping duty in India. Thus, if these traders have exported the product to India without imports attracting anti dumping duties, claims made by these traders before the Indian Customs Authorities at the time of exports and claims now made by these traders before the Designated Authority are clearly contradictory.
- z. It is evident from the disclosure statement that all sales made by the producers are not directly invoiced onto Indian importer. Further, all traders who exported goods produced by these producers are not before the authority. In fact, the Designated Authority has rejected questionnaire responses of traders in some of these cases. While it is appropriate to reject the claims of dumping margin made by these traders wherever questionnaire responses are not complete, it is not clear whether dumping margin has been determined by considering all the sales made by the producers, including sales made to these traders which were eventually invoiced on to Indian customers.
- aa. Hanwha Chemicals is not entitled for individual dumping margin for the reason that the exporter in the present case is not Hanwha Chemical Corporation. The exporter in this case is Hanwha Corporation since commercial invoices were issued by it. Individual dumping margin cannot be assigned to Hanwha Chemical Corporation without questionnaire response of Hanwha Corporation.
- bb. Hanwha Chemical Corporation has claimed to have paid commission to Hanwha Corporation. However, commission to Hanwha Corporation could have been paid only when the commercial invoices for exports to India were issued by Hanwha Chemical Corporation and such sales were assisted by Hanwha Corporation. The exporter has claimed commission to Hanwha Corporation when none exists in the records of the producer or exporter.
- cc. It is not clear whether Formosa Plastics gave combined information of cost of production and sales from its three plants or separate information on domestic sales and cost of production. Separate information should have been given. The DA has determined separate NIP for each plant in case of domestic industry.
- dd. Formosa has claimed that it has considered average production cost for VCM and the same is in line with the international market price. If VCM is taken at international market price, Formosa Plastics cannot show de minimis dumping margin.
- ee. The disclosure statement does not state anything with regard to verification of cost of production claims made by the exporters.
- ff. The dumping margin from USA is in the range of 80-90% whereas the injury margin is in the range of (0-10) %. However, there is likelihood of injury considering huge amounts of freely disposable capacities in the US due to the collapse of the US housing market. Also, positive injury margin in respect of imports from USA in post investigation period was calculated.
- gg. It appears that for responding exporters for whom individual dumping margins have been determined, (a) the Authority has considered date of invoice as the relevant date of sales, (b) none of the exporters have provided any information to establish that date of invoice in fact constitutes the relevant date of sale, and (c) none of the exporters have provided any relevant information to establish that the contention of the petitioners with regard to treatment of date of order as the relevant date is inappropriate. In respect of Indonesia, Japan, Thailand, Malaysia and USA, the Designated Authority has considered date of clearance of bill of entry in India. Thus, there is inconsistency in determination of export price for responding and non-cooperating exporters and responding exporters have benefitted to the detriment of the domestic industry.
- hh. The injury margin methodology adopted at present does not constitutes fair comparison:
- i. The domestic producers are largely selling the goods in the domestic market offering payment terms as "cash against delivery". As opposed to this, the foreign producers have been offering interest free credit of up to 90 days.
- ii. The domestic producers have been incurring significant freight cost in transporting the product from their factory warehouses to depot warehouses within the Country. When goods have not been sold ex-factory but from warehouse, the costs are determined up to the point of sale, the expenditure incurred up to the point of sale is required to be considered for determination of non-injurious price.
- iii. The NIP determined is without considering the discounts and commission paid by the domestic industry, while the discounts & commissions paid by the exporters have been included in landed price of imports.
- ii. The NIP determined is grossly low since:
 - i. The working capital in case of Chemplast Sanmar is required to be determined by eliminating interest bearing credit purchase. Since DCW books of accounts shows interest free credit, the amount payable for VCM purchase could be treated as sundry creditors and the amount may be treated as current liabilities and reduced from current assets to determine working capital.
 - ii. The present law itself is against the basic right of domestic industry to seek protection against unfair dumped imports.

- iii. Capital employed should be determined considering present value of fixed assets, or at the least, gross value of fixed assets. In any case, adoption of net fixed assets is highly inappropriate considering that some of the investments are significantly old and therefore net fixed assets does not represent true value of investments.
- iv. The authority is required to consider actual raw material and utilities consumption. Difference in consumption factors over the years is different from inefficient utilization of raw materials & utilities.
- v. The authority is required to determine actual cost of production and not a notional lower cost of production. Capacity utilization over the years may differ due to number of factors and may not mean inefficient utilization of production capacities.
- vi. The adoption of higher production volumes and same level of expenses is highly inappropriate and in fact unfair to the domestic industry.
- jj. The anti-dumping duty should be imposed only as fixed quantum of anti dumping duty as was done in previous cases.
- i. Considering fluctuation in basic raw material cost, one benchmark cannot be appropriate.
- ii. In PVC Paste Resin first case, duties were recommended on variable/benchmark basis, which were modified to fixed quantum at the time of sunset review.
- iii. It is neither feasible nor practicable for the port authorities to verify the import price.
- kk. The duty should be imposed in terms of US\$. The rupee has depreciated significantly.
- II. The anti dumping duty was earlier imposed in Indian rupee. The exchange rate prevailing at the time of original investigation is required to be considered for converting the duty from Indian rupee to US\$.
 - mm. With regard to the responses submitted by FPC, Taiwan, the domestic industry has stated that the explanation given by FPC is grossly insufficient and highly illogical for the following reasons:
 - (i) The demand for product under consideration in Taiwan is far lower than production and capacity forcing the Taiwanese producers to export majority of their material. Thus, it is impossible for a producer in Taiwan (such as CGPC or Ocean Plastics) to sell the product at a price materially higher than the price of market leader i.e. FPC. In a situation of significant excessive capacity, the small players such as CGPC and Ocean Plastics have to simply follow Formosa prices. It is therefore reiterated that Formosa has fabricated its response and has claimed selling price in Taiwan which is materially lower than the price at which company has sold the product in Taiwan.
 - (ii) It is indeed surprising that Formosa has now stated that it has no idea how China calculated 10% dumping margin. This is clearly suppression on the part of Formosa. The rules provide for disclosure of dumping margin to the exporter concerned. China follows a practice where calculations of dumping margin are provided to the exporter concerned. It is therefore not clear how Formosa can claim that it is not aware of how China had determined dumping margin. It is, therefore, evident that FPC wishes to suppress some vital facts from the authority.
 - (iii) With regard to the responses submitted by LG Chem, Korea, the domestic industry has stated that the claim of LG Chem is that the methodology followed by Australia, has resulted in higher dumping margin. If this claim is true then the Indian Authorities may follow the same methodology followed by the Australian and determine a higher dumping margin. The domestic industry has further requested the Authority to verify the claim of LG Chem by working out the dumping margin in respect of the exports made by LG Chem to Australia based on the methodology followed by Australia as this would establish the credibility of the domestic selling prices claimed by LG Chem. The petitioners submit that the price reported in KITA would not have got distorted because of inclusion of paste resin and the reply given by LG Chem is another instance of evading vital facts and attempting to mislead the authority.
 - (iv) With regard to the responses given by Hanwah Chemical Corporation, Korea, the domestic industry has stated that none of the justification given by the exporter justifies consideration of their questionnaire response. Following are relevant in this regard.
 - (a) A joint questionnaire response is impermissible under the law. The Designated Authority has been clearly requiring separate questionnaire responses. Petitioners have not heard of any other jurisdiction where such combined responses for the producer and exporter when they are two different entities may be admissible.
 - (b) The accounting of transactions of subject goods exported by HCC in the books of accounts of HCC and HWC is contrary to the generally accepted accounting principles.
 - (c) The arrangement between HCC and HWC cannot be similar to the "consignment agent sales system" prevalent in India for the following reasons:
 - (d) Consignment agency type arrangement is not possible for international trade.
 - (e) Consignment agency type sale would require stock to be moved from the manufacturing facility to another point of sale before being sold to the ultimate buyer. This is not what is happening in HCC-HWC case.
 - (f) HWC must have title to goods in order to raise invoice.
 - (g) HCC cannot account the invoice raised by another entity as its sale, even if the other party is its a group entity as it would be against accepted accounting principles.

- (v) There are several facts establishing suppression of vital facts by HCC such as their india office and Involvement of "indenters" in exports to India
- (vi) The domestic industry further stated that HCC has an office in India and its expenses should have been deducted from the export price in order to work out the dumping margin.
- (vii) Since the transactions between HCC and HWC are in the nature of of sales, the Authority is required to adjust the SGA expenses and profit of HWC from the export price of the goods exported to India as is the practice being followed in other jurisdiction.
- (viii) It has been further stated that certification of data furnished by these exporters at this stage is insufficient justification for accepting the data. The Authority had in earlier occasions rejected the certificates given by the cost accountants in respect of the data submitted by the domestic industry and adopted its own methodology.

Views of the exporter, importers, consumers and other interested parties

- 23. The interested parties have raised issues listed below.
- a. In case the dumping and injury does not exist, it cannot continue or recur. In the original investigation carried out by the Authority, it was found that the following Exporters were not dumping or causing injury to the domestic industry:
 - i. Hanwha Chemical Corporation Korea RP
 - LG Chem Korea RP
 - iii. Formosa Plastic Corporation Taiwan
 - iv. Ocean Plastics Taiwan
- b. The level of test of likelihood of recurrence of dumping and injury to these exporters should be different from those exporters who were found to be dumping in the original investigation.
- c. Import data from the subject countries should be segregated into imports from the exporters whose imports are (i) subject to Anti-Dumping Duty and (ii) not subject to Anti-Dumping Duty. In the original investigation the DGAD determined de-minimis dumping margin for some of the exporters and hence did not recommend any anti dumping duty on import of the subject goods made from such exporters and as a consequence in terms of rule 14 (C) and article 5.8 of ADA, the designated authority much have terminated the investigation in respect of such exporters. Further, imports with deminimis dumping margin and un-dumped imports and cannot be included in cumulative assessment to domestic industry in terms of panel reports. It has also be contended that investigation is to be terminated against those exporters whose imports is found de-minimis dumping margin in original investigation and subsequent review, import from such exporters is be to treated as non dumped in terms of appellate body reports.
- d. The Authority may provide the import data by substituting the names of the exporters with the terms "subject importer" or "non-subject importer" without stating the name of the subject country, thereby preserving confidentiality.
- e. In terms of Rule 14(c), the Authority must have terminated the investigation in respect of exporters with de minimis dumping margin. In BASF South East Asia Pte. Ltd vs. Designated Authority, CESTAT held in clear terms that the Authority cannot include the non-dumped imports into the total volume of imports from the subject countries for assessing injury. Appellate Body Report DS/295 provides that the investigation is to be terminated against those exporters whose import is found with de minimis margin of dumping in original investigation and in subsequent reviews import from such exporters is to be treated as non-dumped.
- f. The initiation notice is bad in law since it initiates a Sunset Review investigation to review the need for continued imposition and enhancement of the duties in force, whereas a sunset review is only initiated for the purpose of examining whether the expiry of an anti-dumping duty is likely to lead to the continuation or recurrence of dumping and injury.
- g. Excessive confidentiality has been claimed since the Annual Reports of DCW Ltd and Chemplast Sanmar are not on their websites, certain Costing Information could have been given in indexed form, and the domestic industry has not provided information separately for its captive segment and merchant segment.
- h. There is no requirement for compulsory suo moto initiation of a sunset review without a duly substantiated petition.
- i. Hanwha is not a party to the sunset review investigation based on Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 and the Appellate Body Report in Beef and Rice and as per United States Laws, Regulations and Methodology for Calculating Dumping Margins (Zeroing) imports from Hanwha, Korea RP cannot be termed dumped.
- 24. The following comments have been submitted by exporter, importers, consumers and other interested parties after the issuance of disclosure statement

Submissions by LG Chem, Korea RP

25. The following submissions have been made.

- a) On the issue of participation of CPMA, it has been submitted by LG Chem, Korea RP and also by FPC, Taiwan that CPMA is not an interested Party as per Rule 2(c) (iii) of AD Rules and therefore submissions filed by them should not be considered by the Authority.
- b) On the issue of positive dumping margin determined by Australia for LG Chem, it has been submitted that Australian Dumping Margin was inappropriate due to effect of inappropriate treatment of Duty Drawback, impact of profit adopted for exports to India through LGI and effect of one grade COP test. It has also been submitted that Dumping margin would have been negative if Australian government adopted reasonable methodology.
- c) It has been submitted that export Price to Australia and India at the same condition such as "FOB" price, is lower than export price to India and therefore, there is no dumping margin in Indian case.
- d) On the issue of consideration of date of sale for export price it has been submitted that the date of sale should be based on the date when the sales terms are established. Since the order date does not have any certain information regarding the export sales, the date of sale should be considered.
- e) With regard to the issue of exclusion of sales to affiliated party in determination of normal value, it is submitted that the price is not significantly different between the sale to affiliated parties and unaffiliated parties.
- f) With regard to valuation of inputs, it is submitted that Section 773 of USA manual is regarding valuation of inputs between affiliated parties. Since LG Chem produces its raw materials such as VCM and EDC at their own plants, the contention of the petitioner is not correct.
- g) Korean customs data on export to Australia cannot be an indicator to show LG's export price to Australia as customs data includes both PVC straight and PVC paste. The prices of PVC paste are higher than that of PVC straight meaning that the prices reported in customs data are overstated.
- h) The export price to Australia that has reported in the response is actual price at which LG Chem exported to LG International. On the other hand, Export data cited by CPMA is mainly based on the export price that LG International has reported. The export price to Australia is actually lower than the export price to India.
- i) Since there is time lag between the placement of orders of subject goods and its actual arrival comparing the domestic price and import price on monthly basis from IHS data is not correct. Further, both the prices are set based on various factors: delivery term, quantity, channel, distance, etc.
- j) "PVC Resin Price Benchmarking Study in S. Korea & Taiwan' cited by CPMA regarding prices in Korea is highly exaggerated and not based on facts. A sponsored Report is biased in favour of the sponsoror and cannot be of any source of guidance to the Designated Authority.
- k) Investigation against LG Chem is in violation of Article 5.8 of AD Agreement and Appellate Body decision in antidumping dispute concerning definitive AD measures on Beef & rice (USA & Mexico).

Submissions of FPC, Taiwan to other issues raised by CPMA & Domestic industry

- 26. The following submissions have been made.
- a) On the issue raised by the domestic industry that prices in domestic market in Taiwan cannot be materially different for different buyers, FPC has stated that its domestic sales volume is 10 times of CGPC. While FPC sells to large buyers, CGPC caters to the small buyers. FPC is providing considerable incentives to them keeping in view the volume and the need for them to compete in export market. FPC is selling the subject goods to a few key customers at most competitive prices due to their cost of production is lower dues to backward integration.
- b) It has been stated that similar trends of price difference exist in Indian markets between Reliance and other producers.
- c) Price charged by FPC in international market including India is lower than CGPC.
- d) FPC has submitted duly certified copies of Annexure 1 & 2 by external Auditors.
- e) FPC has claimed discounts and rebates wherever the same are applicable.
- f) On the issue of considering market price of the VCM while determining elements of costs for computing normal value, it is submitted that the Domestic Industry has misinterpreted the US practice. If the raw material is captively produced its full cost should be adopted.
- g) The domestic transport cost incurred by FPC is for moving the goods from the plant to the destination instructed by the domestic customers, rather than from the plant to depot, and FPC did not claim storage cost.

- h) FPC has submitted that the claims of the CPMA that FPC has manipulated the response is not correct and the prices charged from related customers in domestic market is comparable to the prices charged to the unaffiliated customers.
- FPC did not participate in the sunset review investigation initiated by China due to various reasons including setting up of plant in China by Formosa Group.
- j) On the issue of Independent study by a Third Party on behalf of the Domestic Industry, FPC has stated that the report submitted by the domestic industry is merely the contention of the domestic industry and should not be accepted by the Authority as an "expert opinion" as these reports are often biased and inaccurate. Further, the domestic industry has kept the report confidential.
- k) With regard to anti dumping investigations by China PR against Taiwan, it has been submitted that the China verification team was not allowed to conduct verification by Taiwanese Government due to political stand-off at that time. In view of such situation China worked out a positive dumping. Due to non-participation of Taiwanese producers, China has extended the duty in the expiry review investigation.
- 1) Claims of the DI with regard to various parameters of NIP are not correct and are against Annexure III of AD Rules.
- m) On the issue of Exclusion of Interest bearing credit purchase from Working Capital and consideration of Gross fixed assets, it has been submitted that the claim of the DI is against the principles adopted by DGAD. Further provision of 22% ROCE to arrive at NIP is against AD Rules.
- n) Initiation and imposition of ADD, if any, on FPC will be in against the provisions of Article 5.8 of the Anti Dumping Agreement.

Submissions by Hanwha chemical corporation (HCC) and Hanwha corporation (HWH)

- 27. The following submissions have been made.
- a) With regard to availing services from HWC by HCC and to pay *** USD per MT, HCC has stated that HWC does this activity of handling of invoices not only for HCC but also for other group companies in order to bring effectiveness, economies of scale, cost saving and other huge benefits to HCC. Further, HCC wants to focus on the activities such as overseas market development and negotiation with the customer rather than handling the export documentation.
- b) With regard to handling of the invoices and receiving payments from the Indian importers by HWC it has been submitted that HWC and HCC have entered into handling/commission agreement for undertaking this work.
- c) With regard to the issue that Import price (from outside Korea) of subject goods in Korea is consistently high but at the same time domestic price of subject goods sold by LG and Hanwha is relatively less, it has been mentioned that the import data provided by the domestic industry is for both PVC suspension grade and PVC paste resin. It has also been submitted that the price of PVC paste resin product is much higher than the price of PVC suspension grade. Therefore, it cannot be compared either with the average import price or the domestic sales price of PUI.
- d) It has been stated that HCC and HWC have entered into commission/handling agreement not only for PVC Suspension but for other few products.
- e) HCC has submitted that Exporter's Questionnaire along with the Sunset Review Questionnaire was jointly filed by Hanwha Chemical Corporation (HCC) as producer and Hanwha Corporation (HWC) on 11.12.2012 all subsequent correspondences with the Authority was done on behalf of both the companies. On Site/Spot verification was conducted by the Authority on 26.11.2013 at Hanwha office at Seoul, Korea wherein beside other documents sample documents for domestic and export transactions, proves of adjustment, audited balance sheets of HCC and HWC, service agreement between HCC and HWC etc were collected from the Hanwha. Thereafter, verification report was issued on 30.12.2013 jointly for HCC and HWC. At last, response to disclosure statement was also jointly filed by HCC and HWC on 20.02.2014
- f) HCC has further stated that they had provided the information on the same lines as provided in the original investigation of PVC. The same modus operandi was accepted by the Authority in the original investigation of Polypropylene from Saudi Arabia, Oman and Singapore in 2010, wherein one joint response was filed by three parties.
- g) On the issue that since there was no sale and purchase transaction between HCC and HWC, no separate dumping margin should be determined for exports to India by HCC through HWC, HCC has submitted that the transaction of exports by HCC through HWC were made as per the commission/handling agreement. It was further stated that HWC does not purchase the PUC under investigation from any other producer including HCC and HWC does not resell the subject goods. HWC handles and issues the sales invoices and the export permits issued by the Custom Authorities of Korea, permits the HWC to export goods as exporter and HCC as producer. Further, M/s Samjong KMPG, Statutory Auditor of M/s HWC has issued a certificate to the above effect.
- h) On the issue of incomplete questionnaire response, it has been stated that Hanwha has submitted it has provided the

detailed transaction wise information of exports to third countries.

- i) On the issue that the exporter has not provided the complete cost of production specially the costing details of captively produced raw material i.e. VCM, HWC has stated that it is maintaining all the books of records in accordance with the GAAP of Korea RP and submitted detailed COP of the product under consideration as well as the raw material captively produced.
- j) On the issue of US practice mentioned by DI regarding "major input rule" for valuation of inputs, it has been mentioned that the same is applicable for raw materials provided by the affiliated supplier and not for captively produced raw materials.
- k) On the issue of price adjustment on account of storage costs, it has been stated that they have not claimed any adjustment on account of storage cost.
- On the issue that independent study shows higher prices in Korea RP, it has been stated that source adopted by the
 petitioners is not reliable source because even HCC/HWC does not know LG Chemical's selling price in the domestic
 market
- m) On the issue of sales to affiliated parties, HWC has computed Dumping Margin after eliminating the domestic sales to affiliates.

Submissions by China Chlor-Alkali Industry Association, China PR (CCAIA)

- 28. The following comments have been submitted by China Chlor-Alkali Industry Association, China PR (CCAIA) after the issuance of disclosure statement
 - On the issue of grant of separate dumping margin to the sampled producers and exporters from China PR, it has been submitted that following the issuance of the disclosure statement, it has been submitted by China Chlor-Alkali Industry Association, China PR (CCAIA) that out of 4 producers/exporters sampled by DGAD, separate dumping margin has not been determined for 2 producers/exporters - (i) Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd and (ii) Xinjiang Tianye Foreign Co Ltd (exporter) and Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd (producer) and Xinjiang Tianye Co Ltd and they have requested that both the producers/exporters had given details of producers producing the product as required in the sampling questionnaire format and further more separate rate of dumping margin was determined for combination of Ms/ Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd as producer and M/s Xinjiang Tianye Co Ltd as the exporter in the original investigation as well. They have requested DGAD to treat all the sampled producers/exporters as cooperating since all relevant information was provided to DGAD in the sampling as well as exporters' questionnaire response. It has also been submitted that in their sampling questionnaire as well as exporters' questionnaire, Xinjiang Tianye had furnished the name of the producer as "Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd". However, in the dumping margin table as well as injury margin table, DGAD has considered the producer's name as "Xinjiang Tianye Foreign Trade Co Ltd". They have requested DGAD to correct the same in the final findings. It has also been submitted that DGAD has made available the dumping margin calculation for 2 verified exporters/producers from China PR and the determination is not falling within the range of dumping margin determined after para 103 of the disclosure statement. They have requested DGAD to examine the same and correct the same. With regard to ex-factory export price determination is concerned, it has been submitted that VAT refund should be based on FOB value of exports and they have requested DGAD to examine the same and if VAT adjustment is based on CIF value they have requested DGAD to correct the same and revised the ex-factory export price.
 - b. Methodology to arrive at constructed normal value not known
 - c. It has been submitted that injury is only due to non-dumped imports. European Union in Anti-dumping investigation against India concerning the imports of Stainless Steel Fasteners terminated the investigation because the quantity of non-dumped imports was much more than dumped in a situation where landed value of the non-dumped imports was lower than the dumped imports.
 - d. It has also been submitted that Chinese imports are not causing injury as the landed value is more than the landed value for other countries, that there is massive difference in DGCI&S import data and import data submitted by the Domestic Industry in its application.
 - e. Non-Disclosure of Transaction-by-transaction data obtained from the DGCI&S and issue of confidentiality. Thus, DGAD is requested to disclose the information, for which no confidentiality has been claimed.
 - f. Price effect analysis casts a very serious doubt and Huge discrepancy between the data in the petition and data

relied upon by DGAD

- g. Continuation of the investigation is illegal after expiry of anti-dumping duty. Hence, it is the submission of the Respondent that DGAD has lost its jurisdiction to conclude the investigation due to expiry of time and as a result, the investigation requires termination. Present investigation is a mix of original investigation and sunset review. Thus, for the purposes of determining dumping margin, DGAD has considered the present investigation akin to original investigation. However, during injury examination, DGAD has considered the present investigation as sunset review examination only and went on to examine the existing injury as well as likelihood of recurrence of injury as well.
- h. Imports made by Applicant domestic industry to be examined for injury analysis.
- i. As regards the submission made by Respondent that captive and merchant market of the applicant domestic industry needs to be examined together. It has been submitted that there is no injury to the domestic industry and in incorrect determination on likelihood of recurrence of injury. It has been submitted that demand Supply Gap issue not addressed properly. It has also been stated that Consideration of 22% as Return on Capital Employed is not justified

Comments from Westlake Chemical corporation and Westlake Vinyl Corporation

- 29. The following comments have been submitted by Westlake Chemical corporation and Westlake Vinyl Corporation after the issuance of disclosure statement
 - a. It has been stated that Westlake's data relating to its direct sales to India is more than sufficient for DGAD to calculate a company-specific dumping margin. Apparently, DGAD's position is that, because Westlake did not provide its unaffiliated customer's confidential data over which Westlake had no control or permission to use, DGAD did not have sufficient data on which to calculate a dumping margin for Westlake. In fact, Westlake's direct sales to India -- those not made through unaffiliated trading companies amount to no less than [***%] of its sales during the period of investigation. Westlake responded to DGAD's exporter's questionnaire and also supplementary questionnaire. DGAD scheduled and cancelled verification of Westlake's questionnaire responses. Westlake was cooperative throughout the SSR. Instead of recognizing Westlake's cooperation by calculating a company-specific dumping margin for Westlake, DGAD punished Westlake for not providing information over which it had no control.
- b. It has been stated that on October 18, 2012, Westlake Vinyl Corporation ("Corporation") requested to participate in the SSR. On December 13, 2012, Corporation filed its response to the Exporter's Questionnaire and the Additional Exporter's Questionnaire (Part II). The questions and requests for information set forth in both questionnaires pertained to global sales and the U.S. cost of production of PVC-S. Corporation produces PVC-S at two U.S. plants, the Geismer plant and the Calvert City plant. Corporation owns 100% of the Calvert City plant and, through its 100% ownership of Westlake Vinyls Company LP ("Company"), also owns 100% of the Geismer plant. The Corporation and its 100%-owned affiliate, Company, both issued invoices associated with home market sales of PVC-S during the period of investigation (the "POI") and thereafter. Corporation and Company were the only Westlake entities to do so. Company issued all of the direct and indirect sales invoices associated with Corporation's and Company's sales of PVC-S to India during the POI and thereafter. Company was the only Westlake entity to do so.
- c. If two or more related entities sell the subject merchandise in the home market during the period of investigation, all such commercial sales are considered eligible to serve as normal value in an antidumping analysis. In its questionnaire responses Corporation reported all of its home market sales and those of Company. Moreover, if two or more related entities manufacture the merchandise under investigation, the costs of production generated by those entities must be weight-averaged, the result of which is one product-specific cost, which is then compared to the home market price. The result of that comparison acts as the normal value benchmark to compare the export price. In its questionnaire responses, Corporation reported all costs associated with both the Calvert City plant (Corporation) and the Geismer plant (Company) and, to the extent necessary, calculated unit costs by weight averaging the costs between the two plants.
- d. In other words, Corporation's sales reporting and cost calculation methodology conformed to those requirements. Corporation reported all home market sales of PVC-S during the POI, regardless of which of the two U.S. plants produced it. Moreover, Corporation, in conducting the cost test, was required to compare its and Company's combined home market sales to the weight average of the Calvert City plant costs (Corporation) and Geismer plant costs (Company). Because Corporation was the most specific Westlake entity with 100% ownership control of all sales and costs associated with PVC-S, Corporation was the only Westlake entity eligible to request to participate in the SSR.
- e. It has been stated that by naming Corporation as the producer and exporter on the Duty Table would be technically correct; however, such a listing would prove to be impossible to administer. Corporation is the exporter because its 100%-owned subsidiary, Company, issued the invoices associated with the exports of PVC-S to India. However, if Corporation were named on the Duty Table as the exporter, the Indian Customs Authority would not be able to administer the antidumping duty order or otherwise process the entries of PVC-S from the United States because Company would likely have issued the export invoice. In such a case, the Indian importer would likely be required to pay the "all others" rate or residual antidumping duty rate when, in fact, Corporation, the exporter, received its own company-specific antidumping duty as a result of its participation in the SSR.

- f. It has further been stated that naming Company as the producer and exporter on the Duty Table would not be correct because Corporation's costs and Company's costs were weight averaged together in calculating the cost of production. That cost of production was used in the cost test to determine the proper benchmark to use as normal value in the antidumping duty analysis.
- g. It has thus been submitted that by listing Westlake Vinyl Corporation/Westlake Vinyls Company LP as the producer and Westlake Vinyls Company LP as the exporter, DGAD would apply the appropriate antidumping duty to the combination of entities on which that duty was calculated.

Submissions by FPC, USA, Tricon Overseas and Tricon Energy UK

- The following comments have been submitted by FPC, USA, Tricon Overseas and Tricon Energy UK after the issuance
 of disclosure statement
- a. It has been submitted that the Designated Authority has wrongfully denied an individual margin to Formosa Plastics Corporation, USA ("FPC USA") and its unaffiliated exporter, Tricon Dry Chemicals LLC, USA as well as Tricon Energy UK Limited and Tricon Overseas Inc ("the cooperating Exporters"). It is submitted that the Exporters Questionnaire responses were duly filed including the responses to the deficiency responses by the entities from time to time. These cooperating exporters were represented at the Public Hearing and thereafter filed written submission and rejoinder to the Public Hearing. Further, the cooperating Exporters also invited the Hon'ble Designated Authority to conduct onsite verification at their premises. The requests for the onsite verification were made vide repeated communications dated November 6th, 2013, November 8th, 2013 and December 23rd, 2013 respectively. However, the Hon'ble Designated Authority deemed it fit to not conduct onsite verification at the premises of the Producer or the Exporter.
 - b. Despite both parties volunteering for an onsite verification on multiple occasions, the Hon'ble Designated Authority did not deem it "relevant and necessary" to conduct a verification. Despite the Exporter providing complete details and voluntarily filing verification information with the Hon'ble Designated Authority, it has been held that back to back invoices have not been provided which is contrary to the facts and filing on record. It has been submitted that denial of the cooperating Exporters' individual margin while completely and deliberately neglecting the submissions made before the Hon'ble Designated Authority is in violation of the principles of natural justice apart from being a complete vitiation of the Hon'ble Designated Authority's obligation to accord an individual margin pursuant to Rule 17(3) of the Antidumping Rules.
 - c. Nevertheless, the issues vexing the Hon'ble Designated Authority have been resolved and the evidence has been made available to them along with detailed calculations (cost of production, normal value, export price, adjustments to arrive at ex-factory value, dumping margin and landed price, wherever necessary) filed vide communication dated 4th March, 2014. These documents and information have been filed post detailed discussions wherein all of the Hon'ble Designated Authority's issues have been dealt with and all queries answered. It is therefore hoped that the Hon'ble Designated Authority shall now be able to accord the cooperating Exporters the individual margin merited by the information provided as requested.
 - d. The domestic industry has claimed that the cooperating exporters in the present investigation have not provided the necessary information with regard to pricing of information of raw materials. In this behalf, it is most humbly submitted that FPC, USA has submitted complete information with regard to captive consumption of raw materials. Further, complete details of raw material prices and costs have been reported in Appendices 5 and 6 of FPC USA's Questionnaire response. In fact, FPC USA has also asserted in specific and unambiguous terms that captively consumed raw materials are transferred to the vinyl divisions based upon market prices. Therefore, the objections raised by the domestic industry do not apply to FPC USA in this case.
 - e. The domestic industry also claims that it is evident from the disclosure statement that the exporters have claimed transfer price "materially below the market value". It is humbly submitted that the domestic industry has merely assumed that all transfer prices are materially below market rates. Further, the Hon'ble Designated Authority is bound to follow its own set precedents and practice in terms of transfer of captively produced inputs, and US law or precedent has no binding value on the Hon'ble Designated Authority's obligations.
 - f. It is undisputed that the margin calculations in the original investigation were conducted on a grade to grade basis. This was on the basis of certain evidences and inquiries by the Hon'ble Designated Authority whereby it arrived at the conclusion that different grades vary substantially in pricing and cost whereby a grade to grade comparison is required. It is most humbly submitted that there is no data presented by the domestic industry or the Hon'ble Designated Authority to establish that the previous methodology of a grade to grade comparison is required to be amended.
 - g. With regard to the domestic industry's submissions on the NIP calculation, It is most humbly submitted that the domestic industry's submission in this behalf is without precedent or sound basis. The injury margin calculation is meant to facilitate a comparison between the prices at which the goods are available at factory gate in India. Therefore, additional expenses like inland freight from port/factory to customer's destination are not included in the price comparison since they are subject to variances and differ from agreement to agreement. As a result, the non-injurious price of the domestic

industry is calculated post removal of all selling, distribution and financial expenses such as credit cost. Further the landed value is calculated without including any post factory expenses incurred in India, so that both prices reflect the price available to the Indian consumer at the same level.

- h. The Exporters also submit that the request of the domestic industry for inclusion of freight in the injury margin is without justification or legal basis. If the comparison of injury margin is to be conducted at the same level, freight in India would have to be included for both landed value as well as non-injurious price. Therefore, the recommendation of the Central Excise Act as well as Accounting Standard AS-2 is not applicable since they are contrary to the requirements of the Antidumping Rules.
- i. It is further submitted that Annexure III of the Anti-dumping Rules clearly lays down the procedure of determining the non-injurious price. The methodology mandated by the rules in force cannot be superseded by the conveniences of the domestic industry. The domestic industry's claims in this behalf are therefore liable to be dismissed.
- j. Further with regard to the domestic industry's claim that the NIP Determination as per Annexure III is against the basic right of the domestic industry to protect itself against unfair dumping of the goods in India, it is humbly submitted that the Hon'ble Designated Authority does not have the power to amend the anti-dumping rules, nor does it have the authority to violate those rules. Therefore, the domestic industry's claims of being aggrieved by Annexure III to the Anti-dumping Rules are being raised at an inappropriate forum without the jurisdiction to adjudicate on these issues. The domestic industry may therefore be re-directed to the appropriate judicial forum or legislative body to redress their grievances.

Comments from Republic of Korea RP

- 31. The following comments have been submitted by Republic of Korea RP after the issuance of disclosure statement:
 - a. It has been submitted that in the original investigation, in which the final decision was made on December 26, 2007, two Korean companies were found to have "de minimis" dumping margin and hence, no anti dumping duty was imposed on those Korean producers. In spite of these findings, the Indian Government has included these two companies within the scope of the exporters to be investigated in the sunset review. It has been stated that according to Article 5.8 of the WTO Anti-Dumping Agreement, "There shall be immediate termination in cases where the authorities determine that the margin of dumping is de minimis, or that the volume of dumped imports, actual or potential, or the injury, is negligible." This means that if the margin of dumping has been determined to be "de minimis", anti-dumping investigation should be terminated immediately, and the exporters should be exempted from any anti-dumping duties. LG Chem and Hanwha Chemical Corporation fall on this case.
 - b. In the case of Mexico-Definitive Anti-Dumping Measure on Beef and Rice (June 2005), the WTO Appellate Body ("AB") concluded that Excluding these exporters from anti-dumping or countervailing duty measure necessarily implies that they must also be excluded from administrative and changed circumstances reviews. By requiring Economia (Ministry of Economy of Mexico) to conduct a review for exporters with no margins and, by extension, de minimis margins, Article 68' is inconsistent with Article 5.8 of the Anti-Dumping Agreement..." (WT/DS295/AB/R360) This means that any exporters with de minimis margin should not be the subject of any review process.
 - c. Furthermore, the AB report states regarding Article 5.8 of the WTO Anti-Dumping.
 - d. Agreement that "Given that the issuance of the order establishing anti-dumping duties necessarily occurs after the final determination is made, the only way to terminate immediately an investigation, in respect of producers or exporters for which a de minimis margin of dumping is determined, is to exclude them from the scope of the order".
 - e. It has been requested that LG Chem and Hanwha Chemical Corporation should not be the subject to the on-going anti dumping sunset review investigation concerning imports of PVC suspension grade resin, and that the review investigation for these two companies should be terminated immediately.

Submissions by Taipei Economic and Cultural Centre in India

- 32. The following comments have been submitted by Taipei Economic and Cultural Centre in India after the issuance of disclosure statement
- a. It has been submitted that according to Article 5.8 of Agreement on implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade, there shall be immediate termination in cases where the authorities determine that the margin of dumping is de minimis. Furthermore, Article 14 (c) of Customs Tariff Rules 1995 also implies that the authority shall terminate investigation against FPC and OPC immediately in the sunset review since both companies are determined de minimis in the initial investigation.
- b. Secondly, WTO Appellate Body Report on Mexico Rice AD measure (WT/DS295/AB/R) requires an investigation authority to terminate the investigation in respect of an exporter found not to have a margin of dumping above de minimis, and that the exporter consequently must be excluded from the definitive anti-dumping measure. The logical consequence of this approach is that such exporters cannot be subject to administrative and changed circumstance review of the original measure.

c. They have requested Government of India again to exempt FPC and OPC from current sunset review investigation and to confirm the determination of no anti-dumping duty imposed on both companies.

Examination by the Authority:

- 33. The Authority has noted the submissions made by the domestic industry and other interested parties and these issues have been examined under appropriate headings in this final findings in accordance with the Rules.
- 34. The domestic industry has raised issues regarding the responses filed by various producers/exporters from the subject countries in these investigations. The Authority, during the course of investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied upon which this finding is based. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the co-operating producers/exporters to the extent considered relevant and necessary and sought the information required for the purposes of present investigation.
- 35. Some of the interested parties have raised the issue that those producers/exporters from the subject countries that were awarded zero duty in the original investigation should be excluded from the scope of these review investigations in view of the findings in WTO Appellate Body report Mexico-Beef and Rice.
- 36. With regard to initiation notification, it is noted that the Authority initiated the investigation to review the need for continuation as well as to examine the request of domestic industry for enhancement of anti-dumping duties, in force. It is the consistent practice of the authority to review all the aspects of the original investigation including scope of the domestic industry, dumping (including dumping margin), existence of injury to the domestic industry, injury margin. In addition to this, the Authority undertakes an examination of whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. Interested parties are free to raise issues with respect to any aspect of the case, including the existence of dumping, dumping margin, material injury to the domestic industry, injury margin, likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of duties, and causal link between the dumped imports and the injury to the domestic industry. As a result of such a determination, the Authority considers whether a modification in the form of measures is required.
- 37. The domestic industry has claimed that Exporters which were awarded zero duty in the original investigation should not be excluded from the sunset review as India by practice conducts full midterm and full sunset reviews which focus on existence, degree and effect of dumping and the Authority determines dumping margin in respect of actual exports, and dumping margin and injury margin are calculated on the same lines as is done in the original investigations. The duty is varied depending on dumping margin and injury margin determined during the review period. It has also been contended by the petitioner that the petition in case of Korea and Taiwan is based on actual dumping and actual material injury and further since the authority is undertaking full investigation in respect of these imports consistent with requirements of Article 2 & 3 of the Agreement, it follows that the Authority is fully entitled to recommend duties in respect of these companies. On the other hand, it has been contended by the other interested parties comprising exporters and importers that in case the dumping and injury does not exist, it cannot continue or recur. It has also been contended by them that in the original investigation carried out by the Authority, it was found that the four Exporters i.e. Hanwha Chemical Corporation Korea RP, LG Chem Korea RP, Formosa Plastic Corporation, Taiwan and Ocean Plastics Taiwan, were not dumping or causing injury to the domestic industry and these exporters should not come in the purview of present sunset review as investigations should have been terminated against them during original investigations. It has also been contended by them that the level of test of likelihood of recurrence of dumping and injury to these exporters should be different from those exporters who were found to be dumping in the original investigation.
- 38. The matter has been examined and it is noted that the WTO Appellate Body clarified in its report that Article 5.8 of the WTO ADA requires an investigative authority to terminate the investigation in respect of an exporter found to have a de minimis margin in an original investigation and that the exporter consequently must be excluded from definitive anti-dumping measures and such exporters cannot be subject to administrative and changed circumstances reviews. The Authority notes that where an exporter awarded zero duty in an original investigation is found to be dumping and the same is found to be causing injury to the domestic industry, then duties must be imposed considering the dumping margin and injury margin found in the present review investigation period. Since the WTO Agreement on anti dumping (ADA) allows WTO members to impose duties to counteract dumping which is injuring the domestic industry, the Appellate Body decision in the aforementioned report needs to be construed as not permitting imposition of anti dumping duty on such exporters without a positive finding of dumping within the meaning of Article 2 of the ADA and injury to the domestic industry within the meaning of Article 3 of the ADA. Therefore, so long as the authority has followed the relevant requirements of Article 2 and Article 3 of the ADA, even when the present investigation is a sunset review investigation, it is appropriate to recommend anti dumping duty on such exporters, albeit after following the requirements of Aritcle 2 and 3 of ADA and by determining individual dumping margin and injury margin for such exporters who are attracting zero anti-dumping.
- 39. Therefore, after examining the contentions of various interested parties it is held that it has been the practice of the Authority to conduct full investigation including determination of dumping margin injury and injury margin in respect of all the cooperating exporters including those who were earlier awarded de-minimis dumping margin or whose injury margin was negative. It is also noted that in those situations where the exporters were earlier awarded de-minimis dumping margin and have now been found to have de-minimis dumping margin or whose injury margin is negative, it is concluded that exports made by these companies are unlikely to be

- dumped. Further, in those situations, where the dumping margin was de-minimis earlier, the authority has considered the dumping margin now determined, for the purpose of determining the likelihood of dumping and injury in the event of revocation of anti-dumping duty.
- 40. As regards arguments on confidentiality; the Authority notes that information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

Examination by the Authority on the issues raised by the interested parties after the disclosure statement:

- 41. Following the issuance of the disclosure statement, the interested parties have raised various issues concerning the subject investigation. Some of the issues which have been raised by the interested parties till the issuance of the disclosure statement have been reiterated again by the interested parties.
- 42. On the issue raised by the domestic industry about the availability of the exporters data relating to third countries exports and verification conducted by the Authority for cooperative exporters from subject countries, it is stated that during the course of the investigations, the Authority had issued deficiency letters to the cooperative exporters and obtained inter alia invoice-wise details of exports to third countries. The Authority had verified the details of domestic sales and exports to India by means of test check and found them tallying with the SAP system maintained by the respective exporters for which the onsite verification was conducted. For others, the Authority had examined the information on the basis of the table study. Following the disclosure comments by the domestic industry about the veracity of the information submitted by the exporters during the course of the investigation, the Authority further sought the domestic sales and export sales data of the PUC of Hanwha Chemical Corporation, LG Chem and Formosa Plastics Corporation duly certified by the auditors and satisfied itself about the accuracy of the data furnished by them.
- 43. With regard to the various contentions of the domestic industry as well as of the other interested parties on determination of NIP, the Authority notes that the NIP has been computed on the basis of financial and cost data submitted by the domestic industry and in terms of the principles outlined in Annexure III to the antidumping rules as well as its practices.
- 44. With regard to the domestic industry's contention that normal value has not been computed properly for Hanwha Chemical, LG Chem and Formosa Plastic Corporation, the Authority notes that it had determined month wise cost of production of the PUC after due examination and verification of records of the cooperating exporters and then carried out the ordinary course of trade test on monthly basis. As explained elsewhere in this finding, further adjustments on account of packing expenses, credit cost, inland freight, commission, etc., wherever applicable were carried out in the domestic selling price and month wise normal value for the PUC has been determined.
- 45. The Authority had considered the cost of production of captively produced inputs as recorded in the books of accounts of Hanwha Chemical, LG Chem and Formosa Plastic Corporation and as verified by the Authority as per its consistent practice.
- 46. With regard to the domestic industry's contention about verification of cost of production of subject goods of cooperating producers and exporters, it is noted that the Authority has considered the combined cost of production of all the units of Formosa Plastics Corporation producing the PUC for the purpose of carrying out ordinary course of Trade test as has been the consistent practice of the Authority.
- 47. With regard to the contention of the domestic industry that the domestic prices as reported by Formosa Plastics Corporation, Taiwan and LG Chem, Korea are not reliable and therefore should be rejected, the Authority notes that FPC, Taiwan and LG Chem, Korea in their comments have rebutted the domestic industry's contention. The Authority has considered the data on domestic prices duly certified by their respective auditors and as verified by for the purpose of this findings.
- 48. With regard to the question raised by the domestic industry that while China had imposed antidumping duty on the imports of the PUC from Taiwan including FPC, how Indian Authorities have determined de minimis dumping margin for FPC, the Authority notes that FPC, Taiwan has already responded to the question. The Authority holds that it is not expected to reconcile its findings with the findings of another Authority of other country. The Authority has however, rechecked its dumping margin determination based on the data made available after due verification and finds that the dumping margin for FPC, Taiwan as determined in the disclosure statement needs no revision.
- 49. With regard to the question raised by the domestic industry that while Australia had imposed antidumping duty on the imports of the PUC from Korea including LG Chem, how Indian Authorities have determined deminimis dumping margin for LG Chem, the Authority notes that LG Chem has already responded to the question raised by the domestic industry. The Authority holds that it is not expected to reconcile its findings with the findings of another Authority of other country. The Authority had rechecked its determination based on the data made available after due verification and finds that the dumping margin for LG Chem as determined in the disclosure statement needs no revision.
- 50. The Authority has considered the transaction wise data of imports furnished by DGCI&S after due analysis. A copy of the summary of the DGCI&S transaction wise data has been placed in the public file.

- 51. The injury as well as causal link analysis has been carried out by the Authority in terms of the AD Rules elsewhere in this finding. The monthwise landed price of Chinese imports were lower than the landed prices of un-dumped imports and therefore the contention that Chinese imports are not causing injury to the domestic industry is not correct.
- 52. The adjustments claimed by the individual co-operative exporters and considered by the Authority in determination of normal value have been indicated elsewhere in this finding. The Authority further notes that the adjustments claimed by the exporters have been admitted after due scrutiny.
- The Authority has considered the arguments of domestic industry as well as FPC, Taiwan and the responses of LG Chem, Korea regarding credibility of the domestic selling prices submitted to the Authority. The Authority has examined the responses of the LG Chem and FPC, Taiwan and does not find any reason for rejecting the domestic selling price claimed by them. The Authority further holds that in the absence of any evidence to support the allegation of the domestic industry about the reasonableness of the domestic selling prices, it cannot reject them based on the report of the study commissioned by the domestic industry. The Authority in any case has got all the data in respect of domestic sales and exports to India by FPC, Taiwan, LG Chem, Korea RP and HCC, Korea RP duly certified by their auditors. The auditors have certified that the aforesaid data submitted by these exporters are as per the books of accounts maintained by them.
- 54. On the issue of incomplete questionnaire response submitted by M/s HCC and HWC, it is noted that after the submission of the response, a deficiency letter was issued by the Authority to M/s HCC (and other exporters as well) advising them to submit the additional information to the Authority. It may be stated that the Authority always calls for information that were not provided and the required additional information during the course of the investigation.
- 55. With regard to the response not filed by M/s HWC at the first instance, it is noted that the exporter had submitted the necessary information as part of the joint response filed along with the producer M/s HCC. Later, a separate response was also filed by M/s HWC and non confidential copy of the same was put in the public file.
- 56. With regard to issue raised by the domestic industry on filing Appendix 2A by Hanwha and other companies, it is stated that response has been filed by these companies along with M/s HCC as part of the response to the exporter's questionnaire.
- 57. On the issue of price adjustment on account of storage costs for M/s HCC, FPC and LG Chem it is noted that these concerned producers and exporters have not claimed any adjustment on account of storage cost.
- On the issue of HWC raising invoice on Indian exporters without purchasing the subject goods from HCC and therefore no separate dumping margin should be determined for exports to India by HCC through HWC, it has been reported that the transaction of exports made by HCC to India through HWC is in the nature of an agent acting on behalf of the principal for a commission. However, HWC is not registered with the Korean Government as Commission Agent. During the on the spot verification, it was shown to the verification team that in respect of the subject goods exported to India by HWC, HWC received the commission from HCC for handling the sales documents and covering the marine insurance and bank charges. The Customs Authorities of Korea have named HWC as exporter and HCC as producer. When the domestic industry raised the issue that HWC could not have exported the goods unless it has purchased the goods from HCC, HCC submitted a certificate from their statutory auditors stating that the transaction between HCC and HWC are not treated as sales and purchases and they are treated as the services for a price rendered by HWC to HCC. The Authority has assessed the net ex-factory export price of HCC treating the transactions between HCC and HWC as one of purchase and sale. If it is treated as a sale and purchase transactions, the dumping margin reportedly comes to (-) ****% of the net export price.
- 59. With regard to the contention of the interested parties that CPMA has no *locus standi* to take part in the investigation, the Authority notes that CPMA is the apex forum representing the Indian Petrochemical Industry and it offers its members a podium to collectively present their ideas, voice concern and offer suggestions on relevant issues. The Authority further notes that all the four domestic producers constituting domestic industry in the present investigation are members of CPMA. The Authority, therefore, holds that CPMA has locus standi to collectively present the views of its member producers of PVC-suspension resin.
- 60. The Authority has considered the date of invoice of the co-operative exporters as the relevant date for working out the dumping margin as well as injury margin as per its consistent practice in the absence of any substantiated request for considering any other date.
- 61. The Authority has, as per its consistent practice, determined the landed value, net export price and normal value for the non-cooperating exporters from Indonesia, Thailand, Japan and Malaysia based on facts available and the DGCI&S data
- 62. With regard to the argument of the domestic industry that the interest bearing credit extended by the foreign suppliers of VCM should be treated as loan and not current liabilities, the Authority notes that it has considered the same as current liabilities as exhibited in the Audited accounts and worked out capital employed for providing return. Further, the interest as well as the exchange loss/forward premium incurred/paid by the concerned domestic producers and claimed as part of raw material cost has already been allowed by the Authority. Further, for the same issue of treatment of foreign suppliers' credit, the domestic industry wants the Authority to consider different treatments one for Chemplast and the other for DCW. The Authority, therefore, holds that NIP already determined does not need any revision.
- 63. The Authority has determined the injury margin as the difference between the NIP and the landed value as per its consistent practice. The Authority has further determined the NIP at ex-factory level in terms of the principles outlined

- in Annexure III to the Antidumping Rules. The Authority has determined the landed value as per consistent practice by considering CIF price, landing charges and applicable customs duty and education cess.
- 64. With regard to issues raised by M/s Tricon Overseas USA, Tricon Energy UK Ltd and M/s Tricon Dry chemicals, USA, West lake Vinyl Corporation and other interested parties for denial of separate dumping margin to them, it is noted that following the issuance of disclosure statement, these exporters have submitted additional documents as well as clarifications and explained the back to back invoices from the producer to the exporter and the exporter to Indian importers. Following the receipt of additional information and clarifications from these exporters, separate dumping margin has been determined for the cooperating producers and exporters where complete chain in the form of back to back linking of invoices has been made available. Similarly, issues raised by China Chlor Alkali Association in respect of indexations of dumping margin and names of the producers have been addressed in the appropriate headings in this final findings.
- 65. It is noted that after the issuance of the disclosure statement, all calculations relating to determination of dumping margin and net export price were made available to the concerned for the cooperating producers and exporters. Similarly, confidential copy of the determination of NIP was also made available to the domestic industry.

CALCULATION OF DUMPING AND DUMPING MARGIN

DUMPING MARGIN

Views of the domestic industry

- 66. The domestic industry has claimed as under:
- a. China should be treated as a non-market economy for the purpose of determination of normal value. In the original investigations, due to the large number of responses from producers and exporters in China, the Authority had resorted to sampling. The Authority did not grant market economy treatment to any of the sampled companies from China PR.
- b. The facts of the case require the Designated Authority to undertake a month-to-month comparison since the prices of the product and VCM vary significantly from month to month. Taking an average price for the year would significantly distort the dumping.
- c. There is significant time lag between offers made for supply of goods and their arrival in India. The margin of dumping and injury should be determined on the basis of offers made by the foreign producers/exporters, or, at the least, on the basis of date of invoice issued by the exporters.
- d. The petitioners, for the purpose of determining normal value of product under consideration in Taiwan, Korea RP, USA, Malaysia, Japan, Indonesia and Thailand, referred to the prices quoted in Harriman Chemsult reports. The petitioners determined month-wise normal value by considering the average of the highest and the lowest price given in the report.
- e. Additionally, the petitioners determined cost of production of the foreign producers, considering international price of VCM and best estimates of the conversion cost and overhead costs. The selling price of the product during the relevant month has been compared with the cost of production for the month. It is seen that the selling price in several months of the investigation period were below cost of production. In other words, the selling price during the relevant period was not in the ordinary course of trade. Petitioners therefore adopted cost of production (after including reasonable addition for profit) wherever the selling price was below cost of production. Wherever the selling price was above cost of production, the petitioners have adopted selling price. Similarly, the petitioners determined separate export price for each of the months of the investigation period.
- f. Month-wise dumping margins show an increase in dumping in the later six months of the period of investigation.
- g. There were no exports from Malaysia and imports from Indonesia were low or negligible, but dumping margins from the other subject countries are substantial.
- h. With respect to Malaysia and Indonesia, the petitioners claim that the full volume of imports does not seem to be reflected in the Indian import data, since significant exports under 3904 are being reported from these countries, whereas the imports reported in India are at much lower volumes. Accordingly, the petitioners claim that the export price in case of Indonesia should be determined based on the exporting country trade data. Low imports from the two countries are due to the anti-dumping duties currently in force.
- i. There is no requirement of grade-wise comparison of the product under consideration, and that such an analysis would distort the dumping margin. Further, the producers/exporters do not have published price lists, implying that they do not have consistently different prices for the different grades. There is no significant cost and price difference between grades. Hence grade to grade wise analysis is unwarranted
- j. It is evident from the exporter questionnaire responses that a number of responding producers from the subject countries either captively produce the raw material, VCM, or purchase it from an affiliated supplier. Where the major raw material, which in this case is also the major determinant of the cost of the product, is captively produced or purchased from an affiliated party, it cannot be said that the records of the producer will "reasonably reflect the costs associated with production and sale" of the product.
- k. With regard to the argument that an inflated rate of dumping was arrived at in the petition due to use of constructed cost of domestic industry, the domestic industry submitted that constructed normal value for the subject countries is based on the best information available.
- 1. As regards the argument of Shintech that Platts Polymer Scan is a more accurate source than Harriman Chemsult and is published weekly and Harriman Chemsult states that the prices are "before discounts, rebates, incentives, etc.", so normal value calculated from these figures is high and unreliable. It was submitted that Harriman Chemsult is a highly reliable and regularly used source of information. The Authority itself has accepted Harriman Chemsult information in

- previous investigations. The exporter is required to quantify discounts, rebates, incentives, etc. The same cannot be presumed by the Authority as the same may or may not have been granted.
- m. It was claimed by Shintech that there was no dumping from US exporters during the POI or in the subsequent period as per information from Platts and ICIS. The information provided by the domestic industry has shown that there is dumping by exporters from the US.
- n. As regards the argument that Shintech has claimed Normal value as per Harriman Chemsult as USD 1547.33/MT and as per Platts as USD 1035.02/MT. It was submitted that the exporter has considered spot prices and there is no basis for this. The exporter has not filed questionnaire response and has not shown that all of its sales were on spot basis. In fact, sales are largely on contract basis within US.
- o. The argument that US producers have many export markets and so it does not make sense for them to sell at the low prices claimed by the petitioner is meaningless and is disproved by positive evidence.

Views of the other interested parties

- 67. The interested parties have made following submissions with respect to the existence of dumping and the likelihood of continuation or recurrence of dumping.
- a. LG Chem Ltd. and Hanwha Chemical Corporation are the only known producers from Korea and Formosa Plastics Corporation is the largest producer in Taiwan. These are non-dumping exporters. The volume of imports from Korea and Taiwan constitute a substantial share of total imports and the landed value is lower than that of Chinese imports.
- b. The export data relied upon by the Petitioners, by their own admission may also include substantial PVC Paste Resin data. This is clearly a violation of like article provisions under both Anti-Dumping Agreement as well as Anti-Dumping Rules
- c. While petitioners have considered prices in the specific subject countries they have taken raw material costs at the international rates, which presuppose identical raw material costs in every subject country.
- d. Some domestic industry use EDC as a chief raw material for the product under consideration. EDC is first processed to obtain VCM which is then used to produce PVC. Authority should examine the conversion rate and allocation of costs in this regard.
- e. Product under consideration is used captively by certain domestic industry members for further production. This captive consumption should be in conformity with transfer pricing mechanisms. If it is found that the captive consumption is much lower, then it is clearly a factor of non-attribution and the Authority should take it into consideration.
- f. ICIS and Platts data shows that there is no dumping. Normal value as per Harriman Chemsult is USD 1547.33/MT and as per Platts it is USD 1035.02/MT.
- g. Shintech has been profitable during the POI. It is an efficient producer and does not sell at a loss. The public reporting of the parent company, Shin-Etsu Chemical Co., Ltd., shows the profitability of Shintech during the POI.
- h. Dumping margin calculations in Annexure 3.4 of the petition is little more than conclusory tabulation, based on Harriman Chemsult reports. The Freight and Expenses figures are contrived or at best not reliably substantiated by Petitioner. The available facts regarding these items show that both of these figures are too high. Accordingly, Petitioner's calculation of Dumping Margin during the POI for the USA is faulty.

Examination by the Authority

- 68. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:
- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - b. the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
 - 69. The Authority sent questionnaires to the known exporters and importers from the subject countries, and India, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring below mentioned producers, exporters and related importers, none of the producer/exporter from subject countries and importers from India have cooperated in this investigation by filing their Questionnaires' responses. The questionnaire response has been filed by the following companies:
 - i. Tricon Overseas, Inc., USA (exporter)
 - ii. Tricon Dry Chemicals LLC., USA (exporter)
 - iii. Westlake Vinyl Corporation, USA, (producer and exporter)
 - iv. Westlake Chemical Corporation, USA (producer and exporter)
 - v. M/s. Formosa Plastics Corporation, U.S.A., (producer)
 - vi. Formosa Plastics Corporation, Taiwan (producer)
 - vii. Ocean Plastics Co., Ltd., Taiwan (producer)
 - viii. Tricon Energy UK Ltd., UK (exporter)
 - ix. LG Chem Ltd., Korea (producer and exporter)

- x. Hanwha Chemical Corporation, Korea (producer and exporter)
- xi. M/s Powell International Trading Co., Ltd., Taiwan
- xii. M/s Shintech Incorporated.
- xiii. CGPC Polymer Corporation ("CGPC Polymer"), Taiwan
- xiv. China General Plastics Corporation, ('CGPC") Taiwan,
- xv. Taipei economic and cultural centre, Delhi
- xvi. ICC Chemical Corporation (hereinafter "ICC" or the "Company"), USA
- 70. None of the responding producer/exporter has established in their responses to the Exporter Questionnaire or Written Submissions or in the public hearing that grade-to-grade comparison is warranted. Further, after analyzing the records/documents placed by the interested parties and verification conducted at their premises, it is noted that these responding exporters have not established that the difference in cost and prices of different grades of the product under consideration is so significant as to require grade to grade comparison. In fact, it is found that a grade purportedly sold at higher price has been sold at prices much lower than the price of another grade, purportedly sold at lower price. There is no consistent pattern of price differences between different grades.
- 71. As regards the argument of month to month comparison, the trend of prices of major raw material (VCM) and the product concerned on month to month basis shows significant variations. Further none of the interested parties have objected to a month-to-month comparison or provided reasons for rejecting such an analysis either in their responses to the Exporter Questionnaire, Written Submissions or during the public hearing. Hence, the Authority has undertaken month wise analysis for determining dumping margin in view of significant difference in prices of the major raw material and the product concerned.
- 72. As regards the argument of possibility of inclusion of PVC paste resin data in the import data of the product concerned, it is noted that the authority has analysed the transaction wise import data as per DGCI&S and considered data pertaining to only PVC suspension resin for the purposes of present investigation.
- 73. With regard to arguments by some of the interested parties that exporters wise data should be made available by the Authority to the interested parties, it is stated that summary of the transaction wise data procured from the DGCIS has been placed in the public file for information to all concerned.
- 74. A verification report was issued to those companies where onsite verification was conducted by the Authority. The comments so received have been taken into account for determining the normal value and export price for cooperating producer and exporter.

NORMAL VALUE DETERMINATION FOR PRODUCERS AND EXPORTERS FROM CHINA PR

China PR

- 75. . Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that
- "In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."
 - 76. The Authority notes that China has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
 - the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Examination by the Authority

77. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

- I. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- II. when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
 - 78. The Authority sent questionnaires to the known exporters and importers from the subject countries, and India, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the Governments of subject countries, including known exporters/producers in accordance with the Rule 6(4). Due to the large number of requests for participation in the sunset review, a letter was issued to all known producers and exporters of subject goods in China PR (in terms of Article 6.10 of WTO Anti-Dumping Agreement and proviso to Rule 17 (3) of the AD rules) asking for basic information (sampling questionnaire) regarding the volume and value of the subject goods exported by them to India for limiting the number of respondents selected for review. In selecting the respondents for individual review, it was intended to select the largest exporters/producers in terms of export volumes to India during the POI. The response to the letter was received from following producers/exporters from China PR.
 - i. Xinjiang Tianye Foreign Trade Co.,Ltd.
- ii. YibinTianyuan Group Co., Ltd.
- iii. Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., Ltd.
- iv. Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Limited.
- v. Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.
- vi. Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.
- vii. Shandong Ocean Imp & Exp Co., Ltd.
- viii. Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd
- ix. Tangshan SanyouChlor-Alkali Co., Ltd.
- x. ChipingXinfa PVC Co., Ltd.
 - 79. The data was examined to ascertain the largest % age of the volume of exports that can be reasonably be investigated. It is found that the top 4 exporters by volume account for 82% of the total volume of the exports made by the exporters who have filed the sampling questionnaire. Thus, considering the top 4 producers/exporters by volume will be reflective of the total population of exports from China PR, it was proposed to include the following exporters/ producers in the sample:
 - i. Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.
 - ii. Yibin Tianyuan Group Co. Ltd.
 - iii. Qingdao Haijing Chemical (Group) Co.
 - iv. Inner Mangolia Sanlian Chem Corp. Ltd.
 - 80. As no comments to the sampling procedure proposed by the Authority was received till the stipulated time given by the Authority from the interested parties, the 4 sampled producers and exporters mentioned were requested to submit the response to questionnaire in the form and manner of exporter's questionnaire, MET questionnaire as well as additional sunset questionnaire within the stipulated time period.
 - 81. Out of the four sampled producers and exporters from China PR, it was noted during the examination of the response that two of these sampled producers and exporters had not disclosed names of all the producers of subject goods which have exported to India in their response. As their response was found deficient, no separate dumping margin has been proposed to be given to two producers and exporters whose information was not accepted by the Authority. The rest of the two sampled producers and exporters i.e. Yibin Tianyuan Group Co Ltd., and M/s Qingdao Haijing Chemical (Group) Co were examined in detail and separate dumping margin as explained below has been granted to them on the basis of their questionnaire response. A verification report was issued to those companies where onsite verification was conducted by the Authority.
 - 82. Since the above mentioned companies have filed questionnaire response, separate dumping margin has been determined in respect of these companies In the absence of cooperation from the other producers/exporters in subject countries, the Authority has determined normal value, on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of AD Rules read with Article 6.8 of the WTO Agreement. Accordingly, the Authority has determined normal value, export price and dumping margin in respect of producers/exporters of the subject countries as follows.

Normal value determination in respect of all producers and exporters from China PR

83. It is noted that none of the above sampled producers and exporters has requested for MET treatment and asked for separate normal value determination for them. Accordingly, in the absence of any rebuttal of presumption of non-market economy by sampled Chinese exporters, the normal value has been determined with respect to both the sampled producers and exporters on the basis of facts available. In this case, it was noted that the domestic industry in their application had made available Harriman Chemsult reports which give an account of the prices of subject goods prevailing in China PR during the POI. In the absence of any other information placed before the Authority by interested parties, normal value of the subject goods for all producers and exporters from China PR has been determined on the basis of facts available i.e on the basis of prices of subject goods prevailing in China PR during the POI.

Export Price and individual dumping margins of Sampled exporters for China PR

a) M/s Qingdao Haijing Chemical (Group) Co. Ltd. (Producer and exporter)

Export Price

- 84. During the examination of the response, it was noted that the above producer/exporter exported *** MT of PVC to India during the POI which comprised of *** MT of subject goods directly to India and balance subject goods through unrelated exporter M/s Tricon Energy UK Ltd. It is noted that after the issuance of the disclosure statement, the unrelated trader/exporter Tricon Energy UK Ltd submitted additional clarifications with regard to reconciliation of producers supply of subject goods to India with the exporter M/s Tricon Energy UK Ltd and exports of same subject goods to India. After examining the same, it was considered appropriate to take into account direct exports of exporting producer to India as well as its exports through unrelated exporter. For direct exports, it was noted that the invoices were raised on Indian importers and payments were received from them. Further, the company did not make any exports to India during the post POI period.
- 85. It was noted that the exports are in CIF or CFR terms against LC at sight. Therefore, the exporter has claimed adjustments towards all direct selling expenses on those transactions i.e., Inland freight, overseas freight and Insurance, export packing and bank charges. The company has allowed discounts on few of the transactions. The company received 17% VAT refund on domestic sales, whereas it received 13% VAT refund on export sales. As a result, a deduction of 4% was made in the export price. Following the receipt of comments to the disclosure statement, the calculations relating to VAT adjustments have been slightly modified as these adjustments have now been made on FOB value.
- 86. Inland transportation expenses which, includes document charges, handling charge, customs declaration brokerage fee and port charges, Overseas freight and insurance amount against CIF shipments were was taken into account after examination of data, and export price at the ex factory level was determined accordingly. The dumping margin of the above exporting producer for their direct as well as indirect exports have been worked out as mentioned in the dumping margin table.

Export Price to India from a) M/s Qingdao Haijing Chemical (Group) Co Ltd ("Qingdao") through M/s Tricon Energy UK Ltd

- 87. It is noted from the response filed from M/s Tricon Energy UK Ltd that the subject goods produced by M/s Qingdao, China PR have been shown as exported to M/s Tricon Energy UK Ltd for exports to India. As mentioned in the heading for Qingdao Haijing Chemical (Group) Co, after the issuance of disclosure statement, M/s Tricon UK submitted the clarifications with regard to reconciliation of back to back invoice of producer and exporter along with the volume of exports made from the producer to exporter and from exporter to India. Export Price at the ex factory level has been calculated by deducting all post factory expenses incurred by the producer and the Tricon Energy UK (Bank Charges, Charters Liability, Discount Interest, Interest Expense, Export LC Fees and Ocean Cargo Insurance). The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin. For determination of ex factory export price at the end of producer Qingdao, necessary adjustments pertaining to traders in the chain have been made.
- 88. In view of the reconciliation provided, the separate dumping margin has been determined for indirect exports made by Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., through Tricon UK Ltd and the same is mentioned in the dumping margin table.

b) M/s Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd, China PR <u>Export Price</u>

- 89. The company exported the subject goods produced by itself as well as its related entities Inner Mongolia Sanlian Jinshan Co Ltd and Inner Mongolia Sanlian Jinshan Plastic Co Ltd. While some of the transactions are through unrelated traders in other countries and other transactions are to end users and distributors in India.
- 90. During verification, the export transactions were examined and verified. It was found that related producers of the company have not filed a separate questionnaire response. During on-spot verification visit, it was asked as to why the related producers did not cooperate. It was explained that details of export transactions required for determining the export price for them was provided by Inner Mongolia and since both the related producers were not seeking market economy treatment, there was no new information that they could have filed. It was emphasized that the fact that there existed two related producers, who exported the subject goods to India during the period of investigation was stated in the questionnaire response.
- 91. It is noted that the sampled cooperating exporter has not filed response of related producers and exporters and hence, no separate dumping margin for sampled producer and exporter M/s Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd, China PR has been determined.

c) <u>Xinjiang Tianye Foreign Trade Co Ltd (exporter) and Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd (Producer) and Xinjiang Tianye Co Ltd (Consignor)</u> <u>Export Price</u>

- 92. Xinjiang Tianye Foreign Trade Co., Ltd. was established on 30th November, 2000 as a limited liability company under Chinese Company Law. It is noted that M/s Xinjiang Tianye has furnished invoice-wise details of exports made to India
- 93. It is noted that though the sampled cooperating exporter has disclosed the name of producer in the response to sampling questionnaire, their name did not figure in the sampled lists of the producers and hence no separate dumping margin was

proposed in the disclosure statement. After the disclosure statement, it has been pointed out that name of the producer was indeed filed in the sampling questionnaire response and also in the response to the exporters questionnaire and therefore separate dumping margin for the sampled producer and exporter should be granted. The matter has been examined and it is noted that the response has been filed in the name of Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd as producer and Xinjiang Tianye Foreign Trade Co Ltd (exporter) as exporter in the response. During the examination of the response, it was noted that the sampled producer and exporter had sold *** MT of subject goods to India during the POI. However, their direct exports were *** MT during the POI. It is also noted that no back to back invoice has been provided by any trader through which the sampled producer has sold the subject goods to India. In view of the above, only their direct exports to India during the POI has been taken into account for determination of dumping margin. It was noted that the exports are in CIF or C&F terms. Therefore, the exporter has claimed adjustments towards all selling expenses on those transactions i.e., commission, handling and loading fee, Inland freight, overseas freight and Insurance, export packing and bank charges. The company received 17% VAT refund on domestic sales, whereas it received 13% VAT refund on export sales. As a result, a deduction of 4% was made in the export price. Export price at the ex factory level was determined accordingly after deducting all expenses at the end of exporter. The dumping margin of the above exporting producer for their direct exports to India has been worked out and the same is mentioned in the dumping margin table.

d) <u>YibinTianyuan Group Company Limited</u> Export Price

94. It is noted from the response that M/s Yibin Tianyuan has furnished invoice-wise details of exports made to India directly including the invoice value which the Authority treats as the basis of export price. Adjustments in respect of their direct sales to Indian customers are claimed on account of bank charges, ocean freight, insurance, inland freight, packing charges and clearing & handling charges. The export price at the ex factory level was determined accordingly after taking into account the adjustments claimed by the exporter and examined by the Authority. The dumping margin of the above exporter has been worked out and mentioned in the dumping margin table.

Dumping Margin for all sampled cooperating Producers/exporters from China PR

95. The net export price determined at the end of cooperating sampled exporting producers has been compared with the corresponding normal value for that month for working out dumping margin for that month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

Dumping Margin for all non-sampled cooperating Producers and Exporters from China PR

96. Dumping margin for the non-sampled Producers and exporters from China PR has been determined in terms of Rule 17(3) of the Rules as the weighted average margin of dumping established with respect to the selected exporters or producers.

All non-cooperating Producers and Exporters from China PR

97. The dumping margin for other non-cooperating exporters from China PR has been determined as per best facts available taking into account the data examined for the co-operating exporters from that country as mentioned in the dumping margin table.

General Methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Value

- 98. It has been contended by the Domestic Industry that there had been volatility of the prices of the subject goods during the Period of Investigation. The Authority has, therefore, done a month-wise analysis of the entire data for the determination of dumping margin and injury margin. Necessary data from the cooperating producers/exporters was called for undertaking the analysis on a month-wise basis which was submitted, and Dumping Margin and injury margin has been assessed on monthly basis.
- 99. The Authority has assessed the Normal Value based on the information submitted by the producers and exporters and in accordance with the Rules. It was first seen as to whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters/producers in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal Values on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets.. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not. Wherever the profitable domestic sales transactions were found to be accounting for more than 80% of the total sales, the weighted average price of the domestic sales have been taken into consideration. However, wherever the profitable sales volume were found to be less than 80%, the weighted average price of the profitable domestic sales has been taken into consideration.

Normal value and Export price for cooperating producers and exporters from Taiwan

100. The following producers/exporters from the subject countries have responded to the Exporter Questionnaire Response.

Formosa Plastics Corporation (FPC), Taiwan (producer and exporter)

Normal value

101. The company, which was established in 1954, is a multi-product company. Apart from PVC, the company is engaged in the production of more than dozen products. The Company manufactures the subject goods in 3 of its plants located in different places in Taiwan. It was noted that the main raw material required for production of PVC is VCM and the same is manufactured captively by the Company in 2 of its plants located in different places in Taiwan. It was noted that FPC not only captively produces this raw materials but also other inputs like Chlorine, Ethylene Chloride, etc. required for the manufacture of VCM. The main raw material used in the manufacture VCM is EDC and Ethylene. The main raw material in manufacture EDC is ethylene. While FPC captively produced EDC, it had purchased ethylene, mostly

- domestically. The details of month wise cost of production statements submitted by the company were examined and thereafter the same was taken into account for working out ordinary course of trade test.
- 102. It was noted that the company had reported in Appendix-I, *** transactions. It was also noted that the Company had sold *** Kg of the subject goods in the domestic market. It was noted that about ***% of the subject goods has been sold to the affiliated parties in the domestic market and the balance ***% of the sales were made to non-affiliated parties. It was noted that the sales made to affiliated parties were broadly at similar rates at which the sales made to unaffiliated parties. The company had claimed adjustments on account of Domestic Inland Freight, Packing and Credit Expenses, and Rebates in respect of its domestic sales.
- 103. The responses filed by this company were examined. It is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing for the subject goods. It is noted from the examination that the domestic sales meets the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. While carrying out the ordinary course trade test, it was noted that the domestic sales were profitable (more than 80% by the volume) in *** out of the *** each months of the POI (***% overall during the POI) and therefore, their total sales for each of the *** months and their profitable sales for remaining months have been taken into account taken into account for the purpose of determining normal value. Adjustments thereof have been allowed after examination. The expenses claimed towards inland freight, packing costs, credit costs by producer have been adjusted to determine normal value. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

Export Price to India from FPC, Taiwan

104. It was noted that in Appendix-2 the company reported *** transactions showing exports of subject goods to India during the POI. It was further noted that out of these *** transactions reported in Appendix -2, *** transactions were direct sales to India and *** transactions were made through *** traders from outside India. Out of these *** traders M/s Tricon Energy UK Ltd., has filed questionnaire responses to the Authority. It was noted that since the transactions through the stated traders were small, no other traders except M/s Tricon Energy UK Ltd., have filed the response. The Authority has examined the export prices in respect of responding exporters on the basis of questionnaire responses filed by them. The export prices and the adjustments thereof have been allowed after examination. Export Price at the ex factory level has been calculated by deducting all post factory expenses i.e packing expenses, inland freight, trade promotion fee, ocean freight, commission, clearance and ancillary expenses, bank charges, negotiation interests, harbor service fe, loading fee, bill of lading etc, incurred by the producer. The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

Export Price to India from FPC, Taiwan through M/s Tricon Energy UK Ltd (Tricon UK)

- 105. It is recalled that in the disclosure statement, due to non reconciliation of back to back invoice from producer and exporter/trader, it was noted that in the absence of the link between the producers of subject goods from FPC Taiwan to M/s Tricon Energy UK Ltd and from M/s Tricon Energy UK Ltd to India, no separate dumping margin was proposed for the channel from M/s FPC Taiwan and M/s Tricon Energy UK Ltd.
- 106. It was noted from the response filed from M/s Tricon Energy UK Ltd that some of transactions representing the subject goods produced by M/s FPC, Taiwan have been shown as exported to M/s Tricon Energy UK Ltd for exports to India. After disclosure of the essential facts, M/s Tricon UK pointed out certain errors in reconciliations of back to back invoices as certain transactions for sales which were not exported to India from M/s. FPC, Taiwan had been mentioned in their Export price computation in the Appendix 2. In fact, these exports were reported as having been made by FPC, Taiwan directly to India as per information submitted by FPC, Taiwan. After the disclosure of essential facts, Tricon Energy UK Ltd clarified that except for transactions of *** MT, all exports to India which were previously mentioned as having being exported through Tricon UK were indeed exported by FPC Taiwan directly to India. In this regard, the company submitted that their transactions to India were complete and any mismatches in quantities would have been resolved during the onsite verification. It was also noted from the response of M/s FPC, Taiwan that except for transactions of *** MT, all remaining volume of exports to India (previously attributed to have been made through Tricon Energy UK Ltd have been made by them directly to Indian importers.
- 107. The Authority has examined the export prices in respect of Tricon Energy UK Ltd on the basis of questionnaire responses filed by them. It was noted that M/s FPC Taiwan has sold subject goods to India through Tricon Energy UK for a quantity of *** KG. The same quantity is reported by Tricon Energy UK in *** transactions. The export prices and the adjustments thereof have been allowed after examination. Export Price at the ex factory level has been calculated by deducting all post factory expenses incurred by the Exporting producer i.e M/s FPC, Taiwan, and exporter M/s Tricon Energy UK (Bank Charges, Charters Liability, Discount Interest, Freight Costs, Interest Expense, Export LC Fees and Ocean Cargo Insurance and SGA).. The net export price determined at the end of FPC, Taiwan for this chain has been compared with the corresponding normal value for that month for working out dumping margin for that month.
- 108. The net export price at the end of FPC, Taiwan so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.
- 109. After examination, a separate dumping margin to the channel from M/s FPC, Taiwan through Tricon Energy UK Ltd has been determined and the dumping margin and dumping margin % so arrived for above combination have been mentioned in the dumping margin table.

China General Plastics Corporation, ('CGPC") Taiwan,

Normal value

- 110. It is noted that the company, which was established in 1964, is a multi-product company. Apart from PVC Suspension Grade, the company is engaged in the production of PVC Pipe, Anti-Corrosion Liner, Sponge Leather, PVC Leather, PVS Flexible Film etc. PVC Suspension Grade constitutes about ***% of the total sales of the Company. It was also noted that the basic raw materials required for production of PVC is VCM. The same has been sourced from a related company in Taiwan. It was noted that in Appendix-1, the company had reported *** transactions. The Company has sold *** Kg (NTD ***) of the subject goods in the domestic market.
- 111. The figures reported by the Company in Appendix 7 and 8 for the POI were reconciled and tallied with the figures mentioned in the audited accounts for the year 2011, quarter ending March, 2011 and quarter ending March, 2012. The main raw material used in the manufacture of PVC suspension resin is VCM. It was noted that CGPC purchased this raw material from its related company, Taiwan VCM Corporation. The company submitted documentary evidence to show that the subject raw material was purchased at arm's length prices. It is noted from the data submitted by the company that the average purchase price of VCM from the related company was comparable with the average market price. The details of monthwise cost of production statements were tallied with the cost of statement submitted for POI as a whole.
- 112. It was noted that less than ***% of the subject goods has been sold to the affiliated parties in the domestic market and the balance of the sales were made to non-affiliated parties. It was noted that the sales made to affiliated parties were broadly at similar rates at which the sales made to unaffiliated parties. In view of the above, their total sales have been taken into account for determination of normal value. As per Appendix-1, the company has claimed adjustments on account of Commission, Rebate, Domestic Inland Freight, Packing, Storage, warranty and Credit Expenses in respect of its domestic sales. After carrying out sufficiency tests, and ordinary course of trade tests, the normal value on a month wise basis has been determined after taking into account the above adjustments for its domestic sales. While carrying out the ordinary course trade test, it was noted that the domestic sales were profitable (more than 80% by the volume) in *** out of the *** months of the POI (***% overall during the POI) and therefore, their total sales for each of the *** months and their profitable sales for remaining months have been taken into account taken into account for the purpose of determining normal value.

Exports Sales to India

113. It was noted that in Appendix-2 the company reported *** transactions showing exports of *** Kg (US\$ ***) of PVC to India during the POI. It was further noted that out of these *** transactions, *** were direct sales to India and *** transactions were made through *** traders who are from outside India. Out of these *** traders, M/s Tricon Energy UK Ltd., and M/s Powell International Trading Co., Ltd., has filed comprehensive questionnaire responses to the Authority. It was noted that sales of the subject goods to India were made mainly on CIF basis and that the expenses with regard to exports to India have been incurred by the producer/exporter. The company has claimed adjustments on account of Ocean Freight, International Insurance, Inland Freight, Packing Expenses, Bank Charge, Others-Brokerage Fee, Trade Promotion Fee, credit costs and Others-Harbor Service Fee and credit costs, . The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

Export sales to India through M/s Powell International Trading Co., Ltd, Taiwan

114. It is noted that M/s Powell International Trading Co., Ltd had submitted response to exporter's questionnaire on account of exports of subject goods to India which it had procured from M/s CGPC, Taiwan. However, the company did not agree for the onsite verification of the information filed by it. In view of the non cooperation by M/s Powell International Trading Co., Ltd, separate dumping margin for the channel of exports to India by M/s CGPC through M/s Powell International Trading Co., Ltd has not been granted.

CGPC Polymer Corporation ("CGPC Polymer"), Taiwan

Normal value

115. M/s CGPC Polymers started its commercial production in February 2012 and they were yet to stabilize its production during the POI. It was further noted that the Cost of production (COP) for this period reported in Appendix-7 and 8 may not represent normal COP as the operation of the plant during the POI has not stabilised. Consumption of VCM per unit of production of PVC given in Appendix-6 was compared with the figures derived from the total consumption indicated in Appendix-5 and found to be not matching. The main raw material used in the manufacture of PVC suspension resin is VCM. It was noted that CGPC Polymer purchased this raw materials from its related company, Taiwan VCM Corporation. The company submitted documentary evidence to show that the subject raw material was purchased at arm's length prices. In view of the non reconciliation of the information submitted by the producer and exporter with regard to determination of cost of production of the subject goods produced by CGPC Polymer, the ordinary course of trade test could not be carried out in respect of domestic sales made by the company. Accordingly, the normal value has been determined based on the facts available by the Authority.

Exports Sales to India

116. It was noted that in Appendix-2 the company reported *** transactions showing exports of *** Kg (US\$ ***) of PVC suspension resin to India during the POI. It was further noted that out of these *** transactions, *** were direct sales to India and *** transaction were made through Powell International Trading Co., Ltd. M/s Powell International Trading Co., Ltd., has filed questionnaire responses to the Authority but refused to participate in the verification. It was noted that all sales of the subject goods to India were made on CIF basis and that the expenses with regard to exports to India have been incurred by the producer/exporter. The company has claimed adjustments on account of Freight, Loading fee, International Insurance, Inland Freight, Packing Expenses, Bank Charge, Others-Brokerage Fee, Others-Trade

Promotion Fee and Others-Harbor Service Fee. The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

Exports Sales to India through M/s Powell International Trading Co., Ltd.

117. It was noted that out of these *** transactions, *** were direct sales to India and *** transaction were made through Powell International Trading Co., Ltd. M/s Powell International Trading Co., Ltd., has filed questionnaire responses to the Authority but refused to participate in the verification. In view of the non cooperation by M/s Powell International Trading Co., Ltd, no separate dumping margin for the channel of exports to India by M/s CGPC Polymer through M/s Powell International Trading Co., Ltd has been granted.

Ocean Plastics Co. Ltd ("OPC"), Taiwan,

- 118. The company, which was established in 1965, is a multi-product company. Apart from PVC, the company is engaged in the production of other products as well. The Company manufactures the subject goods at Hai Hu east road, Hai Hu village, Luchu Hsiang, Tao-yuan, Taiwan. It was submitted that the company polymerizes the VCM monomer into PVC. By controlling the reactor, they have different grades used for different applications. It was submitted during the verification that they buy VCM from Japan and also from TVCM in which they hold small stake.
- 119. The main raw material used in the manufacture of PVC suspension resin is VCM. It was noted that OPC purchased this raw material from its related company, Taiwan VCM Corporation and also imported the same from non-related parties. The company submitted documentary evidence to show that the subject raw material was purchased at arm's length prices from its related company. It is noted from the data submitted by the company that the average purchase price of VCM from related company was comparable with the average price of the VCM imported from the unrelated parties. However, in view of the non reconciliation of the information submitted by the producer and exporter with regard to determination of cost of production of the subject goods produced by OPC, the ordinary course of trade test could not be carried out in respect of domestic sales made by the company. Accordingly, the normal value has been determined based on facts available by the Authority

Exports sales to India

120. It was noted that in Appendix-2 the company reported *** transactions showing exports of subject goods of US\$ *** to India during the POI. It was noted that all sales of the subject goods to India during the verification were made either on FOB or CIF basis and that the expenses with regard to exports to India have been incurred by the producer/exporter depending upon the mode of trade. The company has claimed adjustments on account of commission, Inland Freight in Exporting Country, insurance, Handling fee, Export Development Charges, Credit Cost, Bank Charges, THC, Freight, Harbor duties. The claims of the export price including adjustments have been accepted after examining the claims of the company. The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

Korea RP

LG Chem Ltd., Korea RP

Normal value

121. It is noted that the company, which was established in 1954, is a multi-product company. Apart from PVC, the company is produced in Petrochemicals Division which is engaged in the production of number of products. It is noted that the basic raw materials required for production of PVC namely VCM is captively produced. The subject goods are manufactured at two plants located at Yeosu and Dessan. The Company is operated under backward integration system. The VCM is produced by using EDC. EDC in-turn is manufactured by using Ethylene and the same is manufactured by the Company. The consumption of raw materials was with the raw material consumption for NP report and also monthly inventory report showing the consumption volume and value of each month during the POI. It is noted that the company has reported *** transactions for domestic sales. The Company has sold *** Kg (KRW ***) of the subject goods in the domestic market. It was noted that about **** of the subject goods has been sold to the affiliated parties in the domestic market and the balance ***% of the sales were made to non-affiliated parties. It was noted that the sales made to affiliated parties were broadly at similar rates at which the sales made to unaffiliated parties. The company has claimed adjustments on account of Domestic Inland Freight, Packing and Credit Expenses in respect of its domestic sales which have been allowed after examination and verification. After carrying out sufficiency tests, and ordinary course of trade tests, the normal value on a month wise basis has been determined after taking into account the above adjustments for its domestic sales. While carrying out the ordinary course trade test, it was noted that the domestic sales were profitable (more than 80% by the volume) in *** months of the POI (***% overall during the POI) and therefore, their entire sales were taken into account for the purpose of determining normal value.

Exports Sales to India

122. It is noted that in Appendix-2 the company reported *** transactions showing exports of *** Kg (US\$ ***) of PVC to India during the POI. It is also noted that all sales of the subject goods to India were made on CFR and CIF basis and that the expenses with regard to exports to India have been incurred by the producer/exporter. The company has claimed adjustments on account of Inland Freight, Ocean Freight, Credit Expense, Overseas Insurance, Customs Agent Fee, Commission, Packing Expenses, Bank Charge and Duty Drawback. Claims of adjustments regarding above cited items were verified from basic records/supporting documents. The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

Hanwha Chemical Corporation (HCC), and Hanwha Corporation (HWH) Korea RP

123. It is noted that M/s HCC has two factories located at Ulsan and Yeosu in Korea. The product under investigation is produced at both the factories. The Company is operated as backward integrated unit and manufactures raw materials such as EDC and VCM. The product under investigation, VCM and EDC are produced in two plants, i.e. Yeosu Plant and Ulsan Plant. The Company purchases Ethylene from unrelated suppliers as well as related suppliers. EDC is produced using Ethylene and VCM is produced out of EDC. It is also noted that there is no shareholder listed above involved in any activity related with the product under investigation except Hanwha Corporation. It is noted from the exporter's submission that for export sales of the product under investigation, M/s Hanwha Corporation has a limited role to handle sales documents such as commercial invoice and bill of lading instead of HCC. it is noted that the transaction of exports by HCC through HWC is in pursuance to the commission/handling agreement. It is noted that in the export sales, Hanwha Corporation receives the commission from HCC for handling the sales documents and covering the marine insurance and bank charges. Further, it is noted that there is a document named as export permit issued by the Custom Authorities of Korea, who permits the HWC to export goods as exporter and HCC as producer.

Normal value

124. It is noted that in Appendix-1, the company has reported *** transactions. The Company has sold *** MT (KRW ***) of the subject goods in the domestic market. During investigation, monthly production quantity and cost was found to have reconciled. Summary of heads of account for the period of investigation was also tallied vis-à-vis figures reflected in Appendix-7. As per Appendix-1, the company has claimed adjustments on account of Domestic Inland Freight, Packing and Credit Expenses in respect of its domestic sales. It was noted that about ***% of the subject goods has been sold to the affiliated parties in the domestic market and the balance ***% of the sales were made to non-affiliated parties. It was noted that the sales made to affiliated parties were broadly at similar rates at which the sales made to unaffiliated parties. After carrying out sufficiency tests, and ordinary course of trade tests, the normal value on a month wise basis has been determined after taking into account the above adjustments for its domestic sales. While carrying out the ordinary course trade test, it was noted that the domestic sales were profitable (more than 80% by the volume) in (*** months of the POI (***% overall during the POI) and therefore, their entire sales were taken into account for the purpose of determining normal value.

Exports Sales to India

125. It was noted that in Appendix-2, the company reported *** transactions showing exports of *** MT (US\$ ***) of PVC to India during the POI. It was noted that all sales of the subject goods to India were made on CIF basis and that the expenses with regard to exports to India have been incurred by the producer/exporter. The company has claimed adjustments on account of Inland Freight, Ocean Freight, Credit Expense, Terminal Handling Charges, Customs Agent Commission, Commission to Hanwha Corporation, Packing Expenses. Commission paid by Hanwha Chemical Corporation to Hanwha Corporation includes Banking Charges and Marine Insurance. Since the consumption of imported material is negligible, hence, no drawback was claimed. The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin.

USA

M/s Westlake Vinyl Corporation, USA

Normal value and Export Price

- 126. It is noted that M/s Westlake Chemical Corporation ("Westlake") is a publicly-owned corporation registered in the State of Delaware, United States of America. The Geismar, Louisiana, and Calvert City, Kentucky facilities are the only Westlake facilities in the United States capable producing of PVC resin. Westlake Chemical Corporation, i.e., the "Company," owns 100% of the Westlake Vinyl Corporation, which, in turns owns 100% Geismar, Louisiana, facility. Westlake Vinyl Corporation also owns 100% of Westlake PVC Corporation of which the Calvert City, Kentucky, facility and the Sulphur, Louisiana, facility are both subsidiaries. In the home market, Westlake sells PVC resin directly to end-users and through traders to end-users. It is noted that they have submitted domestic sales from these two facilities in the Appendix 1 of the response to the exporters questionnaire.
- 127. In this behalf, it is noted that Westlake Vinyl Corporation filed its response to the Exporter's Questionnaire and the Additional Exporter's Questionnaire (Part II). The questions and requests for information set forth in both questionnaires pertained to global sales and the U.S. cost of production of PVC-S. Corporation produces PVC-S at two U.S. plants, the Geismer plant and the Calvert City plant. Corporation owns 100% of the Calvert City plant and, through its 100% ownership of Westlake Vinyls Company LP ("Company"), also owns 100% of the Geismer plant (See Exporter's Questionnaire. It is also noted that Corporation and its 100%-owned affiliate, Company, both issued invoices associated with home market sales of PVC-S during the period of investigation and thereafter. It is also noted that Westlake Vinyls Company LP issued all invoices to India during the POI. It is noted that Westlake had a domestic sales of *** MT during the POI for US\$ *** during the POI. It was noted that about ***% of the subject goods has been sold to the affiliated parties in the domestic market and the balance of the sales were made to non-affiliated parties. It was noted that the sales made to affiliated parties were broadly at similar rates at which the sales made to unaffiliated parties. Hence, the entire sales volume has been considered for determination of normal value. The company had claimed adjustments on account of Discount, Rebates, Commission, Freight, Packing and Credit Expenses in respect of its domestic sales. It is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing for the subject goods. It is noted from the examination that the domestic sales meets the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. While carrying out the ordinary course trade test, it was noted that the domestic sales were profitable (more than 80% by the volume) in *** out of the *** each months of the POI (***% overall during the POI)

- and therefore, their total sales for each of the *** months and their profitable sales for remaining months have been taken into account taken into account for the purpose of determining normal value.
- 128. Adjustments thereof have been allowed after examination. The expenses claimed towards inland freight, credit costs etc by producer have been adjusted to determine normal value. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis after conducting the profit test.
- 129. With regard to exports of subject goods to India, it is noted that the terms of sale for Westlake's export sales to India were either Free Along Side ("FAS") Houston, Texas, Free on Board ("FOB") Houston, Texas, Cost and Freight ("CFR") Nhava Sheva, India or Cost Insurance Freight ("CIF") Nhava Sheva, India. It was noted from the response that Westlake sold some merchandise to unaffiliated trading companies during the period of review and the sixth months thereafter. It is noted that none except one company had submitted information with regard to subject goods exported to India which was produced by Westlake. It is further noted that Westlake has submitted that it had no control over its unaffiliated customers and has no access to its unaffiliated customers' financial or sales information and, therefore, is unable to provide the data requested for the re-sales made by these unaffiliated trading company customers. It is noted that none of the resellers had provided any back to back linking of exports to the Authority from the producer to them and to the Indian importers.
- 130. It is noted after examining the information filed by the company that direct exports made by the company are ***% as compared to the indirect sales of subject goods to India. After the disclosure statement, the company provided copies of the invoices raised to Indian customers. It is noted from the response that the company had sold *** MT of the subject goods for US\$ *** to India during the POI. The exporter has claimed adjustments on account of inland freight, packing, warehousing, ocean freight, marine insurance, bank charges, credit expenses. In fact, it was noted that they had made Indian sales during *** months of the POI. The ex factory price for the purpose of the working out the dumping margin has been determined taking into account these adjustments. The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin. The dumping margin so arrived at is mentioned in the dumping margin table.

ITOCHU PLASTICS PTE, LTD, Singapore

Normal value and Export Price

- 131. It is noted that the company is not a manufacturer of the subject material and they are exporting the subject material into India after procuring the same from four producers. It has also been added that M/s Itochu Plastics Pte Ltd, Singapore (Itochu Singapore) solicits enquiries from customers in India. Once enquiries are obtained it undertakes negotiation with the supplier/manufacturer in Singapore which offers a price range for the sales of the subject goods to Itochu Plastics Pte Ltd, Singapore (Itochu Singapore). On the basis of the price range offered by the supplier, Itochu Plastics Pte Ltd, Singapore (Itochu Singapore) further conducts negotiation with the individual customers and concludes the sales.
- 132. It is noted from the response filed from M/s Itochu Plastics Pte Ltd that the though some of the subject goods produced by other producers including M/s Westlake, USA have been shown as exported to India by M/s Itochu Plastics Pte Ltd, the details of back to back invoice was not made available with respect to the invoices raised by M/s Westlake and other producers to M/s Itochu Plastics Pte Ltd and from M/s Itochu Plastics Pte Ltd to India. In the absence of the link between the producers of subject goods from M/s Westlake USA and other producers and from M/s Itochu Plastics Pte Ltd to India, no separate dumping margin has been determined for the channel from other producers including M/s Westlake, USA and M/s Itochu Plastics Pte Ltd, Singapore . In view of the above, the normal value and the export price has been determined on the basis of the facts available in line with the determination of dumping margin for other non cooperating producers and exporters.

M/s. Formosa Plastics Corporation, U.S.A., (producer)

Normal value and Export Price

- 133. It is noted that M/s. Formosa Plastics Corporation, U.S.A (Formosa) is a corporation set up under the laws of the State of Delaware.. Formosa Plastics Corporation, U.S.A. M/s Formosa manufactures the goods under consideration. However, Formosa and its affiliated companies did not export these goods to India during the period of investigation. Except for certain limited sales to Canada, Mexico, and some European countries, sales of Formosa products for export are made by unaffiliated resellers. In other words, Formosa sells in the United States to a US-based company or reseller, with delivery to a place in the United States specified to it.
- 134. With respect to exports to India, it has been stated that M/s Formosa does not itself export PVC to India or does not itself sell PVC to any party in India, including manufacturers or end users in India. Instead, Formosa sells to resellers located in the United States, who then export the product to India. It has also been submitted that all Formosa knows is that a reseller has purchased its product for export to several possible countries, including India, and has provided Formosa with a port in the United States to which the Formosa's product is to be delivered.
- 135. In this behalf one of the unaffiliated re-sellers, i.e. Tricon Dry Chemicals also participated and provided responses to establish the export channel and price to India.
- 136. However, as per the information on record, the Authority was unable to match the quantities to establish complete flow of sales from the Producer through Tricon Dry Chemicals to India. Therefore in the disclosure statement issued earlier, it was noted that as no export price information to any importers or users in India had been submitted by the producer and the information in the form and manner exporters' questionnaire had not been provided by the company, no export price or separate dumping margin had been allowed for the producer. After the disclosure of essential facts, FPC USA and Tricon Dry Chemicals LLC submitted missing invoices numbers of certain transactions from producer to exporter for exports to India and clarified that all transactions were now complete. Post disclosure of essential facts, FPC USA

and Tricon Dry Chemicals LLC clarified their position and demonstrated a complete channel of sales to India with all transactions matched back to back from producer to exporter.

Normal Value for FPC, USA

137. In this behalf, it is noted that FPC USA has sold *** MTs of PVC suspension grade in its home market against *** transactions during the POI. It is noted from the examination that all sales had been made to unaffiliated parties during the POI. It is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing for the subject goods. It is noted from the examination that the domestic sales meets the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. While carrying out the ordinary course trade test, it was noted that the domestic sales were profitable (more than 80% by the volume) in *** of the 12 each months of the POI (***% overall during the POI) and therefore, their total sales for each of the months of the POI have been taken into account for the purpose of determining normal value. The company had claimed adjustments on account of Early Paid Discount, Price Adjustments, Volume Rebates, Commission, Freight, Packing and Credit Expenses in respect of its domestic sales. Adjustments thereof have been allowed after examination. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis after conducting the ordinary course of trade test.

Tricon Dry Chemicals LLC. USA

Export Price for FPC USA and Tricon Dry Chemicals LLC, USA

- 138. It is noted that M/s Tricon Dry Chemicals LLC is organized as a Limited Liability Company under the Laws of the State of Texas, United States. It is a trading company and is not involved in the manufacture of the subject goods. It has further been submitted that Tricon Dry Chemicals LLC has no manufacturing subsidiaries or related companies involved in the product concerned. It is further noted that Tricon Dry Chemicals LLC has no home market sales for the present investigation. For exports to India, Tricon Dry Chemicals LLC negotiates the selling price on the basis of the market rates.
- 139. It was noted that in Appendix-2, M/s FPC, USA reported *** transactions comprising sales of *** MT showing sales to resellers during the POI. It was further noted that out of these transactions reported in Appendix -2, of the FPC, USA, *** MT of the subject goods were sold through Tricon Dry Chemicals LLC to India. M/s Tricon Dry Chemicals LLC, USA has filed questionnaire responses to the Authority. The Authority has examined the export prices in respect of responding exporters on the basis of questionnaire responses filed by them. The export prices and the adjustments thereof have been allowed after examination. Export Price at the ex factory level has been calculated by deducting all post factory expenses incurred by the producer (Early Paid Discount, Price Adjustments, Freight, Packing and Credit expenses) and the re-seller (Bank Charges, Charters Liability, Discount Interest, Freight, Inland Freight, Interest Expense, Export LC fees, Ocean Cargo Insurance and Miscellaneous expenses). The net export price so arrived at on a month wise basis has been used for determining dumping margin on a month wise basis before aggregating them on a weighted average basis for determining weighted average dumping margin. For determination of ex factory export price at the end of producer FPC, USA, necessary adjustments pertaining to traders in the chain have been made.

ICC Chemical Corporation (ICC), USA

Normal value and Export Price

140. It is noted that M/s ICC Chemical Corporation (hereinafter "ICC" or the "Company") is a subsidiary of ICC Trading Inc. and was incorporated under the laws of the state of New York, USA, on April 30, 1985. It is also noted that ICC is not a manufacturer. ICC CHEMICALS CORP as exporter sells to local end-users in India and local distributors as well as local traders. From the response submitted by the company, it is noted that the company is trader who purchases the subject goods from various producers from many countries and sells them to India. However, the company has not named the producers from where they have purchased the subject goods and has also not provided any link between the volume and price of the subject goods at which they have purchased the subject goods and sold them to Indian importers and users. In view of the above, it is not possible to determine the normal value and export price and therefore no separate dumping margin can be given to the channel of exports from the exports made from ICC to Indian importers..

M/s Shintech Incorporated, USA

Normal value and export price

- 141. It has been stated by the company that the US Normal Value data during the period of investigation ("POI") claimed by the Petitioner is not accurate. Petitioner cites Harriman Chemsult (currently "IHS Chemical") and provides copies of that monthly publication. It has been contended that a more accurate source of available facts on that subject is Platts Polymer Scan, which is published weekly. Harriman Chemsult states that the prices are "before discounts, rebates, incentives, etc." so the Normal Value is always high and unreliable for purposes of this Review. It has also been stated Shintech is a very efficient producer of the PVC resin product which is the subject of this investigation and does not sell at a loss. It has also been stated that Petitioner's calculation of Dumping Margin during the POI for the USA is faulty.
- 142. It is noted from the response submitted by the company that they did not submit the response in the form and manner of exporters questionnaire. In fact, the response was grossly deficient and in view of the deficient response, it was not possible to determine either the export price or the normal value for the subject producer and exporter. In view of the above, the normal value and the export price has been determined on the basis of the facts available in line with the determination of dumping margin for other non cooperating producer and exporter.

Tricon Overseas Inc., USA

Normal value and Export price

- 143. It is noted that M/s Tricon Overseas Inc. is organized as a Stock Corporation under the Laws of the Republic of Panama. It has been submitted that it is a trading company and is not involved in the manufacture of the subject goods. It has also been submitted that M/s Tricon Overseas Inc has no manufacturing subsidiaries or related companies involved in the product concerned. It has also been submitted that with regard to purchase details of subject goods from various producers, the details required could be found in the cooperating producers' response. It has further been added that the exporter has no home market sales for the present investigation and for exports to India, Tricon Overseas Inc. negotiates the selling price on the basis of the market rates.
- 144. It was noted from the response originally filed from M/s Tricon Overseas Inc that they have one transaction of exports to India from M/s CGPC Taiwan. It was noted in the disclosure statement that though the subject goods produced by M/s CGPC, Taiwan have been shown as exported to M/s Tricon Overseas Inc for exports to India, the details of back to back invoice was not made available before the issue of disclosure statement with respect to all the invoices raised by M/s CGPC to M/s Tricon Overseas Inc and from M/s Tricon Overseas Inc to India.
- 145. After the disclosure statement, it has been submitted by the exporter that they had *** shipments made to India for the subject goods which had been procured from CGPC, Taiwan during the POI. One shipment of the same was directly exported to India by Tricon Overseas while another shipment was exported to India through Tricon Energy UK Ltd. Both M/s Tricon Overseas as well as M/s Tricon Energy UK Ltd submitted the required information as well as clarifications after the disclosure. The export prices and the adjustments thereof have been allowed after examination. Export Price at the ex factory level has been calculated by deducting all post factory expenses incurred by the producer i.e CGPC, Taiwan and exporter i.e Tricon Overseas Inc., USA for working out the net export price at the end of producer M/s CGPC, Taiwan. The deductions allowed for M/s Tricon Overseas Inc include adjustments for bank charges, adjustments of charters liability, freight costs, interest expense, export LC fees, ocean cargo insurance, and SGA expense. The net export price determined at the end of CGPC, Taiwan for this chain has been compared with the corresponding normal value of the producer M/s CGPC, Taiwan for that month for working out dumping margin for that month.
- 146. With regard to another transaction involving both Tricon Overseas Inc, USA and Tricon Energy (UK) Ltd, the net export price has been determined by deducting all post factory expenses incurred by the producer i.e CGPC, Taiwan, exporter i.e Tricon Overseas Inc., USA and M/s Tricon Energy (UK) Ltd for working out the net export price at the end of producer M/s CGPC, Taiwan. The deductions allowed for M/s Tricon Energy (UK) include adjustments of charters liability, freight costs, interest expense, export LC fees, ocean cargo insurance, and SGA expense Overseas Inc include adjustments for bank charges, adjustments of charters liability, freight costs, interest expense, export LC fees, ocean cargo insurance, and SGA expense. The net export price determined at the end of CGPC for this chain has been compared with the corresponding normal value of the producer M/s CGPC, Taiwan for that month for working out dumping margin for that month.
- 147. In view of the fact that back to back invoice received from M/s CGPC, Taiwan, and Tricon overseas Inc and Tricon Energy UK LTD, separate dumping margins has been granted to the above chains and the dumping margin so determined is mentioned in the dumping margin table.

Tricon Energy UK LTD (Tricon UK)

Normal value and Export Price

- 148. It is noted that M/s Tricon Energy UK LTD. is organized as a Private Company limited by shares under the Companies Acts 1985 to 1989 of England and Wales. It is a trading company and is not involved in the manufacture of the subject goods. It has been submitted that M/s Tricon UK has no manufacturing subsidiaries. It is also noted that M/s Tricon UK has no home market sales for the present investigation. For exports to India, Tricon UK negotiates the selling price on the basis of the market rates.
- 149. With regard to export sales to India, it is noted that the company has procured the subject goods which were produced by various producers during the POI. Out of the producers from where Tricon has purchased the subject goods for exports to India, it is noted that 4 producers from subject countries i.e M/s CGPC, Taiwan, FPC, Taiwan, Qingdao Haijing, China PR and Inner Mongolia Sanlian, China PR have responded to the exporters' questionnaire and have submitted details of exports to India through Tricon UK. It may be recalled that due to non reconciliation of back to back invoice, no separate dumping margin was proposed for the exporting producers exporting through Tricon Energy UK LTD at the time of issue of disclosure statement. However, after the issuance of the disclosure statement and following the receipt of the comments from M/s Tricon UK clarifying some of the back to back invoice reconciliations, the separate dumping margin has been granted for M/s Tricon energy UK exporting the subject goods sourced through M/s FPC, Taiwan, CGPC Taiwan and M/s Qingdao, China PR and the same is mentioned in the appropriate headings in the findings. For Inner Mongolia Sanlian and others, no back to back invoice from the cooperating producer to the exporter and to Indian importer could be reconciled and hence separate dumping margin was not granted to them. The dumping margin determined from all these chains of exports are mentioned in the appropriate headings in the findings and also in the dumping margin table.

Normal value and Export Price for all producers and Exporters from Indonesia, Malaysia, Japan and Thailand

150. For working out dumping margin in respect of subject goods for all producers and exporters from Indonesia, Malaysia, Japan and Thailand, the normal value has been determined on facts available basis i.e. based on the prices reported in the Harriman Chemsult reports as there was no cooperation from any of the producers and exporters from these subject countries. The same has been compared with the net export price determined on the on the basis of facts available i.e. on the basis of DGCIS transaction wise data on a monthly basis. The dumping margin and dumping margin % so arrived for the all producers and exporters from these subject countries have been mentioned in the dumping margin table.

<u>Dumping margin determination for all responding and cooperating producers and exporters from subject countries</u>

- 151. For working out dumping margin in respect of subject goods, the normal value determined on ex factory basis has been compared with the net export price on a monthly basis and the dumping margin on a monthly basis was determined. A weighted average dumping margin was then arrived at after weighing these dumping margins with the export quantity of the respective producers and exporters. The dumping margin and dumping margin % so arrived for each of the responding and cooperating producers and exporters have been mentioned in the dumping margin table.
- 152. It is noted that in the subject investigations many cooperating producers and exporters are related to each other and form a group of related companies. It has been the consistent practice of the Authority to consider related exporting producers or exporting producers belonging to the same group as one single entity for the determination of a dumping margin and thus establish one single dumping margin for them. The Authority holds that grant of individual dumping margins might enable the related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin and circumvent the anti-dumping measures, thus rendering them ineffective, by In addition, the dumping margin has also been determined together for a producer exporting the subject goods through various channels (through different exporters).
- 153. In accordance with the above, the related producers/exporters or those belonging to the same group were regarded as one single entity and attributed one single dumping margin which was calculated on the basis of the weighted average of the dumping margins of the cooperating producers/exporters in the respective groups Similarly, dumping margin has also been determined together for a producer exporting the subject goods through various channels (through different exporters).

Export Price and Dumping margin for non cooperating producers and exporters from subject countries

154. For working out dumping margin in respect of subject goods for the residual producers and exporters, and for those producers and exporters whose data was not accepted by the Authority, the normal value determined on facts available basis has been compared with the net export price determined on the lower representative price level. The dumping margin and dumping margin % so arrived for the residual producers and exporters, and for those producers and exporters whose data was not accepted by the Authority have been mentioned in the dumping margin table.

Dumping margin Table

<u> </u>	mping margin Table						
Country	Producer	Exporter	Dumping Margin	Dumping Margin %	Group DM	Group DM%	DM% Range
	CGPC Polymer Corporation	CGPC Polymer Corporation	***	***			
	China General Plastics Corporation	China General Plastics Corporation	***	***	***	***	0-10
	China General Plastics Corporation	Tricon Overseas Inc. USA and Tricon Energy UK LTD	***	***			
Taiwan	China General Plastics Corporation	Tricon Overseas Inc. USA	***	***			
	Formosa Plastics Corporation	Tricon Energy UK LTD	***	***	(***)	(***)	(0-10)
	Formosa Plastics Corporation	Formosa Plastics Corporation	***	***			
	Ocean Plastics Co Ltd.	Ocean Plastics Co Ltd.	***	***			10-20
	Other th	an above	***	***	***		20-30
Korea RP	Hanwha Chemical Corporation	Hanwha Corporation	***	***			(0-10)
	LG Chem	LG Chem	***	***			(0-10)
China PR	Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd.	Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd.	***	***	***	***	20-30
Cillia i K	Qingdao Haijing Chemical (Group) Co Limited	Tricon Energy UK Ltd., UK	***	***			20-30

	Yibin Tianyuan Group Co Limited	Yibin Tianyuan Group Co Limited	***	***	10-20
	Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd.	Xinjiang Tianye Foreign Trade Co.,Ltd	***	***	30-40
	Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.	Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.	***	***	20-30
	Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.	Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.	***	***	20-30
	Shandong Ocean Chemical Chlor – Alkali Resin Co.,Ltd	Shandong Ocean Chemical Imp & Exp Co., Ltd.	***	***	20-30
	Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd	Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd	***	***	20-30
	Tangshan SanyouChlor- Alkali Co., Ltd.	Tangshan SanyouInternation al Industry Co., Ltd	***	***	20-30
	Chiping Xinfa PVC Co., Ltd.	Ningbo Grand international Trading Company Limited.	***	***	20-30
	Others	Others	***	***	30-40
	Formosa Plastics Corporation	Tricon Dry Chemicals LLC	***	***	10-20
USA	Westlake Vinyl Corporation or Westlake Vinyls Company LP	Westlake Vinyls Company LP	***	***	0-10
	Others	Others	***	***	10-20
Indonesia	All producers	All Exporters	***	***	20-30
Thailand	All producers	All Exporters	***	***	0-10
Malaysia	All producers	All Exporters	***	***	10-20
Japan	All producers	All Exporters	***	***	85-95

The Authority notes that in the original investigation, the dumping margins of M/s Hanwha Chemical Corporation, M/s LG Chem and M/s FPC Taiwan were determined at deminimis level. The dumping margin assessed in the present investigation for FPC, Taiwan, LG Chem, Korea and HCC, Korea is (-) ***%, (-) ***% and (-) ***% respectively, which is deminimis. Therefore, the volumes of the imports from these three exporters have not been taken into account for the purpose of injury and causal link analysis. The volume of imports from the Korean co-operating exporters exceeds the volume of imports from Korea as reported in DGCI&S data. The domestic industry in their petition had mentioned that HCC and LG Chem as the only known exporters. Government of Korea had also mentioned only about these two exporters in their communication to DGAD. Therefore, the entire imports from Korea have not been considered for injury and causal link analysis.

INJURY & CAUSAL LINK

Views of the Domestic Industry

156. The domestic industry has inter alia claimed as follows:

- a. Injury to the domestic industry should be assessed cumulatively. Present review is a sunset review and the Designated Authority had earlier assessed injury to the domestic industry cumulatively.
- b. The demand/apparent consumption of the subject goods increased throughout the injury period.
- c. Despite existing anti-dumping duties, the volumes of imports of subject goods from subject countries increased in absolute terms throughout the injury period with a significant increase during the period of investigation as compared to the base year. The share of imports from the subject countries have also increased over the years and account for more than 76% of the total imports during POI.

- d. Weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the selling prices of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
- e. The landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry throughout the injury period.
- f. Imports have had significant suppressing effect on the prices of the domestic industry in the market, such that the domestic industry was compelled not to increase their price in proportion to increase in cost of sales, thereby suffering huge losses.
- g. One of the constituents of domestic industry enhanced capacities which commenced commercial production in 2009-10 and became fully operational in 2010-11. The production and sales of the domestic industry increased throughout the injury period because of the increase in capacity. The product involved is a petrochemical product whose production is a continuous process. It is almost an unavailable option for the domestic industry to suspend production. The combined fixed costs of the domestic industry are too significant to allow optimization of production. Further, production curtailment is not an option, since if the domestic industry sets its prices where it will earn reasonable return, the surplus capacities with the foreign producers are sufficient enough to take away the entire Indian demand.
- h. The profits of the domestic industry started declining since 2009-10, with significant losses during period of investigation. Cash profits showed the same trend as that of Profit/Loss. The return on investment also declined throughout the injury period to such an extent that the domestic industry suffered negative return on investments during period of investigation.
- i. The market share of the domestic industry and domestic producers as a whole decreased, while that of imports increased over the injury period.
- j. Employment with the domestic industry has increased till 2009-10 but thereafter declined. Wages paid have shown normal wage growth. Productivity per day has also shown an increase. The petitioners claim that these parameters are dependent on a number of other factors and not reflective of impact of dumping on the domestic industry.
 - k. Inventory levels of the domestic industry increased till 2010-11 but declined during the period of investigation.
 - 1. Where the product is consistently not performing well because of persistent dumping over the last few years, substantial fresh investments cannot even be imagined. Despite significant demand in the country, the Indian producers find it unviable to invest in capacity additions.
 - m. The various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.
 - n. In a situation where demand for the product under consideration is growing, the domestic industry should have been in a position to get a fair price for the product in the market. It is not a situation where the capacities created in the country are far higher than the demand in the market and domestic producers are fiercely competing with each other to grab the market.
 - o. With respect to the argument that RIL posted a 24% year on year rise in 2012-13 Q3, it is to be noted that the 24% increase in net profits from the previous year is in respect of Reliance Industries Limited as a whole. The company is a large, multi-product company whose business covers areas as diverse as textiles, oil, petrochemicals, retail and energy. Anti dumping investigations is (a) product specific, and (b) focuses on domestic industry. Individual company performance that too for different products is of no relevance.
 - p. The demand supply gap clearly justifies further enhancement of capacities in the country. However, no such enhancement is being planned by any existing and new player for the reason that return on investment is extremely poor. Setting up of a plant of the order of 5 lacs MT shall involve a capital expenditure of Rs. 1200 crores, which requires a markup of Rs. 15,000 per MT in order to generate reasonable profits on VCM prices. As against this, the domestic industry is forced to earn on many occasion a markup of only Rs. 3000-4000 over the VCM price.
 - q. With respect to the argument that prices of PVC in India have increased progressively, it would be seen that the prices of VCM have increased over the period after declining in 2008. The increase in the price of PVC is therefore on account of increase in the prices of VCM. In fact, the domestic industry has been prevented from increasing its prices in proportion to the increase in VCM price. It is also pointed out that the information relied upon by ICC is limited to the ICIS New Network report for the month of February. Further, ICC has relied on the statement made by Reliance that prices have increased from June 2011 to April 2012 to claim that there is an overall rise in the price of the product in India. ICC has further relied on Global Vinyls Market Report for the same month of February to claim that Indian producers have been able to increase their prices. However, the interested parties have ignored the increase in VCM prices during this period. The product prices cannot be considered in isolation without considering the input raw materials prices.
 - r. With respect to the argument that the domestic industry is suffering losses due to its increased procurement of fuel, labour and electricity costs, it is to be noted that the major driver of costs in the manufacture of PVC Suspension is the cost of the primary raw material, VCM. The VCM prices have increased world over. It is not the case that domestic producers of the product are incurring high production costs.
 - s. With respect to the argument that the raw material receiving port of Finolex was closed down for a substantial amount of time and so production was less than usual, Finolex is not part of domestic industry. The claimed injury is not on account of plant closure of Finolex. In fact, the plant closure with Finolex should have enabled the other constituents of domestic industry to earn a better price. However, the profitability of the domestic industry deteriorated which is not due to closure of plant by Finolex.
 - t. The argument that the heavy reliance on import of raw material to produce PVC by the domestic industry has increased the cost of production and reduced the profitability cannot be accepted. The purchase of VCM by the industry is at international prices and therefore it is not a case where profitability of the domestic industry deteriorated due to abnormally high prices for VCM paid by the domestic industry. An industry cannot be said to be causing injury to itself for the mere reason that it does not captively produce the raw material required for the manufacture of the product or that the raw material is not available locally.
 - u. The argument that Indian consumers pay relatively more for PVC Suspension Resin cannot be accepted as the existence of dumping implies that normal price in the exporting countries is more than the export price to India.

- v. The argument by CCAIA that the landed value of Chinese exports are equal to or higher than NSR claimed by the domestic industry, cannot be accepted since Chinese imports are undercutting the prices of the domestic industry in 2009-10 and 2010-11. Any analysis on the basis of weighted average is highly misleading. There were significant variations in the prices with time period and therefore petitioners have justified the need for a month-by-month analysis for the purpose of dumping margin, price undercutting and injury margin.
- w. The argument that the domestic industry would have earned profits if it had aligned its prices in accordance with import prices cannot be accepted. The domestic producers set their prices with imports announced at the start of the month. There is no business sense in selling at prices lower than this. Further, selling at import prices lead to losses and not profits.
- x. One of the interested parties rejected the claim that the domestic industry is forced to price their products on the basis of imports. The Authority may consider offer/order date in case of imports and compare the same with the selling price of the domestic industry. Comparison of selling price of the domestic industry with landed price of imports is leading to misleading results.
- y. With respect to the argument that NIP has been incorrectly calculated, considering that the Authority does not grant higher return in case the domestic industry has earned higher return than 22%, the Authority should not give lower return if the domestic industry has earned lower return. Further, the issue has been well settled by the Authority. The authority consistently considers 22% return on capital employed.
- z. CCAIA has arrived at erroneous conclusions as to the NSR figures submitted by the petitioners. A single figure was arrived at for NSR of the domestic industry and used uniformly in comparisons with imports from subject countries.
- aa. One of the interested parties has asserted that the petitioners have failed to provide reliable evidence in support of claims of undercutting and landed values. The petitioners have provided import figures based on transaction-by-transaction information obtained from IBIS. NSR has been calculated based on the financial information of the petitioner companies. Calculations of undercutting and landed value have also been done based on this information.
- bb. With respect to the import data including PVC Paste resin transactions, the import price relied upon by the petitioners for determination of dumping and injury does not include imports of PVC paste resin. The dumping and injury claims of the petitioners are based on imports of product under consideration only. For the purpose of likelihood analysis, petitioners have explained in the petition that inclusion of paste resin, would, if anything, understate the dumping margin, as Paste Resin prices are generally higher than suspension resin.
- cc. There is no basis for the argument that the prices of the domestic industry were in the region of 75000-85000 PMT. The domestic industry has provided verifiable information, which shows that the prices are in fact much lower than this. Domestic industry sets its prices considering the offers given by the exporters. While domestic industry delivers the product immediately, the exporters' material arrived in India with a significant time lag. Since the domestic industry sets its prices based on price offers, the Authority should compare the domestic industry prices with the offers made and orders taken by the exporters.
- dd. The 'improvements' mentioned by the interested party can only relate to increase in volume parameters which have improved due to increase in domestic demand and addition of capacities by the domestic industry. Profitability, ROI and cash profits have shown considerable decline over the injury period and became negative in the POI.
- ee. Higher prices do not mean higher profits. Profit is a function of price and cost. The interested parties have referred selectively only to prices and have ignored the increase in the costs.
- ff. The assertion that the domestic industry is able to earn the NIP since the range of price undercutting and price underselling is the same is erroneous. The NSR of the domestic industry is lower than the NIP calculated.
- gg. There exists a clear causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry. Imports of product under consideration from third countries are either negligible or the export prices are higher, except for Mexico and EU. Imports from Mexico and EU are at dumped prices and the petitioners have filed anti-dumping duty petition in respect of imports from these countries. As the present petition is a sunset review petition, no new country can be included in the purview of subject countries. There was no contraction in demand of the subject product during the period of investigation. The technology adopted by domestic industry is comparable to the technology being adopted by producers in subject countries. There is no significant difference in the manufacturing process. Petitioners have exported the product under consideration. However, the claimed injury to the domestic industry is on account of domestic operations.
- hh. The injury caused to the domestic industry has been caused by dumped imports. The imported product is undercutting the prices of the domestic industry, and preventing it from increasing its prices in proportion to increase in cost of productions. Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits is on account of dumping of the product in the Country.
- ii. The argument that non-subject imports are required to be assessed under the other causes of injury which could not be attributed to imports from the subject countries cannot be accepted. The law with respect to causal link found in the Antidumping Rules provide: "Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices..." Clearly, what is to be seen is whether un-dumped imports are causing injury to the domestic industry.
- jj. The domestic industry has filed a separate petition seeking the initiation of investigation for the imposition of antidumping duties in respect of imports from Mexico and EU. The present investigation being a sunset review investigation, these countries could not be included within the scope of the investigation. The rules do not require segregating injury from different dumped sources. The rules require segregation of injury suffered by the domestic industry from "nondumped imports".
- kk. As regards the argument that consideration of import price and domestic industry prices do not show causal link, it is necessary to compare import price with the domestic industry prices by considering import price on the basis of offers/orders. Since the domestic industry has set its prices considering import offers, the comparison of landed price of imports on arrival basis with selling price of the domestic industry is leading to misleading results.
- Il. It would be improper to compare profit, return on investment and cash profit with import volumes, when the domestic industry has pleaded adverse price effect of the imports. Import volumes have increased in view of demand-supply gap,

- whereas profits, return on investment and cash profit have declined in view of dumped prices of these imports. Thus, import price and not the import volumes must be compared with profits, return on investment and cash profit.
- mm. Regarding the argument that market share increase of imports does not correspond to market share decrease of domestic industry, it will be seen that the trend from 2008-09 to 2010-11 shows that increase in market share of the subject countries correspond to comparable decreases in the market share of the domestic industry and vice versa. It is only in the POI that the market shares of both decrease slightly.
- nn. Regarding providing information with respect to captive use of the product for downstream products by constituents of the domestic industry, the domestic industry has provided the necessary information. Further, considering overall sales volumes of the domestic industry, captive consumption is quite low in the present case.

Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties

- 157. The other interested parties have raised the following issues and made submissions with respect to material injury, and causal link between dumping and material injury to the domestic industry.
- a. The Domestic Industry is able to capture only 51% of the market share while operating at 95% capacity utilization. It is also clear from the audit report of DCW ltd and Annual Report of Chemplast Sanmar that some of the demand of PVC is met by the imports and also PVC demand is growing. Thus it is clear that the imports are entering the country only to meet the demand supply gap and not to adversely affect the domestic industry.
- b. Since the period of investigation of the original investigation the domestic industry has enhanced its installed capacities and has registered an increase of 38% in capacity utilization. Thus the claim of domestic industry that they are adversely affected by imports is incorrect.
- c. The prices during POI and after POI have increased consistently (audit reports of various constituents of the domestic industry). Domestic Industry earned highest sales realization during the POI of the current SSR investigation. Thus the claim of the domestic industry that they have claimed losses is totally incorrect.
- d. When the imports were at its peak the domestic industry was earning profits. Thus there is no correlation between the behavior of domestic prices and import volumes.
- e. It is mandatory for the Designated Authority to examine reasons for injury other than dumping, if any. The so called negative results are due to accident in major supplier's plant in Japan and increase in crude prices.
- f. The methodology of non-injurious price needs to be revisited as it is highly inflated and not based on real situations. The interest is allowed as an item of cost of sales and after deducting the interest, the balance amount of return is to be allowed as a pretax profit to arrive at the NIP.
- g. The Designated Authority should adopt ROCE earned by the Industry when there was no allegation of dumping as reasonable profit margin and not 22% ROCE. Providing 22% return on Capital Employed is incorrect.
- h. In terms of Rule 2(b), all the domestic producers other than DCW Ltd. stand excluded from the scope of domestic industry as they have imported the subject goods during the injury period. Though the standing of the domestic industry need not be examined during a sunset review, determination of injury and likelihood of injury is made only with respect to the domestic industry.
- i. The landed value of Chinese imports is the highest, it is equal to or higher than NSR of the domestic industry and there is no undercutting. When current anti-dumping duty is added to the landed value of Chinese imports, it is higher than NIP claimed by the domestic industry.
- With almost optimal capacity utilization, domestic industry is facing supply constraint to the tune of 44%.
- k. Imports from China are not causing injury since the landed value of imports from China with ADD is higher than the average NSR calculated from the price undercutting range taken from the petition.
- 1. The domestic industry could have earned profits if it had matched the higher prices of imports.
- m. From the price undercutting range and landed values provided, the range of NSR can be determined. It was observed that the lowest possible net sales realization, when calculated taking landed values of Japan, Korea, Taiwan and Thailand respectively are more than the highest sales realization in case of Indonesia.
- n. Since landed value of imports from Korea and Taiwan is below the NIP, injury, if any, caused to the domestic industry is as a result of imports from non-subject imports. The Designated Authority is to exclude non-subject imports and examine past injury and likely continuation of injury from China.
- o. The petitioners stated at page 88 of the petition that dumping is occurring from Mexico and Germany.
- p. Imports cannot be blamed for the domestic industry being unable to increase its selling price when import prices were rising. Whenever the import price increased in the POI, the domestic price decreased
- q. The profits, ROI and cash profits of the domestic industry don't follow the same trend of subject countries import volumes.
- r. The decline in market share of the domestic industry does not correspond to the increase in the market share of the subject countries.
- s. The product concerned appears to be captively consumed by the domestic producers for the manufacture of downstream products. Hence, the domestic industry is bound to provide information regarding captive and merchant markets
- t. The NIP has been wrongly calculated since 22% ROCE is not justified and due adjustment for captive consumption of raw material must be made since Chemplast captively produces EDC.
- u. Reliance and Finolex indicated that demand for S-PVC grew by 3% in 2011-12.
- v. The domestic industry is increasing its production capacity (Reliance Industries is setting up another plant for manufacture of PVC at Dahej, Gujarat; Chemplast Sanmar is setting up another plant at Cuddalore; Reliance is expanding capacity at Jamnagar). Hence, subject country imports are not retarding the growth of the domestic industry.
- w. As per various reports such as from ICIS Network, M/s Reliance Industries have admitted that prices of PVC in India have increased progressively.
- x. The import of S-PVC from the United States of America is not responsible for the shrinking market share of the Petitioners. It has shrunk as the direct consequence of the petitioners' inability to expand their production capacity.

- y. The heavy reliance on import of raw material to produce PVC by the domestic industry has increased the cost of production of PVC and reduced the profitability.
- z. During the period of investigation the costs incurred by the domestic industry on the procurement of fuel, labour, electricity has increased manifold and the same has contributed to the injury alleged by the domestic industry as per annual report of M/s Finolex Industries Ltd.- 2011-12, HIS Chemical Market Advisory Services, Global Vinyls Market Report 2012, etc.
- aa. Petitioners have not suffered any injury during the POI or injury period according to their Annual Reports which indicate profits. Annual Report data indicates that the Petitioners have not only been selling above cost for the injury period and the period of investigation but have been making increasing profits over the period of investigation.
 - i. Price obtained from Public Domain Information indicates a range between 75000 to 85000/MT
 - ii. Cost constructed in the same format as the constructed normal value found to be much lower than the selling price from the public domain.
 - iii. Therefore there is a profit per MT in every year of the injury period including the period of investigation implying that the negative profit indicated in the Petition is unreliable and inconsistent.
 - iv. Further the variance in the domestic industry prices ought to be looked into by the Hon'ble Designated Authority.
- bb. After the global recession subsided in 2009-10, the domestic industry recovered despite alleged 'dumping and injury' and has prospered in the second half of the injury period and showing substantial improvements in critical factors.

Examination of the Authority

- 158. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations have been examined by the Designated Authority, having regard to the relevant legal provisions. The Authority has examined the various submissions under appropriate headings.
- 159. One of the interested parties has contended that the methodology adopted by the domestic industry for the calculation of Non-Injurious Price (NIP) is erroneous and had the effect of inflating the NIP. The Authority has determined the NIP for the domestic industry considering the provisions of Annexure III to the Rules and as per its consistent practices.
- 160. Regarding information on captive and merchant market for the domestic industry, it is noted that the Authority has sought and analyzed all the information which is necessary for the purposes of the present investigation.
- 161. The Authority notes that since the present investigation is a Sunset Review investigation, the performance of the domestic industry during the injury period and the likelihood of dumping and injury to the domestic industry in the event of the cessation of the anti-dumping duty are required to be considered to determine whether expiry of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of injury to the domestic industry. Further, the performance of the domestic industry in terms of cost and prices has been seen in the context of landed value of the subject goods from the subject countries during the injury period. A detailed analysis has been carried out in respect of all the parameters listed under the law. These parameters are discussed herein under.

Cumulative Assessment

- 162. Annexure II to the Anti Dumping Rules provides that in case the imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:-
- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles."
- 163. In this regard, the Authority notes that the criteria for de minimis dumping margin and negligible volume of imports are not relevant for the purpose of determining likely hood of dumping margin from subject countries. However, for the purpose of cumulative assessment, un-dumped imports from producers from subject countries have been taken out for the purpose of injury analysis.
- 164. Further, the goods manufactured by the producers from the subject countries are like articles inter se and in comparison to the product manufactured by the domestic industry. A cumulative assessment of the effects of imports from the subject countries is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. Commons parties are using the goods from the different sources and from the Indian domestic industry interchangeably, and the channels of sale are similar.

Assessment of demand

165. For the purpose of the present investigation, the Authority has defined demand or apparent consumption of the product in India as the sum of sales of subject goods by domestic industry and imports from all sources. Exports made by the Indian Producers have been excluded from the computation. It is noted that the demand/apparent consumption of the subject goods increased throughout the injury period. Demand so assessed is as follows –

Particulars	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Total Domestic sales	MT	7,87,181	8,17,655	9,77,281	9,78,779
Trend	Index	100	104	124	124
Sales of other Producers	MT	1,86,020	1,67,392	2,02,736	1,50,286
Trend	Index	100	90	109	81

Total Imports	MT	2,35,312	5,45,736	5,50,468	7,51,027
Trend	Index	100	232	234	319
Demand	MT	12,08,513	15,30,783	17,30,485	18,80,092
Trend	Index	100	127	143	156
Dumped Imports from subject Countries	MT	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
Trend	Index	100	153	141	151
Share of Domestic Industry in demand	%	65%	53%	56%	52%
Trend	Index	100	82	87	80
Share of other domestic producer in total demand	MT	15.39%	10.94%	11.72%	7.99%
Trend	Index	100	71	76	52
Share of dumped imports from Subject Countries in demand	%	10%	12%	10%	9%
Trend	Index	100	121	98	97
Share of imports from other countries under investigation in demand	%	3%	5%	3%	7%
Trend	Index	100	147	92	230
Share of imports from Other Countries and un dumped imports from subject countries in demand	%	7%	19%	19%	23%
Trend	Index	100	292	294	351

166. As regards the argument that the petitioners are unable to meet the demand in India and there is wide demand supply gap and therefore the imports are necessary, the Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The Authority refers to its past consistent position in this regard and also relies upon the decision of the CESTAT in the matter of DSM Idemitsu Limited vs Designated Authority. If the exporters want to supply the goods to meet the requirement in Indian market that could be done by exporting the requirement at a price equivalent to normal value but not at dumped prices.

Volume of Dumped Imports

- 167. With regard to volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports from the subject countries either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti-dumping rules provides as under:
 - "While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India"
- 168. Imports of the product under consideration from exporters in absolute terms and in relation to production and consumption were as follows –

Volume of Imports	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Dumped imports from Subject Countries	MT	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
CHINA PR	MT	41,257	26,468	21,724	49,540
CHINESE TAIPEI	MT	51,048	68,196	41,360	21,217
INDONESIA	MT	3,433	3,783	609	1,253
JAPAN	MT	1,782	2,920	1,974	3,039
MALAYSIA	MT	0	1,186	1,796	2,384
THAILAND	MT	1,464	5,353	6,523	10,075
USA	MT	18,167	71,381	90,786	89,961
Subject Countries - Trend		100	153	141	151
Other countries - under investigation	MT	38,415	71,650	50,386	1,37,638

Trend		100	187	131	358
Other Countries and un dumped imports from subject countries	MT	79,747	2,94,799	3,35,311	4,35,921
Trend		100	370	420	547
Total Imports	MT	2,35,312	5,45,736	5,50,468	7,51,027
Trend		100	232	234	319
Domestic sales of domestic industry	MT	7,87,181	8,17,655	9,77,281	9,78,779
Sales of other Producers	MT	1,86,020	1,67,392	2,02,736	1,50,286
Imports from subject countries in relation to sales of domestic industry					
of domestic flidustry	%	15%	22%	17%	18%
Demand	MT	12,08,513	15,30,783	17,30,485	18,80,092
Dumped Imports from subject countries relative to consumption	%	10%	12%	10%	9%
Share of dumped imports from subject countries in total imports	%	50%	33%	30%	24%

169. It is noted that there is a significant increase in dumped imports of subject goods from subject countries in the period of investigation when compared with the base year in absolute terms and in relation to domestic industry's sales of the product in India. The market share of subject countries' imports in demand has marginally declined in the POI when compared with the base year.

Price Effect

170. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules states as under:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

Price Undercutting

171. The domestic industry has claimed that weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the selling prices of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting. The Authority has examined the situation after analyzing the net selling prices of the domestic industry and landed prices of imports from subject countries which have been determined on a monthly basis. It is noted after the analysis that the prices of subject goods from subject countries as a whole are undercutting the prices of domestic industry during the injury period.

Landed Price of Imports

INR/MT

	2008-09	2009-10	2010-11	POI*
CHINA P RP	54,137	45,780	49,138	54,459
CHINESE TAIPEI	49,509	45,351	49,925	53,776
INDONESIA	54,645	42,729	48,800	53,801
JAPAN	50,422	46,268	48,910	54,671
MALAYSIA	-	48,199	48,879	53,216
THAILAND	52,393	43,982	48,797	52,139
USA	36,020	39,356	46,531	52,741
Subject Countries as a whole	48,235	44,171	49,215	53,357

^{*} POI numbers are based on month wise analysis

Price Undercutting

INR/MT

Price

Price

	2008-09	2009-10	2010-11	POI*
CHINA P RP	***	(***)	(***)	***
CHINESE TAIPEI	***	(***)	(***)	***
INDONESIA	***	(***)	(***)	***
JAPAN	***	(***)	(***)	(***)
MALAYSIA	-	(***)	(***)	***
THAILAND	***	(***)	(***)	***
USA	(***)	(***)	(***)	***
Subject Countries as a whole	***	(***)	(***)	***
Price Undercutting (%)				
CHINA P RP	***	(***)	(***)	***
CHINESE TAIPEI	***	(***)	(***)	***
INDONESIA	***	(***)	(***)	***
JAPAN	***	(***)	(***)	(***)
MALAYSIA		(***)	(***)	***
THAILAND	***	(***)	(***)	***
USA	(***)	(***)	(***)	***
Subject Countries as a whole	***	(***)	(***)	***
	2008-09	2009-10	2010-11	POI*
Price Undercutting (%) range				
CHINA P RP	10-20	(0-10)	(0-10)	0-10
CHINESE TAIPEI	0-10	(0-10)	(0-10)	0-10
INDONESIA	10-20	(10-20)	(0-10)	0-10
JAPAN	0-10	(0-10)	(0-10)	(0-10)
MALAYSIA	-	(0-10)	(0-10)	0-10
THAILAND	0-10	(10-20)	(0-10)	0-10
USA	(30-40)	(20-30)	(10-20)	0-10
Subject Countries as a whole	0-10	(10-20)	(0-10)	0-10

^{*} POI numbers are based on month wise analysis

Pricesuppression and depression

172. The following table shows the cost of sales of the domestic industry and the selling price of the domestic industry over the injury period and the trends of both sets of figures.

Particulars		2008-09	2009-10	2010-11	POI
Cost to make and sell	Rs./MT	***	***	***	***
Index		100	91	103	126
Increase (Decrease) from base year (%)		-	(9)	3	26
Domestic Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Index		100	105	109	116
Increase (Decrease) from base year (%)		-	5	9	16

- 173. The Authority notes that while selling price of the domestic industry has increased over the injury period, it was not in proportion to the increase in the cost of sales. Further, the selling price is below the cost of sales in the period of investigation. Hence, there is price suppression occurring of domestic industry prices.
- 174. The Authority notes that in the case of PVC Suspension Resin production, the main cost driver is the price of the raw material, Vinyl Chloride Monomer ('VCM'). VCM prices have been rising in the international market, from where two of the domestic producers constituting the domestic industry procure VCM. As a result, cost of sales has increased throughout the injury period with the exception of 2008-09. From the information examined by the Authority, prices of VCM have increased over the period after declining in 2008-09.

Price Underselling

175. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. After due examination, it is it is seen that the Landed price of the subject goods into India from subject countries has been lower than the NIP determined for the domestic industry resulting in price underselling. The price underselling margin has been determined by taking NIP and landed value on a monthly basis.

Price Underselling (summary of monthwise) in POI (US\$/MT)									
	CHINA PR	CHINESE TAIPEI	INDONESIA	JAPAN					
Price Underselling	***	***	***	***					
Price Underselling (%)	***	***	***	***					
Index (percentage)	0-10	0-10	0-10	0-10					
	MALAYSIA	THAILAND	USA	•					
Price Underselling	***	***	(***)						
Price Underselling %	***	***	(***)						
Index (percentage)	0-10	0-10	(0-10)						

Economic Parameters Relating to the Domestic Industry

176. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.. The present investigation being a sunset review investigation, Rule 11, dealing with determination of injury applies *mutatis mutandis*. Further, it was examined whether expiry of existing measure is likely to lead to injury to the domestic industry. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

A. Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales

177. The following table shows the performance of the domestic industry in terms of production, capacity, capacity utilization and sales

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Capacity	MT	8,08,320	8,97,745	10,29,320	10,29,320
Production	MT	7,84,884	8,33,651	9,77,797	9,85,559
Capacity Utilization	%	97%	93%	95%	96%
Domestic Sales	MT	7,69,326	8,00,227	9,51,324	9,51,941

- 178. The domestic industry has claimed that one of its constituents made capacity expansions, which commenced commercial production in 2009-10 and became fully operational in 2010-11 and on account of this the production and sales of the domestic industry increased throughout the injury period. The domestic industry further explained that the increase in production and sales was to be considered in the context of the product involved. As the product is a petrochemical whose production is a continuous process, it is not practical for the producers to suspend production if it does not receive the right price for the product. Additionally, the fixed costs in relation to the product are too high for production and sales to be lowered.
- 179. The Authority notes that there is an increase in the volume of production as well as domestic sales during the injury period. However, the capacity utilisation of the domestic industry has decreased in the injury period as compared to the base year.
- 180. ICC Chemical Corporation has argued that the fact that Indian producers like Reliance and Chemplast are expanding and setting up plants implies that imports are not retarding the growth of the domestic industry. In this connection, the Authority notes that the domestic industry has expanded its capacity in the light of the increase in Indian demand for the product. However, it was not in a position to fully utilize its expanded capacity. The mere fact that the domestic industry has expanded its capacity does not imply that the domestic industry is not suffering injury or is not likely to suffer injury in the event of revocation of anti-dumping duty.

B. Profitability, return on investment and cash profits

181. Information on profitability, return on capital employed and cash profits of the domestic industry is provided below:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Profit/loss before tax	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	238	169	17
Profit/loss before tax	Rs./lakhs	***	***	***	***
Trend	Index	100	248	208	21
Profit/loss before interest and tax	Rs./lakhs	***	***	***	***
Trend	Index	100	210	177	28
Cash profit	Rs./lakhs	***	***	***	***
Trend	Index	100	231	196	27
ROCE	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	156	167	26

- 182. Profitability of the domestic industry has been determined by considering the cost to make & sell and the selling price. It is noted that profitability of the domestic industry has increased in 2009-10 and thereafter declined. The profitability during POI has steeply declined. Further, as a result of steep decline in profitability, the profit before interest, cash profits and return on investment in POI also steeply declined.
- 183. With respect to the claim of AIPMA that the domestic industry have wrongly claimed losses since they posted the highest sales realization during the POI, the Authority notes that it has verified the data provided by the domestic industry and finds that profits have deteriorated substantially in the POI.
- 184. FPC, USA, Tianjin Dagu and Tricon have challenged the profit/loss figures provided by the domestic industry on the basis of information they have obtained from Annual Reports, etc
- 185. It is noted that the anti-dumping investigations are product specific investigations and not company specific investigation. The Authority has examined the injury parameters after verification of the records of the domestic industry and after the examination; the injury parameters have been analyzed.

C. Market share

186. The market shares of the domestic industry and imports from subject countries are shown in the table below.

Volume of Imports	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Dumped imports from Subject Countries	MT	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
CHINA PR	MT	41,257	26,468	21,724	49,540
CHINESE TAIPEI	MT	51,048	68,196	41,360	21,217
INDONESIA	MT	3,433	3,783	609	1,253
JAPAN	MT	1,782	2,920	1,974	3,039
MALAYSIA	MT	0	1,186	1,796	2,384
THAILAND	MT	1,464	5,353	6,523	10,075
U S A	MT	18,167	71,381	90,786	89,961
Subject Countries – Trend		100	153	141	151
Other countries (EU and Mexico) - under investigation	MT	38,415	71,650	50,386	1,37,638
Trend		100	187	131	358
Other Countries and undumped imports from subject countries	MT	79,747	2,94,799	3,35,311	4,35,921
Trend		100	370	420	547
Total Imports	MT	2,35,312	5,45,736	5,50,468	7,51,027
Trend	Index	100	232	234	319
Demand	MT	12,08,513	15,30,783	17,30,485	18,80,092
Trend	Index	100	127	143	156

Imports from subject Countries	MT	1,17,151	1,79,287	1,64,771	1,77,468
Trend	Index	100	153	141	151
Share of Domestic Industry in demand	%	65	53	56	52

187. It is noted that the market share of the domestic industry has declined when compared with the base year and the imports from subject countries have increased over the period of injury. The Authority further notes that imports from subject countries have increased despite the imposition of anti-dumping duty.

D. Employment, Productivity and Wages

188. Figures regarding wages, employment and productivity of the domestic industry are shown below.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
Trend	Index	100	116	115	115
Productivity per day	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	106	125	126
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	91	108	109
Wages	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	105	144	161

189. The domestic industry has claimed that trends with respect to employment and wages are determined by a number of factors, and may not be indicative of dumping. The Authority notes that the number of employees has increased from 2008-09 to 2009-10 but marginally declined thereafter. The wages paid by the domestic industry has also increased over the injury period. Productivity per day, as well as productivity per employee, has showed an increase during the injury period.

E. Inventories:

190. The average stock or inventory levels of the domestic industry are given below.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	299	395	283

191. It is noted from the data furnished in the Table given above that the average inventory levels of the domestic industry increased till 2010-11 but declined during the period of investigation. However, the levels of inventories with the domestic industry have steeply increased over the injury period.

Factors Affecting Domestic Prices

192. Consideration of the import prices from the subject country and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price of the domestic industry, causing significant price undercutting in the Indian market. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject country and cost of raw materials.

Ability to raise capital investments

193. The domestic industry claims that, given the state of affairs of the domestic industry, substantial fresh investments cannot be imagined. It claims that despite significant demand in the Country, the Indian producers find it unviable to invest in desired capacities additions. It is noted that continued dumping of the product and financial deterioration with respect to the product are bound to adversely impact the ability of the domestic industry to raise capital investments. Though the domestic industry is multi-product companies, the adverse impact on the operating performance of the domestic industry on account of this product could affect the ability of the domestic industry to raise capital investment for the subject goods.

Growth

194. The domestic industry has recorded a positive growth in volume terms and a significantly negative growth in financial terms during the past three years. With regard to price parameters, it is noted that the growth in profits, return on investment and cash profits has been negative on year on year basis.

		2008-09	2009-10	2010-11	POI
Growth in					
Production	%	-	6.21	17.29	0.79

Domestic Sales	%	-	4.02	18.88	0.06
Profit	%	-	***	(***)	(***)
Cash Profit	%	-	***	(***)	(***)
ROCE	%	-	***	***	(***)

Magnitude and Margin of Dumping

195. It is noted that the imports coming into India from the subject countries are above the de minimis level of dumping margin. The dumping margin determined from the subject countries are considered significant.

Determination of Injury margin

196. The following is the determination of injury margin in respect of cooperating as well as non cooperating producers and exporters from subject countries. In line with the determination of dumping margins, the injury margin has also been determined for the related companies together taking them as one entity. In addition, the injury margin has also been determined together for a producer exporting the subject goods through various channels (through different exporters) The injury margin determined are as under:-

Country	Producer	Exporter	IM	IM%	Group IM	Group IM%	IM% range
	CGPC Polymer Corporation	CGPC Polymer Corporation	(***)	(***)			
	China General Plastics Corporation	China General Plastics Corporation	***	***			
	China General Plastics Corporation	Tricon Overseas Inc. USA and Tricon Energy UK LTD	***	***	***	***	0-10
Taiwan	China General Plastics Corporation	***	***				
	Formosa Plastics Corporation	Tricon Energy UK LTD	***	***	***	***	0-10
	Formosa Plastics Corporation	Formosa Plastics Corporation	***	***			
	Ocean Plastics Co Ltd.	Ocean Plastics Co Ltd.	***	***			0-10
	Other t	han above	***	***			0-10
	Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd.	Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd.	***	***	***	***	10-20
	Qingdao Haijing Chemical (Group) Co Limited	Tricon Energy UK Ltd., UK	***	***			10-20
China PR	Yibin Tianyuan Group Co Limited	Yibin Tianyuan Group Co Limited	***	***			10-20
Cinila I K	Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co Ltd.	Xinjiang Tianye Foreign Trade Co.,Ltd	***	***			0-10
	Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.	Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.	***	***			10-20
	Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.	Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.	***	***			10-20

	Shandong Ocean Chemical Chlor – Alkali Resin Co.,Ltd	Shandong Ocean Chemical Imp & Exp Co., Ltd.	***	***		10-20
	Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd	Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd	***	***		10-20
	Tangshan SanyouChlor-Alkali Co., Ltd.	Tangshan SanyouInternational Industry Co., Ltd. <mark>.</mark>	***	***		10-20
	Chiping Xinfa PVC Co., Ltd.	Ningbo Grand international Trading Company Limited.	***	***		10-20
	Others	Others	***	***		10-20
	Formosa Plastics Corporation	Tricon Dry Chemicals LLC	***	***		0-10
USA	Westlake Vinyl Corporation or Westlake Vinyls Company LP	Westlake Vinyls Company LP	***	***		10-20
	Others	Others	***	***		10-20
Indonesia	All producers	All Exporters	***	***		0-10
Thailand	All producers	All Exporters	***	***		0-10
Malaysia	All producers	All Exporters	***	***		0-10
Japan	All producers	All Exporters	***	***		0-10

Conclusion on continuation of injury

197. It is observed that -

- i. The dumped imports of the subject goods from subject countries have increased significantly during the injury period in spite of the anti dumping duties in force.
- ii. The dumped imports have increased throughout the injury period and market share of the domestic industry has declined.
- iii. The performance of the Domestic Industry improved in terms of production and sales. However the performance of the domestic industry has significantly deteriorated in terms of profits, cash profits and return on investment, during the POI.
- iv. The imports have been significantly undercutting the prices of the domestic industry. Besides, these imports were at prices below the NIP determined for the domestic industry.

Likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury

Views of the domestic industry

198. Domestic industry inter alia submitted as follows:

- a. Exports of product under consideration from subject country to third countries are at dumped prices.
- b. A number of third countries have imposed anti-dumping duties on producers and exporters from the subject countries. This is often for long periods of time showing that these exporters have the tendency to continue dumping despite the existence of duties in force.
- c. The volume of exports reported in the previous cases as well as in the current period would show that the volume of imports in case of subject countries have significantly increased despite imposition of anti-dumping duty.
- d. As per data obtained from CMAI, producers in subject countries maintain huge capacities to produce subject goods, and freely disposable capacities are estimated to be significant as compared to Indian demand..
- e. In the event of revocation of duty, subject imports would further undercut the prices of the domestic industry. The prices at which subject goods are being imported from subject countries are substantially lower than the price at which the goods are being sold by the domestic industry, making the Indian market extremely price attractive. In the event of revocation of duty, producers/exporters in the subject countries would channelize output to the Indian market.
- f. The June 2011 Harriman Chemsult commentary on the Asian PVC market stated that Japanese output had recovered and this was having a ripple effect on the market with Chinese and US exporters looking to place orders in other markets. It added that there was a downward price trend due, in part, to mounting competition from US material.
- g. An article in ICIS dated 20th June, 2011 stated that the US PVC exports increased from 650,000 tonnes in 2005 to 2.7 million tonnes in 2010. US PVC exports are forecast to rise to 40% of total US production this year compared with 32.5% last year, 20% in 2009 and 10.5% in 2007.

- h. An article in Simuch.com dated 9th April 2011 stated that there is low domestic demand and excess capacity of PVC in USA. The reason that North America has so much excess capacity is the collapse of the U.S. housing market. This is significant for the PVC market, as around 60 percent of demand comes from construction.
- i. The CMAI report of 2012 stated that China will have capacity of close to 25 million metric tons by the middle of the decade, and account for about 45 percent of the global PVC capacity.
- j. The virtual explosion of Chinese capacity that doubled over the past five years and is forecast to increase by another 20 percent until 2016 has enabled China to become self-sufficient. As PVC supplies begin to exceed domestic consumption requirements, China will become a net exporter with shipments projected to go mainly to India and other countries within the Asian, African and the Middle Eastern regions. Current exporters into the Chinese market, including mainly producers in Japan, South Korea and Taiwan, by then will have to find other export destinations. Slow growth will limit the capacity of their respective domestic markets to absorb the additional supplies.
- The subject countries hold significant market share which has increased over the injury period.
- 1. Capacities in the subject countries are far more than the domestic demand in these countries.
- m. Capacities in subject countries, domestic demand and their current exports show that the producers in subject countries are having significant export orientation.
- n. Following the imposition of anti-dumping duties, the volume of imports from Indonesia, Japan, Malaysia and Thailand became less significant. The changed behaviour of the exporters is clearly the result of the imposition of duty and in the event of revocation of duty, they will export the subject goods at dumped prices.
- o. The continued presence of dumped imports has prevented the domestic industry from recovering from past effects of dumping. In the event of cessation of current anti-dumping duty, the domestic industry will have to either decrease the selling price further or maintain the current selling price. In either case, it will suffer material injury. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry chooses to sell at import prices, the Domestic Industry would suffer further financial losses. The return on investment and cash profit would also be significantly negative. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry chooses to maintain the selling price at the same level, the imports volume will increase, thereby causing changes in market share, sales and production volume.
- p. With respect to the argument that the petitioners have failed to show that the disposable capacities are likely to be utilized for exports to India, the demand in subject countries like USA is reducing whereas Indian domestic demand is on the increase.
- q. It has been alleged that the source of the data regarding disposable capacity has not been provided by the petitioners. The petitioners have relied on information in the public domain to calculate disposable capacities in the subject countries. It is based on CMAI and the source of information was provided in the petition filed.
- r. It has been argued that the likelihood of dumping and injury due to subject countries holding a substantial market share is not true since the market share of the subject countries is on a decline since 2009-10. The market share of the subject countries has increased considerably (10%) from the base year and the decrease since 2009-10 is due to the increase in market share of other sources resorting to dumping in the country and the enhancement of capacities by the domestic industry.
- s. The volumes exported by the producers/exporters from the subject countries, along with their production capacity and demand in their home markets show export orientation.
- t. As regards the argument that there is no likelihood of dumping by Hanwha since no duty was imposed in the original investigation on Hanwha, and now its exports constitute only 2% of Indian demand, the fact that it constitutes 2% of the volume of Indian demand is not as relevant as the prices at which its imports are entering the country.
- u. It has been argued that there is no surplus capacity in the subject countries. The rules require authority to consider "freely disposable production capacities" and not "surplus capacities". Thus, even it is assumed that foreign producers are not having surplus capacities, the foreign producers are clearly having freely disposable production capacities. The exporters have not established availability of other export markets to absorb additional exports. The volumes exported by the producers/exporters in the subject countries have been excluded by the domestic industry when calculating surplus capacity since these can potentially be diverted to India in the event of revocation of duties. In the event of revocation, there will surely be in increase in the volume of the product exported to India as the domestic industry will be completely unprotected from the dumped prices of the foreign exporters.
- v. The prices at which subject goods are being imported from subject countries are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market, making the Indian market extremely price attractive.
- w. The subject countries hold significant market share which has increased over the injury period.
- x. The continued presence of dumped imports has prevented the domestic industry from recovering from past effects of dumping. In the event of cessation of current anti-dumping duty, the domestic industry will have to either decrease the selling price further or maintain the current selling price. In either case, it will suffer material injury. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry chooses to sell at import prices, the Domestic Industry would suffer further financial losses. The return on investment and cash profit would also be significantly negative. In the event of cessation of current anti-dumping duty and if Domestic Industry chooses to maintain the selling price at the same level, the imports volume will increase, thereby causing deterioration in market share, sales and production volume.
- y. There is no need to consider post POI data in the present case. In fact, any such application would tantamount to enhancing the POI in all the cases. In the present case, the post POI data is not even relevant for the reason that the present case is a case of continued injury suffered by the domestic industry as a result of continued dumping.
- z. One of the parties relied on the investigation concerning imports of Aniline from USA and Japan to state that presence of excess capacities in subject countries does not indicate likelihood of injury. In Aniline from USA and Japan sunset review, imports from USA were found to be entering at prices 'significantly above' the domestic industry NSR and NIP. The Designated Authority found that the price undercutting was negative. Further, the Designated Authority found that there was no price suppression/ depression in the POI. The injury margin was found as negative. Further, the Designated Authority concluded that the domestic industry had not suffered any injury from the imports from the subject countries. Facts of the present case are totally different.

- aa. It has been argued that the petitioners' claims that the Indian market is price attractive and at the same time that there is undercutting is contradictory to the economic tenet producer's equilibrium. The Indian market is attractive since the domestic industry's price is higher than that at which the foreign exporters are selling their product in the Indian market. This implies that the foreign producers find Indian prices lucrative. There is no contradiction.
- bb. One of the interested parties claimed that the price sensitivity of the Indian market implied that it is the nature of the product and the market that is causing the injury and not the imports. The petitioners' contended that the product is price sensitive in the sense that consumers will purchase from those sellers selling at a lower price. The product is the same. Hence, when major exporters quote lower prices, the domestic industry is forced to match these prices so as to sell their product.
- cc. CCAIA relied on the CESTAT case, BASF SOUTH EAST ASIA PTE. LTD vs. Designated Authority, to assert that the Designated Authority cannot include the non-dumped imports into the total volume of imports from the subject countries for assessing injury. CCAIA is misleading the Authority in its interpretation since in that case, the Designated Authority found in the sunset review investigation that the imports from the appellant exporters from Singapore had a negative dumping margin. Further, no price depression was found. Other injury parameters were determined to show no injury to the domestic industry. The likelihood analysis was also found to be 'sketchy'. Clearly, the ratio of this case is inapplicable in the present case where the Designated Authority has not established the dumping margin of the producers/ exporters from Korea RP and Taiwan, or any of the other subject countries is de-minimis.
- dd. The argument of ICC that there is no likelihood of injury since the prices of the subject imports are much higher than the prices of the domestic producers is factually incorrect. The imports from subject imports are undercutting the domestic price.

Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties

- 199. The other interested parties have raised following issues with regard to likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- a. There is no likelihood of dumping or injury since there exists no adverse volume effect to the domestic industry from subject countries imports.
- b. Post POI data has not been sought by the Designated Authority from the exporters or the domestic industry.
- c. The Designated Authority has held in the past that mere existence of excess capacity in an exporting country is insufficient to conclude likelihood of recurrence of injury.
- d. The Petitioners' calculation of the disposable capacities is itself questionable due to the fact that the source of calculation and total demand is undisclosed.
- e. The likelihood of dumping and injury due to subject countries holding a substantial market share is not true since the market share of the subject countries is on a decline since 2009-10.
- f. As US producers have many export markets, it does not make sense for them to sell at the low prices claimed by the petitioner.
- g. No duty was imposed in the original investigation and now Hanwha's exports constitute only 2% of Indian demand. This shows there is no likelihood of dumping from Hanwha in the event of no duty.
- h. There are no surplus capacities in the exporting countries. These countries are operating at more than 90% capacity utilization. The domestic industry has deliberately excluded export volumes by subject countries while computing the freely disposable capacity.

Examination of Authority

- 200. As regards the argument of domestic industry regarding post POI data, it is noted that the Authority has asked the exporters for post POI information in the form and manner of part II of the exporter's questionnaire and interested parties have also submitted their response to these questionnaire. Further the information pertaining to Post POI period was also asked from the domestic industry. The Authority holds that wherever there is continuation of dumping of subject goods from subject countries and the domestic industry continues to suffer injury because of continued dumped imports from subject countries, further examination of recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of anti-dumping duties is not warranted.
- 201. With regard to cooperating producers and exporters, it was considered that the post investigation period data on injury to the domestic industry is based on likelihood of recurrence of injury. If the domestic industry has suffered injury during the present investigation period, the same itself is sufficient evidence to conclude on likelihood of injury. With regard to the negative injury margin determined for the USA during the POI, it was examined further whether there would be likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. In this regard, the post POI data in respect of USA was analysed and it was found that the dumping margin as well as the injury margin was positive during the post POI.
- 202. The present investigation being a Sunset Review, the question of likelihood of dumping and injury to the domestic industry has been examined by the Authority in terms of Section 9 ((A) (5) of the Customs Tariff Act, which states as under:-

(5)The Anti dumping duty imposed under this section shall, unless revoked either, case to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition;

Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension;

Provided further that where a review initiated before the expiry of the aforesaid period of five years has not come to a conclusion before such expiry, the Anti dumping duty may continue to remain in force pending the outcome of such a review for a further period not exceeding one year.

- 203. In terms of relevant provisions, the following aspects need to be examined in a Sunset review investigation:
 - a. Whether the dumping or/and injury is continuing; and if so, whether it is likely to continue in the event of cessation of the anti-dumping duties;
 - b. In case where dumping or/and injury did not continue, whether the dumping would recur in the event of cessation of the anti dumping duties;
- 204. The AD Rules do not prescribe any specific methodology for examination of the likelihood of dumping or injury in a Sunset review investigation. The Authority holds that in case there is a significantly positive dumping margin in respect of exports of the subject goods during the POI and consequent injury to the domestic industry; then it is likely that dumping and injury would continue in case of cessation of if the anti-dumping duty in force is allowed to expire.
- 205. The Authority has examined the information regarding the likelihood of continuation of dumping and injury from the producers and exporters from subject countries. The Authority has taken note of the issues raised by the domestic industry and other interested parties in this regard, and dealt with them under the appropriate heading.

Parameters Indicating Likelihood of Dumping and injury

- 206. It is noted that a number of third countries have carried out anti-dumping investigations and imposed anti-dumping duties on producers and exporters of the subject countries. In some cases, imposition of duty has been extended through multiple sunset reviews.
- 207. In the instant matter, the subject goods have been imported from the subject countries during the period of investigation in significant volumes. In fact, the volumes of the subject goods from the subject countries have been increasing over the injury period. It is noted that these goods have been exported at dumped prices and are significantly undercutting the prices of the domestic industry. In case, the anti-dumping duties are allowed to expire, the volume of the subject goods at dumped prices is likely to increase. This view is further buttressed, considering the unutilized capacities to produce the subject goods in subject countries as provided by domestic industry on the basis of CMAI report and the anti-dumping measures imposed by other countries against subject countries.
- 208. The domestic industry has claimed that the reduced volume of imports from Indonesia, Japan, Malaysia and Thailand are a result of the current duties in force. The Authority notes that the quantum of duties imposed on these subject countries was significant.
- 209. In addition to the examination of present injury, likelihood of continuance or recurrence of injury to the domestic industry has also been examined by the Authority on the basis of information and evidence presented by domestic industry during the course of the investigations. The domestic industry has claimed that the requirement under sunset review is to examine whether expiry of anti dumping duty is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry. Other interested parties have also raised issues in this regard. Therefore, all such factors brought to the notice of the Authority have been examined to ascertain if there is a likelihood of continuation or recurrence of injury in the event of expiry of the duty.
- 210. The Authority notes that, at present, injury in the form of volume and price effect of import of dumped subject goods from subject countries has caused deterioration in operating performance of domestic industry. As the domestic injury is currently suffering material injury, it is to be examined whether in the event of revocation of the existing anti-dumping duty, injury will continue. In this respect, the following factors are relevant and have been discussed keeping in mind issues raised by both the domestic industry and other interested parties.
- 211. The Authority notes that the prices at which the subject goods were entering the country from the subject countries during the period of investigation are lower than the net sales realization of the domestic industry, making the Indian market an attractive destination for exports.
- 212. The domestic industry has raised the issue that the market share of the subject countries' imports has increased over the period. The Authority notes that dumped imports from subject countries have a considerable market share despite the existence of anti-dumping duties and that this market share has increased in the period of investigation when compared with the base year. If the current duty is revoked, this market share can only be expected to increase.
- 213. The current injury to the domestic industry indicates that it still suffers from the effects of dumping despite imposition of anti-dumping duties. The Authority holds that where there is current injury to the domestic injury, examination of post-POI data by the Authority is not required to determine whether there is likely hood of dumping and injury in case the duty is allowed to expire.
- 214. AIPMA has raised the argument that there aren't surplus capacities in the exporting countries. It has alleged that they are operating at 90% capacity, and that the domestic industry has deliberately excluded export volumes from the subject countries to other countries while computing freely disposable capacity. The Authority notes that even if it was to be expected that the producers in the subject countries exported such a large volume to third countries, nothing prevents them to divert their exports to India once anti-dumping duty is revoked.

Causal Link

215. The Authority notes that under Section 9A(5), the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties irrespective of whether there have been any imports of the product under consideration during the review investigation period or not. Notwithstanding this, it was examined whether other parameters listed under the AD Rules have caused injury to the Domestic Industry.

Imports from Third Countries

216. The Authority has collected the transaction-wise imports data of the subject goods. From the information available on record, the Authority notes that imports from the countries other than subject countries are either at higher prices or

subject to anti-dumping duty investigation or at un-dumped prices. As regards the argument of the opposing interested parties that dumping from other countries breaks the causal link, the authority notes that the current investigation being a sunset review investigation, new countries cannot be added to the scope of the present investigation and in any case such imports are being investigated separately.

Contraction in Demand

217. The Authority notes that the demand for the product under consideration has shown significant improvement during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

Trade-restrictive Practices

218. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. The subject goods produced by the domestic producer compete among one another and at the same time compete with the landed price of the subject goods.

Developments in Technology

219. It is noted that the technology for production of the subject goods has neither undergone any material change nor is likely to change in future. Developments in technology, therefore, do not appear to be a possible factor of injury.

Export Performance

220. The domestic industry has exported the product under consideration during the relevant period. However, the Authority has considered the performance of the domestic industry with respect to its domestic operations. Hence, the export performance of the domestic industry cannot be the cause of the injury to the domestic industry.

Factors Establishing Causal Link

- 221. The other interested parties have argued that there is no causal link since there is no correlation between import volumes and the profit/loss, ROI, selling price of the domestic industry. It has also been argued that whenever the import price increased in the POI, the domestic price decreased. As per the consistent practice followed by the Authority, the Authority has compared the landed price of the imports with the net selling price of the domestic industry and the comparison of landed price of imports and the selling price of the domestic industry shows that the landed price of imports was lower than the selling price of the domestic industry. On the basis of the analysis, it is noted that that the imports are (1) undercutting the prices of the domestic industry and (2) imports are suppressing the prices of the domestic industry and preventing them to increase its prices to even at the level of increase in the cost.
- 222. It has been argued that rising crude prices due to shutdown of a supplier in Japan have led to losses and imports are not responsible. It is noted that these events have led to an increase in world VCM prices and this increase should have reflected in the price of the subject goods. The Authority notes that despite increase in raw material prices, the sales realization of the domestic industry could not increase due to presence of dumped imports.
- 223. It has been argued by ICC Chemical Corporation that during the period of investigation, the costs incurred by the domestic industry on the procurement of fuel, labour, electricity has increased manifold and the same has contributed to the injury. The Authority notes that the major driver of costs in the manufacture of PVC Suspension is the cost of VCM. The international prices of VCM have increased and therefore this cannot be attributed to the inefficiency of the domestic industry.

Conclusion on Injury and causation

- 224. The Authority notes that the domestic industry has suffered material injury as a result of dumping from the subject countries with the exception of Korea RP. There has been an increase in the volume of dumped imports from subject countries throughout the injury period in absolute terms and in relation to consumption in India. The dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also determined that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression. Further, the dumping margins for the subject countries have been determined and are considered significant.
- 225. It is noted that dumped imports of subject goods from subject countries have adversely impacted profitability, cash profits and return on investments. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury as a result of dumped imports from the subject countries.
- 226. The Authority, therefore, holds that material injury to the domestic industry continues to be caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.

A. Indian Industry's Interest & Other Issues

- 227. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- 228. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

B. Conclusions and Recommendations

- 229. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes:
 - (a) The product under consideration continues to be imported at the dumped prices from the subject countries except Korea RP
 - (b) The domestic industry continues to suffer material injury on account of dumped imports.
 - (c) The material injury to the domestic industry on account of dumping of subject goods is likely to continue if the anti-dumping duties from subject countries except Korea RP are revoked.
- 230. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-dumping Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports of product under consideration has been compared with the non-injurious price of the domestic like product produced by domestic industry determined for the period of investigation.
- 231. Accordingly, anti-dumping duty equal to amount indicated in the column 8 of the table below, is recommended to be imposed by the Central government on all the imports of subject goods originating in or exported from subject countries except Korea RP.

Duty Table

S.N.	Sub heading or Tariff Item	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Curr- ency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	3904	Homopoly- mer of vinyl chloride monomer (suspension- grade **	Taiwan	Taiwan	CGPC Polymer Corporation	CGPC Polymer Corporation	33.62	US\$	MT
2	3904	Do	Taiwan	Taiwan	China General Plastics Corporation	China General Plastics Corporation	33.62	US\$	MT
3	3904	Do	Taiwan	Europe an Union	China General Plastics Corporation	Tricon Overseas Inc. and Tricon Energy UK Ltd.	33.62	US\$	MT
4	3904	Do	Taiwan	USA	China General Plastics Corporation	Tricon Overseas Inc.	33.62	US\$	МТ
5	3904	Do	Taiwan	Europe an Union	Formosa Plastics Corporation	Tricon Energy UK Ltd.	Nil	US\$	MT
6	3904	Do	Taiwan	Taiwan	Formosa Plastics Corporation	Formosa Plastics Corporation	Nil	US\$	MT

7	3904	Do	Taiwan	Taiwan	Ocean Plastics Co., Ltd.	Ocean Plastics Co., Ltd.	9.47	US\$	MT
8	3904	Do	Taiwan	Taiwan		ation other than	61.25	US\$	MT
9	3904	Do	Taiwan	Any country except Taiwan	Any	Any	61.25	US\$	MT
10	3904	Do	Any other than subject countries	Taiwan	Any	Any	61.25	US\$	MT
11	3904	Do	China PR	China PR	Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., Ltd.	Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., Ltd.	139.64	US\$	MT
12	3904	Do	China PR	European Union	Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., Ltd.	Tricon Energy UK Ltd.	139.64	US\$	MT
13	3904	Do	China PR	China PR	Yibin Tianyuan Group Co. Limited	Yibin Tianyuan Group Co. Limited	139.52	US\$	MT
14	3904	Do	China PR	China PR	Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co., Ltd.	Xinjiang Tianye Foreign Trade Co.,Ltd	91.27	US\$	MT
15	3904	Do	China PR	China PR	Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.	Tianjin LG Dagu Chemical Co., Ltd.	123.27	US\$	MT
16	3904	Do	China PR	China PR	Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.	Tianjin Dagu Chemical Co., Ltd.	123.27	US\$	MT
17	3904	Do	China PR	China PR	Shandong Ocean Chemical Chlor – Alkali Resin Co.,Ltd	Shandong Ocean Chemical Imp & Exp Co., Ltd.	123.27	US\$	MT
18	3904	Do	China PR	China PR	Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd	Xinjiang Zhongtai Chemical Co., Ltd	123.27	US\$	MT
19	3904	Do	China PR	China PR	Tangshan SanyouChlor- Alkali Co., Ltd.	Tangshan Sanyou International Industry Co., Ltd	123.27	US\$	MT
20	3904	Do	China PR	China PR	Chiping Xinfa PVC Co., Ltd.	Ningbo Grand International Trading Company	123.27	US\$	МТ

			1			Limited.			
21	3904	Do	China PR	China PR		ion other than	147.96	US\$	MT
22	3904	Do	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	147.96	US\$	MT
23	3904	Do	Any country other than Subject countries	China PR	Any	Any	147.96	US\$	MT
24	3904	Do	USA	USA	Formosa Plastics Corporation	Tricon Dry Chemicals LLC	31.22	US\$	MT
25	3904	Do	USA	USA	Westlake Vinyl Corporation or Westlake Vinyls Company LP	Westlake Vinyls Company LP	29.99	US\$	MT
26	3904	Do	USA	USA	Any combinat abo	ion other than	115.54	US\$	MT
27	3904	Do	USA	Any country other than USA	Any	Any	115.54	US\$	MT
28	3904	Do	Any country other than Subject countries	USA	Any	Any	115.54	US\$	MT
29	3904	Do	Indonesia	Indonesia	Any	Any	70.58	US\$	MT
30	3904	Do	Indonesia	Any other than Indonesia	Any	Any	70.58	US\$	MT
31	3904	Do	Any country other than subject countries	Indonesia	Any	Any	70.58	US\$	MT
32	3904	Do	Thailand	Thailand	Any	Any	48.21	US\$	MT
33	3904	Do	Thailand	Any other than Thailand	Any	Any	48.21	US\$	MT
34	3904	Do	Any country other than subject countries	Thailand	Any	Any	48.21	US\$	MT
35	3904	Do	Malaysia	Malaysia	Any	Any	42.92	US\$	MT
36	3904	Do	Malaysia	Any other than Malaysia	Any	Any	42.92	US\$	MT
37	3904	Do	Any country other than	Malaysia	Any	Any	42.92	US\$	MT

			subject countries						
38	3904	Do	Japan	Japan	Any	Any	14.95	US\$	MT
39	3904	Do	Japan	Any other than Japan	Any	Any	14.95	US\$	MT
40	3904	Do	Any country other than subject countries	Japan	Any	Any	14.95	US\$	MT

^{**} The product under consideration is homopolymer of vinyl chloride monomer (suspension grade) where various polymer chains are not linked to each other. It, however, excludes the specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride – vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin.

J S DEEPAK, Designated Authority

^{232.} An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs Excise and Service Tax Appellate tribunal, in accordance with the Act.